



वीर सेवा मन्दिर  
दिल्ली

★

क्रम संख्या १२५४  
काल नं० ०३०.२ म०१५१  
खण्ड



जयराज १८६

❀ श्रीवाग्वादिन्यायनमः ❀

## ॥ भूमिका ॥

बचने बचंगिरा औ शारदा इंसयानी । लपित युत इला औ भापित ब्रह्म  
रुद्र ॥ सुखद वरद आस्त्री उक्त व्याहारदानी । जयति सरस्वतीगी भारती वा-  
चस्पथानी ॥ १ ॥ गल जलज सुमाला भान्जमा विन्दु सोहै । कमल दृग विशा-  
ली वक्र राकेश मोहै ॥ कनक सम शरीरं पुस्तकं बीण पानी । जयति० २ ॥  
अति अगम अपारं सिन्धु नौका पुरानी ॥ निशिदिन मन चिन्ता सो हरौ  
दीन जानी । जननि तुव भरोसे ग्रन्थ भाषा बखानी ॥ जयति० ३ ॥

दोहा ॥ कदन अनेकन विघन के, एक रदन गणराउ ।

वन्दनयुत वंदन करो, पुष्कर पुष्कर पाउ ॥

कवित्त ॥ मूष मृगेश बली वृषवाहन किंकर कीन्हो करोरि तैंतीस को ।  
हाथन में फरसा करवाल त्रिशूलधरे खलखोड़बो खीस को ॥  
जक्तगुरु जगकी जननी जगदीश भरे सुखदेत अशीश को ।  
दासमणामकरै करजोरि गणाधिपको गिरिजा को गिरीशको ॥

सहस्रासहस्र धन्यवाद उस ईश्वर परब्रह्म परमात्मा का है जिसने इसमा-  
याजाल सृष्टि को फैलाकर दाना रूपों से सुशोभित किया है यदि यह स-  
म्पूर्ण रूप पशु पक्षी स्थावर जंगम आदि न होते तो-यह कैसा भयानक  
ज्ञानपद्धता उसवरुणानिधान सर्वशक्तिमान्ने दशइन्द्रिय चेतना शक्तिधारक  
मनुष्यको उनको उचित रीति से प्रवर्तन करणार्थ उपजायाहै यदि देखिये तो  
मानापकार के बाइनादि गुण और शिल्पकारी आदि मनुष्योंकेही निमित्त हैं  
बिचारे पशु पक्षी उनसे क्या लाभ पातेहैं जिनके अस्थिचर्म आदिभी मनुष्यों  
के काम आजाते हैं, परन्तु सब जीवोंमें मनुष्य ज्ञानवानहैं तौभी प्रमादके वशी  
भूतहो क्रोध लोभ मायामोह अहंकार आदि पांचो ठगोंसे ठगाये जाते हैं और  
उनको कुछभी ध्यान नहीं आता कि हम कौनहैं कहाँसे आये और कहाँ जाना  
है, इसस्रणभंगुर संसार में अजर अमरकी भाँति बिचरते हैं, बड़े पश्चात्ताप  
कीभाव है कि यह लेशमात्र भी संसारी दशाकी ओर दृष्टिकर करुणाकरको

स्मरण नहीं करते और न उसके नित्यप्रति रूपबदलने पर ध्यानकर अपने परिणामोंको शुद्ध करतेहैं काम क्रोधादिके बशीभूत हो विषय भोगादिके रूप ही हुयेजाते हैं, इसमहा प्रमाद से निर्मुक्त कर सुभार्ग लखाने वाला कौन है ? वही मातृ विद्या जो आजकल समयके प्रफेर में आकर क्षीण होती जाती है जिस समय इसविद्या का प्रचारथा कैसे? नामी कवि हुये कि जिनके अनेक संस्कृत ग्रंथ विद्यमान हैं जब संस्कृत का बलक्षीण हुआ और देशान्तरीय विद्याका प्रचार हुआ तब कवियों ने भाषा काव्य करना आरम्भकर दिया अब वह समयभी स्वप्नहोगया अब तो कोई इसकी ओर दृष्टिही नहीं करते और जो करतेभी हैं वह चार अक्षर पढ़कर पण्डित बनजाते हैं तो बताइये उनको शब्दार्थ शक्ति कहाँसे आवै और वह श्लोक और छन्दों से कैसेशब्द निकालकर अर्थ जानसकें ऐसीदशमें उजतिहो कि अवनति फिर देखिये कि अन्ध देशान्तरीय विद्या के अधिक प्रचार होनेके कारण और मातृ विद्या अप्रचारके कारण विचार ग्रंथकार अपने श्रमको सफल नहीं करपाते और जान मालके पश्चात्ताप में सूखकर ठठरी होजातेहैं—हम पहिले कहचुकेहैं कि मातृ विद्या नित्यप्रति क्षीणहोती जातीहै इसलिये जो संस्कृत और काव्यमें कोषादि विद्यमान हैं वह इससमय की आवश्यकता दो कारणों से पूरीनहीं करसके प्रथम जो बड़े २ ग्रंथहैं उनकी तरफ कोई ध्यानही नहीं करते और दूसरे जो छोटे २ ग्रंथहैं उनमें किसीमें १०० नामकी नामावलीहै और किसीमें १५० की, जिसने अपना वर्षों समय व्यतीत कर रटरटाकर कण्ठाग्र भी करलिया वह वर्तितकरहा न १०० से १०१ और १५० से न १५१ जानसका तीसरे बड़े ग्रंथ बहुमूल्य ऐसे हैं कि हरएक का उनके खरीदने का साहसही नहीं होता, इसमहा विपत्तिके दूरकरने का उपाय मैं सोचता रहा और इस सोच विचार में पढ़कर निश्चय किया कि एकऐसा कोष तैयार करना चाहिये कि जिनमे हमारे भ्रातृगण जो वर्षों समयव्यतीत कर जिस तात्पर्य को नहीं पातेहैं उसको मिनट अर्थात् निमिषमात्र में पाजावें और पुस्तक लेनेमें भी उनको रुपयों की जगह आनेभी न लगाना पड़े बस एकशब्दकोष भगवान्शब्द सागर और दूसरा नाम कोष भगवान्नाम सागर के रचने का उद्यम किया और अनेक ग्रंथ एकत्र कर उनके शब्द और नामावली इनकोषों में संग्रह किया इस भगवान्नाम सागर में शब्दों की नामावली सम्पूर्ण अकारादि क्रमसे और सम्पूर्णशब्द अकारादि क्रमसे श्रेणी बद्धहैं और इसके अतिरिक्त सगलसे सरल शब्दनामावली के आदि में दियागया है जिसमें बालकोंकी

पढ़ने में और समझनेमें कुछभी कठिनाता न हो जैसे हाथी घोड़ा ऊंट आदि नामोंकी नामावली में यहीशब्द पहिले लायेगये हैं और तीन २ नाम तकके नाम इसमें संग्रहीत हैं इसपर भी एक सूचीपत्र अकारादि क्रम से सम्पूर्ण उनशब्दों का दियाहुआ है जिनकी नामावली इसकोषमें है जिसकारण यह नामसागर अमर और नाममालाकाही नहीं बल्कि वर्तमानसमय के सम्बन्धों से बढ़कर उपकारी गुणकारी और लाभदायक है द्वितीय शब्दों के अन्त में शब्दसे शब्द और नामसे नाम बनाने की रीति है और उदाहरण के नाम आदि भी अकारादिही क्रममें हैं जैसे सांपसे हवा और हवा नामों से महा-वीर, जलसे कमल कमल से ब्रह्मा आदिके नामहैं हमारे कहने और बताने की कोई आवश्यकता नहीं है विद्यार्थी और मातृ भाषाके प्रेमी जब इसको ग्रहण करेंगे तभी सम्पूर्ण गुण प्रकट होजायेंगे हमको भली भांति आशा है कि हमारी यह पुस्तक कवियोंको भी उपयोगी होगी इसके आधारसे पर्याय शब्द दूँदने के हित अधिक परिश्रम न करना पड़ेगा ॥

## ॥ ग्रंथकार का देश ग्रामादि वर्णन ॥

यह तुच्छ बुद्धी ग्रंथकार कसबे महमूदाबाद में रहता है जो निज प्रदेश सीतापूर की पूर्व दिशा २० कोस पर और अवध राजधानी लखनऊ की उत्तर दिशा १६ कोसपर स्थित है इस कसबे में खानजादे राजाओं की राज्य सदैव से चलीआती है वर्तमानकालमें श्रीमान् औरंगज़ेब राजा अमीरुद्दौला खान के.सी.यस.आई. पदस्थ हैं जिनकी न्यायशीलता और प्रजा पालनका देश देशांतर में विख्यात है इन कसबेकी चारोंसीमायें वन उपवन सरोवर और देवालियों से सुशोभित हैं जिनमें श्रमित पथिकों को स्वर्ग के सुख प्राप्त होते हैं और नानाभांति के पत्नी हर्षित क्रीड़ा किया करते हैं राजमहल ग्रामकेमध्य एक सरोवरपर स्थित है जिसका द्वार हयगजादि राज चिह्नों से भूषित है इसीग्राम में श्रीअग्रवाल कुलभूषण जैनवंशावतंस श्रीमान् लालारत्नलाल महाजन रहतेरहे जो सदैव अपने धर्म कर्ममें सावधान ईश्वर भक्तिमें लीन थे इनके जेठेभाई का नाम शिवचरणलाल था जो अपने गुण कीर्ति से आजलौं प्रसिद्ध हैं भाग्यवश लाला शिवचरणलालजी के कोई सन्तान जीवित न रही और लाला रत्नलाल जी के लालाकन्हैयालाल हुये इनके दो पुत्र एक नेमदास और दूसरा में भगवान्दास जैन हुआ नेमदासजीके कोईपुत्र न हुआ मेरे एक पुत्र जिसका नाम बासुदेवहुमार जैन है ॥

## ॥ धन्यवाद ॥

मैं श्री युत. पण्डित बद्रीनारायण मिश्र वर्तमान डिप्टी इन्स्पेक्टर स्कूल जिला बांदा का यथोचित धन्यवाद करता हूँ इन महाशयोंने मेरी इसग्रंथ के रचने में अतिही सहायता किया और सर्वभांति वृष्ट सहकर मेरे ग्रंथको शोधकर छपाने को उत्साहित किया ॥

✽ चिह्न ✽

औ०=औपधि, ना०=नामानि, पा०=पात्रा, वृ०=वृत्त, नु०=नुक्ता, फ०=वृत्तत्राफल  
सजग ! सचेत !! सावधान !!!

१—प्रिय भ्रातृगण इसपुस्तक भगवान्नाम सागर कोप के सर्व प्रकार के अधिकारों [ हकों ] को मैंने अपनेही आधीन रक्खा है ॥

२—इसकी रजिस्ट्री सरकारी नियमानुसार बमूजिष, ऐक्ट २५ सन् १८६७ ईसवी के कराली है ॥

३—मैंने आपहीं इसको ऐसे अल्पदामों में अर्थात् केवल ॥॥ में देनेका साहस किया है कि जिसमें छोटे बड़े सभी मातृ भापाके प्रेमी तथा विद्यार्थी इससे लाभ उठावें ॥

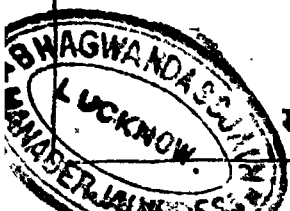
४—व्यौपारी तथा थोकके खरीदारों को कमीशन मिलती है अतः अब आप महाशयों से निवेदन है कि आप इतनेही में तृप्त होकर इसको अथवा इसके आशयको या इसके अनुवादादि का छापनेका उद्यम न करें जिससे कि लाभके बदले हानि न सहना पड़े ॥

५—पाठकगण महोदय जो पुस्तक खरीद करें उसपर हमारेनामकी मोहर देखलियाकरें जिसपर मोहर न हो उसको चोरीका माल समझकर हागिज न लेंवें और जोमहाशय विनामोहरकीपुस्तकें पकड़ेंगे उनको इनाम दियाजायगा ॥

आप महाशयों का सेवक

भगवान्दास जैन

महमदाबाद जिला सीतापूर—अवध





# भगवान्नामसागर.

॥ दोहा ॥

नाम एक नामानि बहु पूरहीं जगमांभ ।  
 ज्योंअकाश नखतावली जगमगात है सांभ ॥  
 जाना चाहन नाम जे कवि कोविद गुणधाम ।  
 तिनहित यहरचनाकियो सागरसिंधु लल्लाम ॥  
 मंगलकारण देव जो गणपति गौरि मनाय ।  
 रच्यों ग्रंथ भाषा सुभग सारद शीश नवाय ॥

— ❁ ❁ —

अंगार ना० अंगार, अलात, अल्लुका ३  
 अंगिया ना० कूर्पासक, चोल, चोली,  
 वल्लस्थल, रतनवल्ल ५  
 अंगुठा ना० अंगुठा, अंगुष्ठा, अंगूठा ३

अंगुरी ना० अंगुरि, अंगुरी, अंगुल,  
 अंगुलि, अंगुली, अंगुलीय, अंगुल्य, अंगुष,  
 अथर्य, अमीशु, अराठ्य, अविनचक्रज,  
 करशाखा, करा, कट्या, गभरत, जामय,  
 दीधिति, धात, धुर, याक्त्रम, योजनम,



रशना, विष, द्विश, शर्य, शाखा, सनाभि,  
त्वसार, हरित, हस्ताग्र, क्षिप ३३

अंगुरी ( अंगुठाके पासकी ) ना० त-  
र्जनी, प्रदेशनी, प्रदेशिनी ३

अंगुरी ( बीचकी ) ना० मध्यमा १

अंगुरी ( कंगुरियाके पासकी ) ना०  
अनामा, अनामिका २

अंगुरी ( कंगुरिया ) ना० कनिष्ठिका,  
कनीनिका, कनीनी, कन्वसा ४

अंगुठी ना० अंगुरीयक, अंगुलिभूषण,  
अंगुलीयक, अंगुठी, ऊर्मिका, मुंदरी, मुद्रिका ७

अंगेठी ना० अंगारधानिका, अंगारश-  
कठी, अंगेठी, हसनी, हसंती ९

अंगौछा ना० उत्तरासंग, उत्तरीय,  
प्रावर, प्रावार, वृहतिका, संव्यान ६

अंकोहर ( वृ० वा फ० ) ना० अंकुहर  
अंकोट, अंकोट, अंकोट, अंकोल, अंकोलक  
गुप्तसह, दीर्घकीलक, नामफल, निकोचन,  
निकोठक, पाठसा, बेरची, भूसिता १४

अखरोट ना० अक्षोट, अक्षोटक, अ-  
क्षोट, अक्षोट, अक्षोट, कन्दराल, क-  
र्पराल, जातपील, पृथक्छद, वृत्तफल १०

अगर ( काली ) ना० अगरु, अनार्थक,  
कृमिजग्धा, कृष्णअगरु, कृष्णागरु, जंगल,  
जोसाइत, तपामसिद्ध, राजार्ह, विश्वरूपक,  
वृक्षागरु, शीतमणित १२

अगरुतवृक्ष ना० अमस्त, अगत्य, अग  
स्त्या, बंगसेन, मसिया, मुनिद्रुम, मुनिपुष्प ७

अमस्त्यष्टाधि ना० अमस्ति, अमस्त्य,  
कुम्भज, कुम्भजम्भव, घटयोनि, मैत्रावरुण,  
मैत्रावरुणि, वरुणि ८

१—घटनाओं पर जकार (पैदाकरनेके)  
अर्थ के शब्द लगाने से अगस्त्यष्टाधि के  
नाम होते हैं जैसे कुम्भज, घट योनि, घटज  
अगहनमाम ना० = अगहन, अग्रहायण  
अग्रहायणिक, अग्रहायन, अग्रहायनक,  
मार्ग, मार्ग, मार्गशीर्ष, सहस, सहा १०

अगुआ ( पेशवा, आगे चलनेवाला )  
ना० अग्रतःसर, अग्रसर, अग्रसर, पुरः-  
सर, पुरोग, पुरोगम, पुरोगामी, पृष्ठ ८

अगुरु ना० अगुरु, कुमिन, प्रवर, यांगज,  
राजार्ह, लोह, वंशक, वंशिक, वंशिका ९

अग्नि ना० अग्नि, अग्नी, अनल, अप्तत,  
अप्पित, असितग्रीव, असिताचिम् आ-

शर, आशयाश, आशुशङ्गणि, आश्रय,  
आश्रयआश, आश्रयभुक, आश्रयास,

आसुपासु, उषर्वुध, उषवुध, उषर्वुध,  
कृपीट्यानि, कृशानु, कृषाणु, कृष्णवर्त्मा,

त्रिभ्रानु, जातवेद, जातवेदा, ज्वलजोति,  
ज्वलन, ज्वाला, तनुनिपात, तनूनपा, त-

नूनपात, दमना, दमुना, दमूना, दव, दहन,  
धनञ्जय, धूमकेतु, निर्जरजीभ, पावक,

मित्रहोत्र, रोहिताश्व, लोहिताश्व, लो-  
हिताक्ष, वह्नि, वही, वह्नि, वह्निशुष्मन्,

वसन्तर, वायुसख, वायुसखा, विभावसु,  
विश्वानरा, वीतिहोत्र, वृषाकपि, वृहद्भानु,

वैश्वानर, शिखावान, शिखि, शिखी, शिधि,  
शुक, शुचि, शुष्म, शुष्मन्, शुष्मा, शो-

चिकेश, शोचिष्केश, सप्तचि, समीगर्भ, समी-  
रसख, सुखमा, सुवल, स्वाहापति, हरि,

हव्यवाहन, हिरण्यरेत, हिरण्यरेता, हुत-  
भुक्, हुताशन ७५

१-पवननामोंपर भिन्नार्थ के शब्द लगाने से अग्नि के नाम होते हैं जैसे पवनमीत, पवनसख, वायुसखा, सधारसख आदि

१-अग्निकण ( चिनगारी ) ना० अग्नि कण, अग्निकनिका, अनलकण, चिनगारी, चिनगी, स्फुलिंग, स्फुलिगा, हुतासनकण

१-अग्निनामोंपर कणार्थ के शब्द लगाने से अग्नि कणके नाम होते हैं जैसे-अनल कण, अप्तकण, आभयकण आदि

अग्निजिह्वा ना० कराली, काली, मनोजवा, विश्वदासा, मधुस्रवर्णा, सुलाहिता स्फुलिङ्गिनी ७

१-अग्निनामोंपर जिह्वा अर्थ के शब्द लगाने से अग्निजिह्वा के नाम होते हैं जैसे अग्निजिह्वा, अनलजिह्वा, आदि

अग्निज्वाला ना० अर्चि, कील, कीला ज्वाल, ज्वाला, शिखा, हुतासनज्वाल, हेति

१-अग्निनामोंपर ज्वाला अर्थके शब्द लगाने से अग्निज्वालाके नाम होते हैं जैसे अनलज्वाला, अप्तज्वाला, उष्वेधज्वाला

अग्नितेज ना० अनलतेज, अप्ततेज, कृशानुतेज, जलन, जलना, सञ्जर, संताप ७

१-अग्निनामोंपर तेज अर्थ के शब्द लगानेसे अग्नितेज के नाम होते हैं जैसे अप्तित तेज, कृशानुतेज, दहनतेज, आदि

अग्निप्रिया ना० अग्नायी, अग्निप्रिया अनलाप्रिय, जातवेदप्रिय, धनञ्जयप्रिय, तनूनपाप्रिय, दहनप्रिय, स्वाहा, हुतभुक प्रिय, हुतासनप्रिय १०

१-अग्निनामोंपर प्रिया अर्थ के शब्द लगाने से अग्निप्रिया के नाम होते हैं जैसे अनलप्रिय, धनञ्जयप्रिय आदि ।

२-अग्निप्रिया नामोंपरपतिअर्थके शब्द लगानेसे अग्नि के नाम होते हैं जैसे अग्नायी पति, स्वाहापति आदि

अघाया ना० अवन, तर्पण, तृप्ति, मीखन ४  
अङ्गीकार ना० अङ्गीकर, अम्युषगम, आगुर, आगू, आगूम्, आग्व, आग्वम्, आभव, नियम, शतिश्रव, प्रतिज्ञान, संश्रव, समाधि, सम्बित् १४

अङ्गीकारकियाहुआ ना० अङ्गीकृत, आश्रुत, उपगत, उपश्रुत, उररीकृत, उरीकृत, ऊरीकृत, प्रतिश्रुत, प्रतिज्ञात, संगीर्ण, संश्रुत, समाहित, सम्बिदित, स्वीकृत १४

अच्छा ना० उद्ध, तल्लज, प्रकाश, मचचिका, मतल्लिका ९

अजगर ना० अजगर, वाहस, शयु ३

अजमोद ना० अजमोद, अजमोदा, अत्युग्रगंधा, कर्कट, कारवी, खराबहया, ब्रह्म कुशा, खराशवा, दीपक, दीप्य, वली, मयूर, मयूरशिखा, मोदाहस्तिमयूरक, लोचमर्कट, लोचमस्तक, वास्तिमोदा १७

अजवाइन ना० अजवायन, अजमोदिका, उग्रगंधा, जवाबहया, जवानिका, जवानी, जवासाबहया, दीपका, दीप्या, ब्रह्मदर्भा, नीपनीया, भूकदेवाक, यमानिका, यमानी, यवानिका, यवानी १७

अजवाइनखुरासानी ना० जवानी, जावनी, नीत्रा, मदकारिणी, मदकारिनी, रुरुष्का ६

अञ्जन ना० अंजन, कञ्जल, जलपाटल, दीपज, दीपसुत, नागमुखी, सनागदीप ७

१-दीपनामोंपर सुत अर्थके शब्दलगाने से अंजनके नाम होते हैं अर्थात् दीपतनय, दीपसुत, दीपसून, दीपांगज आदि

अञ्जीर ना० अंजीर, कम्कोदुवारिका-  
फल, संजुल ३

अटारी ना० अट्ट, प्रासाद, सौध, हर्म्य,  
लौम, लौम ६

अण्डा ना० अण्ड, अण्डा, कोश,  
कोष, पोशि, पेशी, पेशीकोष ७

अतिक्रम ना० अतिक्रम, अतिपात,  
उपात्यय, पर्यय, पर्याय ५

अतिशय ( वारम्बार, बहुत ) ना०  
अतिबेल, अतिमान, अतिशय, अत्यर्थ,  
उदाह, एकांत, गाढ़, तीव्र, दृढ़, नितांत,  
निर्भर, बाढ़, भर, भृश १४

अतिस्थिर ना० स्थास्तु, स्थिरतर, स्थेयस्  
स्थेयान् ४

अतीस ना० अंतविष, अतिविषा, अतीस  
अपरा, अरुणा, उपविषा, गुणवल्लभा,  
प्रतिविषा, भंगुरा, महौषध, विश्वा, विषा.  
शित, शृंगी, शुक्ककंदा, शृंगी, श्यामकंदा १६

अत्यल्प ना० अणीय, अत्यल्प, अल्पिष्ठ  
अल्पीय, कणीय, कनीय ६

अदराल ना० आर्द्रिका, आर्द्रक, औषद,  
कटुभद्र, तत्कन्द, शृंगविर, शृंगवेर ७

अद्भुत ( अजीवगरीब ) ना० अद्भुत  
आश्चर्य, चित्र, विचित्र, विस्मय ५

अधम ( पापी ) ना० अणक, अधम,  
अनक, अरम, अर्वा, अवद्य, अवम, आणक,  
कपूय, कुत्सित, कुपूय, खेट, गर्हा, निकृष्ट,  
प्रतिकृष्ट, आप्य, रेप, रेफ १८

अधिकारी ना० अधिकारी, अधिकृत, अध्यक्ष

अधोमुख ना० अधोमुख, अधोमुखी,  
अवाक्, अवाची ४

अनादर ना० अनानदर, अवमानना,  
अवहेलन, अवहेला, अवज्ञा, असुन्नय,  
असुन्नय, असुन्नय, स्तरस्त्रिया, परिभव,  
परिभाव, परीभाव, रीढ़ा, विमानना, सं-  
सुन्नय, हेला १६

अनार ( फ० व० वृ० ) अस्तवीज.  
करक, कीरपिय, डालिम, दाहिम, दाडिम,  
दाडमी, दाडिमी, दालिम, दंतवीज, दश-  
नाकार, रक्तकुसुमा, लोहितपुष्पक, शुक्र-  
पिया, सूकपीक, हानीकर १५

१-शुकनामोपरपिया और पुष्पनामोके पृ-  
थमरक्तशब्द लगानसे अनारके नाम होते हैं  
जैसे शुकपिया, रक्तकुसुमा, आदि

अनिरुद्ध ना० अनिरुद्ध, उपापाति,  
उपापति, अघ्यकेतु, ऋष्यकेतु, ब्रह्मसू,  
विश्वकेतु ७

अनुक्रम ना० अनुक्रम, आनुपूर्व, आनु-  
पूर्वक, आनुपूर्वी, आनुपूर्व्य, आवृत, परि-  
पाटि, परिपाटी, पर्याय ६

अनेकरूपवाले ना० नानारूप, पृथग्विध  
बहुविधि, विविध ४

अन्त ना० अन्त, अन्त्य, चरम, जयन्य  
पश्चिम, पाश्चात्य ६

अन्तरधान ना० अगोचर, अंतर्धान,  
अंतर्हित, अंतरित, गुप्त, गूढ़, तिरोहित,  
दुर, दुरह, लुकान १०

अन्धकार ना० अन्ध, अन्धकार, अ-  
न्धर, कुहरतम, तमस, तमा, तमिश्च,  
तिमिर, ध्वांत ६

१-अन्धकार नामोपरिपु अर्थके शब्द लगा-  
नेसे सूर्य के नाम होते हैं जैसे अन्धकारारि

अक्ष ना० अक्ष, अर्क, अत्र आयु, इरा, इला, इष, ऊर्क, कीलाळ, धासि, नम, नेम पय, पितु, वृह, प्रय, ब्रह्म, यश, रस, वर्चः ज्ञान, अत्र, शशय, शून्यता, सिन, सुत, सुतम्, स्वधा, क्षय, २९

अत्रादिकादेर ना० उत्कर, कूट, पिञ्ज पुञ्ज, पुञ्जिन, राशि ६

अपभ्रंस ( अशुद्धशब्द ) ना० अपभ्रंश, अपशब्द ३

अपमानित ना० अपमानप्राप्त, अपमानित, अवज्ञानित, अवमत, अवमानित, अवज्ञात, परिभूत ७

अपराजिता ( औ० ) ना० अपराजिता, आस्फोटा, आस्फोता, गिरिकर्णी, गिरिकर्णी जया, नीलपुष्पी, महापराजिता, विष्णुकांता ४

अपराध ना० अग, अपराध, अवगुण, अहित, आग, आगम्, दोष, मंतु, हेळन ९

अपवादी ( चोरी द्विनारासे दूषित ) ना० अपवादी, अभिशस्त, आक्षारित, लोकापवादी, क्षारित ५

अपधान ना० अपधान, अप्राप्य, उपसर्जन ३

अपियवादी ना० अनर्गलवादी, अवद्धमुख, कटुवादी, दुर्मुख, मुखर, वादी ६

अप्तरा ना० अप्तरा, अप्तरस, उर्वेसी, उर्वशी, ऊर्वशी, धृताची, तिलोत्तमा, मंजुषेया, मेनका, सुकेशी, स्वर्णेश्या, स्वर्णेश्या १२

अफवाह ( गौगा ) ना० किंबदन्ति, किंबदन्ती, जनश्रुति, लोकपवाद ४

अफीम ना० अफीम, अहिफेन, अहिफेनिक, आफू, आफूक, तद्रसोद्धृत ६

अवरख ना० अत्रक, अमरख, अमल,

आकाश, गिरिज, गिरिजामल, पटलावर, पीतक, स्वस्थ, स्वास्थ १०

१-पार्वतीनामोपर मलशब्दलगावेने अवरखकेनामहोतहै जैसे गिरिजामल, शिवामल अभिप्रायके योग्य ना० आकार, इंग, इंगित

अभिमान ना० अभिमान, अहंकार, गर्व, दर्प, मद, मान ६

अभिमानि ना० अभिमानि, अहंकारी गर्वित, गर्वी, दर्पित, दर्पी, मानी ७

अमरबेलि ना० अमरबेलि, आकाशबेलि, कटम्भरा, कृष्णपूसारिणी, पूसारिणी, मद्रवला, राजवला, लता, वल्लरी, बिंसीती, विसुनी, व्रतती, सरण, सरणी १४

अमलवेत ना० अमलवेत, अमलवेतस्, अमलवेतस्, चुक्र, चुक्रवेतस्, रतभेदक, सहस्रनुत्—अमल्लोणिका, अमल्लोलिका, अम्बष्ठा, चांगेरी, चुक्रिका, दंतशठ, ६ येभी किसी२के मतानुसार अमलवेतकेनामहै ॥

अमला ना० अमला, अम्रातक, अम्रातक कभीतन, पीतन ५

अमलोलना ना० अमलोलवा, अमल्लोणिका, अमल्लोलिका, अम्बष्ठा, चांगेरी, चुक्रिका, दन्तशठा, लोनिया ८

अमावस ना० अर्दशः, अमा, अमामसी अमामासी, अमावस, अमावसी, अमावस्या अमावासी, अमावास्या, हु, कुहू, दर्शः, सूर्येदुसंगम १३

अमास ना० अमास, शोथ, शोफ, श्वयथु, मूजन

अमिलतास ना० अमिलतास, आरग्वध, आरेवत, आरग्वध, कार्णिकार, कृतमाल, चतुरंगुल, दीर्घफल, राजवृक्ष, व्याधिघात,

शम्पात,शुम्पाक,सम्पाक,सुपर्णक, सुवर्णक  
स्वर्णांग, स्वर्णभूषण १७

अमिली ( वृ० वा फ० ) ना० अमली  
अमिली, अमिलीय, अम्लिका, अम्लीका,  
आंबिली, आमिली,आम्ब्लिका, आम्ब्लीका,  
चिंचा, चुक्रिका, तितङ्गी, तिनितङ्गी, ति  
न्तिङ्गीक, तिनितङ्गीका, तितिली, शुक्र  
चण्डिका, शुक्रिका १८

अमृत ना० अगदराम, अमी,अमृत,  
पियूष, पीयूष, पेयूष, पैयूष मधु, मयूष,  
मृगांक, सुधा, सुरभोग, सोम १९

अमृतफल ना० अमृतफल,अमृताब्द,  
फलाकृति, रुचिफल, लघुविल्व २

अम्बर ( कपड़ा ) ना० अंशुक, अम्बर  
चौर, चैल, चोल, छादन, दुकूल, निचोल  
पट, वसन, वस्त्र, वास, १२

अरणी ( अगियाखर ) ना० अग्निमंथ  
अरणि, अरणी, कणिका, जव्यकेतु, जयः  
मणिकारिका, वैजयन्ती, श्रीपणी ६

अरहर ना० अरहर,अर्ही,आदकी,काक्षी,  
तुवरी, तुवरिका, तूर, तूरिका,तुवरी, तू  
वरीका,तार,मृतालक,मृत्सना,सुराष्ट्र १३

अर्जुनवृक्ष ना० अर्जुन,इन्द्रद्रुम,ककुम,  
नन्दीवृक्ष,नन्दीसर्ज, वीरतरु, शतद्रुम ७

अर्हत ( जैनियों के इष्टदेव ) ना०  
अर्हन्, अर्हत, केवली, जिन, जिनदेव,  
जिनराज तीर्थंकर, तीर्थकृत, भगवान,  
मार्जित, मदनविदारण, मदनमारण,वीत-  
राग, सर्वदरी, सर्वज्ञ १४

अलग ना० तनु, पृथक, पेलव,विरल ४

अलसी ना० अतसी, अलसी, उमा,  
चेलु नीलपुष्पी, ममृणा, तुमा ७

अल्प ना० अल्प, स्तोत्र,तुल्लक ३

अवाच्यवक्ता ना० अवाच्यवक्ता,कु-  
वाच्यवक्ता, जल्पाक, जल्पाकी, बहुगर्ष-  
वाक्, वाचाट, वाचाल ७

अशिक्षित ना० अविनीत, धृष्ट,धृष्टाक,  
धृष्टणु, वियात ५

अशोक ना० अशोक, दाहल,वज्जुल ३

अश्विनी ( जन्त्र ) ना० अश्वनी,  
अश्वयुग, अश्विनी ३

अश्विनीकुमार ना० अश्विनीआत्मज,  
अश्विनीतनय,अश्विनीपुत्र अश्विनीसुता,  
अश्विनीकुमार, अश्विनौ, अश्विनयौ,  
दस्नौ, नासत्यौ, नासिन्यौ, स्वैद्यौ ११

१—अश्विनी नामपरमत् अर्थकं शब्द  
लगाने से अश्विनी कुमारके नाम होते हैं  
जैसे अश्विनीतनय,अश्विनीनन्दन आदि

अश्वगंध ना० अश्वगंध, अश्वगंधा,  
अश्वी, कौकणी, तुरंगाब्दा, बरहा,वराह-  
कणी, वरोहक, वल्पा, वाजकिरी, वाजी-  
करी, वृषा १२

असबरग(स्पृक्षा)ना० अस्परक,कांटी-  
वर्षा, कांटीवर्षा, देवा, पिण्डका, पिशुना,  
मरुन्माला, लंकापिका, लंकापिका, लता,  
लघु,बधु,विडार,समुद्राता,स्पृक,स्पृका १६

असहाय ना० एक, एकक, एकाकी ३

असाढ़ ( मास ) ना० असाढ़,अषाढ़,  
अषाढ़क, असाढ़, आषाढ़, शुचि ६

असिमिलौरा ना० अपत्र, अल्पपत्र,  
अस्मत, कूवस्म, पापनाशन, मल्लिका,  
युग्मपत्र, योनिकुशला ८

अहंकार ना० अतितव्य, अभिमान,

अहंकार, उर्दावत, उडर, उद्धत, गर्व,  
घमएड, दर्प, मद, मान, सौंडीर १२

अहीर ना० अमीर, अहिर, अहीर,  
आमीर, गोकुह, गोधुह, गोधुह, गोप,  
गोपाल, गोसंख्य. बल्लम, बल्लव १२

अहीरिन ना० अमीरी, अहिरिन् अही-  
रिन, आमीरी, गोकुही, गोपाली, गोपालि  
का, महाशूद्रा, महाशूद्री, बल्लवी १०

अक्षर ( लिखाहुआ ) ना० अक्षर  
विन्यास, अक्षरसंस्थान, लिखन, लिखित  
लिपि, लिपी, लिबि, लिबी, लेखन ६

अज्ञान ना० अविद्या, अहंमति, अज्ञान,  
ज्ञानहीन ४

— ❁ —

आंकुश ना० अंकुश, आंकुश, शृणु, सृणि ४

आंख ना० अम्बक, अक्ष, अक्षि, आंखि  
ईक्षण, चप, चक्षु, चक्षुस्, दृक्, दृग, दृष्टि,  
दृष्टी, नयन, नेत्र, नैन, नैना, लोचन १७

आंखकी पुनली ना० तारका, कनी  
निका, कनीना ३

आंगन ना० अंगण, अंगन, आंगन,  
अनिर, चत्वर, आंगण ६

आंत ना० अंत्र, आंत, आंतड़ी, आंतू,  
परितत, परीतत ६

आंधी ना० आंधी, एकम्पन, महापवन,  
महावात ४

आंबला ( पानी ) ना० औमलक, नागर,  
प्राचीन, रक्तक ४

आंबला ( भूमि ) ना० अंबराभूमि,  
अंबरीभूमि, अम्भटा, अमलाञ्जला, जटा  
झटामला, झटामाला, झटामला, तमालकी.

तामलकी, ताली, बहुपत्रा, भूषात्री, वि-  
तुन्नक, शिव, शिवा १६

आंसू ना० अश्रु, आंशू, नेत्रजल, नेत्राम्बु,  
रोदन, लोचनवारिज, लोचनसलिल ७

१—पानी नामों के प्रथम नेत्र नामके  
शब्द लगाने से आंसूके नाम होते हैं

आइना ना० आइना, आदर्श, आरसी,  
दर्पण, दर्पन, प्रतिबिम्बित, मुकुर, शीशा =

आकाश ( आसमान ) ना० अकाश  
अध्वर, अध्वा, अनन्त, अन्तरिक्ष, अन्त-

रीक्ष, अन्ध्र, अन्ध्र, अम्बर, आकाश, आप,  
इव, ख, खम्, गगण, गगन, गौ, तारापथ,

दिव, धुः, घौ, धन्वा, नभ, नाक, पुष्कर,  
पृथिवी, प्ररिन, बाँहें, विष्टप, विष्णुपद,

विहाया, विहायसा, विहायस्, विहा-  
यसी, व्योम, व्याँम, सुरवर्त्म, सुर्वर्त्मन्,

सगर, समुद्र, स्वः, स्वयम्भू, हरिपद ४३

आकाशगंगा ना० आकाशगंगा, पिधंगंगा,  
मन्दाकिनी, सुरदीर्घिका, स्वर्णदी, स्वर्नदी ६

१—आकाश नामोंपर गंगानामके शब्द  
लगाने से आकाश गंगाकेनाम होते हैं ।।

आकाश पाताल ना० अदिती, अपारे  
अमसी, अही, आरायौ, उर्वी, गभीरे, ग-

म्भीरे, भृतवती, चम्बौ, दूरेअंते, धिषणे, नभ-  
सी, पारवी, पुरंधी, पृथ्वी, बहुले, मही, रजसी,  
रोदसी, सवसी, सभनी, स्वधं, लोणी, २४

आदू ना० आदू, आरुक, नीरसेन ३  
आदमी ना० अदमी, अनव, आदमी,

आयव, कृष्टय, गोध, चर्षणय, जगत,  
जन, जेतव, तस्युष, तुर्वशा, दुह्यव, धवा,

नर, नरा, नहुष, नृ, पंचजना, परमपवित्र

वपु, पुमान्, पुमांस, पुरव, पुरुष, पुरुषा,  
पुरूषा, पूरषा, पूरूषा, पृतना, मनुज, मनुजा,  
मनुष्य, मनुष्या, मर्त, मर्त्य, मर्त्या, मर्य,  
माणव, मानव, मानवा, मानुक, मानुष,  
मानुषा, मानुष्य, यादव, विवस्वन्त, विश,  
जाता, हरप, क्षितिप ५०

आदमीभेद ( नायक भेद काव्यानु  
सार ) ना० अधम, अनकूल, अनाभिस  
नायक, अनुरक्त, आरूढ़, उत्तम, उपपति  
काममत्तनायक, क्रियाचतुरनायक, गुणमानी  
गूढनायक, चतुरनायक, दक्षिणनायक,  
धनमत्तनायक, धीरप्रधाननायक, धीरललित  
नायक, धीरोदात्त, धीरोधिता, घृष्टनायक  
पति, श्रोषितनायक, बचनचतुरनायक,  
मत्तनायक, मध्यमनायक मानीनायक, मूढ  
नायक, रूपमानीनायक, वैसिकनायक,  
शठ, शिष्ट, सुरमत्तनायक, स्वभूतनायक ३२

आदि ना० अग्रिम, आदि, आदिम,  
आद्य, पूर्व, पौरस्त्य, प्रथम ७

आधीन ना० अधीन, अस्वच्छन्द,  
आधीन, आयत, गृह्यक, निधन, परवन्तौ ७

आधीरात ना० अधरा, अधगत,  
अर्द्धरात्र, अर्द्धरात्रि, निशाहानिशि, निशीथ,  
निशिनशि; निशीथ, निसिनिसि, मध्य  
रात्रि १०

आनन्द ना० अनन्द, आनन्द, आनन्दथु,  
आनन्दि, आमोद, उत्सव, नन्दि, प्रमद,  
प्रमुद, प्रमोद, प्रीति, मुत्, मुद, मुदा,  
मुदिता, मोद, विनोद, शर्म, शर्म, रात,  
सम्पद, सम्मुद, सात, सुख, सौख्य,  
हरप, हर्ष २७

आवीसेच ना० अंभफला, चापसह,  
सिवांतिकाफल ३

आम ( वृ० वा फ० ) ना० अति-  
सौरभ, अन्न, आव, आम, आम्र, कामव-  
ल्लभ, कामाग, चूत, पिकप्रीय, पिकबंधु,  
मधुदूत, मनोत्सव, माकन्द, रसाल, स-  
दाकार, सहकार १६

आम्बाहल्दी ना० अम्बाहल्दी, आम्बा-  
हल्दी, कर्चूर, कर्वूर, कर्वूर, गन्धमूला,  
गन्धमूली, गन्धशटी, पलाशः, शटी, षटी,  
षड्ग्रन्थिका, सटी १३

आयुवङ्गीवाला ना० आयुष्मान्, जैवा-  
तृक, जैवातृका, दीर्घायुषी ४

आरम्भ ना० अम्ब्यादान, आरम्भ,  
उच्चात, उपोद्घात ४

आरा व आरी ना० करपत्र, ककच, ककर ३

आरामशीतला ना० आरामशीतला,  
कुष्कुर, कुष्कूर, देवगंधा, मर्दक ५

आर्तगल ना० अर्गुठ, आर्गुठ, आर्तगल,  
प्रवर्षन; बहुकण्ठ ९

आलसी ना० अनुष्ण, अलस, आलस्य,  
तुन्दपरिमार्ज, तुन्दपरिमृज, मन्द, शीतक ७

आलस्य ना० तन्दि, तन्द्री, तन्दि,  
तन्द्री, प्रमीला ५

आलू ना० आलू, काष्टा, काष्टालू,  
पियडाळु, पियडाळू, मध्वालू, महत्कष्टा,  
माध्वालू, रक्तकन्द, रक्तालू, रोमसासंख,  
लूहस्तालू, वृषागंधा, संकाशी, साखालू,  
स्वल्पकषक, हस्तालुक, हस्तालू १८

आश्चर्य ना० अद्भुत्, अद्भुत, अहो,  
आश्चर्य, चित्र, विस्मै, विस्मय ७

आसन ना० आसनं, आसना, आस्या

पट, पीठ, पीढ़ा, विष्टर ७ \* \*  
**आहूवेर** ( हाऊवेर ) ना० अश्वत्थफला,  
 ध्वांक्षनाशिनी, घृहहंत्री, मत्स्यगंधा, वि  
 षघनी, विस्त्रा, हृषुषा, हचुषा, हाहूवेर ९  
**आज्ञा** ना० आयसु, आदेश, आज्ञा, निदेश  
 शासन, शास्ति, शिष्टि ७

**आज्ञाकारी** ना० आश्राव, आज्ञाकारी  
 बचनग्र. ही, बचनेस्थित, विधेय, विनयग्राही ६



**इच्छा** ( चाह ) ना० अभिलाष, अ-  
 भिलास, आकांक्षा, इच्छा, ईप्सा, ईहा,  
 कांक्षा, काम, कामना, तर्प, तट्, तृषा, दोहद,  
 दोहल, मनोरथ, लिप्सा, वांछा, स्पृहा १८  
**इतर** ( अतर ) ना० इतर, इत्र, चूर्ण,  
 वासयोग ४

**इनरायन** ना० इनराइन, इन्द्ररुवा, इन्द्र-  
 वारुणी, इन्द्रायण, ऐन्द्री, गवाक्षी, गवाक्षी,  
 चित्रा, महाफला, मृगादना, मृगाक्षी, मृगै  
 वीह, वारुणी, विशाला, श्वेतपुष्पा १५

**इन्द्र** ना० अप्सरानाथ, अप्सरापति, अम-  
 रपति, अमराधिक, अमराधिप, अमरापति,  
 अमरेश, आखण्डल, आखण्डलपति, आ  
 खण्डलराजा, इन्द्र, ऐरावतिपति, कौ-  
 शिक, गीरवाणेश, गोत्रभिद्, जम्भभेदी,  
 जिष्णु, तुरापाट्, तुरापाड्, तुराषाह,  
 दिवस्वति, दिवापति, दुश्चमन, दुश्चयवन,  
 देवपति, देवराज, नमुचिसूदन, नमुचिहरि,  
 पाकशासन, पाकारि, पुरन्दर, पुरहूत,  
 पुलोमजापति, पुलोमजापती, पौलोमअ-  
 रि, माचीनवरा, बास्तष्पति, बिडोजा, वि-  
 डौजा, भूधरमदमोचन, मधवन, मधवा,

मधवान्, मरुत्वान्, मरुत्सखा, मात-  
 लिमूत, मेघवाहन, रिपुपाक; लेपपिभ,  
 वज्रधर. वजी, वासव, वास्तोष्पति, विधाती  
 विवधेश, वृद्धश्रवा, वृषव्रत, वृषा, वृत्रहा,  
 शक्र, शक्राद्ध, शचीपति, शतक्रतु, शतमन्यु,  
 शुनाशीर, सक्रंदन, सतमान, सहसहग,  
 सहस्राक्ष, सुरपति, सुरभूप, सुनासीर, सुं श  
 सुत्रामा, सूत्रामा, स्वर्गेश, स्वराट, स्वराज,  
 हय, हरि, हरिवाहन, हरी ८२

१—नेत्र नामोंके प्रथम सहस्र अर्थके  
 शब्द लगानेसे और अप्सरा, इन्द्राणी, दिन  
 और देवता नामोंपर पति अर्थ के शब्द  
 लगाने से इन्द्रके नाम होते हैं जैसे सहस्र  
 नयन, अप्सरानाथ, सुरेश्यापति, शचीपति,  
 अहर्पति, दिवसपति, सुरपति आदि

२—इन्द्रनामों पर अस्त्र और धनुष  
 अर्थ के शब्द लगाने से इन्द्रधनुषके नाम  
 होते हैं जैसे इन्द्रधनुष, शक्रास्त्र आदि

**इन्द्रजाल** ना० इन्द्रजाल, माया, शांवर  
 साम्बरी ४

**इन्द्रजाली** ना० इन्द्रजालिक, इन्द्रजाली,  
 प्रतिहार, प्रातिहार, प्रातिहारक, प्रातिहा  
 रिक, मायाकार, मायाचिन्, मायावी, मा-  
 यिन्. मायी ११

**इन्द्रधनुष** ना० इन्द्रायुध, पुरंदरास्त्र, शक्रधनु

१-इन्द्रनामोंपर अस्त्र और धनुष अर्थ  
 के शब्द लगाने से इन्द्र धनुषके नाम होते  
 हैं जैसे इन्द्रधनुष, शक्रास्त्र आदि

**इन्द्रपुष्पी** ना० अग्निशिखा, अनन्ता,  
 इन्द्रपुष्पा, फलिनी, विशल्या, शक्रपुष्पिका ६  
 १-इन्द्रनामोंपर पुष्पी शब्द लगानेसे इन्द्रपु-



एगके नाम होते हैं जैसे शक्रपुष्पी आदि  
इन्द्रपुत्र ना० इन्द्रपुत्र, जयन्त, पाकशासनि ३  
इन्द्रयव ना० इन्द्रजव, इन्द्रयव, कलिंग,  
कालिंग, भद्रजव, भद्रयव ६

इन्द्रयान ना० इन्द्रयान, विमान, व्योम-  
यान, स्वयान ४

१-आकाशनामोंपर यान अर्थके शब्द  
लगानेसे इन्द्रयानके नाम होते हैं जैसे अश्र  
यान, व्योमयान आदि

इन्द्रवारुणी ना० अन्येन्द्रवारुणी, आत्मर  
क्षा, इन्द्रवारुणी, इन्द्रविपादनी, ऐश्वर्येन्द्री,  
कृमिकुम्भ, गजचिर्पटी, गवादिनी, चन्द्रदत्त  
सुता, चित्रदेवी, चित्रा, चित्राफल, नाग-  
दन्ती, महाला, मृगाक्षी, विशाला, वृष-  
भाक्षी, श्वेतपुष्पा, लूद्रफला, त्रिपुंसी २०

इन्द्राणी ना० इन्द्रप्रिया, इन्द्राणी, पुलो-  
मजा, शक्ति, शची ५

इन्द्रनामोंपर प्रियाअर्थके शब्द लगानेसे  
इन्द्राणी के नाम होते हैं जैसे हरिप्रिया  
इन्द्री ना० इन्द्रिय, इन्द्री, विषयि, हर्षिक ४  
इन्द्रीदमन ना० इन्द्रियनिग्रह, इन्द्रीदमन,  
इन्द्रीनिग्रह, दम, दमथ, दगन्ति ६

इलायचीबड़ी ना० इलायची, एला,  
चन्द्रबाला, निष्कुटि, पृथ्वी, पृथ्वीका, बहु  
लम्बा, बहुला, भद्रला, वृहदेला, स्थूलैला,  
स्थूला, त्रिदिवोद्भवा, त्रिपुरा १४

इलायची छोटी या गुजराती ना०  
उपकुचिका, कपोतवर्णी, कोरंगी, लुच्छा,  
द्राविड़ी, निष्कुटी, पृथ्वीका, बहुला, भृङ्गपर्णी  
का, सूक्ष्मा, सूक्ष्मला, त्रिपुटा, त्रुटि, त्रुटी, १४

ईधन ना० इधन, इन्धन, ईधन, एध,  
एधस्, समित ६

उजला ना० अर्जुन, अवदात, अवलक्ष  
उजला, उज्जल, उज्वल, गौर, धवल, पांडु,  
पाण्डुर, वलक्ष, विशद, विषद, शुक्ल, शुचि,  
शुभ्र, श्वेत, श्वेता, श्वेनी, श्वेत, श्वेता,  
सित, सिता, हरिण २४

उदरी ना० उदरी, दिधिपु, दिधिपू, पुनर्भू ४  
उतराई ना० अनुतर, आतर, आतार,  
उतराई, तरपराय ९

उत्कण्ठा ना० उत्कण्ठा, उत्कालिका २  
उत्सव ना० उत्सव, उद्धव, उद्धर्ष. मह,  
महस, लण ६

उदार ना० उदार, दयालु, महाशय, महेच्छ ४  
उदार ना० अन्तर्मना, उदास, दुर्मना,  
विमना ४

उदाहरण ना० उदाहरण, उदाहार, उपोद्घात  
उद्योग ना० उद्यम, उद्योग, गुरण,  
गूरण, गोरण ५

उपटन (बोकवा) ना० उपटन, गात्रानु-  
लेपनी, वर्णक, वार्ति, वर्ती, विलेपन ६

उपटनलगाना ना० उच्छादन, उत्सा-  
दन, उद्धर्तन ३

उपरागिनी ना० काफ़ी, जंगला, भूमौठी  
बंगाल, बरवा, बैसारि, पूर्वी, भास, माध्वी  
मुलतान, रामकली, षट, सहाना, सिन्दूर,  
सोहनी, हमार १६

उपवास (फांका) ना० उपवस्त, उप-  
वास, उपोषण, उपोषित, औपवस्त ९

उर्द (अन्नविशेष) ना० उर्द, माष, माष-  
कलाय; राजमाषक, वीर्यकर ९

उलटा ना० अपट्ट, अपसव्य, उलटा,  
प्रतिकूल, प्रसव, विपरीत ६

उलटापुलटा ना० विपर्यय, विपर्याय  
विपर्याप्त, व्यतिक्रय, व्यत्यय, व्यत्यास ६

उलटी (उच्छ्वार) ना० उलटी, छर्दि,  
छर्दिम्, छर्दी, प्रच्छर्दिका, वमथु, वमन,  
वमि, वमी ६

उल्का ना० आग्निउत्पात, उपाहित, उल्का,  
धूमकेतु ४

उल्लू (पक्षी) ना० अहरान्ध, उल्लूक,  
उल्लू, उल्लूक, कावेरी, कैशिक, वृग्, गृक,  
गृवू, दिवान्ध, दिवाभीत, दूक, निशाचर,  
निशाटन, पेचक, वायसारति १६

१-दिननामोंपर अंध और रातनामोंपर चर  
अर्थके शब्द लगानेसे उल्लूके नाम होते  
हैं जैसे दिवांध, निशाचर आदि

उसानापसाना ना० निष्पाव, पव, पवन ३

### ॐ

ऊंट ना० उष्ट्र, उष्ट्रक; ऊंट, ऊष्ट्र, ऊष्ट्रक  
क्रमेलक, क्रमेलिक, दीर्घनेत्र, धूम्र, मय,  
मरुत्य, मरुत्प्रिय, महांग, वक्रकुत, वक्रग्रीव  
साखाशन् १६

ऊंटगाड़ी ना० अश्व्युष्ट्र, उष्ट्रयान २

ऊख ना० इक्षु, ईख, ऊख, कृष्णेक्षु,  
गुडतृण, पौण्ड्र, पौंड्रक, पौंड्रि, मधुतृण,  
महारस, रसाल, सुकुमार, ह्रस्वमूल १३

ऊंचा ना० उच्च, उच्छिन्न, उतंग, उतुंग,  
उदग्र, उन्नत, ऊंच, ऊंचा, तुंग, प्रांगु १०

ऊपर ना० अनूपर, ऊपर, उपमान, ऊपर ४

### ऋ

ऋण (कर्जा) ना० उद्धार, उधार, ऋण,  
पर्युदंचन ४

ऋत्विज् ना० कुरव, देवयव, भरता, मरुत,  
यतसुच, वाघत, वृक्तवर्हिष, सवाध =

ऋद्धिवृद्धि ( औ० ) ना० ऋद्धि, योग्य,  
रथांगी, लक्ष्मी, वृद्धान्य, वृद्धि, सिद्धि ७

ऋत्लभक ( औषधिविशेष ) ना० ऋ-  
पभ, दुर्धर, धीर, धुर्य ४

ऋषि ( तपस्वी ) ना० ऋषि, ऋषी,  
जटली, जपी, तपस्वी, तपी, तापस्, तापसी,  
दग्दजारु, दग्डी, निर्वाणी, भगवान्भन,  
भिक्षुक, मुण्डी, मुनि, मुनी, यती, योगी,  
योगेश्वर, वर्णी, वर्णी, व्रती, शंसित, सं-  
न्यासी, संयमी, साधु, साधू २७

### ए

एकाग्र ना० अनन्यवृत्ति, एकतान, एक-  
सर्ग, एकाग्र, एकाग्र्य, एकाग्रयन, एकाग्रयनगत  
एकांत ना० उपांशु, एकांत, छन्द, छन्न,  
निःशलाक, रह, विजन, विविक्त, विविक्रा ९

### ऐ

ऐरावन ना० अभ्रमातंग, अभ्रमुवल्लभ,  
ऐरावण, ऐरावत ४

ऐश्वर्य ना० ऐश्वर्य, भूति, विभूति, सिद्ध ४

### ओ

ओखरी ( गाली ) ना० ओखरी; ओखली,  
उखल, उद्वल, उल्लखल ९

ओला ( पत्थर ) ना० उपल, ओला,  
करक, करका, वर्षोपल ९

ओष्ठ ना० अवर, ओष्ठ, ओष्ठ, देतावास,

घोष्ठ, रदनछद, रदनच्छद, रदनपट, रदपट ९

१ दांतनामोंपर बासअर्थ के शब्दलगाने से ओष्ठके नाम होतेहैं जैसे दंतावास आदि

२-ओष्ठ नामोंपर उपमा शब्द लगाने से कन्दूरी (इन्द्रायण)के नाम होतेहैं जैसे ओष्ठोपम आदि

— श्री —

औंगा ना० अपामार्ग, ऊंगा, औंगा, किण्हा खरमेजरी, प्रत्यक्पर्णी, प्रत्यक्पर्णी, मयूर जटा, मयूरक, वाशिर, शिखरी, शैखरिक, शैखरय १ ३

औंगालाल ना० ऊंगालाल, कपिपिप्पली, वसिर ३

औधेमुख ना० अधोमुख, अवनत, अवाग्र, आनत, नत ५

औरा ना० अंवरा, अमृतफल, अमृता, अम्रत, अम्रतक, आवड़ा, आवला, आमलक, आमलकी, आम्रात, आम्रातक, औरा, कायस्था, तिप्यपुष्पा, तिप्यफला, तिप्या, धात्रिका, धात्री, धात्रीफल, वयस्था शिवा, श्रीफली २ २

औपधि ना० अगद, औपध, औपधि भेषज, भेषज्य ६

— क —

ककड़ी ना० इर्वारु, ईर्वारु ईर्वारु, उर्वारु एर्वारु, ककरी, कर्कट, कर्कटी, कांकड़ी, लोमशकण्डा, लोमशा, व्यलपत्रा १ २

ककड़ी जठऊ ना० गवाक्षी, गोडुम्बा, चित्रा ३

ककही ( नागवला ) ना० ककही, गांगेरुकी, जवा, नागवला, बला, ह्रस्वगवेषुका ६

ककूदाने ना० ककूदान, कोलदल, खुग,

नख, नखी, नखाख्य, शख, शुक्ति, हृद्विलासिनी, हनु १०

ककोड़ी ना० ककोड़ी, कर्कोटकी, पीतपुष्पा ३

कंकण ना० ककना, कंकण, कंगन, करभूषण ४ ( येहीकडेकेभी नामहैं ) ॥

कंकोल ना० कंकोल, कटुकंकोल, मर्दान, मधुवोषित ४

कंधी ( हाथीदांतआदिकीबनी ) ना० कंकत, कंकतिका, कंकती, कंधी, प्रसाधन, प्रसाधनी ६

कचनार (दोनों) ना० आस्फोट, कांचनारि, कांचनक, कुण्डली, कुहाल, कोविदार, गंडारि, चमारिक, ताम्रपुष्प, पाकारि, मरिक, युगपत्रक, रक्तपुष्प, शोणपुष्पक, स्मंतक, स्वल्पकेशरी १ ६

कंचलूण ना० कचलूण, काच, काचमल, काचसंभव लवण, त्रिकूट, ६

कचूर ना० कचूर, कचूर कचूरक, कचूर कचूरक, कल्पक, काल्यक, काल्यक, गंधमूलक, गंधमूला, गंधमूलिका, गंधमूली, दुर्भल, द्राविड, द्राविडक, वेधमुख्य १ ६

कचूरभेद ना० गंधमूलिका, पलाशी, शटी, पट्टमथा, षड्गुणिका ५

कळुशा ना० कच्छुप, कळुवा, कळुहा, कमठ, कूरम, कूर्म, गूढपाद, दृढपृष्ठक ८

कळुवी ना० कळुवी, कळुही, कमठी, हुलि, डली हुडि, डुलि, डुली ८

कञ्जा ( वृ० वा फ० ) ना० करंजु, करंज करंजक, घृतपर्णक, घृतकरञ्ज, घृतपूर्ण,

घृतपूर्णक, चिरविल्व, चिरविल्व, चिरविल्वक, चिरविल्व, नक्तमाल, नक्ताह,

पूतिपर्ण, पूतिपर्णक, पूतिकरंज १ ६

कञ्जाकटिदार ( दुर्गंधकरंज ) ना० क-  
लिकारक, कलिमाल्य, पूतिका, पूतिकरंज  
पूतिकरंज, पूतीक, पूतीकरंज, पूतीकरंज,  
प्रकीर्ण, प्रकीर्ण, सोमवलक ११

कञ्जाभेद ना० ( करंजविशेष ) अं-  
गारबल्लरी, मर्कटी, षड्ग्रंथा ३

कञ्जूम (सूम) ना० अनमितंपत्र, कंजूस,  
किम्पव, किम्पचान, कृपण, मितंपत्र, लुद्र ७

कटनास ना० कटनास, किकि, किकिदिवि  
किकिदिवि, कीकि, कीकिदिव, चाय, चास,  
दिवि, दीवि, नीलकंठ, नीलटांस, लीलागडास

कटहर ना० अतिवृहत्फल, कटहर, कटहल,  
कंटकफल, कंटकफल, कंटकीफल, गर्भकंटक  
चम्पकालु, पणश, पणस, पनस, फलस १२

कटभी ( वृक्षविशेष, ना० कटभी, कटुम्भर  
मधुरण, स्वादुपुष्प ४

कटैयाउजली ना० गर्भदा, चंद्रपुष्पा,  
चंद्रमा, चंद्रहांसा, चंद्री, प्रियंकरी, लक्ष्मणा  
श्वेतकटाई, क्षेत्रजा, क्षेत्रदूतिका, क्षेत्रदूती ११

कटैयाछोटी ना० कण्टकारी, कण्टकनी,  
कण्टकिनी, कण्टकारिका, कंटालिका, क  
ण्टालु, कुली, दुःस्पर्शा, दुष्प्रधर्षिणी, धावनी,  
निदिग्धिका, पृशी, पंचोदनी, भटकटाई, रा-  
ष्ट्रिका, वृहती, व्याघ्री, लुद्रा ११

१-येही भटकटैया के नाम हैं

कटैयाबड़ी ना० कुली, दुष्प्रधर्षिणी,  
पौरकी महती, महोदिका, राष्ट्रिका, वार्ताकी,  
महोष्ट्री, वृहती, सिंही, हिंगुली, लुद्रभंडाकी,  
लुद्रवार्ताकी ११

कटोरा ना० कंश, कंस, कांस्य, जलपात्र,  
पानपात्र, पानभाजन ६ ( येही कटोरी  
गिलास और आबखोरा के नाम हैं )

१ पानीनामोंकेऊपरपात्र अर्धकेशबदलगानसे  
कटोरा के नाम होतेहैं जैसे जलपात्र आदि

कठचम्पा ( वृक्षविशेष ) ना० कठचम्पा  
कण्ठिकार, द्रुमोत्पल, परिव्याध ४

कठफोरवा ( १ चौधिशेष ) ना० कठफोरवा,  
कठफोरा, दार्वाघाट, शतपत्रक ४

कठिन ना० उग्र, उल्लवण, ककखट, कठिन,  
कठोर, कर्कश, कर्कशा, क्रूर, सखट, घोर,  
जडर, जठरा, जरट, जरठा, तव्य, दारुण, दृढ़,  
निष्ठुर, परुष, पुरुष, मूर्त, मूर्तिमत्, रेरिटेरि २३

कटुम्भर ( कठियागूलर ) ना० ककोडुम्भर,  
काकोडुम्भरिका, काकोडुम्भरिका, कटुम्भर,  
जघनेकला, फलगु, मलगू, मलयू =

कठोरचचन ना० आतंवाद, अभिवाद,  
परुषचचन, पारुष्य ४

कड़ा ना० कंकण, कंकन, कंगन, करभूषण ४

कडुआरस ना० कषाय, कुवर, तुवर, तूवर ४

कदाई ना० ऋचीप, ऋचीप, पिष्टपचन  
पिष्टपाचन ४

कण्ठा वा कण्ठी ना० कण्ठभूषण, कण्ठ-  
भूषा, गंवेयक, ग्रैव, ग्रंवेय, गंवेयक ६

कण्ठीलम्बी ना० लम्बन, ललान्तिका १

कतरनी ना० कतरनी, कर्तरी, कृपाणी ३  
कथिक ना० कथक, कथिक, कुशीलव,  
चारण ४ ( येही भाड़ोंके भी नामहैं )

कदम ना० कदम, कदम्ब, कादम्ब, नीप,  
प्रियक, वृत्तपुष्प, हरिप्रिय, हलिप्रिय =

कनेर ( कनइल ) ना० अश्वहा, अश्वमार,  
अश्वमारक, अश्वरोधक, कनहर, कनइल  
कनेर, करवीर, करवीरक, चण्डात, द्रुमो-  
त्पल, परिव्याध, प्रतिहास, प्रतीहास, रक्त-

पुष्प, शतप्रास, श्वेतपुष्पक, स्थलकुमुद १८

१-घोड़ों के नाम परघातक अर्थके शब्द लगानेसे कनेरके नाम होतेहैं जैसे अश्वहा कनखजूरा ना० कनखजूरा, कर्णजलौका, कर्णजलौकम्, खनखजूरा, गोजर, शतपदी ६ कनफूल ना० कनफूल, कर्णपुष्प, कणफूल कर्णफूल, कर्णभूषण, कर्णिका, तर्की, ताड़पत्र, तालपत्र, श्रवणपुष्प, श्रवणभूषण ११

कनात वा पड़दा ना० कनात, जवानिका, तिरस्करणी, तिरस्कारणी, पड़दा, परदा, प्रतिसीर, प्रतिसीग, यमानिका ६

कन्दूरी (लताविशेष) ना० ओष्ठोपम, ओष्ठोपमफला, ओष्ठी, कन्दूरी, दन्तद्वयोपम, बिम्बी, बिम्बीफल, रक्तफला, बिम्ब, बिम्बजा, बिम्बा, बिम्बिका १२

१-ओष्ठनामोंपर उपमाअर्थके शब्दलगाने से कन्दूरी(इन्द्रायण)के नाम होते हैं जैसे ओष्ठोपम; दन्तद्वयोपम आदि

कन्या ना० अंगजा, आत्मजा, कन्यका, कन्या, कुमारी, तनया, तनुजा, तनूजा, दुहिता, पुत्री, बेटी, सुता १२

कपटी ना० अनृज्जु, निकृत, कपटी, शठ ४ कपड़ा ना० अंशुक, अम्बर, आच्छादन, चीर, चेल, चेली, चैल, चोली, द्वादन, दुकूल, निचोल, पट, बसन, बख्र, बासा, वास, वासा, शुक १८

कपड़ाश्चछा ना० पट, पट्टि, पटी, मुचेलक, ४

कपड़ा का किनारा ना० निवीत, निवीता, निवृत, प्रवृत, प्राविता ५

कपड़ाकीपती ना० बहुमूल्य, बहुमूल्य, महाधन ३

कपड़ाकोरा ना० अनाहन, तन्त्रक, नवाम्बर, निष्प्रवाणी ४

कपड़ाके चिथड़े ना० कर्पट, नक्तक, लक्तक ३ कपड़ाकीचौड़ाई ना० परिणाह, विशालता विस्तार ३

कपड़ाके दोनों किनारा ना० दशा-वस्तप, वास्त ३

कपड़ा पुराना ना० जीर्णवस्त्र, पटच्चर, वस्त्रजीर्ण ३

कपड़ामोटा ना० बराशि, बरास, स्थूल शाटक, स्थूलशाटका ४

कपड़ाकीलम्बाई ना० आनाह, आयति, आयाम, आरोह, दैर्घ्य ५

कपड़ासूती ना० कर्पास, फाल, बादर ३ कपार (खोपड़ी) ना० कपार, कपाल, कर्पर, कर्पीर, शिरास्थि ५

कपास (रुई) ना० कपास, कर्पास, कर्पासी तुगडकेरी, तुगिडकेरी, पिचु, बादर, बादरा, वदरा, समुद्रांता १०

कपूर ना० कदलीसुत, कपूर, कर्पूर, प्रनसार चन्द्र, चन्द्रशिता, चन्द्रसंज्ञा, भूतीक, शीत-प्रभ, शीतमयूख, शीतमरीचि, शीतरस्मि, सिताभ, सिताभ्र, सितकर, हिम, हिमांशु, हिमबालुक, हिमाह्वय, हिमाह्व २०

१-केलानामोंपरसुत अर्थकेशब्द लगानेसे कपूरके नाम होते हैं जैसे कदलीसुत आदि

कबीला (औ०) ना० कपीला, कबीला, कमीला, कपिल्ल, कर्कश, काम्पिल्य, कापिल्ल, कापील; चन्द्र, रक्तांग, रेची, रेचनक, रेचनी, रोचन, रोचनी, रोचनिका, लोहितांग १७ कबूतर ना० कपोत, कपोतक, कबूतर, कल-

रव, घुर्धुरकृत, पाण्डुर, पारापत, पारावत, फारुता, मंजुघोष, मंजुघोषा, मदोत्कट १२

कमर ना० श्रवलग्न, ककुद्मती, कट, कटि, कटी, कमर, करिहां, फलकश्रोणि, मध्यः, मध्यमः विलग्न, श्रोणीफल, श्रोणि, श्रोणिफल, श्रोणिफलक, श्रोणी, श्रोणीफल, श्रोणीफलक १८

कमरख ना० कमरख, करमरंग, कर्मरंग, कर्मांग, भव्य, बृहदम्ल ६

कमरी ना० उर्णागु, उर्णा, कमरी, कम्बल ४

कमल ना० अञ्ज, अमयज, अम्बुज, अम्बोज, अम्भोरुह, अरविन्द, अर्णज, अस्यपत्र, इन्दीवर, उत्पल, कंज, कमल, कल्हार, कुमोद, कुव, कुवलय, कुबेल, कुशेशय, कुसेसय, कैरव, कोकनद, जलज, तामरस, तोयज तोयसुत, तोयासुत, नलिन, नरिज, नील, नीलाम्बुज, पंकज, पंकेरुह, पद्म, पद्म, पयज-पाथज, पाथोज, पुटक, पुगडरीक, पुष्कर, भुवनज, महोत्पल, रक्तसंध्यक, राजिव, राजीववनज; विसप्रसून; वारिज, शतदल, शतपत्र, शतपत्री, श्वेतस्वरूप, सरज, सरसीरुह, मरोज, सरोरुह, सरोजन्मन, सलिलसुत, सहसदल, सहसपत्र, सारस, हल्ल, हल्लक, क्षीरज ६०

कमलउजला ना० अम्बोज, अम्भोरुह, अरविन्द, अर्विन्द, आम्बोज्ज्व, कमलश्वेत, कमलोज्जल, कुमुद, कुशेशय, कुसेसय, कुहा-अञ्ज, कुहाञ्ज, कैरव, नल, नलिन, पंकज, पंकेरुह, तामरस, पद्म, पद्म, पुण्डरीक, पुष्कर, महोत्पल, राजिव, राजीव, विशप्रसून, विषप्रसून, शतपत्र, शतपत्री, शरत्पद्म, श्वेतोत्पल, श्वेताम्बोज, श्वेतकमल, सरसीरुह,

सरोज, सहसदल, सहस्रदल, सहस्रपत्र, सारस, सिताम्बोज ४०

कमलनीला ना० इन्दीवर, इन्दीवर, इन्दीवार, कुवलय, नीलकमल, नीलाम्बुज, नीलोत्पल ७

कमललाल ना० कुमुद, कोकनद, रक्तसंध्यक, रक्तसंध्यक, रक्तसरोरुह, रक्तोत्पल, शोणितोत्पल, हल्ल, हल्लक ९

१-पानी नामोंपर जकारलगानेसे कमल के नाम होतेहैं जैसे तोयज आदि

२-कमलनामोंपर सुतार्थके शब्द लगानेसे ब्रह्मा और पति अर्थ के शब्दलगानेसे सूर्य के नाम होतेहैं जैसे कमलज, पंकजपीतम आदि

कमलगड्डा ना० गालोच्च, पद्मबीज, पद्मकर्कटी, पद्माक्ष, वराटक, वीनकोश, बीनकोप, श्यामा ८

कमलजड़ ( भसीड़ ) ना० कमलमूल, करहाट, करहाटक, भसीड़, भसीड़ा, मृणाल, मृणाली, विश, विष, विस, शिफा, शिफाक, शिफाकन्द १३

कमलदण्ड ना० नलनीरुह, नाल, नाली, मिश, मृनाल, मृनालिका, विशअम्बोजा ७

कमलपल्लव ना० कमलपल्लव, कमलपत्र, नवदल, संवर्ति, संवर्तिका, संवर्ती ६

कमलरज ना० कमलधूलि, कमलरज, कांचनाह्वय, किञ्जल्क, केशर, केमर ६

कमलनी ना० कमलनी, कमलिनी, नलिनी पद्मिनी, पद्मिनी, पुटकिनी, विसिनी, पुरोजिनी, सरोरुह ( ह ) सरोरुह १०

कम्भारी ( औ ) ना० कम्भारी, कश्मीरी, काश्मरी, काश्मर्य, काश्मर्यो, कश्मरी, कृष्ण-वृन्तिका, खम्भारी, गम्भारी, भद्रपरीकी,

भद्रपर्णी, भद्रपर्णीकी, मधुपर्णिका, मधुपर्णी  
श्रीपर्णी, सर्वतोभद्रा, सर्वभद्रा, हीरा १८

कम्पर ना० कम्पर, कम्बल, कम्मल, रत्नक ४  
करकौच ना० करकौच, करकुल,  
काचा, कुड, कुंच, कुंचा, कुंच ७

करंजी(पौ०)ना० अंगारबल्ली, अंगारबल्ली  
काकतिक्ता, करञ्जिका, करंजी, वायसी ६  
करधनी (पुरुषोक्ती)ना० पुरुषकटिभूषण,  
श्रृंखल, श्रृंखला ३

करधनी (स्त्रियोक्ती) ना० कांचि, कांची  
किंकिर्णा, किंकिनि, किंकिनी, मेखला, रशना,  
रसन, सप्तकि, सप्तकी, सारसन, खीकटि-  
भूषण, खीकटिभूषणा, लुद्रवण्टिका, लुद्रा,  
लुद्रावलि, लुद्रावली १७

करमुआसाग ना० करमुआ, करेमुआ,  
कलम्ब, कलम्बक, कलम्बी, कलम्बू ६

करियाट (श्यामलता) अनन्ता, उत्पल-  
शारिवा, करियाट, गोपा, गोपी, शारिवा,  
श्यामा, श्यामलता, सारिवा १०

१-येही गुलीरस व श्यामलता व पी-  
परि व शम्बके नाम हैं ॥

करीलवृत्त ना० अपत्र, करीर, करीरक,  
करील, करकच, करकर, गूढपत्र, गूथिक,  
गूथिग, मरुभूरुह १०

करुणारस ना० अनुकम्पा, अनुकोश,  
करुणा, कारुण्य, कृपा, दया ६

करेजा ना० अग्रमांस, करेज, करेजा, क-  
लेजा, बुक, बुकन, बुका, बुकाग्रमांस, बुकी,  
बूक, बूकन, बूका, बूक, बूकन, बूका १५

करेला ना० कटिलक, कटिल्ल, कटिल्लक  
करेला, करैला, कारबल्ली, कारबेल्ल, कार-

बेल्लक, सुकांड, सुशवी, सुषवी, सुसवी १२  
करौदा (दोनों) ना० अविग्न, आविग्न,  
करमदे, करमदी, करमाईका, करमईक,  
कृष्णपाकफल, कृष्णपाक, कृष्णफल, कृष्ण-  
फलपाक, पाककृष्णाफल, पाककृष्णा, व. रिवर  
सुषेण, सुषेण, १५

कर्जुज ना० कम्बि, कम्बी, करजुल, कर्जुल,  
कलजुल, खज, खजाका, दर्बि, दर्बी, दर्बी १०  
१-येही चिमचाके भी नाम हैं

कलवार ना० कलवार, कलाल, मण्डहा-  
रक, शौण्डिक ४

कलसा ना० कलश, कलशा, कलशि,  
कलशी, कलस, कलसा, कलसि, कलसी,  
कुट, कुम्भ, घट, घटी, निप १३

कलिदारी, औ०)ना० अग्निशिखा, अति  
निहा, अनन्ता, करिहारी, कलिहारी, गर्भ-  
घातिनी, गर्भपातिनी, गर्भनुत, नलपुराष्टिका,  
पुष्यसंचारी, पुष्पसौरभा, प्रमदी, लांगळी,  
लांगलिका, लांगलिनी, बन्हिचक्रो, बन्हिशि-  
खा, विद्युद्युक्त, विशल्या, विषल्या, शक्रपु-  
ष्पी, शक्रपुष्पका, हलनाबारा, हलिनी २१

कली (बोडरी) ना० कालि, कलिका,  
कली, कारक ४

कलीनई ना० जालक, जारक, क्षारका ३  
कलीफूलती ना० कुडमल, कुडमल, मुकुल ३  
कलौजी ना० उपकुचि, उपकुंची, कुची,  
कुंचिका कुंचिका, बृहज्जीरक, सुषवी ७

कल्पवृत्त ना० कल्पतरु, कल्पवृत्त,  
देवतरु, पारिजात, पारिजातक, मन्दार,  
सन्तान, हरिचन्दन ८

१-कल्प और देवतानामोंपर वृत्तनाम

के शब्द लगानेसे कल्पवृक्षके नाम होते हैं  
जैसे कल्पतरु, देवतरु आदि ॥

कल्याण ना० कल्याण, कल्याणी,  
कुशल, कुषल, कुसल, भद्र, भद्र, भविक,  
मन्थ, भावुक, भेगल, शस्त, शिव, शुभ,  
श्रेयः, श्रेयस्, सं, सस्त, स्वः, स्वा, क्षेम २१  
कवच ना० उरुच्छद, कंककटक, कवच,  
जगर, जागर, तनुत्र, दंशन, दंसन, वेर्म २

कवचपहिनेहुण ना० ऊरुकंकट, कवच-  
धारी, दंशित, वर्मित, व्यूढकंकट, सज्ज,  
सन्नद्ध ७

कवाचचीनी ना० ककोल, ककोलक,  
कंकोलक, कवाचचीनी, कोशफल ५

कशेरू ना० गुण्डकन्द; क्षुद्रमुस्ता २  
कशीटी ना० कष, कशीटी, निकष,  
शाण, शान ९ ( येहीशाणके नाम हैं )

कसाई ना० कौटिक, मांसविक्रेता, मां-  
सिक, वैतसिक ४

कसीस ना० कशीश, कासीस; कासी-  
सत्रितय ३

कसौदीगाजर ना० कर्कश, काशमर्द,  
काशमर्द; गाजर, पत्रोपस्कर ५

कस्तूरियाहरिण ना० कस्तूरी, कस्तू-  
रिया, गंधी, मुण्डिनी; मुण्डी, मृगमादिक ६

कस्तूरी ना० कस्तूरिका, कस्तूरिका;  
कस्तूरी, नाभिः, मदः, मदनी, मृगः, मृग  
नाभिः, मृगनाभिनागर, मृगवद, मृगना  
भिजा, मृगाण्डजा, ललिता, वेदमुख्या, सह-  
सृभित्, सहस्रवेधी १६

कहना ना० कथन, निगद, निगाद ३

कहाहुआ ना० अभिहित, आख्यात,  
उक्त, उदित, कथित, जल्पित, भाषित, लपित

— का —

काकई ( फल ) ना० कांकई, किंकिणी,  
प्रथिल, देवतरु, व्याघ्रपाद, व्याघ्रपात् ६  
कांच ना० कांच, क्षार २

कांजी ना० अवन्तिसोम, आरनालक,  
कांचिक, कांजिक, कांजिका, कांजी, कांजीक,  
कांजीका, कुञ्जल, कुन्माष, कुन्माषाभि-  
युत, कन्मास, धान्याम्ल, सौषीर १४

कांटा (तौलनेका) ना० एषणिका, कांटा,  
नराची, नाराची ४ ( येहीतराजूके भी नाम हैं )

कांदीबालू ना० कर्दमक, कांदीबालू,  
पंक, बालुका, सिकत्य ९

कांधा ना० अंश, अंस, कंध, कन्धर,  
कन्धा, करधर, कांधा, भुजाशिर, भुजासिर,  
स्कन्ध, स्कंधः, स्कंधस १२

कांपना ना० कम्प, कम्पन, कम्पित,  
वेपथु ४

कांपनेवाला ना० कम्पन, कम्प, चटल,  
चपल, चलन ५

कांपाहुआथोडा ना० आकंपित, आयुत,  
चलित, धुत, प्रेक्षित, बेलित ६

कांशीसद्धप ना० कांसी, तप्तलोमस,  
सषेचर, साधीतु ४

कांशीसद्धप ( दूमरी ) ना० तुवर,  
पुष्पका, वस्त्ररागधृक, सीमहे ४

कांस (तृण) ना० इन्नुगंधा, काण्डकाण्डक  
काशक; काश, काशा, काशी, कास, पोतगल =

कांसा ( धातु ) ना० कांसा, कांस्य,  
निजवोष, पंचलोह, प्रकाशक, लोह ६

काकमांची ( कौआहांडीगोडी )  
ना० काकजंघा, काकतिका, काकनासा,



काकनासिका, काकभिया, काकमाचि, काकमाची, काकमाता; काकांगा, काकांगि काकाजालुक, काकांची, काका, काकांगी, कौआठोटी, दासा, दासीध्वान्तमाची, नदीकांता, पारा, रसायनी, वतपदी, वायसी, समंतिका, सुलोमशा २४

काकभास ना० काकभास, राधुरजमज, शिखावाक्त, संतौगृही ४

काकरासिगी ना० ऋषभ, कर्क, कर्कट कर्कशृंगी; कर्कटाहा; कर्कटी; कर्कटश्रंगि का, कर्कटश्रंगी, कर्कटाख्या, काकडाशृंगी काकराशृंगी, कुडीरशृंगी, नतांगी, महाश्रीपा, वृष; शृंगनामनी, शृंगी १७

काकुनि ना० ककुनी, काकुनि, कारम्भा, गंधफली, गुन्द्रा, गोवन्दिनी, प्रियक, मियंगु, फलिनी, फली, महिला, महिलाद्वया, विष्वकसेना, श्यामा १४

काकोली ना० ककोली, ककोली, क-यस्था, काका, काकोल, काकोली, कायस्था, कायस्थिका, मधुरा, वयस्था, वायसोली, वीरा, स्वादुमांसी, स्वादुरसा १४

काजल ना० कुल, कुलत्था, कुलत्थिका कुलाली, चक्षुष्या ९

काञ्चनी (स्वर्णचल्ली) ना० काक-वल्लरी, काकायु, काञ्चनी, रक्तफला, स्वर्णवल्ली, स्वर्णवल्लिका ६

कातिक ना० ऊज, कातिक, कार्तिक, कार्तिकिक, बहुल, बाहुल ६

कान ना० कर्ण, कान, शब्दग्रह, श्रव, श्रवण, श्रवसी, श्रुति, श्रोतु, श्रोत्र, श्रोत्र १०

कामदेव ना० अतन, अनंग, अनन्यज, अस्मर, आतमभू, आत्मभू, कन्दर्प, काम,

कामदेव, कुमुमधनु, कुमुमपु, जगहेतु, भ-ककेतु, भूषकेतु, दर्पक, दारन, पंचवाण, पंचसर, पुष्पचाप, पुष्पजनक, पुष्पधनुष, पुष्पधनु, पुष्पधन्वा, प्रद्युम्न, प्रद्विम्न, मकरध्वज, मनजात, मदन, मनमथ, मनमथन, मनसिज, मनोज, मनोभव, मन्मथ, मयन, मानसनिकेत, मार, मीनकेतन, मीनकेतु, मैत्र, रतिपति, रतीश, वितन, विरह-विदारण, विषमवाण, वृष, शम्बरारि, सम्बररिपु; सम्बरारि, स्मर, हरिव्यापक, हृदयनिकेत ९२

१-पुष्पनामोंपर धनुषनामके शब्द, मन नामोंपरनिकेत औरजातार्थकेशब्द, मङ्गली नामोंपर केतु, बाण नामोंकेपूर्व पंच और विषम शब्द, रति नामोंपर पति अर्थीशब्द और सम्बरनामोंपर शत्रुअर्थी शब्दलगाने से कामदेवके नाम होते हैं जैसे पुष्पचाप, मानसनिकेत, मनजात, भूककेतु, पंचवाण विषमवाण, रतिनाथ, सम्बररिपु आदि ॥

२-कामदेव नामोंपर रिपुअर्थके शब्द लगानेसे महादेवकेनाम होते हैं जैसे कामारि कामी ना० अनुक, अभिक, अभीक, कमन, कामिता, कम्, कामन, कामयिता, कामा, कामुक, पुरचल १०

कायफर ना० कटफल, कायफर, काय-फल, कुमुदा, कुमुदिका, कुम्भिका, कुम्भी, कैटर्थ, कैडर्थ, भद्रवती, भद्रा, महाकुम्भी, श्रीपथिका, श्रीपथी, सोमवल्ल १५

कारण ना० करण, कारण, बीज, हेतु ४ कार्थकारुकरना ना० अतिबन्ध, प्रतिष्ठम्भ; विष्ठम्भ ३

कालासाग ना० कालशाक, कालासाग

— ❁ कि ❁ —

किन्नर ना० किन्नर, किम्पुरुष, तुरंग-  
वदन, मयुः ४

किरण ना० अंशु, अभीश, अर्चि, उम्र,  
करः, किरण, किरणि, किरन, किर्ण,  
खेदिष्ट, गभस्त, गभस्ति, गो, दीघत, दीघिति,  
धृणि, धृष्णि, प्रदिन, भानुः, मयूख, मयूप,  
मरीचि, रश्मि, वसु २४

किशान, ना० कर्षक, कार्षक, कृषिक,  
कृषीबल, नेत्रकर, ज्ञेयकृत; ज्ञेयान्जीवन ७  
किसमिस ना० काकलीद्राक्षा, काको-  
लीद्राक्षा; निर्वीजद्राक्षा, लघुद्राक्षा ४

— ❁ की ❁ —

कीचड़ ना० कर्दम, कीचड़, चहला,  
चहटा, जंवाल, निपद्ग, पंक, शाद ८

१-कीचड़ नामोंपर जकार लगानेसे क-  
मलके नाम होतेहैं जैसे पंकज, शादजआदि  
२-कमल नामोंपर सुतअर्थके शब्दलगानेसे  
ब्रह्मकेनाम होतेहैं जैसे पंकजमुअन आदि

— ❁ कु ❁ —

कुआर (मास) ना० अश्वयुज, अश्वयुज,  
आश्विन, इष, इषु, ईष, कुआर, कुआर =  
कुकरौषा ना० कुकरौषा, कुकरौषा, कुकुद्धर  
कुकर, कुकर गठिवन; ग्रान्थपर्णी, ग्रान्थपर्णी,  
रोमशुक, वर्हिपुष्प, वर्हिः, वर्हिनपुष्प, वर्ह,  
वर्हि, वर्हिवर्हि; वर्ही, शार्णि, शुकपुष्प, शुक-  
च्छक, शुक, शुकवर्ह, स्थौण्य, स्थौण्यक २३

कुचिला ना० करदुम, काकतिन्दुक,  
काकपीलु, काकपीलुक, काकेन्दु, कालति

न्दुक, कालपीलुक, काकाएड, काकस्फूर्ज,  
कुचिला, कुलक, कुपीलु, तिन्दुक, तिन्दुकि  
तिन्दुकी, तिन्दुल, मर्कट, तिन्दुक, विषतिन्दुक  
कुटकी (औषधि) ना० अशोकरोहिणी,  
अशोका, कटम्बरा, कटम्बरा, कटुक, कटुकी,  
कटुका, कटुम्बरा, कटुरोहिणी, कांडरुहा,  
काण्डेरुहा, कृष्णभेदा, कृष्णभेदा, केदारकुट  
की, चक्रांगी, जांगी, तिक्ता, वकुला, मत्स्य  
शकला, मत्स्यपिता, मत्स्य पिन्ना, रोहिणी,  
शकुलादनी, शकलादिनी, सादनी २५

कुटनी ना० कुटनी, कटनी, शंभली, संभली ४  
कुण्डल ना० कर्णभूषण, कर्णवेष्टन, कुण्डल ३  
कुड़ा (वृक्षविशेष) ना० काही, कीटज, कुटज,  
कुटच; कृत्तिका, कुटज, गिरमल्लिका, पांडुरदुम,  
मल्लिकापुष्प, यवफल, वत्सक, वरातिक, वत्सा  
ह्व, वृक्षक, शक्रभूरुह, शक, शक्रद्रुम, शक्रपथ्या  
य, शक्रपादप, शक्रशाखी, शक्राशन, शक्राह्वय  
संग्राहिन; संग्रही; संघाहिन; संघाही २४

कुलिया ना० कुकरी, कुकरी, कृतिया,  
कृतज्ञका, कौल्यका, कौलया, गृहपालिका,  
ग्रामसिंहका, पुरोगतिका, भपका, भीपणा,  
मंडला, मृगदांशका, शुनका, शूनी, श्वनी,  
श्वानी, सन्मा, सन्नी, स्वानी २०

कुत्ता ना० इन्द्रमहकायुक, कुकर, कुकर,  
कुकर कुकर, कुत्तुंग, कुत्ता, कुकर, कृतज्ञ,  
कौल्य, कौल्यक, गृहपाला, ग्रामसिंह,  
पुरोगति, भषक, भीपणा, मण्डल, मृगदशक,  
शुन, शुनक, शुना, शुनि, शुनु, श्व, श्वा,  
श्वान्, स्वा, स्वान २०

कुदार ना० अवदारण, कसी, कुदार,  
कुदाल, खानि ५

कुन्द (पुष्पविशेष) ना० कुन्द, मनोहर,  
माध्य, नोरट; शुक्लपुष्प, सदापुष्प ५

कुन्दरू ना० आंष्टोपमफला, कुंदक,  
कुन्दुरुक, कुन्दरू; कुन्दुर, कुन्दुरु, तुण्डके-  
री, तुण्डिकेरी, तुण्डी, दंतद्वयोपमफला,  
पीलुपर्णी, विबिका, विंबी, भीषण, मुकुन्द,  
मुकुन्दु; रक्तफला १८

कुंवारी ना० कुआरी, कुमारी, कुवारी,  
बाला, वासू ६

कुमुदिनी ना० कमोदनी, कुमुद, मुकुद,  
कुमुदवती, कुमुदिनी, कुमुद्वती, फफूली ७

कुम्हार ना० कुम्भकार, कुम्भार, कुम्हार  
कुलाल ४

कुररी (पत्नी) ना० उत्क्रोश, कुरर कुररी ३  
कुरैया ( औषधि ) ना० इन्द्र, कालिंग,  
कूटज, कुरैया, कूटज, कौट, कौटज, गिरि-  
मल्लिका, पांडुरद्रुम, मल्लिकापुष्प, वत्सक,  
यवफल, वरतिक्त, वृक्षक, शक्र, शक्तिभूरुह,  
शक्रशाखा १७

कुलिजन ( औषधिविशेष ) ना० उगू-  
गंवा, कुलिजन, कुलीजन, महभरी, सुगंधा  
कुलीन ना० कुलसम्भव, कुलीन, वीज्य,  
कुलथी ना० कुरथी, कुलतिथका, कुलथी,  
कुलत्थ, कुल्माप, कुल्मास, यावक ९

कुल्हारी ना० कुठार, कुठारी, कुदारी,  
कुदाली, कुल्हाड़ी, कुल्हारि, कुल्हारी.  
परशु, परश्वध, परस्वध, पर्शु, पश्वध,  
स्वार्धति १ ३ येही फौड़ा (फरहा) केनामहै

कुवेर ना० अलकापति, अलकावाहि-  
पति, एकपिंग, एकपिंगल, ऐडविड, ऐड-  
विल, ऐलविड, ऐलबिल, ऐलबिल्य, कि-

न्नराधिप, किन्नरपति, किन्नरेश, कुवेर,  
गुहूकेश, गुहूकेश, गुहूकपति, गुहूकेद्वर,  
दूंपद, दूंपपति, दूव्याधीश, धनद, धनपति,  
धनाधिप धनेश, नरवाहन; पुण्यजनपति,  
पुण्यजनेश्वर, पुण्यजनेस्वर, पौलस्त्य,  
मनुष्यधर्मा, यक्ष, यक्षपति, यक्षराट्,  
यक्षराज, यक्षेश, यक्षेश्वर, राजराज, वित्त-  
श, वैश्रवण, श्रीद, हरसखा, त्रम्बकसख,  
त्रम्बकसखा ४६

१ धननामोंपर पतिअर्थ के शब्दलगाने से  
कुवेरकेनामहोतेहैं जैसेधनपति आदि

कुवेरदूत ना० किन्नर, किम्पुरुप, तुरंगव-  
दन, मयु ४

कुवेरपुत्र ना० कुवेगात्मज, कुवेरतनय,  
नलकूबर, मनिप्रीव ४

कुश ना० कुथ, कुश, डाभ, दर्भ, पवित्र,  
यज्ञभूषण, वरिह, सूच्यग्र ८

कुशलानन्द ना० आनन्दन, आप्रच्छन्न,  
आमन्त्रण, कुशलानन्द, सभाजन, स्वभाजन ६

कुसुम ना० कमलोत्तरम, कुसुम, कुसुम्भ,  
कुक्कुटशिखा कुसुम्भ, पावक, पीत, महारंजनम,  
लट्वा, वान्हिशिख, वल्लरञ्जन १०

कुसुमधीज ना० वरटा, वरट्टिका, वरै ३

— कू —

कूजा (पुष्प) ना० आंतकेशर, अलिकुलसंकु-  
ला, कुञ्ज, कुञ्जक, कंटकादध-खर्व, नाला,  
भद्रतरुणी, महासह, महासहा, बृहत्पुष्प १

कूट ( औषधि ) ना० आप्य, उत्पल,  
कुष्ठः, कूट, कौवेर, पाकल, पारिभद्रक,  
पारिभव्य, पारिभाव्य, रोगाह्वय, वाप्य ११

कूप ना० अन्धु, आवत, उत्स, उदपान,

ऋश्यदात, काट, कातु, कारोतर, कुआं, कुशय, कूआं, कूप, केवट, क्रिवि, खात, प्रहि, वत्र, सुद ? ८

कूला ना० कटिः, कटिमोथ, कटिमोथौ, कुल्ला, कूल, कूला, प्रोथ, स्फिचौ ८

— कृ —

कृष्ण ना० अद्वैत, अक्षतारी, असुरदमन, असुरगंरी, अज्ञात, आनन्याम्पात, कंसदमन, कंसनिकन्दन, कंसहतन, कंसाराति, कालीदमन, कालीमदमर्दन, कालीमर्दन, कुंजविहारी, कूचरूपति, कृष्ण, कृष्णचन्द, केशव, केशीदलन, केशीमदमर्दन, केशीमर्दन, केशीसूदन, कैटभमर्दन, कैटमारि, गिरधर, गिरधारी, गिरवरधारी, गोचारण, गोचारी, गोपनन्दन, गोपपति, गोपाल, गोपिकानाथ, गोपिकापति, गोपीजनवल्लभ, गोपीनाथ, गोपीवन्द्य, गोपीजनवल्लभ, गोमतीनाथ, गोमतीपति, गोवरधनधर, गोवर्द्धनधर, गोवर्धनधर, गोवरर्धनधारी, गोविन्द, घनश्याम, चाणूरनिपाती, चाणूरविधाती, चतुर्वर्गप्रदायक, चन्द्रवंशअवतंश, जगतगुरु, जगन्नाथ, जनार्दन, जीभावन, दधिचोर, दयासिन्धु, दामोदर, देवकीसुत, देवकीसुत्रन, दैत्यविदारण, दैत्यारि, नटनागर, नटवर, नन्दकिशोर, नन्दनन्दन, नन्दलाल, नन्दसुवन, नारायण, निरालम्बु, पीतपटधारी, पीताम्बरधारी, पूतनाघातन, पूतनादलन, पूतनानाशन, पूतनापतन, पूतनाहतन, प्रभानिधि, प्रभु, प्रभू, प्रलम्बारिपु, प्रलम्बारि, चनमाली, बनवारी, बल्लभलाल, मंजुलम्बाल, मथुरानाथ, मथुरापति, मथुरेश, मदनतात, मदनमद-

मोचन, मनहारी, मनोस्म, मनोहर, माखनचोर, मोहन, यदुकुलपति, यदुकुलभरण, यशुदानन्दन, यशुदासुत, यशुमतिवाल, रमानाथ, रमापति, राधापति, राधारमण, राधिकावल्लभ, रामानुज, रुक्मिणपति, रुक्मिणीनाथ, रुक्मिणीरमण, लक्ष्मीपति, बंशीधर, बकारि, बकारी, वायसागि, वासुदेव, विष्णु, विहारी, वीरवर, वृजनाथ, वृजपति श्याम, श्यामघन, श्रीकंत, श्रीधर, श्रीनाथ, श्रीपति, सुखकारी, सुरपतिमदभंजन, सुरपतिमदमोचन, स्वयंश्री, हंसदुति, हरि, त्रिभंग, त्रिभंगी ? ३६

१-जोविष्णुके नामहैं वेही श्रीकृष्णके भी नाम हैं ( विष्णुके नाम देखो )

२-कंस, काला, कैटभ, दैत्य, पूतना, बक, वायस नामोंपर नाशन अरि और मर्दन अर्थके शब्द गिरनामोंपर धरअर्थके शब्द गोनामोंपर चारण अर्थके शब्द, नन्द यशोदा, और देवकी नामों पर सुत अर्थके शब्द, माखन नामोंपर चोरअर्थके शब्द यदु, और चन्द्रवंश नामोंपर नाथ और भूषण अर्थके शब्द गोपी, राधा और रुक्मिणी नामोंपर पति अर्थके शब्द लगानेसे श्रीकृष्णके नाम होते हैं ॥

कृष्णागरु ना० अगुरु, अनार्जक, अनार्थक, अनार्थज, काकतुण्ड, कृमिज, कृमिजग्व, कृष्णअगरु, कृष्णागरु, विश्वरूपक ६

केकड़ा ना० करकट, करकड़, कर्कट, कर्कटिक, कर्कटिल, कुरुचिन्लक, कुलिर, कुल्लार, कंकड़, परिचक, पोटशांश ? १ केसुता ना० अञ्जलुक, किञ्जलुकन,

१६ \* १७

किंचिलिक, किंचुल, किंचुलुक, किंचुलुक,  
गरडूपद, महीलता, शूककीट ९

केंचुल (सांपकीखाल) ना० कंचुक, कंचुल,  
केंचुल, निर्म्मोक ४

केतकी ना० केतकि, केतकी, ककचच्छद,  
तृणद्रुम, सूचिपुष्प सूचीपुष्प ६

कैवडा ( पुष्पप्रसिद्धि ) ना० केतक,  
कैवडा, कैवरा, ककचच्छद, जम्बुक, पुष्प-  
वामर, सूचिपुष्प, सूचिकापुष्प ८

कैवाच ना० अनरा, अनहा, अध्यरडा,  
अव्यंगा, अव्यडा, आत्मशुप्ता, ऋष्यप्रोक्ता,  
करडूकरी, करडुरा, करडूरा; कपिकच्छु,  
कपिकच्छुरा, कपिकच्छू, कपिलता, कवांच,  
केमाच, केवांच, कैच, कौछ, क्यवांच, गात्र-  
भंगा, गुप्ता, चरडा, जडा, दुस्पर्शा, प्रावृषा-  
यणी, मर्कटी, लांगली, शुकशिम्बा, शुक-  
शिम्बी, शूकाशिम्बि, शूकाशिम्बी, सद्यःशोथा  
स्वर्णगुप्ता ३०

केला ना० अंशुमत्फला, अंशुमतीफला  
अंसुमत्फला, अजादिमान, अम्बुसारा, ऊरु-  
स्तंभा, कदल, कदला, कदली, कछील, का  
पठीला, करटाप, केरा, केला, गुच्छदंतिका,  
गुच्छफला, ततपत्री, पतच्छदा, वारणा,  
वारणबुसा, वारबुसा, भानुफला, मंजिफला  
मोचा, रम्भा, लोचक, वारणबुसा, वार-  
नबुसा, वीरा, सकृत्फला, संतर्षण; सुपुष्पी;  
हस्तिविषाणी ३३

केवाडा ना० अरर, अररि, अररी,  
कपाट, कपाटी, कवाट, कवाटी, केवाड,  
केवाडा ९

केशर ना० अग्निशिख, अग्निशेखर, काश्मीर,

कान्त, कावेर, काश्मीरजन्म; काश्मीरजन्मन,  
काश्मीरजन्मा, काश्मीरी, कुंकुम, कुम्भाम्भक;  
केशर, केशर; खल; यमृण, घल, घुमृण, चारु,  
धीर, पिशुनपीतक, पीतकावेर, वर, बलिहक,  
रक्त, रक्तचन्दन, रुधिर, लोहितचन्दन, वर,  
वरैण, वर्ण, वाल्हक, वालहीक, श्रोणित,  
संकाच; संकाचपिशुन ३७

—कै—

कैथा ( वृक्ष व फल ) ना० कपित्थ, कपिप्रिय,  
कवित्थ, करवल्लभ, करजफलक, काठिन्यफल  
कैत, कैथ, कैथा, खरपादादच; ग्राहिकल,  
ग्राहिन, ग्राही, दधित्थ, दधिकल, दन्तशठ,  
दविद्धा, पुष्पफल, मन्मथ, लिङ्गक; लिङ्गवर्द्ध;  
सम्भव्य; सुरभिद्ध २३

कैदी ना० कौलित, कैदी, चन्दी, बंधुआ,  
वद्ध; संयत ६

—को—

कोद्दी ना० कुष्टि, कुष्टी, कुष्ठ, कोदि,  
कोद्दी, मंडलक, शिवत्र, श्वेत, श्वेत्र ९

कोण ( दिशाकामध्य ) ना० अपादिश,  
कोण, कोन, प्रदिक, विदिक ५

कोदौ ना० कुद्रव, कोदव, कोद्रव, कोदौ,  
कोरदूष, कोरदूषक ७

कोदौवन ना० उहाल, वनकोद्रव २  
कोमल ना० कोमल, मंजुल, मृदु, मृदुल,  
सुकुमार ४

कोयली ना० अम्बुखण्डन, अहारी,  
आहारी, कलकशठ, कलरव, कोकिल,  
कोकिला, कोयल, कोयली, ताम्राक्ष, परभृत्,  
पारिभृत्, पिक, पिकी, पुरपुष्ट, मधुदूत, मधु-  
दूतक, रक्तदृग; वनप्रिय १६

कोशाम्रवृक्ष ना० कृमिवृक्ष, क्रोषाम्,  
कोशाम्, घनस्कन्ध, सुकोशक, चुद्राम् ६

कोहड़ा ना० कुम्हड़ा, कुष्माण्ड, कुष्माण्डक  
कुष्माण्डक, कोहड़ा, गंगाफल, वृणावास,  
पुष्पफल, पीतपुष्प, बृहत्फल, सीताफल १२  
कोहड़ा भूमिउजला ना० अक्षुगंधिका,  
भूमिकोहड़ाश्वेत, महाश्वेता, श्वेतभूमि -  
ष्माण्ड, क्षीरविदारी, क्षीरवल्ली, क्षीरवि-  
दारिका, क्षीरशुक्ला =

कोहड़ा भूमिकाला ना० इक्षुगंधा, कृष्ण  
भूमिकुष्माण्ड, क्रोष्टी, विदारी, क्षीरशुक्ला,  
कोहनी ना० कफाणि, कफणी, कफाणि,  
कफाणी, कूपरा, कूर्पर, केहनी, कोहनी,  
टिहनी ६

— ❁ कौ ❁ —

कौआटोही ( औषधिविशेष ) ना०  
काकनासा; काकतुण्डफला, काकांगी; कौ-  
आटोही, कौआटोही ५

कौंधा ना० इरंमद, कौंधा, मेघज्योति ३  
कौआ ना० अरिष्ठ, अर्ष्ठी, आत्मघोष, आत्म  
घोषा, इकदृग, इकनैन, एकदृष्टि, एकनत्र, एकान्त  
करट, कालिभुक, काक, काग, कौआ, काण, गूह  
कामी, चतुरद्विज, चिरंजीवी, द्रोण; धवाक्ष  
ध्वांज, परभृत, पिकाभिता, बलभाग, बलि-  
पुष्ट, बलिभुक, मौकली, मौकुलि, मौकुली,  
वायस, सकृतप्रज, सकृतप्रज ३२

कौआकाला व डोम ना० काकोल,  
द्रोण, द्राणकाक ३

कौआजल व धुमिला ना० कालक-  
शठक, जलकाग, दातूह, दात्यूह ४

कौडिन्लापत्ती ना० करटु, करेटु, कर्क-  
राटु, कर्करेटु ४

कौडी ना० कपही, कर्पदी, कौडी, चरा-  
चर, लघुशंखनक, वारिशुक्त, वराटिका,  
शम्बूक, चुल्लक ६

क्रकर ( करकोच पत्ती ) करकरेटु,  
करेटुक, करेटुक, क्रकण, क्रकर ५

क्रीडामात्र ना० केलि, केली, क्रीड़ा,  
खेल, खेला, द्रव, नर्म, परिहास, परीहास,  
लीला १०

क्रोध ना० अमर्ष, आकर्ष, आमर्ष, एहस्,  
कांप, क्रुध, क्रुधा, क्रोध, छोम, जूर्णि,  
तपुधी, तम, त्यज, पापवित्तु, प्रतिघ,  
भाम, मन्यु, रुष्ट, रुष, रुषा, रोष, हर,  
हणि, हेल्, हुर २५

क्रोधी ना० अमर्षण, आमर्षण, कोपन  
कोपी, क्रोधन, क्रोधी, छोमी, तापुधी, तामसी,  
मामी, रुषी, रोषी १२

— ❁ ख ❁ —

खच्चर ना० अश्वतर, खच्चर, वेगसर,  
खजांची ( रूपाका अधिकारी ) ना०  
दंकपति, नटिकक, रूपाध्यक्ष ३

खजाना ना० निधि, शंवाधि, सेवाधि ३  
खजुआना ना० कण्डू, कण्डूया, कण्डू-  
लि, खजू ४

खजुली ना० कच्छू, खजू, खान, पामन,  
पामा, पामाना, पामे, विचर्चिका =

खजूर ना० खरजूर, प्रनामय, दुरारुहार  
खडैचा ना० किंकोदिव, किंकोदिव,  
खजन, खजरिट, खंजरीट, खडीचरा,

खडरिचि, खडरिचा, खडैचा, चाँडाखा,  
ममोला ११

खण्डित ( कटाहुआ ) ना० कृत्त,ख-  
ण्डित, छात, छित, छिन्न, दात, दित,  
लून, वृक्ण ९

खपरा ( कड़ाह जिसमेंचवेनाभूनाजाता  
है ) ना० अम्बरिष, अम्बरीष, कड़ाह,  
खपरा, भ्राष्ट्र ५

खरपनिहा ( पानीकेखर ) ना० अति-  
छत्र, छत्रा, पालवन, भूस्तृण, मालातृण ५  
खरबूजह ना० खरबूजह, खर्वूजा, दशांगुल  
षड्भुजा, षडेषा, षण्मुख ६

खरी ना० खरी, खल, तिलकाकिट्ट,  
तिलपिष्टक, पतल ५

खवैया ना० अदमर, घस्मर, भक्तक,  
भक्त्याशील ४

खस ना० अभय, अमृणाल, अवदान, अव-  
दाह, इष्ट, इष्टकापथ, उशीर, उशीरक, उपीर  
उपीर, कम्बु, खस, खसखस, जलाशय,  
नलद, मृणाल, लघु, लय, लघुलय, लामंजक,  
वीर, वीरण, वीरतर, शीघ्र, शीतमूल, शी-  
तल; समगंधिक, सेव्य, हरिप्रिया २७

— ❁ खा ❁ —

खांड ना० खण्ड, खांड, फाणित, माधवी,  
मत्स्यण्डी शक्कर, शर्करा ७

खांसी ना० काश, कास, खांसी, खोखी,  
क्षवथु ५

खादित ( खायाहुआ ) ना० अन्न,  
अभ्यवहृत, अशित, खादित, गिरित, गिलि-  
त, गूत, गलस्त, चर्वित, जग्द्ध, जग्ध, प्रत्य-  
वसित, पसत, भक्षित, भुक्त, लिप्त, लीढ १७

खारी ना० ( कडुआलोन, खारी, वलुक,  
खाल ना० असृग्धरा, असृग्धारा, खाल  
चाम, त्वक, त्वच; त्वचा ७

खाली ना० तुच्छ, रिक्त, रिक्तक,  
शून्य, शून्य ६

— ❁ खि ❁ —

खिन्नी ( फलवृत्त ) ना० अर्ध्यक्ष  
खिन्नी, खिरनी, खिरिणी, फलाध्यक्ष,  
राजादन, राजादनफल, राजन्य, क्षीरिका,  
क्षीरी, क्षीरवृत्त, क्षीरशुक्ल १२

खिरैटी ( औषधि ) ना० ओदनी, खिर-  
हिटी, भद्रोदनी, समंगा ४

— ❁ खी ❁ —

खीर ना० खीर, जाउर, जाउरि, परम-  
अन्न, परमान्न, परमान्ना, पायस, क्षीरत-  
न्दुल, क्षीरतन्दुला, क्षीरिका १०

खीरा ना० कंटकीलता, कंटकीफल,  
खीरा, मूत्रफला, मूत्रल, सुधावास, सुशीतल,  
त्रपुसी, त्रपुप; त्रपुपी, १०

— ❁ खू ❁ —

खूशी ना० विहंगिका, विहंगिमा; भार-  
यष्टि; भारयष्टी ४

खून ना० अश्रु; असृक; असृज; अक्ष,  
कोणप; क्षतज; क्षतजात; रक्त; रुधिर; लोहि-  
त; लोहू; शोणित; शोनित; जतज, जतजात.

— ❁ खे ❁ —

खेत ना० केदार, खेत, वप्र, क्षेत्र ४  
खेतकाटना ना० अभिलाव; लव; लवन;  
लवनी ४

खेतजुते ना० कृष्टु; शीत्य; सीत्य; हल्य ४

खेततीनबारके जुते ना० तृतीयाकृत,  
त्रिगुणाकृत, त्रिशीत्य, त्रिसीत्य, त्रिहल्य १  
खेतदोबारके जुते ना० द्विगुणाकृत, द्विती  
याकृत, द्विशीत्य, द्विसीत्य, द्विहल्य, पम्वाकृत  
खेल ना० कुतुक, कुतूहल, कौतुक,  
कौतूहल, क्रीडा, खेल ६

खैवेया ना० नियाम, नियामक, नियामका  
पोतवह, पोतवहा, पोतवाहा ६

—● खै ●—

खैर ना० कंटकी, काण्टन, कत्या,  
खदिर, खयर, खैर, बहुशल्य, बालतनय,  
बालदलक, बालपत्र, बालपत्रक, यज्ञिय,  
रक्तसार १३

खैरउजला ना० कदर, कार्भुक, कु-  
डनकण्टक, खदिर, खदिरोपम, खयर-  
सार, खैरश्वेत, ब्रह्मशल्य, श्वेतखयर, श्वे-  
तसार, श्वेतसारक, सोमबल्क, सोमबल्कल,  
सोमसार, हिमालय १५

(इसको पपरियाकत्या भी कहते हैं)

खैरकाला ना० टुण्टक, तमाल, तिकक  
खैरलाल ना० अरुस्, असूखदिर,  
ताम्रसारक, याज्ञिक, यूपद्रुम, रक्तखदिर,  
मुसार ७

खैरदुर्गंध ना० अमरज, अरिम, अ-  
रिमेदक, आसमेद, अहिमार, अहिमारक,  
इरिमेद, कालस्कंध, कैडर्य, खदिरपात्रका  
गायत्री, गिरिभेद, गोधास्कंध, पत्रतरु,  
महासार, विटखदिर, सारखदिर १७

खैरवृत्त ना० अरिमशित, गायत्री, गा-  
यत्रिन् जिह्मशल्य, जिह्मशल्य, तिकसार,  
तिकसाक, दन्तधावन, प्रियसल, मदन, मदन  
क, यज्ञांग, यूपद्रु, भागचूर्ण, सुंशल्य, क्षीतक्षम

—● खा ●—

खोजा ( नपुंसक जागनिवासमें हंतें हैं )  
ना० वर्षवर, शंड, शंड, पंड, पंड १  
खोवा ना० किलाट, खोवा, खोहा, माया;  
खीरविकृति ५

—● ग ●—

गंधार ना० अविनीत, गंधार, दुर्विनीत,  
समुद्धत ४

गंगधूरि ( रेणुका ) ना० अमीष्ठा,  
कपिला, करिलोमा, कांता, कृतान्ता, कौंती,  
खरनादिनी, ज्योत्स्नी, द्विजा, धर्मिणी,  
नन्दिनी, पाण्डुपत्नी, पाण्डुपुत्री, ब्रह्माणी,  
भस्मगंधा, भस्मगन्धिका, भस्मगन्धिनी,  
भस्मगर्भा, महिला, रामजननी, राजपुत्री, रेणु  
रेणुका, वरात्करी, सुपणि का हरेणु, हरे-  
णुका, हिमा, हंगमन्धिनी २९

गंगा ( नदीमासिद्ध ) गंग, गंगा, जन्हु-  
तनया, जान्हवी, ध्रुवनन्दा, निगमनदी,  
निर्जरनदी, पावनी, भागीरथी, भीष्मसू,  
मन्दाकिनी, माहेश्वरी, लोकउद्धारनी, वि-  
श्वंबध्वनी, विश्वेश्वरी, विष्णुपदी, विष्णु-  
पादोदकी, शैलना, शोकहा, सुरधुनि, सु-  
रनिम्नगा, सुरसगि, त्रिपथगा, त्रिस्रोता,  
त्रैतापनाशिनी २५

१-देवता नामों पर नदीनाम के शब्द  
लगाने से गंगाके नाम होते हैं जैसे देवनद,  
दवापगा, सुरसगि आदि ॥

गजपीपर व छोटीपीपर ना० इभकणा  
इभोषण, कपिवल्ली, कपिब्लिका, करि-  
विप्पली, कुंजगविप्पली, कोलवल्ली, गज



पिप्पली, गजपीपरि, चव्यजा, चव्यफल,  
खिद्रवैदेही, तेजोवती, भव्या, वर्तुली, दशिर  
वशीर, वासिर, वारणपिप्पली, शनकावालि; शकु  
लादनी शैलजा, श्रेयशी, स्थूलवैदेही, स्थूला

गभिन्न ना० गभिन्न, घन, निविद्ध,  
निरंतर, सघन, सान्द्र ६

गटई ना० कण्ठ, कण्ठा, कण्ठी, गटई,  
गल, गला, नटई ७

गठिबन ना० कुरुपुष्प, गठिबन, गुच्छक  
गुत्थक, गुत्स, गृन्थिपर्णी, ग्रंथि, ग्रंथिक, ग्रंथि-  
पर्णी, ग्रंथिवर्ही, ग्रंथिवाहीन्, नृणपुष्प, तैल-  
पर्णक, धुनेर, नीलपुष्प, मरुत, वह, वाही,  
वाहीस्, वाहीकुसुम, वाहीपुष्प, वाहीःपुष्प,  
शीर्ष; शुक, शुकच्छद, शुकपुच्छक, शुक-  
पुष्प, शुकवर्ह, सुगन्ध, स्थौण्य, स्थौण्यक ३ १

गडासी ना० खन्ता, खन्ती, गडासी,  
स्तम्बघन, स्तम्बधन, स्तम्बहनन, स्तम्बहननी

गडुआ ना० आरु, झाल, आलु, कर्करी,  
गलन्तिका ९

गदेरिया ना० अजाजीव, अजापालक, जावाल  
गणदेवता ना० आनीला-४९, आदित्या

१२, आभास्वरा-६४, तुषिता-२६, म-  
हाराजका व महाराजिका २ से २०,

रुद्रा-११ वसवः=, विश्वे-१३ । (बहु०  
विश्वे वा विश्वेदेवा ) साध्या १२

गणेश ना० इकदन्त, एकदन्त, एकरद, एक  
रदन, एकदशन, गजबदन, गजानन, गणनाथ

गणपति, गणराउ, गणराज, गणाधिप,  
गणेश, गिरिजांगज, गिरिजानन्दन, गिरि-

जामुअन, गिरिजामुत, गौरिसुत, गौरी  
सुत, द्वैमातु, द्वैमातुर, मूषकवाहन, लम्बो-

दर, विघ्ननिधन, विघ्नराज, विघ्नेश, विना-  
यक, शम्भुमुत, शिवमुत, शुभकरण, हर-  
तनय, हरमुत, हेरम्ब ३३

१- गणशब्दपर पतिअर्थके शब्द, पार्वती  
और महादेव नामोंपर मुतअर्थके शब्द, और  
मूषक नामोंपर वाहनअर्थके शब्द लगानेसे  
गणेशजीके नाम होते हैं (नामसंज्ञादखो)

गंडीरशाक ना० गण्डीर, गण्डीरशाक,  
समछिला, समछीला ४

गदहपुरैना (उजला) ना० गदहपुरैना,  
गदहपूर्ना, गोफघनी, चिराटिका, दीर्घप-  
त्रिका, देववल्गव, पुनर्नवा, प्रत्यंगिरा,  
प्रावृषायणी, मण्डलपत्रिका; वर्षांगी, विशाख  
वैशाखी, शशिवटिका, शिवाटिका, शोधघनी,  
शोफघनी, श्वेतमूला, सांठ १९ (इसीकोपत्तर-  
चट्टा या विसखपरामी कहते हैं )

गदहपुरैना (लाल) ना० कठिल्लक, क्रूरा  
नव, पुनर्नव, पुनर्नवा, भीम, रक्तगदहपूर्ना,  
रक्तपुनर्नवा, रक्तपुष्पा, रक्तवर्षाभू, लोहता,  
वर्षकेतु, वर्षाभव, विषघनी वृषकेतु, शिला-  
टिका, शोणपत्र, शोधघनी, शोफघनी, सा-  
रिणी, क्षुद्रवर्षाभू

गदहा ना० खर, गदहा, गधा, गर्दभ,  
गर्धव, अक्रीवान, दुर्गम, बैसाखनन्दन,  
राशभ, रासभ; वारवहा, वाल्य १२

१- बैसाख नामोंपर मुतनामके शब्द  
लगानेसे गदहाके नाम होते हैं उनको स्त्री  
लिङ्ग आदेशकरनेसे गदहीके नाम होते हैं  
ऐसे बैसाखनन्दन वैशाखनन्दिनी आदि।

गन्धक ना० कीटैन्, क्रूरागन्ध, गन्धक,  
गन्धपाषाण, गन्धमोदन, गंधाश्मा, गन्धाश्मन्

गन्धिक, गिरिज्जबोज, दिव्यगंध, देवी-  
पीज, दैत्येन्द्र, धातुनैरिन्, धातुवैरी, पामघ्न,  
पामारि, पीतक, बलि; बलिरस, रसगंध,  
शुकपुच्छ, शुल्वारि, सुगन्ध, सुगन्धक,  
सुगंधिक, सौगंधिक २६

गन्धपसारण (आंघोषि)ना० गन्धमसा-  
रिणी, गंधमद्रा, गंधपुण्ड, गन्धाढ्या,  
गन्धाली, चारुपर्णी, पसरन, पूतिपात्रिका,  
प्रतापनी, प्रभद्रा, प्रबला, प्रसरा, प्रसारिणी;  
बला, बल्या, भलता, भद्रालपात्रिका, मद्रा-  
लपत्री, भद्रकाली, भद्राली, मद्रा, भद्रपर्णी,  
भद्रोत्कट, राजपर्णी, राजबला, शरणा,  
शरणी, सरणि, सरणी, सरा, सारिणी,  
मुप्रसरा ३२

गन्धरस ना० गंधरस, गोप, गोंस,  
गोसशशः, पिरड, पिरडगोस, प्राणः; चर्बरी,  
बोल, रसः, रसगंध, ज्वणारि, शश १३

गन्धर्व ना० चित्ररथ, तुम्बुरु, विश्वा  
वसु, हहा, हाहा, हाहास, हुहु, हूहू ८  
गरगरैया ना० गरगरैया, गौरैया,  
चटका, चिड़ी ४

गरगरीआ ना० कलविक गृहचिड़ा,  
गौरैया, प्राम्या, चटक, चिड़ा ६

गरहेडुआ ना० कुन्त, गवेडु, गवेधु, ग-  
वेधुका, हिंखा, क्षुद्रा ६

गरुड ना० उरगरिपु, उरगारि, खगपति,  
खगेश्वर, खगेश, गरुड, गरुत्मान, तार्त्,  
तार्त्थ, नागांतक, पन्नगासन, विष्णुरथ,  
बैनतेय, सुवर्णा, सुरेशजित, हरियान १६  
१-सर्पनामोंपर शत्रुअर्थके शब्द और हरि  
नामोंपर बाहन अर्थके शब्दलगानेसे गरुड

के नामहोते हैं जैसे नागांतक, हरियान  
गर्भ ना० गर्भ, दोहद, दोहदकक्षण,  
दोहल, पेट, भ्रूण, हम्मल ७

गर्भपाइला ना० उपसर, प्रजन, प्रजनन,  
प्रथमगर्भ ४

गर्भस्थान ना० गर्भस्थान, गर्भागार;  
गर्भाशय ३

गर्भिणीस्त्री ना० अन्तर्वस्त्री, आपन्न-  
सत्त्वा, गर्भिणी, गुर्विणी, दोहदवती, दो-  
हदिनी, दोहलवती, आदालु =

गर्भिणीस्त्री की इच्छा ना० दोहद,  
दोहल, दोहला ३

गर्भथोडा ना० इषत्उष्ण, कटुष्ण,  
कषोष्ण, कोष्ण, मन्दोष्ण ५

गर्भबडा ना० अतिउष्ण, खर, तिग्म, तीक्ष्ण  
गर्भाश्रतु ना० उष्ण, उष्णक, उष्णा

गम, उष्णोगम, उष्णोपगम, ऊष्ण,  
ऊष्णक, ऊष्णागम, ऊष्णोगम, ऊष्णो-  
पगम, ऊष्मा, ऊष्मान, गर्मी, ग्रीषम, ग्रीष्म,  
ग्रीष्मश्रतु, तप, तपस, निदाष १६

गला ना० कण्ठ, कण्ठा, कण्ठी, कंधर,  
कन्धरा, कपोलयान, गरदन; गर्दन, गल,  
गला, ग्रीवा, धमनल्ल, धमनी, शिरोधर,  
शिरोधरा शिरोधि १६

गली ना० खोरि, खोरी, गली, प्रतोली,  
रथ्या, विशिखा, वीथिका, वीथी ८

गलीकांटकी ना० कांटमार्गी, दुर्गसंचर;  
संक्रम, संक्राम ४

गली गांवके भीतरकी ना० प्रतोली,  
रथ्या, विशिखा ३

गहना (जेवर) ना० अबरण, अलंकार

आभरण, परिष्कार, परिस्कार, भूषण,  
मयहन, विभूषण =

गहनाआदिसे अतिशोभित ना० भू-  
जिष्यु, रोजिष्यु, विभूजा, विभूट ४

गहनापहिरनेवाला ना० अलंकारिष्णु,  
अलंकर्ता २

गहनापहिरेरुप ना० अलंकृत, परिष्कृत  
परिष्कृत, प्रसाधित, भूषित, मण्डित ६

गहनापहिरनेकाशोभा ना० आकल्प,  
नेपथ्य, प्रतिकर्म, प्रसाधन, वेश, वेष ६

गहिरा ना० गभीर; गम्भीर, निम्न ३

### —●गा●—

गांजा ना० गम्जा, गांजा, गांझा, गांधारी  
गृजन, तारिता, मादनी, सन्विदामंजरी, हर्विणी

गांड (मलत्यागस्थान) ना० अपान,  
गुद, गुदा, पायु ४

गांडरवास ना० अतितीव्र, गण्डदूर्वा,  
गण्डाला, गांडर, ग्रन्थिदूर्वा; ग्रन्थिपर्णी; ग्रं-  
थिमूला; ग्रंथला; जलस्था, तीव्रां, नाडी, मत्स्या  
क्षी, मीननेत्र, मीनाक्षी, वीरण, वीरतर, श्याम-  
काण्डा, श्यामग्रंथि, शकुलान्नक, सूत्रीपत्रा

गाजर ना० गज्जर, गाजर, ग्रंथिमूल, घेनु-  
दुग्धकर, नारंग, पिण्डमूल, पीतकन्द, पीतमू-  
लक, वतुल, सुपीत, सुमूलक, स्वादुमूल १२

गाय ना० अघ्न्या, अज्जुनी, इडा, इरा, उमा,  
गाय, गंधा, गो, गौ, जगती, मही, माता,  
मांहयी, रोहिणी, शकरी, शृंगिणी, सुरभि,  
सरभि, सारभेयी १९

गायत्री ना० अनुष्टुप, अनुष्टुभ, आदि-  
छन्द, उष्णिक, उष्णिकह, उष्णिक,  
मायत्री, गायत्री, वृहती ६

गारुडी (सांभारनेवाला) ना० अहि  
तुण्डिक, अहितुण्डिक, आहितुण्डिक,  
गारुडी, व्यालग्राह, व्यालग्राही, सर्पग्राही,  
सांपग्राही =

१-सांपनामोंपर ग्राहीअर्थके शब्द लगाने  
से गारुडीके नाम होतहैं जैसे अहिग्राही॥

गाल ना० कट कपोल, गण्ड, गाल ४

गालमें चिन्हबनाना ना० आस्यपत्र,  
पत्रलेखा, पत्रवल्ली, पत्रांगुलि, पत्रावली,  
मकरपत्र ६

गालीदेना ना० अभिवंग, अभीषंग,  
आक्रोशन ३

गःवजबां ना० गोजिह्वा, गोजिह्विका

### —●गि●—

गिद्ध पत्नी ना० करगिस, गिद्ध, गीध,  
गृध्र, गृध्रे, दाक्षाय्यं, दूरद्रकै, शंकुनि,  
शकुनी, सुदृष्टि, सुदृष्टी ११

गिरंजा ना० अवनय, अवनय, निपातन  
नियोतन ४

गिरगिट ना० ककलाशं, ककलास, ककु-  
लास, गिरगिट, गिगिट, शरट, शरठ, सरठ =

### —●गी●—

गीला ना० आर्द्र, उच्च, हिन, तिमित,  
समुन्न, सार्द्र, स्तिमित ७

गीलाकरना ना० तेम, समुन्दन, स्तेम ३

### —●गु●—

गुच्छा ना० गुच्छ, गुच्छक, गुच्छा,  
गुत्स, गुत्सक, स्तवक ६

गुड ना० अमृतसाज, इक्षुरसकवाध, इक्षुसार  
किएव, खंडज, द्रवज, मादक, रसज,  
रसपाकज, सुराधीज, स्वादुखण्ड ११

गुहहर (पुष्पप्रसिद्धि) ना० अर्कप्रिया,  
उद्, ऊर्ध्वपुष्प, ओडहुल, ओडू, ओडूपुष्प,  
ओडूहुल, ओडूरुया, गुहहर, गुहहल, गुह-  
पुष्प, जपा, जया, जयापुष्प, जवा, जवा-  
पुष्प, ताम्रवर्णा, नाइथी, पियड, प्रातिका,  
रक्तपिण्ड, रक्तपुष्पी, रागपुष्पा, वरासन  
हेमपुष्प, त्रिसंध्या २६

गुहडालावृत्त ना० गुहडाला, जलाशया  
गुथाहुआ ना० गुधित, गुफित, गुम्फित,  
प्रांथत, ग्रन्थित, दृढ्य, मर्दित, मवित, संदित,  
संमिलित १०

गुप्ती ना० इली, ईलि, ईली, करपालिका,  
करवालिका, खांडा, गुप्ती ७

गुफा (बनाईहई) ना० कंदर, कंदरा,  
कंदरी, गह्वर, गुहा, दरा, दरी ७

गुफा (बेचनाईहई) ना० गह्वर, गुहा,  
देवखात, बिल ४

गुर्च ना० अनन्ता, अमरा, अमृतं, अ-  
मृतवल्ली, अमृतवल्ली, अमृतसम्भवा,  
अमृता, उद्धारा, कुण्डली, कुण्डलिनी,  
गिलाय, गुहची, गुडुची, गुहूची, गुरुचि,  
गुर्च, चक्रलक्षण, चक्रलक्षणिका, चन्द्रहांसी,  
चन्द्रा, छुधिका, छिन्नरुहा, छिन्ना, छि-  
न्नारुहा, छिन्नारुहा, छिन्नोद्भवा, जीवती,  
जीवान्तिका, ज्वरघन, ज्वरविनाशिनी, तं-  
त्रिका, तंत्री, तिक्तपर्वा, तिक्तपर्वन, देव-  
निमिता, धीरा, निर्जरा, पामरोद्धारा, पि-  
तघनी, पित्तघनीलता, भिषकियथा, मधुप  
थिका, मधुपर्णी, मंडला, रसायनी, वत्सादनी  
वत्सादिनी, वयस्था, वरा, वातपित्तारि,  
विशल्या, विषघ्ना, शांशलेखा शुद्धवल्लिका,

सुरकृता, सुधा, सोमवल्ली, सोमवल्ली, सोमा  
गुर्ज ना० गुर्ज, तोमर, शर्वला, सर्वला ४

गुलसकरि ना० अतिबेला, अनिष्टा,  
खरगंधनिमा, खरगंधा, खरधन्ततिका, खर  
वल्लिका, गंगेरुकी गंगेरन, गवधुका, गवे-  
शका, गुन्ध, गोरक्षजम्बु, गोरक्षतण्डुला,  
चतुष्पला, भवा, देवदण्डा; नागवला,  
भद्रोदनी, महाशाखा, विश्वदेवा, ह्रस्वगवे-  
धुका; ह्रस्वा २२

गुलाब (पुष्पप्रसिद्धि) ना० अतिभञ्जला,  
कार्णिका, गंधाब्ज्या, चारुकेशरा, चारुकेशरी,  
तरुणी, तर्पिणी, पाटल, पुरडर्य, पौंडर्य,  
मपौरडरंक; महाकुमारी, लक्ष्मपुष्पा, लक्षा  
प्या, लाक्षा, शतपत्री, शतपर्जिका; शत-  
पुष्पी, सद्युत्ता, शुशीता, स्थलकमल २१

गुह (पुरुषमल) ना० अन्नमल, अवस्कर,  
उच्चार, गुह, गूथ, पुरीष, वर्चः, वर्चस्;  
वर्चस्क, विट्, विड, विश, विष, विषा,  
विष्टा, विष्ठा, शकृत, शमल, सकृत १६

—● गू ●—

गुगूर ना० उदूखल, उद्दीप, उलूखल,  
उलूखड, उलूखलक, उप, कुम्भ, कुम्भी,  
कुम्भोल, कुम्भालूखल, कुम्भालूखलक, कृस्त,  
कौशिक, खलक, गुग्गुर, गुग्गुल, गुगूर,  
ग्रंथिक, जटाल, जटायु, दिव्य, दुर्गा, देवधूप,  
देवेष्ट, नकंचर, निशाकट, पलंकख, पलंकखा  
पुरः, भवाभीष्ट, भूतहर, मरुदिष्ट, महिषाक्ष,  
महिषाक्षक, महिषाक्षि, यवनद्विष्ट, यक्षधूप,  
यातुघन, रसोहा, रमावेष्ट, रसोहन्, रसु-  
गंधक, वरःशिव; श्यामा, सर्वसह ४६

गुमावृक्ष ना० एकशील, एकशीला,

कुम्भयोनि, कुम्भयोनी, कुम्भयोनिना, कुम्भिका, कुरुम्ना, कुरुम्बिका, गुम्मा, गुमा, गोमा, गोशीर्षक, ग्रीष्मसुन्दरक, चित्रपत्रिका, चित्रपर्णी, चित्रालुप, देवकुरुम्ब, द्रोण, द्रोणपुष्पी, द्रोणा, पाशुपत, फलेपुष्पा, वक, वसु, वुक, वसुक, वसूक, शिवमन्त्री, सुपुष्पी, क्षवपत्री ३०

गूमाचडा ना० महाद्रोणा, महाद्रोणी २  
गूलर ( फल ) ना० कांचन, गूलर, जंतुफल, पुष्पशून्य; मुचुट्टु; मुचलुम् ६

गूलर ( वृक्ष ) ना० उदुम्बर, उदुम्बर, उदुम्बर, कांचन, कृमिकण्टक, खरदला, गुलरी, गूलर, गूलरी, गूलरी, जंतुफल, धर्मपत्र पवित्रक, पाणिभुक्, पाणिभुज्, पुष्पहीना, पुष्पशून्यवृक्ष, ब्रह्मवृक्ष, यज्ञयोग्य, यज्ञसार, यज्ञांग, यज्ञीय, यज्ञोदुम्बर, शीतवल्क, सदाफल, सुप्रतिष्ठित, हेमदुग्ध, हेमदुग्धक, हेमदुग्धन्, हेमदुग्धी, क्षीरिवृक्ष, क्षीरी, क्षीरिन्, क्षेमफला, क्षेमफला ३५

### —● गे ●—

गेद ना० कन्दुक, गेयडुक, गेयडूक, गेंद, गेन्दुक ५

गेदा वृक्षं ना० अतिचरा, अब्यथा, अम्बुरहा, कार्णिकार, चारटी, छत्रपत्र, तरणी, तर्पिणी, देवा; पद्मचारिणी, पद्मा, पद्मावती, पद्माहा, लक्ष्मी, वपुष्मा, शारदा, साधुपुष्प; सुपुष्करा; सुगंधमूला; स्थलकमल, स्थलपद्म, स्थलपद्मिनी २१

गेहूं ना० गन्धविह्वल, गोधुम, गोधूम, गोधूम, गोरक्षजम्बु, निस्तुषलीर, नन्दीमुख, प्रवट,

मधूली, म्लेच्छभोजन, म्लेच्छाशा, यवन, सुमन, सुमनस्, सुमना, सुमनाः, सुमनाम् १७  
गेरू ना० गवेरुक, गवेचक, गिरिज, गिरिमृत्, गिरिमृद्, गिरिधातु, गिरिमृद्भव, गेरू, गैरिक, दलाढक, पत्राबाल, पाण्डर; प्रत्यश्म, इत्यश्मन्, रुधिर, लोहितमृत्तिका, सुरंगघातु, १८

गेरूपीला ना० शिलाधातु, सन्ध्याध्र, सुवर्णगैरिक, स्वर्णगैरिक, स्वर्णवर्णा, सुरकक, सुवर्ण ७

### —● गे ●—

गेड़ा ( पशु ) ना० खड्गी, गण्डक, गेयड़ा, गेंडा ४

### —● गो ●—

गौंद ना० निर्यह, निर्यास, निर्यूस ३  
गौंदीवृक्ष ना० अंगारपुष्प, अंगारवृक्ष, अनिलान्तक, इंगुद, इंगुदी, इंगोट, इंगल, क्रोष्टुफल, गौंदी, गौंदीनी, गौंदी, गौंदीनी, गौरत्वक, जीवपुत्रक, तनुपत्र, तापप्रतरु, तापसद्रुम, तापसप्रिय, तिक्तक, तीक्ष्णकण्टक, पूतिगंध, पूतिपुष्प, व्यवहारिका, हिंगोट, हिंगुपत्र, २५

गोखरू ना० अश्वदंष्ट्रा; इक्षुगंधा, कण्टक, कण्टकफल, कण्टिन, कण्टी, गोकण्ट, गोकण्टक, गोखुर, गोखुरि, गोखरू, गोखरू, गोशुर; गोखुरक, धनस्यक, पदन्यास, पलकखा पलकषा, पदकण्ट, वनशृंगाट, वनशृंगाटक, वाजिपाद, श्वदंष्ट्र, श्वदंष्ट्रा, श्वदंष्ट्रक, श्वदंग, स्थलशृंगाट, स्थलशृंगाटक, स्वादुकण्टक, स्वादूकण्टक, खुर, खुरक,

चुरांग, भिकट, त्रिकण्टक, त्रिकण्टु ३९

गोखुरुत्रोट्टा ना० कण्टफल, चणद्रुम  
चर्णाद्रुम, भल्लटक, लुद्रगोक्षुर, क्षुद्रगोजुरक

गोदी ना० अंक, उछंगहु, उर, कोड़,  
कोरा, कौरा, गोदी, भुजनमध्य, मुजान्तर २

गोभी ना० अधःपुष्पी, अधोमुखा,  
अनहुजिह्वा, कुरसा, गांजिह्वा, गोभी, दांवि,  
दांविंका, दांवी, वातेना, समाह्वा ११

गोबर ना० गोकृत, गोत्थ, गोवर,  
गोमय, गोमल, गोविद् गोविश गोशकृत्  
गोहृत्, पवः, शकृद्रसै ११

गोमूत्र ना० गोजल, गोनिष्यन्द, गोमूत्र ३  
गोमेदमणि ना० गोमेदक; गोमेदमणि २  
गोरखमुण्डी ना० कुम्भला; तपोधना;  
परिव्राज्जा, मुण्डतिका; श्रमणा ९

गोरखमुण्डीबड़ी ना० तपस्विनी; म-  
हाश्रावणिका; स्थविरा ३

गोल ना० निस्तल, वर्तुल, वृत्त ३  
गोसमूह (गायोकीनार) ना० गवाम्बूज  
गोकुल, गोधन, गोमंतौ, गोमिनौ ५

गोस्वामी ( गायिकाभालिका ) ना०  
मवीश्वर, गोपति, गोमान्, गोमी ४

गोह ना० कृष्यसर्प, खोरकटा, खोरक्षटा,  
गोधा, गोधिका, गोधेय, गोह, गोधेर,  
निहाका, पंचनषी, महाविष, महाविषा,  
राजनिभ १३

—● गो —

गौरोचन ना० कांचनी, कांचनिया,  
गव्या, गोपवित्त, गोरोचना, गोलोचन,  
गौरी, गौतमी, गौरोचन, गौलोचन, चन्द-  
नापा, पिंगा, पीता, बैदेही, बन्दनीया,

बन्धा, मंगल्या, मनोरमा, मेध्या, रुचि,  
रुचिरा, रोचनी, शिवा, श्वाक्षित; शोमना,  
शोभा; सुनन्दा २७

ग्रहणचन्द्र ना० उपरक्त, उपराग,  
ग्रहणचन्द्र, चन्द्रग्रहण, सोपलव ५  
ग्रहणसूर्य्य ना० उपरक्त, उपराग, गहन,  
गहना, ग्रह, ग्रहण, ग्रहणसूर्य्य, सूर्य्यग्रहण =

—● घ —

घड़ियाल ना० अबहार, ग्राह, घड़ियाल  
घर (मकान) ना० अगार, अधम, अधान्  
अमा, अबसम, अस्त, आगार, आयतन,  
आराम, आलय, आलै, आस्पद, उद्वसति,  
उद्वसति कुटि, कुटी, कुटीर, कुटी, कृति,  
कृदर, गय, गर्त, गृह, गृहा, गेह, घर,  
छदि, छर्दि, छाया, दम, धाम, धिष्यय,  
निकाय, निकेत, निकेतन, निलय, निलै,  
निशांत, नीड, नील, पस्त्य, भवन, मण्डप,  
मन्दिर, योनि, लय, वरूथ, वसति, वस्त्य,  
वार, वासकूटी, वासस्थान, वेश्म, शरण,  
शर्म, शाला, संकेत, सदन, सभा, सभा,  
सादन, साला, स्थान, हरम्य, हर्म्य, त्रि  
शालय, त्रिशालै ६७

घरचौकोना ना० चतुःशाल, चतुःशाली,  
संजवन, संयवन ४

घरिया (धातुगलानवाली) ना० तै  
जसावर्तनी, मूषा, मूषिका २

—● घा —

घांटी ना० अबट्ट, कृकाटिका, घाटा, घांटी ४  
घाम ना० आतप, घाम, घौत, भकाश,  
सूर्य्यप्रभा ५

घाव ना० अरु, इर्म, घाव, प्रण ४

—● धि ●—

घिनाना ना० अर्तेन, ऋतीया, घृणा,  
निन्दा, रीज्या, ह्यणिया, ह्यणीया, ह्यिणिया,  
ह्यिणीया ६

—● घी ●—

घी ना० अनरा, अमिघार, अमृत, आज्य  
खजप, घी, घृत, तक्र, तन्नप, तामर, तृप्र;  
नवनति, वाहभोग, वाज, सार्प, सर्पी, सानास्य  
सारज, सार्प, हवि, हविर, हविष्य; हविस्  
होम्य २४

घीकुमार ना० अदला, अफला, अम्बुधिस्रषा  
कण्टकप्रवृता, कुमारिका, कुमारी, गंधादद्या,  
गृहकन्या, गृहपुत्रिका, घिकुवारि, विकार,  
विग्वार, घृतकुमारी, तरणि, तरणी, तरुणी,  
दीर्घात्रिका, बलमद्रा, ब्रह्मघ्नीः सहा,  
स्थलेरुहा; स्थूलदला २२

—● घु ●—

घुंघुची ना० अंगारवल्ली, अरुणा,  
इन्द्राशन, कक्ष्या, कांची, काकचिञ्चा,  
काकचिञ्चि, काकचिञ्चिका, काकजघा;  
काकनासा, काकतुण्डिका, काकणन्तिका,  
काकिकिणी, काकिकिनी, काकादनी, काकादिनी,  
काकतिक्ता, काकपीलु, काकनासिका, कु-  
ञ्चिका, कृष्णचूडका, कृष्णालक, गुञ्जा,  
गुञ्जिका, गुञ्जाकिनी, घुंघुची, चिची, चू-  
डामणि, ताम्रिका, तुलाबीज, पाटिका,  
पारावतपदी, पारावतांघ्रि, भीरुभूषणा,  
रक्ता, रवितिका, वन्या, शिखरिणी, शिख-  
ण्डिन्; शिखण्डिनी, शीतपाकी, श्यामचूडा,  
संचाली, समला ४४

घुंघुचीसफेद ना० चक्रशल्या; चूडाला,  
भिरिण्टिका; शुक्रवर्ण; गुञ्जा; श्वेतगुञ्जा ५  
घुंघुरू ना० कंकणी, किकिणि; किकिणी,  
घुंघुरू, चूडघटिका ९

घुटना ना० अष्टीवत्, अष्टीवात्; अ-  
ष्टीवान्, ऊरुपर्वा; ऊरुपर्व; कूर्चशिरः,  
कूर्चशिरः; घुटना; घुटन्; जानु; जानु? १

—● घू ●—

घूमना ना० अटन; अटा; अट्या; प-  
र्यटन; ब्रज्या ९

—● घे ●—

घेर ना० प्राकार, वरण, शाल, साल ४  
घेश ना० चक्रवाड, चक्रवाल, वर्तुल,  
मण्डल, मण्डलाकार ५

—● घो ●—

घोघा ना० अम्बुमात्रज; जलक, जलक-  
रंक; जन्तुकम्बु, जलडिम्ब; जलशुक्ति; जल-  
शुक्तय, शंबु, शंबुक; शंबूका, शंबुक, शंबूक  
घोडा ना० अत्य; अरुष; अर्ष; अ-  
र्षी; अव्यथय; अशु; अश्व; एतव; एतश;  
अर्षैःश्रवस; गंधर्ब; घोट; घोटक; घो-  
टका; घोडा; जूषवी; तरल; तार्ध; तुरग;  
तुरंग; तुरंग्म; दधिका; दधिकावा, दौर्गा  
ह, धर्य; नरः; पाति, पीतिन, पीती, पीधिः;  
पद्म, मांश्चत्व, वाह, वाजि, वाजी, वाजीय, बामी  
वार्याणाम्, वाह, वीति, ब्रध्न; श्येनास,  
सन्धव, सप्तवाजीय; सप्ता, सप्ति; सुपर्णा;  
सैधव; सैधव; हंसास; हय; हरि ९२

घोडालडुआ ना० पृष्य; स्थुरी; स्थो-  
री; स्थौरा ४

घोडा का शब्द ( हिन हिनाइट ) ना०  
हेषा, हेषा, हेषा ३

घोड़ी ना० अत्या, अरुषी, अव्यथय,  
अश्वा, अरुषी, एतग्या, एतसा, घोटका  
घोटकिन्, घोटका, पतंग, प्रमू, प्रसूका,  
बड़वा, वाजिनी, बामी, ह्यु १७ ॥

१—घोड़ा नामों का स्त्री लिंग आ  
देश करने से घोड़ी के नाम होते हैं ॥

—● च ●—

चकई ( पत्नी ) ना० कंका, कुका,  
कौका, चक्रवाका, चक्रवाला, चक्रा, वका,  
बकोना, रथांगा, लोह पुच्छका १० ॥

चक्रवत ( औषधि ) ना० खजूरूधन,  
चक्रवत, चक्रमर्द, चक्रविर्नी, चक्रिन्,  
चक्री, पद्माट ७ ॥

चक्रवा ( पत्नी ) ना० कंक, काक,  
कामिन्, कामी, कुक, चक्रवा, चक्रः,  
चक्रवाक, चक्रवाल, चक्र, चक्राव, रथांग,  
लोह पुच्छक १३ ॥

चक्रोर ( पत्नी ) ना० चक्रोर, चन्द्रिका  
जीवनीव, योषी, सुलोचन ५ ॥

चचेड़ा ना० चचण्डा, चचेड़ा, चि-  
चेड़ा, चिचिण्ड, बृहत्फल; वेश्मकूल,  
श्वेतरानी ७ ॥

चञ्चल ना० चंचल, चल, चलाचल,  
तरल, परिप्लव, पारिप्लव, लोल ७ ॥

चटकना ( हाथ खुला हुआ ) ना०  
चपट, चपेट, चपेट, तल, प्रतल, प्रहस्त ६  
चटनी ना० चटनी, मार्जिता, रसाला,  
शसिका, शिखरन ५ शिखरिणी ६ ॥

चंडाल ना० अन्तेवासी, चण्डाल,

चाण्डाल, जनंगम, जलंगम, दिवाकीर्ति,  
निशाद, निषाद, पुक्कश, प्लव, मातंग,  
श्वरक, श्वपच, शरपाक १४ ॥

चतुर ना० अभिज्ञ, उष्ण, कुशल, कु-  
शल, कृतमुख, कृती, चतुर, चातुर, दक्ष,  
निपुण, निष्णात, पटु, पेशल, प्रवीण,  
प्रागल्भ, विदग्ध, विदुष, विद्वान, विशा-  
रद, विज्ञ, विज्ञानिक, वैज्ञानिक, शिक्षित,  
सूथान, लुण, ज्ञाता २६ ॥

चना ना० कंचुकी, कृष्णचंचुक, चणक,  
चना, चिन्न, चित्र, बाळभोज्य, भिन्न,  
भिन्नात्मा, भिन्न भिन्नात्मन्, वाजिभक्त-  
वातन, सुगन्ध, हरिमन्थ, हरिमन्थक,  
हरिमन्थन १५ ॥

चन्दन ना० अंगराग, एकांग, गन्ध-  
राज, गन्धाढ्य, चन्दन, चन्द्रकान्त, ति-  
लार्ण, तैलपर्णी, पटीर, पराग, पिष्टसौरभ,  
पिष्टालिका, पीतसार, भद्रश्रिय, भद्राश्रय,  
भोगिवल्लभ, मंगल्य, मलयज, मलयोद्भव,  
लोह, वर्णक, बलगुक, शतिलप्रद, श्रीख-  
ण्ड, सर्पावास, सर्पिष्ट, सर्पेष्ट, सारगंध,  
सारंग, सित, सुगंध, सुरांतर ३२ ॥

चन्दन उजला ना० शीतगंध, शी-  
तल, श्रीवास, श्रीवासच्छद, स्वतचन्दन,  
सितोद्भव, सुशीतल ७ ॥

चन्दनकाला ना० कालिक, कालीय,  
कालीयक, कृष्णचन्दन, हरिप्रिय ५ ॥

चन्दनगोपी ना० आसंग, कंसोद्भवा,  
काली, काली, जगत्, नाली, तुवरी, तुवरिका  
तुवरी, तुवरिका, तोमारिका, देवी, पार्वती, मृत  
मृत्तिका, मृत्सना, सती, सुजाता, मृ-  
पृत्ति-



का, सुराष्ट्रज, सुराष्ट्रजा, सौराष्ट्रा, सौराष्ट्रिका, सौराष्ट्री, २४

चंदनपीला ना० इन्द्रचंदन, कनक, कालसार, कालीय, कालिय, गोशीर्ष, जायक, तैलपत्रिक, दिव्य, देवतरु, नंदनन, पीतक, पीतकाष्ठ, पीतचंदन, पीतसार, प्रचेल, माकंदी, लोहित, वरचंदन, बर्बर, विटि, संज्ञ, सुरार्ह, सुवर्ण, मुशीत, इरिचन्दन २६

चंदनलाल ना० अकचंदन, कुचंदन, कुशोद, ताम्राभ, ताम्रवृक्ष, ताम्रसार, ताम्रसारक, पतंग, पत्तरंग, पत्तूर, पत्रंग, पत्रांग, प्रवालफल, रक्त, रक्तचंदन, रक्तसार, रंजन; लोहित, लोहितचंदन, शोणित चंदन, लुद्रचंदन २१

चंदन धृत्त ना० गंधसार, भद्रश्री, मालय, याम्य, रौहिण, शुभ्र ६

चंदनलगाना ना० चर्चा, चार्चिक्य स्थसक ३ ॥

चंद्रकान्तिमणि ना० चंद्रकांत, चंद्रकांति, चंद्रमणि ३

चंद्रबिंब ना० बिम्बर, बिम्बा, मण्डल ३  
चंद्रपा ना० अब्ज, अभीकर, अम्बुज, इंदु, उदधितनय, औषधीश, औशधीश, औषधीष, कलंकधर, कलानिधि, कलाप, कान्तिमान्, कुमुदबन्धु, कुमुदबांधव, भ्लौ, चंद्र, चंद्र, चंद्रमस, चंद्रमा, चांद्र, छपाकर, जर्ण, जलज, जलाधिसुत, जैवालुक, जैवात्रिक, तारनईश, तागपति, दुजराज, द्विजपति, नक्षत्रपति, नक्षत्रेश, निशाकर, निशानाथ, निशापति; निशीकर. निशि.

नाथ, निशापति, मृगवाहन, मृगांक, या. मिनीपति, यामिनीश, रजनीकर, रजनीपात, रमाबन्धु, मांश, विधु, विधु, विषनाथ, विभाकरारि, विभास, विष्णुसार, शुभुभूषण, शुभुभृंगार, शर्वीनाथ, शर्वरीपति, शर्वश, शशधर, शशलाञ्छन, शशांक, शशि, शशिन, शशां, शुभांस, समुद्रन, समुद्रांगन, सरितापतिमुत, सवितारि, ससधर, ससांक, ससि, सागरज, सागरमुत, सागरमुताभ्रात, मिधुज, सिन्धुनाभ्रात, सीतरश्मी, सुधाकर, सुधानिधि, सुधांशु, सोम, सोमन्, सोमा, हरि, हिमकर, हिमांशु, क्षपाकर, त्रियाशपति ८८

?—जल नामोंपर जहार, अमृत नामोंपर कर, सागर नामोंपर मुत, आषाधि नामोंपर ईश, कलंक नामोंपर धर, कुमद नामोंपर बन्धु, निश नामोंपर कर, और पति, नक्षत्र नामोंपर पति, विप्र नामोंपर पति, मृग नामोंपर वाहन, लक्ष्मी नामोंपर बन्धु, सूर्य नामोंपर रिपु, विष्णु नामोंपर सारा, महादेव नामोंपर भूषण, और शृंगार किरण नामों के प्रथम शीत, और हिम नामोंपर कर लगानेसे चंद्रमाके नामहोतेहैं,

२—चंद्रमाके नामोंपर रिपु अर्थां शब्द लगानेसे अन्धकार, राहु और सूर्य, और मुत अर्थां शब्द लगानेसे बुधके नामहोतेहैं जैसे चंद्ररिपु, शाशरिपु चन्द्रमुत आदि ॥

चन्द्रलक्षण ना० अंक, कलंक, चिन्ह, लक्षण, लक्ष्म, लक्ष्मण, लाञ्छन ७

चबना ना० अभ्युष, अभ्युष, अजत, सुरमुरा ४

चमड़ा ना० चर्म, चाप, त्वक् ३  
 चमार ना० चमार, चर्म, चर्मकार,  
 पादुकृत, पादुकृत ९  
 चमेली ( पुष्प ) ना० चमेली, मनोहरा,  
 मनोज्ञा, मालती, राजपुत्री, संध्यापुष्पी,  
 मुकुमा, सुगन्धिया, हृद्यगन्धा ६  
 चमेली ( वृक्ष ) ना० चेतकी, जनेष्टा,  
 जाति, जाती, तैलभाविनी, सुमना, सुमनम् ६  
 चम्पाकी कली ना० गंधफली, गंधा,  
 चम्पकालिका ३  
 चम्पा पुष्प ना० अतिगंध, चम्पक,  
 चम्पा, भ्रमरांतथि, सुभग ९  
 चम्पाभूषिना० भूमिचम्पक, सन्धिवंधर  
 चम्पावन ना० बनचम्पक, बनचम्पा,  
 बनदीप ३  
 चम्पाविशेष ना० द्रुवग, द्रुवन, द्रुवग,  
 भूमिचम्पक ४  
 चम्पा वृक्ष ना० उम्रगंध, कटु, कनक  
 कांचन, कुसुमाक्षिप, कुसुमाधिराट्, कुसु-  
 माधिराज्, चम्पक, दीपपुष्प, नागपुष्प,  
 पीतपुष्प, पुण्यगन्ध, नियमदेश, वरलब्ध,  
 विषघ्न, शीतल, शीतलच्छेद, श्रृंगमोर्दी,  
 श्रृंगमोहिन्, पट्टपदातिथि, सुराभ, स्थिर  
 गंध, स्थिरपुष्प, स्वर्णपुष्प, हेमपुष्प,  
 हेमपुष्पक, हमांग, जंद्र २८  
 चर ना० इग, चर, चराचर, चरिष्णु,  
 जंगम, त्रस ६  
 चरस ( मादकवस्तु ) ना० चरस, चर्स  
 सन्विदनिर्यास, सन्विदास ४  
 चर्ची ना० चर्ची, तेजः, तेजस्, मज्जा,  
 मांसन, मांसतेजः, मांसतेजम्, मेद, मेदः  
 मेदम्, वषा, वसा, सार ११

चलनी ना० चलनी, चालन, चालनी,  
 तितउ ४  
 चवैर ना० चमर, चवैर, चमर, प्रकीर्णक ४  
 चव्य ( आर्षध ) ना० उषणा, करि-  
 कणावल्ली, कुकुटमस्तक, कृकर, कोल,  
 कोला, चवि, चाविक, चविका, चवी, चव्य  
 चव्यक, चव्या, तोदग, तेजनी, तेजोवती,  
 तेजोह्ला, दीपनीय, नाकुला, परमा, पुरन्दर,  
 वल्ली, वशिर, शीरडी २४

— ❁ चा ❁ —

चांदनी ना० कौमदी, कौमुदी, चंद्रप्रभा,  
 चंद्रिका चंद्रिमा, चांदनि, चांदनी, जौन्ह  
 ज्योत्स्ना, ज्योत्स्ना १०  
 चांदनी वृक्ष ( पुष्प विशेष ) ना० चांदनी  
 ज्योत्स्ना, मालती ३  
 चांदी ना० अकुप्प, इन्दुलोहक, कल-  
 धूत, कलधूत, कुमुद, खज्जूर, खज्जूर,  
 चन्द्र, चन्द्रभूति, चन्द्रलोहक, चन्द्रहास,  
 तस्ररूक, नार, दुर्वर्ण, दुर्वर्णक, धौतप्रजादान  
 भस्मक, रंगवीज, रजत, रूपा, रूप्य, रू-  
 प्यक, रौप्य, शुभ्र, श्वेत, श्वेतक, सित,  
 साय हंसाभिरुय, हिमांशुभिरुय, हिरण्य ३२  
 चांचन ना० तण्डुल, तण्डुल २  
 चांचनोका पानी ना० ज्येष्ठाम्बु, त-  
 ण्डुरीण, तण्डुलाम्बु, तण्डुलोत्थ, तण्डु-  
 लोदक ९  
 चा ( चाहपत्ती ) ना० चा, चाह,  
 श्लेष्मह, श्लेष्मारि ४  
 चाँचई ना० इंद्रलस, इंद्रलसक, केशघ्न  
 खलति, चाँचई ९

चाङ्गी ना० अम्बष्ठा, अम्बलपिष्ट, अ-  
म्बल्लोणिका, अम्बल्लोणी, अम्बल्लोना, अ-  
म्बल्लोनिया, चांग, चांगी, चुका, चुक्रिका  
दंतशठा, लोण, लोणाश्ला, लोलिका, लुद्राश्ला  
चाह ना० इच्छा, इष्ट, काम, निकाम,  
प्रकाम ९

—● च ●—

चिकना ना० चिकना, चिकण, मसृण  
स्निग्ध ४

चिकित्सा ( रोगपरिच्छा ) ना० चि-  
कित्सा, निग्रह, रोगदमन ३

चि हपा ना० अण्डज, अण्डयोनि,  
खग, खेचर, गगनपंथा, गरुत्मान, तुंगा,  
द्विज, नागका, नभसंगम, नभसंगमा, नी  
डोद्धव, पतग, पतेग, पतन, पतत्रि, पतत्री  
पत्नी, पत्ररथ, पत्री, पित्तम्, वयम, वाजि  
वार्जा, विः, विकिर, विष्कर, विहग, विहंग,  
विहंगम, विहंगमा, विहगा, विहायम्, वि  
हापा, वा, शकुन, शकुन, शकुनी, शकुंत,  
शकुति, शकुती ४ ?

चिडिपीके वच ना० अभक, अभका  
डिम्भ, डिम्भा, पाक, पाका, पृथुक, पृ  
थुका, पोत, पोता, प्रथुक, प्रथुका, शावक  
शिशु १ ४

चिड्डीपार ना० जीवन्तिक, जीवांतक  
पक्षिघातक, व्याध, शाकुनिक, शाकुनी ६

चिता ना० चिता, चिति, चित्या, प्रे-  
तदाहाधार ४

चिनेरा ना० कारु, चितेरा, चित्रकर,  
चित्रकार, सिल्पी ५

चित्तशांति ना० शम, शमथ, शमनम्  
शांति, ४

चिन्ता ना० आध्या, आध्यान, चिन्ता  
चितिया, स्मरण, स्मृति ६

चिमगोदर ना० अजिनपत्रा, चिमगादुड  
चिमगादुर, चिमगोदड़, चिमगोदर, चिम-  
गोदर ६

चिमगोदरी ना० अजिनपत्रा, चिमगुदरी  
चर्मचटिका, चिमगोदरी ४

चिमचा ( कर्छुल देवा )

चिराचरा ( लटजोग ) ना० अधा-  
मार्गव, अधाघण्ट, अध्वशलय, अपांगक,  
अपामार्ग, अक्षर, आवाट, उरुकाएडी, ऊं-  
टकटीरा, कटुमंजिका, कशठा, कशिटनु,  
काशिडर, काण, काणिह, काशपर्णी,  
काशपर्णी, कञ्ज, केशपर्णी, खमंजरी  
चमत्कार, चिराचिशा, चिरचिरा, दुरभिग्रह  
धानुष्का, धामार्गव, पराकपुष्पी, पांडुकंटक  
प्रत्यक्पर्णी, प्रत्यक्पुष्पी, मयूर, मयूरक,  
मयूरजटा, मकटपिप्पली, मकटी, मार्ग, मा-  
लाकण्ट, लिंगचर्द्धिनी, वशिर, शिखरी,  
शिखरिन, शिखरिक, शिखरेव, स्थूलमंजरी  
लवक, नारमध्य, क्षीरिणी ४७

चिरचिरा लाल ( लाललटजोग )  
ना० आघटक, कपिपिप्पली, दुग्धिनिका  
रक्षापामार्ग, लुद्रापामार्ग ५

चिगायना ना० अनार्यतिक, अर्द्धति-  
क, कटुतिकक, काण्डतिक, कांडतिकक  
किरात, किगतक, किराततिक, कैगट,  
चिगतिक, चिरायता, चिगीतिक, ज्वरांत-  
क तिकक, नृणानिष्ठ, दीर्घपत्र, नाडीतिक,

नाट्यकृतिका, कपाल, कृष्णलसिम्ब, भूनिम्ब,  
भूतिक, सन्निपातनुतु; सुतिकक, हेम २९

चिरौजी फल ना० चिरौजी, प्रियाल  
बीज, सखीबीज ९

चिरौजी वृक्ष ना० अखट्ट, उप-  
वट, खरस्कन्ध, चायपट, चार, चारक,  
तापस प्रिय, दुसन्नक, धनु, धनुस्, धनु-  
पपट, पट; प्रियाल, प्रसन्नक, प्रियाल, बहु-  
बलक, ग्रानि, राजमोग्ग, राजवृक्ष, राजा-  
तन, राजादन, ललन, वृक्षादन, सन्न,  
सन्नकट्ट, स्नेह बीज २९

चिलगोजा ना० चक्षफल, चिलगोजा,  
खंब बीज, लम्बबीजा ४

चिल्लीशाक ना० अग्रलोहिता, मौड़-  
वस्तिक, चिल्ली, डुली, मृदुपत्री, वास्तु-  
की, चारदला ७

चित्रविचित्र ( चितकवला ) ना०  
एत, एता, एनी, कर्षा, कर्वर, कर्मीर,  
करमाल, किर्मीर, चित्र, शत्रल १०

● ची ●

चीड़ ना० कापडिनी, गंधवधू, गंधमा-  
दनी, चीड़, चीड़, तरुणी, तारा, दारुगंधा,  
भूतमणि, मंगल्या १०

चीतल पशु ना० कृतमाल, कृष्ण पु-  
च्छक, चीतल, छिन्नकरी, छिन्नकार, नर्गचर,  
वातेभमी, वातषुग, प्रिन्दुचित्रक, वृषन १०

चीता (गुल्लवधा व तेंदुवा) ना० चि-  
त्रक, चित्रकाय, चित्री, चीता, तरक्ष,  
तरक्षु, तीक्ष्ण इष्टक, द्वीपी, द्वीपिन्, नर-  
क्षु, मृगभदन, वेगवान १३

चीतावृक्ष, कर्मभक्षण, अग्निपुल, अ-  
पापित, आपित, आश्रमास, कुरासु, कृ-  
ष्णवर्षा, कृष्णवर्ममृ, त्रिक, चित्रक चि-  
त्रभानु, चित्रा, चीता, प्रातवद, अत्र  
वेदस, ज्योतिष्क, तन्नपात, सन्नभाद,  
दहन, दाहक, दीपनीय, द्वीपिन्,  
द्वीपी, धनंजय, पाठी, पाठिन्, पाठीकुट,  
पालक, पावक, पाक्क, वन्हि, वन्हिनामा,  
वन्हिनामन्, वन्हिसूत्रक; विभाकर, वि-  
भावसु, वृहद्भानु, वैश्वानर, शम्बर,  
शार्दूल, शिखी, शिखिन्, शुक, शुचि,  
शुष्मा, शुष्मन्, शूर, शोचिष्केश, स-  
सार्क्षिच, सप्तार्क्षिच, हिमासाति, हिरण्य  
रेता; हिरण्यरेतसु, हुतभुक्, हुतमुज ६३

चीतावृक्षकाला ना० कृष्णचित्रक,  
कृष्णचीता, घण्ट कर्मक ३

चीतावृक्ष लाल ना० अग्नि, अग्नि-  
दीप्य, अत्याल, अनल, उपवृच, काल,  
कालमूल, दाहक, इयाग्नि, पावक, महां-  
ग, रक्तचित्रक १२

चीनिया कपूर ना० कट्ट, चीनक,  
चीनकपर्प, चीनककर्पूर, तुपार, द्वीपकर्पू-  
रज, धवल, मेघसार ८

चील पत्ती ना० अकाशै, आताइन,  
आतापिन्, आतापी, आतायी, चिरम्भण,  
चिरिल्लिका, चिल्ल, चिल्ली, चिरिल्लि  
का, चील, अहिह, चीलहर १३

चीलइ वजली ना० कंक, लोहपृष्ठ,  
स्वेत चिलह ३

● चु ●

चुम्बकपत्थर ना० अयस्कांत, कांत,

कान्तलोह, चुंबक, भ्रामक, रोमक, लो-  
हकर्त, लोहाकर्षण =

१ लोहा नामों पर आकर्षण अर्थ के  
शब्द लगाने से चुम्बक पत्थर के नाम  
होते हैं—

चुरिहार ना० काम्बविक, चुरिहार,  
मनिहार, शक्ति ४

—● चू ●—

चूची ना० उरज, उरजात, उरमण्डन,  
उरसिज उरस्य, उोज, कुज, कुजा,  
चूनी, पयोधर. मण्डन. मह्य; वक्षोज,  
स्तन १४

१—उर ( छाती ) नामों पर जकार  
लगानेसे स्तन. ( चूची ) के नाम होते हैं

२—जो महादेव के नाम हैं वह भी  
उपमा वाचक स्तन(चूची)के नाम होते हैं

चूची की डेपुनी ना० उरजाग्र, कु-  
चाग्र, चूचुक, चोजन ४

चूक ना० चंद्र, चुक, चुक्रिका, चूक,  
दलाम्ल, रसाम्ल, सहस्रवेध ७

चूकाशाक ना० अम्लचूड़, अम्लवा-  
स्तूक. अम्लशाक, कुचांगरी, चिचाम्ल,  
चिचासार, चुक्र, चुक्रक, चुक्रिका, दला-  
म्ल, दशनादचा, शिचनी, लिकुच, वृजा  
म्ल, शतवेधिनी, शाकाम्लभेदन, शुक्ता,  
शुक्ति १०

चूरा ना० चउडा, चिउरा, चिपिट,  
चिपिटक, चिपुट, चिविट, चूडा. चूरा,  
चौला, पृथुक १०

चूहा ना० अविश्रयणी, अन्तिका,  
अन्दिका, अश्मंत, अश्मंत, उद्धान, उ-

द्धार, उद्धान, चुहिल, चुहली, चूह,  
चूहा. १२

—● चै ●—

चैचक (शीतलारोग) ना० मसुरिका,  
मसूरी, रक्तवटी, रक्तवरटा, विस्फोटक ४

चैबुनाशाक ना० चञ्चु, चंचुपत्र, चं-  
चुर, चंचुशाक, चीरपत्रिका ५

चैला ना० अंतेवासी, अंतेवासिन, चैला,  
छात्र, दीक्षित, मौंड, मौण्ड, विद्यार्थी,  
शिष्य ६

—● चै ●—

चैत्रपास ना० चैत, चैत्र, चैत्रिक, मधु,  
माधव ५

चैतन्य पुरुष ना० आत्मा, पुरुष, पूरु  
ष, चैत्रज्ञ ५

—● चो ●—

चौधरा ना० चिन्नाक्ष, चिन्नल, चुन्नल,  
चौधरा, पिन्नल ५

चौच ना० चंचु, चंचू, चोंच, चांदि,  
चोटी ५

चोटी ना० केशपाश, केशपाशी, चूडा,  
चोटी, शिखा ६

चौर ना० अवशस, इकाग्र, एकागारि-  
क, एकागारिक, गूढचर, चोर, चौर, तका,  
तसकर, तस्कर, तायु, तपु, दस्यु, निशा-  
चर, पटचर, परास्कंदी, पाटचर, प्रतिरो-  
धक, प्रतिरोधी, मलिम्लुच, मूषाविान्, मो-  
षक, रिक्व, रिपु, रिम्वा, रिहाया, वनर्गु,  
टुक, स्तन, स्तेय, स्तैय, हरिश्चत ३२

१—यही डांक् के भी नाम हैं

२—रात्रिनामों पर चर अर्थ के शब्द लगाने से चोर के नाम होते हैं

चोरकी स्त्री ( चोड़ी ) ना० अघशसा, इकामा, एकागारिकी, गूढचरी, तस्करा, निशाचरा, पट्टचरा, पाटञ्जीगी, प्रतिरोधका, प्रतिरोधिनी, मालम्नुचा, क्षुषीवाना, मोषका, रिक्का, स्तेना, स्तेन्या १८

१ चोर नामोंको स्त्री लिंग आदेश करने से चोर की स्त्री के नाम होते हैं ॥

चोरी ( चोरी की वस्तु ) ना० चोरिका, चौरिका, चौर्य, तस्करता, स्तेय, स्तैन, स्तैन्य ७

चोरी करना ना० अभिगूहण, अभिहार, अभ्याहार ३

चोर नाम गंधद्रव्य ( भटेउर ) ना० कितव, कोयनक, कोरक, क्रोधमूर्च्छित, खड्ग, गणहास, गणहासक, चण्डा, चोरक, तस्कर, तत्फल, दुष्कुल, दुष्कुलीन, दुस्पत्र, धनहारि, धूर्त, निशाचर, नीच, पट्ट, पर्णचोरक, फलचोरक, भटेउर, राक्षसी, मुग्रन्धि, क्षेम, क्षेमक, क्षौमक २७

चोर पुष्पी औषधि ना० केशिनी, चोरपुष्प, चोरपुष्पिका, चोरपुष्पी, चोरहूली, चोरहूली, चोरा, चौराख्य, चौर, शंखिका, शंखिनी, शरयघ्नी १२

—● चौ ●—

चौगड़ा ना० चौगड़ा, शश, शशा ३  
चौपतिया झाक ना० ग्राहक, तमालक, वध्रु, शिखी, शिखिन, शितचर, शितावर, मुनिषण, मुनिषणक ६

चौराई शाक ना० अग्निशिखा, अक्षमरिषु, कौंडेर, गुडबूल, वनस्पन, तण्डुल, तण्डुली; तण्डुलीक, तण्डुलीय, तण्डुलीयक, तण्डुलेरक, पथ्यशाक, तण्डुलीय, मण्डीर, मेघनाद, विषघ्न, सुशक, स्वनिताह्वय १८

चौराहा ना० चतुष्पथ, चौराहा, शृंगाटक ३

—● छ ●—

छल ना० आदेश, कपट, कूट, छद्म, छल, निम, लज्ज, लक्ष्य, व्यातकर व्यपदेश, व्यज ११

—● छा ●—

छाता ( छतुरी ) आतपत्र, छत्र, छाता, मेघदम्बर ४

छाती ना० उर, क्रोड़, क्रोड़ा, छाती भुजांतर; बत्स, वन, वनस, वनस्थल ९

१—छाती नामों पर जकार और आभा अर्थ के शब्द लगानेसे स्तन(चूची) के नाम होते हैं जैसे उरज, उराज,

छाल ना० छल्लि, छाल, त्वक् ३

—● छि ●—

छिनारि ( पर पुरुष रत स्त्री ) ना० अघा, अधमा, अभिसारिका, अलज्या, असती, इत्वरिका, इत्वरी, कनारि, कुनारी, कर्कशा, कुलटा, कुलवैरिणी, खला, चण्डा, चण्डी, छिनारि, छिनाल, दृष्टा, धर्षणी, धर्षिणी, पाशुला, पांसुला, पुनर्भू, पुंश्चली, पुंश्चली, प्रलोचना, बन्धकी, मुक्ता, व्यभिचारिणी, व्यभिचारिणी, सफला, संवंधुकी, स्वैरिणी, स्वैरिनी ३४

**झिनारिसुत ( झिनारिका लडका )**

ना० अणामुत, असतीमुत, कुलटामुत,  
कौलटेय, कौलटेयी, कौलटिनेय, कौलटेर,  
बन्धुल, बान्धकिनेय, सफलात्मज १०

१—झिनारि नामोंपर सुतअर्थके शब्द  
लगानेसे झिनारिसुतके नाम होतेहैं ॥

**झिनारिसुता ( झिनारिकी लडकी )**

ना० अणामुता, अस्तीमुता, कुलटांगजा,  
कुलटामुता, कौलटेया, कौलटेरा, चंडी,  
मुता, दुष्टात्मजा, सफलामुता ६

१—झिनारि नामोंपर सुता अर्थ के  
शब्दलगानेसे झिनारिसुताके नाम होतेहैं

**झिपकली** ना० गृहगोधा, गृहगो-  
धिका, गृहालिका, झिपकली, पल्ली, मुशली,  
मुषली, विस्तुइया ८

**झिरहिटीलता** ना० गारुडी, झिरहिट,  
झिरहिटी, झिरहिटी, झिरहिण्ड, तार्डी,  
दीर्घकाण्डा, दीर्घबल्ली, दृढकाण्डा, दृढ-  
ळता; पातालगरुड, पातालगरुडी, प्रति-  
सामा, महिषबल्ली, मेचकभिवा, सोम-  
बल्ली १६

**झी**

**झीक** ना० झीक, झव, झुव, झुत ४  
**झीका** ना० कांच, झीका, शिक, शि-  
कहर, शिज्य ९

**झीमी** ना० झीमी, फळी, शिम्बा,  
शिम्बि, शेमरी, सधी, सिंवा ७

**झू**

**झूरी** ना० आसिबेनुका, असिपुत्री,  
चाकू, झुका, झुरी, झूरी, शखी ७

**झे**

**झेद** ना० कुहर, गर्त, गहर, झिद,  
झेद, निर्व्यथन, बिल, रन्ध, रन्ध्र, रस,  
रोक, वपा, विरोक, विवर, शुभ्र, शुषि,  
शुषिर, शुषी, श्वभ्र, सन्ध, सुषि, सुषिर,  
सुषी, स्वभ्र २४

**झेदना** ना० वेध, वेधन, व्यध ३  
**झेदाहुआ** ना० झिद्रित, विद्ध, वेधित ३  
**झेनी** ( पत्थरतोड़नेकी ) ना० टंक.  
टांकी, तंक, पाषाणदारण ४

**झे**

**झेटा** ना० खर्व, नीच, न्यक्, न्यङ्,  
वाहन, ह्रस्व ६

**झेडाहुआ** ना० उत्सृष्ट, तानत, त्यक्त,  
त्यागित, धूत, विधुत, समुञ्जित, हीन ८  
**झेहारा** ना० कृष्ण, खज्जूरी, गुच्छ-  
फला, दाख, दाक्षा, मियाला, मधुरसा,  
मृद्धीका, यक्षमधनी, रसा, रसासा, राज  
खज्जूरी, स्वादुफला, स्वाद्धी; हरहूरा,  
हारहूरा १६

**झेकरावृत्त** ना० अपरानिता, इष्टा,  
ईशान, ईशानी, कचरिपुफला, कानमहर,  
काननारि, केशमयनी, केशहंश्री, झोंकर,  
झोंकरा, जया, जीवती, तपनतया, तुंगा,  
दुरितदमनी, न्यग्रोध, पिंगी, पापशमनी,  
भद्रा, मंगल्या, मेध्या, लक्ष्मी, बशिनी,  
बन्धिगर्भा, शंकरी, शकुफला, शकुफलि-  
का, शकुफली, शमी, शिवा, शिवाफला,  
शीतशिव, शीतशिवा, शुभकरी, सकुफ-  
ला, सकुफली, समीर, समुद्रा, सुखदा,  
सुपना, सुरभि, हविर्गन्धा ४३

— ● ज ● —

जगत् ना० जगत्, जगत, भुवन, लोक, विष्टप ९

जंगल ना० अट्टी, आणय, आण्य, कच्छ, कक्ष, कांतर, कनन, गहन, जंगल, विपिन, वन १०

जतुहालता ना० कृष्णरुह, कृष्णवलिहा, जतुका, तरुवल्ली, दीर्घफला, निशान्धा, पञ्जावता, पर्पटी, बहुपत्री, विज्जुलिका, चानागि, सुपत्रिका, सुपत्रिणा, सुवर्जिका १४

जनैया ना० चतुर, विदुर, विदुःज्ञाना, ज्ञाना ९

जन्म ना० उत्पत्ति, उद्भव, गर्भविमोचन, जनन, जनि, जनी, जनु, जन्म, जन्म, प्रसव, प्रसूति ११

जमालगोटा ना० कनकफल, कानकफल, कुम्भनीवीज, कुम्भीवीज, वंटीवीज, वंटीनीवीज, चक्रदंतीवीज, नयपाल, नेपाल, देनीवीज, मूळकवीज, मलद्रावी, मलद्राविन्, मलद्र, मूळकवीज, रेचक, विशोधनीवीज, वीजरचन, शोधनीवीज, सारक २०

जर्मीकन्द ना० अशोधि, शोन, शोल्ल, कण्ठील, कण्ठूल, कन्दकंदवर्जन, कंदशृण, कंदह, कंदी, कंदिन्, चित्रईडक, जर्मीकंद, जिमीकंद, तीव्रकण्ठ, दुर्नागारि, धीरपत्री, बहुकंद, मूल, रुच्यकंद, वातागि, शृण, सुकंदी, मुहन्दिन्, सुवृत्त, मूःण, स्थूलकंद २७

जर्मीकन्द जंगली ना० वनकंद, वनज, वनोद्भवशोल्ल, वनशृण, स्थूलकंद ९

१—जर्मीकन्द नामों के प्रथम जंगल नामके शब्द लगाने से जंगली जर्मीकन्द के नाम हें तहैं ॥

जमुहाई ना० जमहाई, जमुहाई, जम्भा, जम्पाई, जृम्भ, जृम्भण, जृम्भा, जृम्भिका, जरहीतृण ना० जयाश्रया, जाडी, जगडितृण ३

जलन ना० क्रोष, दाह, प्रोष २

जलकुम्भी ना० शशकुम्भी, आकाशमूली, कृतृण, द्रमदा, कुंभा, कुमिका, कुम्भीक, खल्ल, खमूलिका, जलकुम्भा, जलवल्कल, पाट, पांटेद्रुम, पाह्लाका, पानीयपृष्ठत, पृश्निहा, पृश्नी, पृश्नी, वागिकणिका, वागित्वर, वागिमूली, वारिपर्णी, श्वेतपर्णी, हठालु, हठा २९

जलन्वर रोग ना० जठामय, जलन्वर, जलदा ३

जलपीपरा ना० आम्रिज्वला, कञ्चट, चित्रपर्णी, चित्रपत्रा, जलपिप्पली, जलपीपारि, जलान्नी, तृणशीता, तोयापिप्पली, पित्तला, बहुशिव, मत्स्यगंधा, मत्स्यदादी, लांगली, शकुलादीना, शारदा १६

जलवेत ना० अमृश्वेतम, जलवेत, जलवेतम्, तोयकाम, नदीमूलप्रिय, नादेश, नादेशी, निकंचक, परिव्याध, महागंध, वानीर, वृत्तपुष्प, वृत्तसृद्ध, शास्ताम्ब १४

जनाद्भ्रः ना० उपित, दग्ध, मुष्ट, प्लुष्ट ५

जेनेवी ना० कुण्डली, कुण्डलिनी २



जल्दवर्जि ना० जव, जवन, तःस्त्री,  
स्वरित, प्रजवी, बेी ३

जवाखार ना० जवाखार, तर्च्य, ती-  
क्षण, तीक्ष्णरस, पांशुज, पावव, यवनाल-  
ज, यवज, यवपत्थ, यवलास, यवशू, यव-  
शुकज, यवला, यवाह, यवाग्रन, यावशूक,  
रंजक, सुवर्चिवर्जा, स्वर्जिक. चार २०

जवानां ना० जवानां, तरुणता, तारु-  
ण्य, युवावस्था, यौवन ५

जवान ना० उत्तर, प्रतिवचन, प्रतिवा-  
क्य, समाधान ४

जवासा ना० अनेता, अरणि, कल्पक,  
आत्ममूली, इंदकार्या, कच्छुग, कण्टका-  
लक, कुनाशक, कुलाशक, गि. कर्णी, ज-  
वासा, ताम्रमूला, दार्धमूली, कुम्भग्रहा, दु-  
रालभा, सरालम्भा, दलेभा, दुष्पश, दुष्प-  
धर्षा, दुष्पश, दुष्पशी, धनुर्धर्षा, धन्वय-  
वाप, धन्वयवासक, धन्वयस, धमासा,  
पद्ममूर्त्ती, प्रवेधनी, प्रवेधनी, फाडिजका,  
बहुकंटक, बालपत्र, मरुद्धवा, मालिनी,  
यवास, यवासक, यवामा, यास, रोदनी,  
रोदनिका, विकण्टक, विरूग, विपटन,  
समुद्रांता, सारिणा, सिंहनादिका. मुता.  
क्षुद्रेगुदी ४८

जवासा छोटः ना० करभप्रिया, कर-  
भादनी, कषाया, फणित्, मरुसम्भव,  
मरुस्था, विशारदा, क्षुद्रदुर्गलभा ८

जहजना० जलयान, ना, नाव, वैहित ४

— ❁ जा ❁ —

जा, प्र ना० ऊरु, जघा, जांघ, नल-  
किनी, प्रसृता, सतिथ ६

जांघऊंचीवाला ना० ऊर्ध्वजानु, उर्ध्व-  
ज्ञ, ऊर्ध्वजु ३

जांघ दूरवाला ना० प्रगतजानु, प्र-  
गतजानुक, प्रज्ञ, प्रज्ञ ४

जांघ मिलीवाला ना० संहतजानु, सं-  
हतजानुक संज्ञः, संज्ञ ४

जागना ना० जागर, जागरण, जागति,  
जागर्था, जाग्रित, जाग्रिया ३

जानाहश्चा ना० अवगत, अवासित,  
पग्नित, प्रतिपन्न, बुधित, बुद्ध, मानित,  
त्रिदिन ७

जानेवाला ना० प्रसारी, विसारी,  
विमृत्वर, विमृतर ४

जामिन ना० प्रातिनिधिभूत, प्रनिभू-  
लरनक ३

जायफल ना० जाति, जातिकोश, जा-  
तिकोष, जातिफल, जातिसार, जाती,  
जातीकोश, जातीकोष, जातीपूंग, जाती-  
फल, जायफर, जायफल, तृण, पुट, फ-  
लक, मज्जासार, मालतीफल, लव, शालुक,  
शालुक, मपुटन्ता, सुमनाफल, सुगंधफल

जाल (मृगपकडने का) ना० मृगबन्धन  
मृगबन्धनी, वागुर, वागुरि ४

जाल लगानेवाला ना० जालिक,  
जाली, वागुरिक, वागुरी, ४

जावित्री ना० गुडत्वक, गुडत्वच्, जा-  
तिकोपी, जातिपर्वा, जातीपर्वा, जावित्री,  
द्विजात्मक, मालतीपात्रिका, राजभोग्य,  
सुपतपात्रिका, पौमनसा ११

— ❁ जि ❁ —

जिगानियावृत्त ना० जिज्ञाना, जिगिना

त्रिगनिया, भिगेनी, भिगी, प्रमोदिनी,  
मुनिदर्पसा ७

जियापोता वृत्त ( पातिजिया ) ना०  
अतिगन्धाल, कुमारजीव, गर्भकर, गर्भद,  
जियापिता, जियापोता, जीवपुत्रक, पति-  
जिया, पवित्र, पिताजिया, पुत्रजाव, पुत्र  
जीवक, यष्टीपुष्प, वृत्तपत्रा, श्लीपदापह.  
सुजीवक ११

— जी —

जीवनवाला न० जयशाल, जित्वर,  
जिष्णु, नेता ४

जीभ ना० जिह्व, जिह्वा, जीभ, रसन,  
रसना, रसज्ञा ६

जीरा ना० कणा, कृष्णसखा, जरण,  
जीर, जीरक, जीरण, जीण, दीप्य, दृता,  
सुपवी १०

जीरा काला ना० अजानी, उपकुं-  
चि, उपकुंचिका, कण, कारवी, कुंचिका,  
कुञ्जिका, कृष्ण, कृष्णजीरक, कृष्णा,  
जरण जग्णा, तरुण, तिलातप्या, पति-  
वरा, पृथु, पृथ्वी, पृथ्वीका, बहुगन्धा,  
मन्त्राट, शाली, सुशवी, सुपवी, स्यामजी-  
रक, स्यामजीरा २२

जीरा छाटा ना० सुगन्ध, हृद्यगन्ध,  
हृद्यगन्धि, क्षुद्र जीरक ४

जीरावड़ा ना० मारणी, जीर्णा, दिव्या,  
मनोज्ञा, स्थूलजीरक ५

जीरामपेद ना० अजानी, कणजीर,  
कणजीरक, कणा, गौरीजीरक, दीर्घकणा,  
पागव, श्वेतजीरक, सितदीप्य ७

जीवशाक ना० जीवशाक, जीवन्त;

राजपत्र, प्रवालिका, रक्तमाल, शाक-  
वार ९

जीवक वृत्त ना० कालस्कन्ध, चिर  
जीवक, चिजीव, चिरजीविन्, चिरंजी  
वी, चिरंजं विन्, जीवक, जीवन, दीर्घा-  
यु, दीर्घायुस, निधि, प्राणक, प्राणद,  
प्रिय, बलद, बलवर्द्धिनी, भंगह, भंगल्य  
मधुर, मधुरक, वहिसख, वृद्धिद, शृंगक,  
श्वेत, द्रुवांग २५

जीवन्ती ( डोड़ी शाक ) ना० कालिन्-  
का, जीवनी, जीवनीया, जीवन्ती, जीव  
न्तिका, जीवभद्रा, जीवा, जीविका, जीव्या  
डोड़ी, तीक्ष्णगन्धा, दीर्घपत्रा, पथस्विनी  
भद्रा, भंगल्यनामधेया, भंगल्या, मधु,  
मधुश्वासा, मधुसूत्रा, मृगराटिका, रक्तांगी,  
रणमुष्टि, विपमुष्टि, वृषाकपायी, शशशि-  
म्बिका, शाकश्रेष्ठा, मुकालुका, सुखकरी,  
सुपिगला, मूक्षमपर्ण, ज्वननाशिनी, लुङ्जीवा

जीवन्तो पीली ना० तृणग्रन्थि, सु  
जीवन्ती, स्वर्णजीवन्ती, हिमाश्रया, हेमल-  
ता, हेमाह्ला ६

जीवन्ती बड़ी ना० जीवपुष्पा, पुत्र-  
भद्रा, प्रियेकरी, मधुरा, वृद्धजीवन्ती ५

जीविका ( रोजी ) ना० आजीव,  
आजीवन, जीवन, जीविका, वर्तन, वर्ता,  
वृत्त ७

— जु —

जुआ ( हारजति का खेज ) ना०  
अस्तिषाम, अक्षवती, कैतव, जुआ,  
शूत, पण ६

जुमारा ना० अक्षदेवी, अक्षभृते, किं-  
तव, अक्षकर्मि, अक्षकृते, धाते. धृते, धृते  
जुम्रा करानराला (फडवाज) ना०  
धृतराजक, धृतराजिका, फडवाज, सभि-  
क. सभिका ९

जुगुनू ना० खद्योत, जुगुनू, ज्येतिरि-  
गण, सोनकीट ४

जुलुक ना० काकपत्त; जलुक, जलुफी,  
शिवगड, शिवगडक. शिवगडक ६

जुवां ना० आपालि. केशकीट, जूं,  
जुवां. डींगर, यूक, यूका. ७

जुही (पुष्प) ना० अम्बष्ठा, अम्बष्ठिका,  
गणिकापुष्प, जीवनी, जुही, महसंती,  
बलजा, बहुगन्धा, बालपुष्पिका, बालपुष्पी,  
भृंगगन्धा, मागर्धप, मोदिनी, चामन्ती, शि-  
खण्डिनी, सूक्ष्मा, १६

जुही पीली ना० अन्ध्या, गंधाख्या,  
नागपुष्पिका, पीतिहा, पीतयूथी, मन्दा-  
हरा, यवती, शिवणी, शिवण्डिन्-  
सुगन्धा, सुवर्णयूथी, स्वर्णयूथी, स्वर्णयू-  
थिका, हणिणी, हेमपुष्पी, हेमपुष्पिका,  
हेमयूथिका, हेमा, हेमा १९

जुहीवृक्ष ना० गणिका, जननी, भू-  
टिका, भाटा, यूथिका, यूथी ६

### — ❀ जू ❀ —

जूडन ना० उच्छिष्ट, जूट्ट, फेल,  
फेलक, फेला, फेलि, फेला, भुक्तसम्-  
ञ्जित. ६

जूता ना० उपान, उपानत्, कोपान,  
चरणदासी, चर्मपात्र, जूता, जूती, पदत्राण,

पनही, पादपृष्ठ, पादत्राण, पादुका, पाद,  
पुपान, मांचीपात्र १९

### — ❀ ज ❀ —

जठमाम ना० जेठ, ज्येष्ठ, ज्येष्ठ,  
शुक ४

### — ❀ जै ❀ —

जैनवृक्ष ना० अपराजिता, आयुषध-  
मिणा, जया, जयन्ती, जैत्री, तर्कारी, ना-  
देयी, वैजयन्ता, वैजयंतिका; शिवानी,  
शिवाम्भृति, सूक्ष्मपला, हरिता, १३

### — ❀ जो ❀ —

जोंक ना० अम्बुमर्षिणी, अम्बुपा, ज-  
लजंतुका, जलसर्पिणी, जलायुका, जलोका  
जलौकसा, जलौकसी, जलोका, रक्ता,  
रुधिरपा, ११

१ रक्तनामों पर पीनेवाला, अर्थ के  
शब्द लगाने में जोंक के नाम होते हैं।

जोलाहा ना० कुपिद, कुविन्द, तंतु-  
वाय, तंत्रवाप, तंत्रवाय, तंत्रवाय ६  
(यहां कोरी के भी नाम हैं)

### — ❀ जौ ❀ —

जौ (अन्न प्रमिद्ध) ना० कंचुकी,  
कुंतल, जव, जो, जा, तीक्ष्णशुक, तुरंगपिय,  
दिव्य, धान्यगज, पत्रधान्य, पूवट, प्रा-  
वट, मेध्य, यव, यवक, यवनालज, शत  
पत्रिका, शितशुक, शतशुक, श्वेतशुग,  
सुकुक, सितशुक, हयपिया, हयष्ठ, २३

जौहरे ना० तोह, हरिध्व, २  
उद्योतिषी (नज्मी), ना० कार्यान्तिक,

भणक, ज्योतिषिक, ज्योतिषिक, ज्योतिषी,  
ज्योतिषी, देवज, मौहूर्तः, मौहूर्तिकः, सा-  
म्बत्सर, ज्ञानी १ १

ज्वार ( जे न्हरी अन्न ) ना० अत्यम्ब,  
इक्षुमत्र, जूणाद्धिय, ज्वार, दीर्घनाल, दी-  
र्घशर, देवधान्य, मकाई, मक्का, मौक्तिक-  
तण्डुल, याचनाळ वृत्ततण्डुल, ज्वेज्ज १ १

ज्वार उजली ( ज्येटी जे न्हरी )  
ना० नान्तण्डुल, धवलयावनाल, नन्त्र-  
कांताकरनार, पाण्डुर, श्वेतज्वार १

ज्वार लाल ना० तुवरयावनाल.  
रक्तज्वार, रक्तयावनाल १

ज्वाला ना० अत्रि, कल्पलीकिन,  
जंतगाभवन, जात, तत्र, तेज, मन्मना-  
भवन, शाचे, शृंगाणशृंगाणि, हर, ह्राण,

—● भ —

भगवा ना० विवाद, व्यवहरण, व्य-  
वहार १

भक्त वायु ना० भक्त्वात् संज्ञावायु  
प्रकम्पन, महापवन, महावात ५

भारडा ना० केत, केतन, केत, झंडा,  
ध्वज, ध्वजा, निशान, पताका, वैजंती,  
वैजयंती १०

भारना ना० भार, भारना, भारी,  
गिर्भार, वाग्प्रवाह ५

—● भा —

भाऊ वृत्त ना० अफल, भाऊ,  
भाबु, भाबुक, पिचल, बहुगुंथि १

भाभी ना० कनकालुका, भाभी,  
भूगार १

—● भि —

भिक भिरीडा ना० भिकभिरिष्टा, भि-  
भिरिडा, रोम अथफल १

—● भी —

भींगुर ना० चिल्लका, चीरी, चीरुका,  
चीलिका, शिािका, भिरीका, भिरुका,  
शिल्लका, भिल्लका, भिरुडा, भिरुलीका,  
भींगुर, भीरिका, भारुका, भूंगारी १ ५

भुंगीडा ( भिमरेचामधाना ) ना०  
अहिा, बलिन, बलिम, बलिमात, व-  
धमान् १

भूठ ना० अनुत, अलीक, आदिनध,  
भूड, भूच, भूधया, भूषा, भूषा, भोव-  
विफल वृथा, व्यज १ २

भूना ना० अवग्रह, अग्रग्रह, भूना,  
मना, ५

भूभ ना० कुजाय, सौंभा, वेमुआ,  
वमळा, नीड, पर्लागृह, पर्लानिवास, प-  
क्षावामस्थान ८

भूरा ( दडगाय जिमपे जीव गर्भमे  
रदत ई ) ना० उल्ल, खी, गभारिय,  
जरायु, जरायुन् ५

—● ट —

टपत्ता ( घी आदि का ) न  
च्योत, प्रावार, रच्योत १

टाकादुशा ना० गठन, दुत, धनु-  
पत्त, अत्र, मन्द, मस्त ७

टडल ना ( न क ) ना० अत  
अनुगामी, अनुचर, अनुजीवा, अनु...

अभिसर, अर्धी, किकर, गोप्य, गोप्यक,  
चेट, चेटक, चेड, चेडक, चेगा, टहलुआ,  
दाश, दास, दासेय, दासेर, नियोज्य, पत्ति,  
पइग, पदात, पदाति, परिचारक, पारि-  
चारक, प्रेष्य, प्रैप, प्रैप्य, विधिकर, भु-  
निप्य, भूत्प, भूत्पक, सहाय, सेवक ३६

टहलुइन ( लौड़ी ) ना० अनुगा, अ-  
नुगामनी, अनुचग, अनुचरी, अनुचो  
विनी, अनुप्लवा, अभिसरी, अर्थिनी, कि-  
कग, किंकी, गोप्या, गोप्यका, चेटा,  
चेटका, चेटिका, चेटा, चेडका, चेडा,  
चेई, चेडिका, चेगी, टहलुइन, दरी, दाशी,  
दाशिन, दाशिना, दागी, दामया, दासेग,  
नियोज्या, पतिना, पदगा, पदातनी, पदा-  
तनी पारिचारिका, पारिचारिका, प्रेष्या,  
प्रेषा, प्रैष्या, विधिकग, विधिकरी, भुजप्या,  
भूत्पका, भूत्प्या, सहाया, सेवकिन ४३

—● टि ●—

टि विहिरी पक्षी ना० बोयष्टिक,  
कायष्टी, टिइगी, टिटिक, टिटिहरी,  
टिटिव, टिटिक ७

टिइहा ना० टिगिइश, टिण्डश,  
डिगिइश, डैडम, ४

टिपहा वृक्ष ना० टिटिशवृक्ष, टिण्डश-  
वृक्ष, तिंइश ३

—● टु ●—

टुइडा ना० कण, खगड, भान, पित,  
श, शकड, सकड, सलक, सहसा ९

—● टू ●—

टूडा ना० अगल, असित, आविद्ध,

उर्मिमत्, कुंचित, कुटिल, जिष्ण, नत,  
मंल्लित, भुग, वक्र, वृत्तिन १२

—● टो ●—

टोप लड़ ईका ना० युद्धटोप, शिरस्त्र,  
शीवर, शोषेश्य ४

—● ठ ●—

ठग ना० उपधि, कपट, कुस्टत,  
कैतव, छद्म, टग, दंभ, निष्कृति, व्याज,  
शाठ्य १०

ठग ना० तस्त्रकुट्टक, मौलिक, सौ-  
लिक ३

—● ठु ●—

ठुई ( दाड़ी ) शिबुकां मधनीराकन,  
हनु ३

—● ठू ●—

ठूठ ना० गुल्म, टूठ, स्तम्भ ३

—● ड ●—

डब्बा ना० समझक, समझा, सम्पुट, ३

डर ना० आतंक, आदंक, उत्रास,  
स्त्रोफ, डर, दर, भय, भिया, भी, भीत,  
भीत, भीर, भं, विश्वास, संत्रास, सध्या,  
साध्वम, प्रास १८

डगोंक ना० कातग, भीत, भीरु, भी-  
रु, भीलुक, वस्त, वस्तु ७

—● डा ●—

डांड ( जिंमने नःवेवेनेई ) ना० नौगा  
दंड, क्षिगि, सिवणी, क्षेगणि, क्षेगणी ५

—● डे ●—

डेरा ना० उपकारिका, उपकारी, उपकार्य्या, डेरा, तम्बू, दृश्य, दृष्य, बख्खगृह ८

—● डो ●—

डोंगी (छोटीनाच) ना० अम्बुवाहिनी, अम्बुसेवनी, काष्ठाम्बुवाहिनी, द्रुणि, द्रुणी, द्रोणि, द्रोणिका, द्रोणी ८

डोलची ना० डालची, सेकपात्र, सेवन

—● डू ●—

डकाहुआ ना० आच्छादित, छन्न, छादित ३

—● डा ●—

डांपना ना० अन्तर्द्धा, अन्तर्द्धि, अपवाण, अपिधान, आच्छादन, छदन, छादन, झांपन, दापन, डांपना, तिरोधान, पिधान, व्यवसा १३

दाखवृत्त ना० इभकर्ण, इभकेशर, कनक, कसक, किशुक, छिउला, छिपूला, टेम्, दाख, पढाशा, पर्य, पलंकपा, पलाश, पलाशक; पूतद्र, ब्रह्मपादप, ब्रह्मवृत्त, ब्रह्मोपनेता, मातंग, मुनि, मेघनाद, योजिक, रक्तपुष्पक, राजादन, लाक्षातरु, लाक्षावृत्त, बक्रपुष्प, वातपोथ, वानप्रस्थ, विपणक, विप्रिय, सुमीरक, जारश्रेष्ठ, त्रिपत्रक, त्रिपर्णी ३५

दाखनी कली ना० अंगारिका, रक्तेरु, रक्तेरुका ३

डाल ना० असिचर्म, चर्म, डाल, फुर, फल, फलक ६

—● दू ●—

दूढना ना० अन्वीक्षण, अन्वेषण, गवेपण, मार्गण, मृग, मृगण, विचयण, संवाक्षण ८

दूढःहुआ ना० अन्विष्ट, अन्वेषित, खोजित, गजोखित, मार्गित, मृगित, संवीक्षणित ७

—● डे ●—

डेनवांम ना० गोकनी, गोफीण, डेलवांम, डेलवांसी, मिर्दिपाल, सुगः ९

—● त ●—

तकिया ना० उपधान, उपध्यान, उपवर्द्ध, उपवर्द्धन, उशीश, कुंकुक, तकिया,

तगर ना० कालानुशारिका, कालानुसारिका, कालानुसार्थ्य, चक्र, दीन, नत, पिण्डी, पिण्डीतक, पिण्डीतगरक, महोरग, लीन, विनम्रक, शठ, जत्र १४

तगर फूल ना० कुंचित, कुटिल, तगरपुष्प, दण्डहस्त, नहुषारुय, पार्थिव, पिण्डपुष्प, राजर्षण ८

तगर मूल ना० जिह्व, तगरमूल, दीपन, वक्त ४

तगर वृत्त ना० कटुच्छद, कालपर्ण, जिह्व, तगर, तगरपादक, नद्यावर्त, सितपुष्प ७

तज ना० उत्कत, तज, त्वकू, त्वकूपत्र, त्वचपत्र ५

तट ना० अनंतर, अभ्यर्ण, अभ्यास, अवदूर, अवधी, अवलुन, अजास, आसज, उपकंड, कूल, तट, तटी, तीर, निकट,

पुलिन, प्रतीर, रोध, रोधा, रोधू, सन्निधि,  
सीमा २ ?

तपस्वी ना० तपस्वी, तापस, पारिकांक्षी,  
तंचला ना० अश्वशाला, घोड़शाला,  
बोहमार, मन्दूग, वाजिशाला, स्तवला,  
हयशाला ७

१—घोड़ा नामों पर शाला अर्थ के  
शब्द लगाने से तंचला के नाम होते हैं  
तमाखू ना० कुमिघनी, तमालपत्र, ता  
म्रकूट, धूम्रपत्रा, भूमलापत्रा, मुलभा,  
स्वयंभुवा ६

तमाखू वृक्ष ना० कलञ्ज, कालस्कंध,  
कालताल, कृष्णस्कंध, खल, गृध्रपत्रा,  
गृध्राणी, छद, तम, तमा, तमालक, तमाल,  
तापिञ्ज, धूम्रपत्रावृक्ष १४

तरकस ना० अपासंग, इषुधि, इषुधी,  
उपासंग, तरकस, तूण, तूणा, तूणी, तू  
शीर, तूनीर, निषंग ११

तरदी ( कांटेदार वृक्ष विशेष ) ना०  
सर्वुगा, तरदी, तारदी, तात्र, रक्तबीजका,  
तरबून ना० कर्करिक, कालिंग, कालिग  
दा, कालिन्दक, कृष्णबीज, गोटुम्ब, चेलान,  
तरबून, तरम्बुज, तुम्बीपुष्प, तोयफला,  
नाटात्र, फलवतुल, लतापनस, बृहद्रोल,  
शीर्षिवृन्त, शृगालजम्बु, सुखवास, सुलाशक,  
सेटु २०

तर्क ना० अध्याहार, ऊह, ऊहा, तर्क, ४  
तलवार ना० आशि, आसि, आष्टि,  
करपाल, करवाल, करवान, करवाल, कृसेह,  
कृपाण, कृपान, कक्षिपक, सद्ग, चंद्रहांस,

तलवार, निखिश, निखिशक, मंडलात्र,  
रिष्ट, गिसिक, विशसन, सेल्ह २ ?

तषाखीर ( तेखर ) ना० तवलीर,  
तालसंभूत, ताललीरक, यकन, क्षीरजल,

### — ता —

तांबा ना० अट्टिमार, अंबक, अगविद,  
अर्क, उदुंबर, उदुंबर, औदुंबर, कनीयस,  
कमल, कृष्य, तपन, तपनेष्ट, तांबा, ता-  
मरस, ताम्र, ताम्रक, तामा, द्विष्ट, द्व्यष्ट,  
नैपालिक, पवित्र, मर्कटारुय, मुनिपिचल,  
म्लेच्छ, म्लेच्छमुख, म्लेच्छारुय, रक्तधानु,  
रवि, रविनामक, रावप्रिय, रावलोह, रवि-  
संज्ञक, लोहिमाय, कोहितायम्, वाशिष्ठ, शावर  
भेदारुय, शुल्ल, शुल्ब, शुल्बक, शोणित,  
सूर्याह्न ४१

ताड वृक्ष ना० आसवदु, करपत्रवान्,  
करपत्रवान्, गुच्छपत्र, तन्तानेय्यमि, त  
रुगज, तल, ताड, तार, ताम्र, तृणद्रुम,  
तृणराज, तृणाजक, दीर्घतरु, दीर्घद्रु,  
दीर्घपत्र, दीर्घपादप, दीर्घस्कन्ध, द्रुमेश्वर,  
द्रुमश्रेष्ठ, ध्वजद्रुम, पत्री, भूमिपिशाच, म-  
दादच, मधुमस, महान्नत, लतातरु, ल-  
क्ष्माताल, लंगल, लोखार्डी, लेख्यपत्र ३१

ताड वृक्ष ना० चोच, ताल, तालफल ३  
ताड़ी ( ताडवृक्ष का रस ) ना०  
ताड़ि, ताड़ी, तारिका, तालकी, तालरस,  
तालसुगा, ताली, भुसुर, सैन्धी, हाला १०  
ताड़ीयजानेवाला ( तालदेनेवाला )  
ना० पाणिवा, पाणिवादा २

ताना ना० उत, उत, स्यूत ३

तामस ना० आमर्ष, कामानुज, क्रध,  
क्रोध, मन्यु, रुठ ६

तारा ना० उड, उडु, उड्वी, ऋक्ष,  
तार, तारक, तारका, ताग, नक्षत्र, भ १०

ताम्रवल्लीनाता ना० ताम्रवल्ली,  
तालिका, ताली, शोधना, सूचमबल्ली ९

तालाव ना० कासार, जलाधार, ज  
लाशय, जलाशया, तटाक, तटाग, तडा-  
क, तडाग, ताल, तालाव, पञ्चाकर, पु-  
ष्कर, मानसर, सर, सरवर, सरोवर,  
सरमि, सरसी, हृदि, हृद् २०

तान मखाना ना० कोकिलाक्ष, पि-  
च्छिला, भिन्न, वज्र, शृगालवष्टी,  
शृगाली, शृङ्खली, क्षुर, ८

ताल मखाना वृक्ष ना० इक्षु, इक्षुर,  
इक्षुरक, इगुन्धा, कापेक्षु, काण्डेक्ष,  
कुलिक, कोकिलाक्ष, कोकिलाक्षक, को  
किलनयन, पिकाक्ष, पिकेक्षणा, वज्रकं  
टक, वज्रास्थिशृङ्खला, वीरतरु, क्षुरक,  
त्रिक्षुर १७

तालाव छोटा ना० अरुपसर, पल्लव,  
वेशन्त ३

तालू ना० तारु, तारू, तालु, तालू,  
तालुक ५

तालीशपत्र औषधि ना० अर्कवेध,  
कपिपत्र, ताल, ताली, तालीश, तालीशपत्र,  
धार्त्रापत्र, नाल, नीलाम्बर, शुकोदर १०

तालूक ऊपरकी छोटीजीम (कौआ)  
ना० अधोजिहिका, अधोजिह्वा, अलिजिह्वा,  
अलिजिहिका. उपजिह्वा, उपजीम, गल-  
शुण्डिका, प्रतिजिह्वा, लम्बिका, शुण्डिका,  
सुधाश्रवा ११

तावा ना० ऋचीष, ऋजीष, तथा,  
तावा, पिष्टपचन ९

( एही कड़ाही और हण्डा के भी नाम हैं )

— ति —

तिधारा थूहर ना० धागाम्नुही, नेत्रा-  
गि, पत्रगुप्त, तिधारस्तुही ४

तिरिच्छ वृक्ष ना० अतिमुक्त, अति-  
मुक्तक, अक्षक, चक्रा, चक्रिन, चित्रक-  
र्मा, चित्रकर्मन, चित्रकृत, जलधर,  
तिनिश, तिनाशक, तिरिच्छ, नेपि, ने-  
मिन, नेमा, मम्मगर्भ, मेषिका, मेपी, रथ,  
रथदु, रथक, वञ्जुल, शकर, स्यन्दन-  
द्रुम, स्यन्दनि, २८

तिल ( काले चिन्ह जो शरीर पर  
होते हैं ) ना० कालक, क्राम, तिल, ति-  
लक, तिलकालक ५

तिल ( जिमका तेल निकलना है )  
ना० तिल, पापदन, पुतधान्य, सागल,  
सुवन्ध, स्नेहफल, स्नेहरंग, होमधान्य,  
होम धान्य २

तिलकाले ना० कृष्णतिल, स्वधाधिय, २

तिल वृक्ष ना० अतुल, खुरक, तिल-  
वृक्ष, पांचर ४

तिलका तेल ना० तिलतैल, तिलरस,  
तिलस्नेह ४

तिलकी खर्ची ना० तिलकिट्ट, तिल-  
पेज, तिलपिज ३

तिलक वृक्ष ना० खरपत्रक, छिन्न  
रह, तरुणा कटाक्षमाल, तिलक दग्ध-  
रह, एण्डू, पुण्डक, मंजर, मंजी, मूल  
मण्डनक, भृत्जीप, रेचक, शिषप, श्री-



मात्, श्रीमान्, स्थिर पुष्पी, स्थिर पुष्पिन्,  
क्षुरक १८

तिलक ( जो रोगी आदि से मरण  
पर लगाने हैं ) ना० चित्रक, टीका,  
तमालपत्र, तिलक, रोचना, विशेषक ६  
तिलक करना ना० विलेपन, समालंभ

### — ❁ ती ❁ —

तीतर पक्षी ना० कपिजल, चित्रपत्त,  
तिचर, तिचिर, तीतर ५

तीतर कान्ना वा तीतर जंगली ना०  
आटि, आटा, आङ्गि, आङ्गी, शराटि,  
शरादि, शरालि, शरारि, शरालि, श-  
रालो १०

तीरंदाज ना० कृतपुंखवत, कृतहस्त,  
घनुर्विश्वाम्यामी, सप्तयोग विशिख ४

तीक्ष्ण ना० उग्र, उत्कट, चंचल,  
तीग्म, तीव्र, तीक्ष्ण, तीक्ष्ण, ७

### — ❁ तु ❁ —

तुनिवृत्त ना० कच्छ, कच्छप, कान्त-  
लक, किंशुक, कुठेरक, कुणि, कुवेर,  
कुवेरक, तुण, तुणन्, तुणी, तुणीक,  
तुन, तुनि; तुन्न, तुणन, तुणी, नन्दिक,  
नन्दि वृक्ष, नन्दो वृक्ष, पीतक, शस्यध्वं-  
सी, शस्यध्वामन, समासवान्, समासवान्

तुम्बरु वृक्ष ना० तीक्ष्णकलक, तीक्ष्ण  
पत्र, तीक्ष्णफल, तुम्बरु, तुम्बरु, द्विज,  
शूलधन, सगन्ध, सार, सार १०

तुलसी वृक्ष ना० अपेतु राजसी, अ-  
पेत राजसी, कठिंजर, कठिल्लक, कांड  
ना, कायस्थ, कुठेर, कुठेरक, गौरी,

तीव्रा, तुलसा, तुलसी, नामदंतिका, पर्यास,  
पर्वपुष्पी, पवित्रा, पत्रपुष्पा, पावनी, पुण्या,  
प्रेतगच्छसी, बहुपत्री, बहुमंजरी, भूतध्वा.  
भूतपत्री, मंजरी, माधवा, रामदूर्ता, वृंदा,  
वैष्णवी, श्यामा, सुगन्धा, सुवहा, सुवहं-  
दुभि, सवल्लभा; स सा, सुज्या, हरि-  
प्रिया, सवल्लभा, त्रिदशमंजरी ३९

तुलसी उजली ना० अर्जक, अस्मा-  
र्जक, कटुपत्र, कुठेरज, गंधपत्र, गंधवह-  
ल, श्वेत तुलसी, श्वेत पर्णीश, सितार्जक,  
सुमुख १०

तुलसी काला ना० कराल, करालक,  
कारलक, कृष्णतुलसी, कृष्णपर्णी, कृष्णा  
र्जक, मालूक, सुग्मा ८

तुलसी लान ना० गन्धनामा, गन्ध-  
नामन्, गन्धपर्णास, गन्धफणिजक, ती-  
क्ष्णगन्ध, देवदुन्दुभी, पत्रपुष्प, रक्ततुल-  
सी, शिवालय, सुगन्धक १०

### — ❁ तू ❁ —

तूतवृक्ष ना० क्रमुक, टंकातक, तूत,  
तूद, तूल, नूद, पाहात, पूग, पूप, पूपक,  
ब्रह्मकाष्ठ, ब्रह्मदारु, ब्रह्मग्य, मदसार, वि-  
प्रकाष्ठ, सहतूत, सुपुष्प, क्षामट्ट १८

तूतिया ना० अक्ष, कर्परी, कांस्थनाज,  
ताम्रगर्भ, तुत्थ, तुत्थक, तुत्थांजन, तूत-  
क, तूतिया, नील, नीलांजन, मयूरक, म-  
यूरप्रोवक, मयूरतुत्थ, मूषातुत्थ, मृतामद,  
वितुन्नक, शिखिप्राव, शिखिकण्ठ, हरि-  
तारम, हरितारमन्, हेमतार, हेमसार २३

तुप्ति (ऽअपवाया ह्युच्चा) ना० तर्पण,  
तुप्ति, साहित्य ३

—● ते ●—

तेदुवृक्ष ना० अतिमुक्तक, इन्दकी, काळस्कन्ध, केन्दु, केन्दुक, गालव, तिंद, तिंदुक, तिन्दुकि, तिंदुकी, तिंदुल, तेंदू, नीलसार, रामण, शांतसारक, स्फूर्जक १६

तेज ना० अवि त्विह, दीप्त, शीप्ति, दृति, दुती, धृति, प्रभा, भा, भास, भासम, रुक, रुचि, रुना, रोचि, रोचिषी, शोचि, शोचिषी १८

तेजपात ( अंशुषि ) ना० अंशुक, अर्नक, उत्कट, गन्धमान, गंधपत्र, गोपन गोमंदक, चोच, छुदन, तमाल, तमालक, तमालपत्र, तापस, तेनपत्र, तेजपात, दल, पत्र, पत्रक, पत्राख्य, पाकरंजन, पालाश, राम, वांग, वामः, वासम्, सुकुमारक, सुपत्र, सुरनिर्गन्ध २८

तेजबल ना० तेजबल, तेजोवती, तेजोह्वी, बहुफल ४

तेजबल वृक्ष ना० कण्टवृक्ष, गंधफल, तेजः फलवृक्ष, शाळमली फल ४

तेल ना० तेल, तैल, अक्षय, ३

तेलमलना ना० अभ्यंग, अभ्यंजन, तैलमर्दन ३

तेलकन्द ना० तिलचित्रपत्रक, तिळांकितदल; तेलकंद, तैलकंद ४

—● तो ●—

तौद ( वड़ा पेट ) ना० तुरिडभ, तुण्डिल, तुण्डी, तंद, तंदिक, तंदिभ, तंदिल, तंरी, तौद, पिचडिल, पिचिण्डिल, पिच्छिण्डवात, पिच्छिण्डवान, बृहत्कुक्षि १४

तौदुआ ( वड़ा पेटवाला ) ना० तुण्डिल, तंदल, तंदला, तंदिभ, तंदिल, तौदला, तौदुआ, त्वंदार ८

तोड़ा ( धन्नी के भीत से बाहर निकलहुये खुत्था जिनपर छुजापाटाजाता है ) ना० चालं, नीध्र, नीत्र, पट, पटप्, पटल, प्रांतः, पलीक ८

तोरई ( तरकारी प्रसिद्ध ) ना० कर्कशच्छदा, कृतच्छिद्रा, कृतवेधना, कोशातकी, कोषातकी, षण्डाला, जांगुल, जालिनी, जाली, भिंगाक, पटोलिका, पी, तपुष्पः, परणी, मृदंगकलिनी, सुतिका, ज्वेड़ा १६

तोरई अरौ ना० कर्कोडकी, काशफला, जालिनी, नैनुभा ४

तोरई उजले फूलकी ना० ज्योत्स्ना, ज्योत्स्निका, ज्योत्स्नी, ब्योत्स्नी, पटोली ४

तोरई कडुई ना० कटु तुरडालता, तिक्ततुण्डा २

तोरई घोषा ना० कृतवेधक, घोषातकी, धामर्गव, महाजाली, राजकोषातकी, श्वेतघोषक, सर्पातक, हस्तिपर्णिका ८

तोरई पीले फूलकी ना० पीतवर्णघोषा, महाजाली, ज्वेड़ ३

तोरई बड़ी ना० घोषक, तुंगक, देवदानी, पीतपृष्पी, महाकोशातकी, हस्तिघोषा, हस्ति घोषातकी ७

—● थ ●—

थवई ना० थवई, पलगण्ड, राज, लेपक ४

धाह्ना ना० अलवल, आलवाल, आ-  
वार, आवाल ४

धूना ना० निण्ठीवन, निण्ठेव, निण्ठे-  
वन, निण्ठ्यति, लसिका, लार, लाला  
धूङ्गवृत्त ना० नागरी, दण्डवृत्तक, म-  
हातरु, महावृत्त, समंत बुग्धा, सिंहतुंड,  
सुहो, सीरकाण्डक ८

धूर्धर भेद ना० चर्मकषा, चर्मकसा,  
चर्मकारी, विषाणका, सातला, स्वर्ण  
पुष्पा ६

धोहा ना० अणि, अणु, अर्भक, अल्प,  
ईषद, अहत्, कण, कणी, कणीका, कृधु,  
कृश, तनु, तनुक, तनाकु, तीष, दभू, द-  
रस, निघृष्टव, पवाकु, प्रतिष्ठा, विरल,  
मंद, मायक, मात्र, रंच, रंचक, लव, जेश,  
वन्नक, श्लक्ष्ण, सूक्ष्म, सूक्ष्म, स्तोत्र, हू  
स्व, च्छलक, बुदि, जुटी ३७

### द

दंती वृत्त ना० अणुरेवती, अनुकूला,  
उदुम्बरपर्णी, उदुम्बर छुदा, उदुम्बर  
दला, उदुम्बर पर्णी, उपचित्रा, एरण्ड-  
पत्रिका, एरण्डफल, कुम्भी, चक्रदंती,  
चित्रा, तरुणी, दन्तमूलिका, दन्तिका,  
दंतिजा, दांतनी, दंती, दशानिक, नागस्फो-  
ता, निःशल्या, निकुम्भा, निष्कुम्भ, प्रत्य-  
वह्नेणा, भद्रा, मधुपुष्पा, मुकूलक, रून्ना,  
रेचनी, वाराहांगा, विशल्या, विशांधनी,  
शीघ्रा, श्येनघण्टा, सर्पदंष्ट्री, सेतुभेदी,  
सेतुभेदिन् ३८

दग्धावृत्त ना० दग्धरुहा, दग्धावृत्त,  
भस्मरोहा, सुदग्धि ४

दमारोग ना० अतिरोग, उष्णा,  
यक्ष्म, यक्ष्मन्, यक्ष्मा, राजयक्ष्मा, रा-  
जयक्ष्मन्, रोगान, शोष, क्षय, क्षयी ११

दया ना० अनुकम्पा, अनुक्रोश, अनु-  
गूह, करुणा. कारुण्य, कृपा, प्रुणा,  
दया, माया ६

दयालु ना० कारुणिक, कृपालु, दयालु,  
दयाशील, सुरत ९

दरवान (चौकीदार) ना० उपदर्शक,  
चौकीदार, डर्चाहीवान, दर्शक, दौवारिक,  
दौवारिक, द्वारपाल, द्वारिक, द्वारिन्,  
द्वारी, द्वास्थ, द्वास्थित, द्वास्थितदर्शक, प्र-  
तिहार, मतीहार १५

दरिद्र ना० दरिद्र, दीन, दुर्गति, दुर्विध,  
दुस्थ ५

दर्जी ना० तुन्नवाय, दर्जी, सौत्रिक ३  
दवनपापडा ना० दवनपापडा, पर्पट,  
प्रगंध ३

दवना वृत्त ना० काण्डपुष्प, कुलपत्र,  
गंधोत्कटा, जटिला, तपस्विपत्र, तपाधन,  
तापस, दंडीनि, दमन, दमनक, दलामल,  
दवना, दांत, देवशखर, दाना, दाना, ध्याम,  
पत्रिक, पत्री, पांडुगग. पुण्डरीक, पुष्प  
चामर, ब्रह्मजटा. मुनि, मुनिपुत्र, श्याम  
दही ना० गोरस, दधि; दही, मंगल्य,  
विरल, क्षीरज ६

दहीकी मनाई ना० कंट्वर, कादम्ब,  
कादम्बर, दधिसर, दधिस्नेह, दध्युत्तर,  
दध्युत्तरग, शर ८

दहीका तोड़ ना० दधिमेद, मस्तु २

दाक्षिणापानेधोग्य ना० दक्षिणाह, दक्षिणीय, दक्षिण्य, दक्षिण्य ४

— दा —

दांत ना० छुदन, दत्, दंत, दशन, दांत, द्विज, दद, ददन ८

दांत का पाँड़ ना० दंतपीड़ा, दंतशूल, दशनवन्ना ३

दाद गोग ना० चर्मदृषिका, त्वग्दोष, दद्रु, दद्रुण, दद्रू, ददू, दाद ७

दादवाला ना० दद्रु, दद्रुण, दद्रुगोमी, दद्रू, दद्रूण ९

दान ना० अंहति, अंहिति, अपवर्जन, उत्सर्जन, त्याग, दान, निर्वपण, प्रतिपादन, प्रादेशन, वितरण, विश्रायन, विसर्जन, विहायित, स्पर्शन ४

दामाद ना० जमाई, जमात, जामात, जामाता, दमाद, दामाद, दुहितेपात, दुहितुपात, यामाता, मनामन १०

१—कन्या नामोपर पति अर्थकेशदद लगानेसे दामादक नाम होने हैं ॥

दाहहल्दी ना० कर्कटकी, कर्कटनी, कालीयक, कालेयक, कामवती, कामनी, काष्ठा, गौरी, दाहनिशा, दाहपीता, दाहर्हाद्रा, दाहहल्दी, दावी, द्विष्ट, द्वितीयाभा, द्विहर्हाद्रा, निशा, पचम्पचा, पर्जनी, पर्जन्या, पर्यर्णा, पीतद्र, पीता, पीतिका, मन्मगी, शर्म १, स्थिरागा, हरिद्रु, हरिद्राद्वय, हेमकांत ३०

दारू ना० अन्नमल, आसव, कलंतय, कल्या, कादम्बरा, कापिश, कापिशायन, कामनी, कुकम, गंधमादना, गन्धोत्तमा, चपला, तरला, तान्दणतेल, देवसृष्टा, देहला, दैत्या, नदना, पकरस, परिप्लुता, परिस्त्रुत,

परिस्त्रुता, प्रमन्ना, प्रमन्ना, प्रिया, वृद्धिह, वृद्धिहा, मरडा, मत्ता, मद्, मद्गंधा, मदना, मदनी, मदविल, मदिता, माष्ठा, मदेतकटा, मद्य, मध, मधम ध्विक, मधुल, माध्वजा, मनोज्ञा, महाधुर्गा, मह नन्दा, माधवी, माधुग, माध्वीक, माध्वी मणिका, मालिका, मेधावी, मेधाविन्, मेधेय, वरुणतनया, वरुणात्मजा, वारुणि, वारुणी, वालकली, विधता, वीगा, वृष्टा, साता, सिधना, सिधुन्सुनी, माता, माधुसंधिमा, सुग, स्वादुरसा, हालिया, हाह्य, हालहल, हाल्ता, हालाहल, हालाह्य ७

१ वरुण और समुद्र, नाँवर मत अर्थ के शब्द लगान से दारू क नाम होने हैं

दारू अंखीसकी ना० आसव, मैद्य शीथु ३

दारू का काढ़ा ना० जाल, मध्वक्थ, मद्रक, सुग, कलंत ४

दारू मुद्की ना० गूदल, गौड़ा, गौड़ी मद्य, हालक ४

दारू महुआ ना० मधुक पुष्पकृत मद्य, मधवासव, माधवक, माध्वक, माध्वीक, मार्द्धीक, ६

दारू का खंभर ना० कम्ब, विश्व, नग्नहु, मदिग खमीर, सुवर्ज ५

दारूखाना ना० कलवाखाना, मद्य गृह, मद्यशाला, मद्यस्थान, शय ११-९

दारूरात्र कुञ्ज ना० चपक, पान पात्र, मद्यपानपात्र ३

दारू रीना ना० अनुतर्प, अदतर्पण, मद्यपान, सरकः ४

दारूनि की मधा ना० आपान,  
पानगोठिका, पानार्थसभा ३

दारू पानिका समय ना० मधुक्रम,  
मधुनाग, सु आपान समय ३

दारू का फल ना० कानोत्तम, का-  
लतर, सगमभाग, सुमामण्ड ४

दारूवनाना ( च्चानाना ) ना० अभि-  
पव, मद्यसन्धान, मन्धान, मद्यसन्धीकरण

दालचीनी ना० उत्कट, गन्धवलकल,  
गडत्वक, गडत्वच्, घन, चोत्र, त्वक्साग,

त्वक्; दारुसता, दालचीनी, बहुगंध,  
प्रवशोधन, रामवल्लभ, वनप्रिय, व-य,

वर्गंग, वर्गंगक, वलकल, विज्जुल, शीत,  
सर्वगव, मिहल, सुगंधवलकल, सुरस, सु

तरुट, लघ्य २३

दाइ अगार ना० तैलागुरु, दहनागुरु,  
दाहागुरु, दाहागुरु; धूपागुरु, नववल्लभ  
पर, वन्हिकण्ट ८

### —● दि ●—

दिग्गम्बर ना० दिग्गम्बर, नग्न, नंगा ३  
दिग्गज ( दिशापति ) ना० अञ्जन,

ए। व।, कपड, पृगङ्गीक, पुष्पदंत, वा-  
सन, पार्वीभाव, सु। तार्क ८

दिग्गजनी ( दिग्गजों की स्त्रियां )  
ना० अगदा, अंगना, अञ्जनावती, अनु-

पमा, अबभय, अभ्रम, कापला, ताम्रकर्णी,  
पिंगला, शुभदंती, अश्रुदंती ११

दिन ना० अह, अहन, अहर, घस,  
दिन, दिन, दिवस, दिना, धु, वाशर,

वासर ११

१—दिननामोंपर कर, पति और मणि  
अर्थी शब्द लगाने से सूर्य के नाम हांते हैं

२—सूर्य नामोंपर सुत अर्थी शब्द  
लगाने से शनिेश्वर, करण और सुर्या  
व के नाम हांते हैं

३—सूर्य नामोंपर सुताअर्थी शब्द  
लगाने से यमुना जीके नाम होते हैं

४—सूर्य नामों पर रिपु अर्थी शब्द  
लगाने से चन्द्रमा और केतु के नाम  
होते हैं

५—दिन नामोंपर पति अर्थी शब्द  
लगाने से इन्द्र के नाम होते हैं

६—इन्द्र नामों पर सुत अर्थी शब्द  
लगाने से अर्जुन और बालिके नाम हांते हैं

७—इन्द्र नामापर भित या जांत शब्द  
के लगाने से मेघनाद के नाम हांत हैं

दिशा ना० आत, आशा, आष्टा,  
आग, उपग, करुप, करुम, करुभा, काष्ठा,

गो, इक्षुमुता, दक, दिग्, दश, दिशा,  
व्याम, हगित १७

दिशानामों पर पात अर्थ के शब्द ल  
गाने से दिशापति के नाम हांत हैं

दिशापति ना० अग्नि, इन्द्र, ईश, क-  
वेर, नैऋत्य, पितृपति, परत, वरुण ८

### —● दी ●—

दीप ( विगम् ) ना० दिया, दीप, दीपक,  
पदीप ४

दीवार ना० कुच्छ, कुच, भित्ति, पीति

### —● दु ●—

दुःख ना० अकदन, अमानस्य, अ-

वाधा, आभाल, आमामस्य, आहि, क-  
दन; कलेश, कण्ट, कृच्छ्र, कलेश, गहन,  
तुदा, दुःख, दुःख, पीडा, प्रसूतिज, वाधा  
विद्वान, विधुर, ब्रजिन, व्यथा, व्यसन,  
शोक २४

दुखं ना० दुःखी, दूव, धूपायित, धू-  
पित, सन्तप्त, संतापित ६

दुद्धी पौधा ना० उत्तमकलिनी,  
उत्तमा, दुग्धिका, दुग्धा, दुधिया, दुर्धा,  
दूधया, पयस्या, मधुसा, वीगा, क्षी-  
रावी, क्षीगाविका, क्षीगिणी, क्षीरिन, क्षीग

दुग्ध ना० उत्तरा संग, उत्तगय, प्रा-  
वर, भावाः, वृहतिका, संव्यान ६

दुपहिया वृक्ष ना० अर्कवल्लभ,  
ओष्ठपुष्प, दुपहारया, नीप, बन्धुक,  
बन्धुगव, बन्धुजीवक, बन्धुग, बन्धुल,  
बन्धुक, बन्धुल, मध्यन्दिन, रक्तक, र-  
क्तपुष्प, रविनाथ, रागपुष्प, रागप्रसव,  
सूर्यभक्त, सूर्यभक्त, हानिय २०

दुर्गन्धि ना० दुर्गन्ध, दुर्गन्धि, दुर्गन्धिन्,  
दुर्गन्धा, पृतिगधि ५

दुर्बल ना० अमांस, आशक्ति, कृश,  
छान, दुर्बल, निर्वल, लव, शात, सूक्ष्म,  
हान, क्षीण ११

दुलहा ना० दुलहा, धव, पति, भिय,  
भरंड, भर्ता, वर ७

दुष्ट ना० असाधु, क्रूर, खल, दुर्जन,  
दुष्ट, पिशुन ६

—● दू ●—

दूनी (मिलानेवाला स्त्री) ना० दूति,  
दूतिका, दूती, संचारिका, संचारा ५

दूध ना० अमृत, गोमस, दुग्ध, दूध,  
दोहन, पय, पयः, पयसु, पायूप, पुंस्वन,  
पेय, सूम, सोमज, स्तन्य, क्षीर १५

दूधकी मलाई ना० शर, संतानिका,  
क्षीरस, क्षीरस, क्षीरसार ९

दूधफेनी वृक्ष ना० गोजापर्णी, दु-  
ग्धफेनी, दूधफेनी, मयःफेनी, पयस्विनी,  
फेनदुग्धा, लूतागि, वयक्रेतुर्घना =

दूधवेदारी ना० ऋष्यगंधा, ऋक्षगंधा,  
ऋक्षगंधिका, दूर्धावेदारी, पयःकन्दा, प-  
यस्विनी, पयोलता, महाश्वेता, क्षीरकंद,  
क्षीरवल्ली, क्षीरवेदारी ११

दूध ( घाम ) ना० अनंता, अमरा,  
कच्छरुहा, गुणा, तिक्तपर्वा, तिक्तपर्बन्,  
दुर्मरा, दूध, दूर्धा, पूता, भार्गवी, मंडली,  
महावरा, महापाप, रसाला, रुहा, रौ-  
हिणी, लता, वारुणा, विरजा, शतभ्रांथ, शतधा,  
तपर्वा, शतपर्वाका, शतमूली, शत्रा, शि-  
वेष्टा, शाता, सहस्रवीर्या, सारा, हरिता,  
हितालिका, हागतानी ३३

दूधउजनी ना० अनंता, गण्डाली,  
गालीमा, गोसम्भवा, गोसशश, गोरी,  
चण्डा, दिव्या, दुर्मगा, मचण्डा, भद्रा,  
भार्गवा, मगला, विघ्नेशानकांता, शत  
वीर्या, शत्रा, श्वेतदूर्धा, श्वेता, सहस्रकांडा,  
सितच्छ्रदा, सितदूर्धा, सिता, सतालता,  
सुपर्वा, सुगवल्गंधा, स्वच्छा २६

दूधमठीली ना० अलिदूर्धा, मालामेधि,  
मालादूर्धा, रक्तघनी, रक्तपित्ता, वल्लिदूर्धा,  
शूलभाथ ७

दूधनीली ना० अनंता, अनुष्णाव-

ल्लिका, जया, भर्गव, भूतहल्ली, मंगला, श्यामा ७

दूबहरी ना० अन्ता, जया, नीलदूर्वा, शांता, शाम्भवी, सुभगा, हगितदूर्वा ७

दू ना० आक, आरे दूर, पराक, पराचिह्नि, परावत ६

दूबहुत ना० अतिदू, दविष्ट, दवीय, बहीदूर, बहतदूर, सुदूर ६

— ● दे ● —

देखना ना० आलोक, आलोकन, ईक्षण, दर्शन, निध्यान, निरीक्षण, निर्वर्णन,

देवनामि ना० अप्सरसः किन्नर, गंधर्व, गृह्यक, पिशाच, भूत, यक्ष, रक्षांसि, विद्याधर, सिद्ध १०

देवता ना० अग्निजित्छा, अग्निजिह्वा, अदितिनन्दन, अदितीसुत, अमर, अमर्त्या, अमृतांघस, अमृतेश, अश्वन्या, आश्वय, आदित्य, आमृत्यु, ऋभव, ऋभु, ऋभु, ऋतभुन, गोवाण, दलैला, दानवारि, दिविष, दिविषद्, दिविसद्, दिवाकम्, दिवाका, दिवाकस, दिवाका, देव, देवता, देवता, द्युपत्, द्युसत्, निर्जर, निर्जरा, पात्रकमुख, लेखा; वह्निमुख, वह्निमुख, विवुध, वृन्दारका, सुपर्वाण, सुविमानगांत, सुमनस, सुर, त्रदशा, त्रिदिवेशा ४६

१ अग्नि नामोपर मुख अर्थ के शब्द लगाने से देवता के नाम होते हैं !!

२ देवता नामोपर पति अर्थी शब्द लगाने से इंद्र के नाम होते हैं

३ इंद्र नामोपर जंत शब्द लगाने से मेघनाद के नाम होते हैं

४ इंद्रनामोपर स्त अर्थी शब्द लगाने से अर्जुन, वालि और जयंतक नाम होते हैं

५ देवता नामोपर अग्नि अर्थ के शब्द लगाने से राक्षस के नाम होते हैं

६ राजस नामोपर नाशन अर्थ के शब्द लगाने से विष्णु के नाम होते हैं !!

देवदारु ना० काष्ठदारु, कालम, दारु, दारुक, देवकाष्ठ, देवाह, पारभद्र पातन, पीतदारु, भद्रक, भद्रदारु, भद्रवत, भूतहाणि, भूतहा न, मस्तदारु, मार्थाक, वनचन्दन, वचन्दन, सुकाष्ठक, सुदारु, सुद्रम, सुगभूरुह, सुाह, स्नेहावद्ध, स्निग्धदारु,

देवदारु वृत्त ना० अमदारु, इंद्रदारु, इंद्रवृत्त, देवदारु, धृकिलम, पारिभद्रक, पातदारु, पूतकाष्ठ, भद्रदारु; महादारु, शक्रद्रुम, शक्रपादप, शिवदारु १३

देवत इ वृत्त ना० अग्री, अधमृपिका, आखु, आखुविपहा, खग, खरागरी, खरागडि, खुञ्जक, गरागरी, गी, जामूत, जीमूतक, फाञ्जका, महाच्छुद्र, विपजिह्व, वेणी १६

देवदालीलता ( घग्ग्वेलि ) ना० आखुविपहा, कटफला, कण्टफला, कदम्बी, कर्कटी, गरा, श्रागा, जीमूत, जामूतक, तुरंगिका, दाली, देवताड, देवदाली, महाकाषफला, रामशरात्रिका, विपहा, वेणी, सारमृपका, मतकारा, सानैया २०

द्वर ना० देव, द्वर, देवल, देवा ४  
देवरात्री जेठानी ना० यात, याता, यातृ

देवसभा ना० देवसभा, सुधर्मा, सुरसभा,  
सुरसमान ४

देह ना० अंग, आत्मा, उपधन, कछेवर,  
काया, कृष्ण, गात्र, तन, तनु, पृथ्वी तनुल,  
तनू, देह, देही धाम, पतंग, मूर्ति, नपु, वर्षा,  
विग्रह, शरीर, संग्रहन, संग्रहन, संहनन २४

देहकेभाग ना० अंग, उपधन, अवयव,  
प्रतीक ४

— ❁ दो ❁ —

दो ( जोड़ी ) ना० उभय, उभै, देव,  
दैत, दोय, द्वंद, द्वितै, द्वै, प्रियधीन, मिथुन,  
यम, यमल, युग, युगल, युगुल, युगम १६

— ❁ दौ ❁ —

दौरा ( बांसका टोकना ) ना० कगडोन,  
पिट, पिटक, पेटक ४

द्वार ना० द्वार, भतिहार, प्रतीहार ३

— ❁ ध ❁ —

धतूरावृक्ष ना० अष्टाषद, उन्मत्त, नराट  
फल, कनक, कनकाहय, कर्पूर, कलध;  
कांचन, कार्तस्वर, काहला पुष्प, कितव,  
खर्बूजन, खरदूषण, खल, गणेश, घांठिका,  
चाभीकर, जातरुज, जाम्बून्द, तच्छणकंठ  
क, तूरी, देविका, धतूर, धतूरा, धुस्तुर,  
धूत, धूतकत्, धूस्तर, पुरीमोह, भर्म्म;  
भर्म्मन; मत्त, मदन, मदनक, महारजत,  
मातुल, मातुलक, मादन, मार, मोहन,  
रुक्म, वृहत्पायलि, शठ, शात्, शातकुंभ,  
शिवमिय, शिवशेखर, शैवसुमन, सुवर्ण,  
स्वर्ण, हाटक; हिरण्य, हेम, हेमन् ५४

धतूराकाला ना० कृष्णधुस्तूरक, कृष्ण-  
पुष्प, क्रूरधूर्त, विपारति, शिव, साधिव,  
सिद्ध ७

धतूराफल ना० उद्विषित, कनकफल,  
धतूरफल, प्रमद, मानुषपुत्रक ५

धन ना० अर्थ, ऋतय, धूमन, द्रविण,  
द्रव्य, धन, सृग्ण, मलिह, मेधा, रत्न,  
रा, रिक्थ, रेकणम्, रै, वसु, वित्त, विभव,  
स्वाभेतय, हिरण्य १५

धनवतीस्त्री ना० आदद्या, इन्ध्या, धन  
वती, धनदद्याः ४

धनिया ना० अथ रिक्ता, उम्रा, कुन्टी,  
कुस्तुम्बरी, कुस्तुम्बरु, छत्रा, छत्राधान्य,  
जनप्रिय, तुम्बुरु, धनिक, धनिया, धनी-  
यक, धनेयक, धन्या, धन्याक, धानक,  
धाना, धोनय, धनेयक धान्य, धान्यक,  
धान्यबीज, धान्याक, धेनिका, मिदा, महा-  
मुनि, वितुन्नक, वज्रधान्य, वैधक, वैषणा,  
शाकयोग्य, सुगंधि, सूक्ष्मपत्र ३३

धनिष्ठानक्षत्र ना० धनिष्ठा, अविष्ठा  
धनी ना० अदृच्य, इन्ध्य, धनपात्र,  
धनमान, धनादद्याः धना ९

धनुष ( कण्ठा ) ना० इप्वास, का-  
मुक, कोदण्ड, चाप, धनु, धनुः, धनुष,  
धनुस्, धनू, धन्व, धन्वन्, धन्वा, बाणा  
सन, शरासन १४

१—बाणनामोपर आसन अर्थ केशवद  
लगाने से धनुषके नाम होते हैं ॥

धनुषकारादा ना० गुण; ज्या, मौर्वी,  
शिजिनी ४



धनुषधारी ना० धनुर्द्वर, धनुषर,  
धनुषधारी; धनुष्मान, धन्वी, धानुष्क,  
निषंगी ७

धरणीकन्द ना० धरणी, धरणीकन्द,  
धारणीया, धारपत्री; वनकन्द, मुकन्दक ६

धव ( बृन्नविशेष ) ना० कषाय, गौर;  
दृढतरु, धनिक, धव, धवल. धुरन्धर, धौ  
धीर, नन्दितरु, पाण्डुतरु, पाण्डुर. मधुर-  
त्वच, शाकटारुय, शुष्कवृक्ष, शुष्कग,   
संकटान्न, स्थिर १८

### —● धा ●—

धानुमन्त्री ना० अज, ताप्य, ताप्यक,  
ताप्युत्थसंज्ञक ४

धान ना० आद्य, कैदार, धरण, धान,  
धान्य, ब्राह्मि, शालि, शाली, सतिप; सुकु-  
मारक, स्तम्भकरि ८

धानकलमी ना० कलम, कलामक २

धान चीना ना० अणु, कंगु, काक,  
कवंगु, चीन, चीनक. चीना, चीहिभेद,  
ब्राह्मिशाजिक, म्थूलकंगु १०

धान नीवार ना० ओड, ओडिका,  
प्रसाधिका ३

धानसाठी ना० मुकुन्दक, पष्टिक, प-  
ष्टिका, पष्टिक. धान्य; पष्टिकबीहि, पष्टि-  
शास्त्रि, पाठी, सर्वसंगत, माठी, स्निग्धतंडुल

धामिनदृत्त ना० गोत्रविद्य, गोत्रवृत्त,  
धमंग, धन्वन, धमनि, धर्मण, पिच्छुलक,  
पिच्छुलत्वक. पिच्छुलत्वच, रक्तकुसुम,  
रुजामह, रूतस्वानुफल, सारपादप, सारा-  
म्ल, सुतेजन १५

धायकेफल ना० अग्निज्वाला, कुङ्मरा,  
कुमदा, गुच्छपुष्पी, जूपण, ताम्रपुष्पी,  
तीक्ष्णज्वाला, धातकी, धातुपुष्पिका, धातु  
पुष्पी, धातुपुष्पिका, धातुपुष्पी, धावनी,  
पार्वती, बहुपुष्पिका, मदहेतु, मद्यपुष्पा,  
मद्यवासिनी; रोधूपुष्पिणी, वाहकरी, बहि  
ज्वाला; बहिपुष्पा, बहिशिखा, संघपुष्पी,  
सिंदूरी, सिंधुपुष्पी १६

धाराकदम्ब ना० कलम्बक, धाराकदम्ब,  
धाराकदम्बक, धूलिकदम्ब, धूलिकदम्बक,  
नपि, पुलकी, पुलकिन्, प्रियक; प्रावृषेया,  
प्रावृष्य, भृंगवल्लभ, भ्रमरभिय १३

धावा ( लडाईका ) ना० प्रत्युत्क्रम,  
प्रत्युत्क्रमण, प्रत्युत्क्रांति ३

### —● धु ●—

धुरा ना० धुर, धुरा, धू, धानमुस ४

धुवांघरका ना० गृहधूम, धुंधुमार,  
धूमरज, धूमरस, धूमसार ५

धूपवनार्ईहुई ना० कृत्रिमधूप, धकधू  
पक; वृकधूप ३

धूपसरल ना० धूपवृक्ष, धूपवृत्तक,  
पीडा, पीत, पीतद्रु, पीतन, पीतदारु,  
पीतधृत्त, मनोज्ञ; शरल, श्री, श्रीवासच्छुद;  
श्रीवेष्टक, सरल, सुरभिदारु, स्निग्ध १६

धूमिलवर्ण ना० कृष्णलोहित, धूमल,  
धूमिल, धूम ४

धूरि ना० खेह, चूर्ण, धूर, धूरि, धूल, धूलि,  
धूली; धूसरी, पांशु, पांसु, पास, रज; रेणु,  
संचरा, क्षार, ज्ञाद १६

**धूरिलगाहुआ** ना० गुडवेष्टन, गुंठि  
त, गुण्डित, रुषित ४

**धूर्त** ना० कपटी, कुटिलकृत, कृतघ्नी,  
छुदमी, छली, जिह्मक, जिह्मगी, धूर्त,  
बंचक, व्याजि, व्याजि, व्याजी १२

**धूसरवर्ण** ना० कपिश, धूसर, रयाव ३

— ● धो ● —

**धोती वा पैजामा** ना० अन्तरीय,  
अधोशुक, उपसंव्यान, धोती, परिधान ५  
**धोबी** ना० धोबी, निर्णेजक, रजक ३  
**धौकनी** ना० चर्मप्रसेवक; चर्मप्रसे  
विका, धौकनी, भस्त्रा, भाथी ५

**ध्रुव** ना० औतानिपादि, ध्रुव, ध्रुव ३

— ● न ● —

**नकचपटा** ना० अवटीट, अवनाट,  
अवभूट; नकचपटा; नतनाशिका ५

**नकळिकनी ( औषधि )** ना० उग्र  
गंधा, उग्रा, ङ्किकनी, तिक्ता, नकळि  
कनी, जवकृत् ६

**नकटा** ना० गतनाशिका, नकटा, विग,  
**नखी** ना० अजनकेशी, अश्वखुर,  
करज, करजाख्य, कोलदल; खुर, सुल्ल,  
गन्धरानी, धमनी, नख, नखरी, नखी,  
नटी, नामहनु, बदरीपत्र, बदरीपत्रक,  
मरुम, शंकु, शंख, सिम्बि, हडबिला सिनी,  
हनु; हरिणाजी, हस्तिनी २४

**नगर** ना० नगर, निगम, पट्ट, पट्टन;  
पट्टना, पत्तन, पुटभेदन, पुर, पुरि, पुरी,  
स्थानीय ११

**नगाडा** ना० दुन्दुभि, दुन्दुभी, नगाडा,  
भेरी, भेरी ४

**नगाडा बड़ा** ना० आनक, आनकदु  
न्दुभि, आनकदुन्दुभी, पटह ४

**नटव नटावा** ना० कृशारिवन, कृशारवी,  
जायाजीव; नट; नटावा, नर्तकपुरुष, भरत,  
भावाट; भावानुग; भाविक, भ्रकुंस; भ्रुकुंश,  
भ्रुकुंम, लासक, शैलालिन, शैलाली; शैलूय,  
सर्ववेशिन, सर्वेशी १९

**नदी** ना० अग्रु; अग्रु; अनिरा, अपगा,  
अर्णा, आपगा, कुळ्या, कुळवती, जलाधिगा,  
ताटिनी, तरंगिणी, तरंगिनी, द्वापवती, धुनि,  
धुनी, नद, नदी, नद्य, नद्या, नधनु, नि  
मगा, पयस्वनी, यही, रोधवका, रोधवती,  
वज्रणा; शैबलिनी, सरस्वती, सरित, सरिता,  
सूवन्ती, स्रोतम, स्रोतस्वती, स्रोतस्विनी,  
स्रोतोवह, स्रोतोवहा, हिरण्यवर्णा, हृदिनी,  
हृदिनी ३९

१ नदी नामोंपर पति अर्थ के शब्द  
लगाने से समुद्रके नामहोते हैं

२ समुद्रनामोंपर मुत अर्थके शब्दलगाने  
से चन्द्रमा और मुता अर्थके शब्दलगाने  
से लक्ष्मी के नामहोते हैं ॥

**नदीआदिसेधिराहुआ** ना० आवृत,  
बलयित, बेष्ठित, रुद्ध, संवीत ५

**ननद** ना० ननद, ननन्दा, ननान्दि,  
ननान्दा, ननन्दी ६

**नमस्कार ( प्रणाम )** ना० अतिबन्दन,  
अभिवादन, नत्वा, नमस्कार, नमामि,  
प्रणत, प्रणम्य, प्रणाम, बन्दन ६

नमानना ना० निग्रह, निरोध, विग्रह,  
विरोध ४

नया ना० अभिनव, इदा, इदानीम,  
नव, नवीन, नव्य, नूतन, नूतन, प्रत्यग्र १  
नरक ना० दुर्गति, नरक, नारक,  
निरय ४

नरककी पीडा ना० वारणा, कारिका,  
तात्रवेदना; नरकपीडा, याचना, यातनाद्  
नरसल ( नरकुल ) ना० किष्कुपर्वी,  
किष्कुपर्वीन्; कीचक, छिद्रन्त, छिद्रान्तर,  
दीर्घश, धवन, नट; नड, नरसल, नर्तक,  
नल, नाल, नालवंश, पोटेगल, मृदुपत्र;  
बेशपत्र, विमेषण, नून्यमध्य १९

नरसलवडा ना० देवनल, देवनाल;  
नलोत्तम, महानल, वन्य, बृहतनल; सुर  
द्रुम, सुरनाल, स्थूलदण्ड, स्थूलनाल १०  
नरम ना० कोमल; मृदु, मृदुल; सुकुमार  
नर्मदानदी ना० नर्मदा, मेकलकन्यका,  
मेकलसुता, रेवा, सोमोद्धवा ४

नली ( गन्धद्रव्य विशेष ) ना०  
ककुभदिनी; कपोतचरणा, कपोतत्राणा,  
कपोतांगि, कपोतांगि, कान्यजा, किम्भरा,  
षारुठिका, नलांग नर्तकी; नल्लिका, नली,  
नल्लिनी, निशालु, निधि, निर्मध्या. विद्रुम  
लता, विद्रुमलतिका, शुषिरा, स्यमीका १९

नवसादर ना० चंदनशा; धूमजांगन,  
धूमोत्थ; नरसार, नौसादर; बज्रक, बज्र  
खार, बज्रहार, विदारक, सार १०

नस ना० नस, नसा, बसनसा, स्नासा,  
स्नायु २

नसूर ना० नसूर, नासूर, नाईबूण,  
नालीबूण ४

नइ ना० करज, कररुह नख; नखर  
नखरा, नह, नाखून, पुनर्भव ८

नहान ना० आप्लव, आप्लवन,  
आप्लाव, नहान, स्नान ९

### —● ना ●—

नाऊ ना० अंतर्वासिन्, अंतर्वासी,  
अंतरवासी, दिवाकीर्ति, नाई, नाऊ, नापित,  
मुण्डी, लुरी ६

नाक ना० गंधवह, गंधवहा, घोणा,  
घ्राण, नस, नसा, नस्त, नाक, नाशा,  
नाशिका, नासा, नासिका १२

नाक ( जलजीव विशेष ) ना० कु-  
म्भीर, कुम्भील, नक, नाक ४

नाकका मैल ना० नासिकामल, सि-  
षण, सिषाण, सिषाणक, सिहान ९

नाकुलीकन्द ना० अहिमुक्, अहिभुज,  
अहिमईनी, अहिच्छता, ईश्वरी, गंधनाकुली,  
नकुलकंद, नकुलादव्या; नाकुली, नाग  
गंधा; फलिहंत्री, महासुगंधा, महाहिगंधा,  
रत्नभक्तिका, त्रिषमईनिका, त्रिषमईनी,  
सर्पगंधा, सर्पादनी, सर्पात्नी १६

नाखूना ( औषधि ) ना० करम,  
कूटस्थ, चक्रकारक चक्रनख, चक्रनायक  
नख, नलांग, नाखूना, व्याघ्रनख, या डायुध,  
व्याधिलंग, व्यालनख, व्यालायुध, शुक्ति,  
हनु १९

नागकेसर पुष्प ना० कांचन, कांच  
नाहय, वारुन, किञ्जस्क, खरवातन,

गजकुसुम, चापेय, चापेयक, दलादक, द्विप,  
नागार्कज्वलरु. नागकेशर, नागपुष्प, ना-  
गाखर.पन्नगेशर, पिञ्जरपुष्प, पुष्परोचन,  
फणिकेशर, फलक, भुजंगाख्य, राजपुष्प,  
रुक्म, वराटकरना, वराटकरनास्वास्थेय,  
सर्पाख्य, सर्पगन्ध, मुपणीख्य, सुवर्ण, स्वर्ण,  
हेम. हेमन्, हेमविष्णुक ३३

नागकेशर वृक्ष ना० इभ, इभाख्य;  
कनक; कनकाह, कनकाङ्गुय. वाम्बोज,  
कुंभीक, केशर. केशरी, केशरिन्. केशरी,  
कैमरिस्, तुंग, देवबल्लभ, नागकेशर, नागकेशर  
पुन्नाग, पुन्नागवृक्ष, पुरुष, पद्मप्रिय २०  
नागदन्ती=हार्थी सुगडा देखो

नागदौन ना० जम्ब, जाम्बती, जाम्बवी,  
दुःसहा, नागदमनी, नागदौन, नागपत्नी;  
नागषुष्णी, बलागोटा, रातपुष्पी, रास्ना,  
विषापहा १२

नाच ना० ताण्डव, नटन; नर्तन,  
नाच, नाच्य. नृत्त, नृत्य, लास, लास्य ६  
नाचनेबाला पुरुष=नटावा देखो

नाचनेवाली वेश्या ना० नर्तिका, न  
र्तिका. भावाटा, लासिका, लास्या; विलासिका  
नाडी (नब्ज) ना० तन्तुवी, धमनि,  
धमनी, धरणी, धामनी, नाड, नड, शिरा=  
नाडीशाक ना० कालक, कालशाक,  
केचुक, चंचु, नदित, नाडिक, नाडिपत्र,  
नाडीक, नाडीच, नारीच, नाडिका, ना-  
लिता, विश्वरोचन, आडशाक १४

नातिन ना० नप्ता; नप्ती, नातिन,  
नातिनी, नातिनी, सुतात्मजा ६

१ कन्या नामोंपर कन्या अर्थके शब्द  
लगाने से नातिनके नामहोते हैं ॥

नार्ता ना० नप्त, नार्ती, सुतात्मजा ३

१—कन्या नामोंपर सुत अर्थके शब्द  
लगाने से नार्ताके नामहोते हैं ॥

नाम ना० गोत्र, नाम, संज्ञा ३

नाम पुकारने का ना० अभिभया,  
अभिधा, अभिधाना, अह्वा; आख्या,  
वाह्य, नर; नामधेय, संज्ञा ६

नारंगीफल ना० नार, गुग्गुलुक २

नारंगीवृक्ष ना० ऐरावत; विम्बीर,

विम्बीरताक, विम्बीरत्वच, गन्धपत्र,  
गन्धादय, गोधूम, चक्राधिवासी; चक्राधि  
वा, च, चोलकी, चोलकिन्, तृणशून्य,  
त्वक्मुग्ध; त्वग्गन्ध, दंतशठ, दंतशठ, नरंग,  
नारंग, नागरुक, नामदेवी, नारंग, ना-  
र्यंग, पिच्छिलत्वक्, पिच्छिलत्वच; मुख  
प्रिय, योगरंग, योगरंग, रानफणिञ्जक,  
लाताकर, वक्त्रनाप, बरिण्ट, विशाखज, मुरंग  
नारियल पल ना० विकि, खानेदक,  
चेच; जलकरंग, दासिणात्य, नाडिकेल,  
नाडीकेल, नारियर, नारियल, पयःपेटी,  
पयोधर, पुटोदक, बाल; बाला, रसफल,  
लंगली, लंगकिन्, विश्वावित्रकलाय,  
शिरःफल १९

नारियलवृक्ष ना० उच्चतरु, करका  
म्भा; करकाम्भस, कूर्चशेखर. कौशिक  
फल, तृणद्रुम, तृणराज, तृणराजक, दुरा  
रुह, दृढनीर, दृढफल, दृढमूल, नारिकेर,  
नारिकेल; नारिकेलि, नारिकेली, नालकेरि,

मंगल्य, मुण्डफल, वरफल, विश्वाभिन्नप्रिय,  
सदापुष्प, सदाफल, सुतुंग, सुभंग, सुराकर,  
स्कन्धतल, स्कन्धफल २८

नाव ( किशती ) ना० तरण, तगणि,  
तरणी; तारे तरी, नौ, नौका. नाव, मांगना  
नाव डोंगिया वा बेड़ा ना० उडुप,  
उडुप, कोल, तगणि, तरणी, पलव, बेड़ा. ७  
नासपाती ना० अमृतफल, अमृताह,  
नासपाती, निर्हा ४

— नि —

निकट (पाम) ना० अर्ध्याम, अनतिदूर,  
अनन्तर, अन्तमान, अन्तिक अर्धित,  
अभ्यग्र, अभ्यर्षी, अभ्याश, अर्वाक, अर्धदृग्,  
अधमे; अवलून, अस्तमीर्षि; अज्ञाम, अर्के.  
आसन्न, उप, उपवण्ट, तट, तडित,  
तार, निकट, पास, पार्श्व, लगे, सदेश,  
सन्निधि, सन्निवृष्ट, सद्योद, समीप,  
सविध, संवश, संवष, सामीप. ३९

निकटअति ना० अतिशय, अन्ति  
कतम, अन्तिम, नेदिष्ट ४

नित्य ( लगातार ) ना० अजम्, अन  
वरत, अनागत, अविश, अविगत, अश्रांत,  
ध्रुव, नित्य, शाश्वत, सतत, सदातन;  
सनातन, सन्तत, सर्वदा १४

निद्रित ( सोताहुआ ) ना० निद्रालु,  
श्यलु, स्वप्नक ३

निन्दा ना० अववाद, अवर्ण, आक्षेप,  
उपकोश, कुत्सा, गर्हण, जुगुप्सा, निन्दा,  
निर्वाद, पागनाद, परीवाह ११

निरविषी ( औषधि ) ना० अपविषा,

अविषा, उच्चटा, उत्तानक, चकला,  
चूडाला, निर्दिषा, निर्दिषा, विषवैरिणी,  
विषहंशी, विषहा, विषापहा, विषाभावा,  
शुक्लला १४

निरादर करना ना० निरसन, निरा  
करण, निराकृति, प्रत्याख्यान, प्रत्यादेश ५

निरादर कियाहुआ ना० अनदारित,  
निरस्त, निराकृत, निरादरित, मन्याख्यात,  
प्रत्यादिष्ट ६

निर्मली ना० गुच्छफल, तोयप्रसादन,  
तोयप्रसादनफल, दन्तपुष्प, दन्तफल,  
द्रावन ६

निर्मलीवृक्ष ना० कत, कतक, कतक  
फल, चक्षुष्य, छेदनीय, तिक्तफल, ति-  
क्तदारिच ७

निसोध ना० बलिग, कालिगिका,  
कानी, कुटरुणा, कुम्भ, तिराटी, निमृता,  
निमोय; परिभाकिनी, पालिन्दी, मगा, मलया,  
मालविका, विदला, वृकार्त्ती, व्यावृदनी  
मवहा, सरणा, सरला, सुवहा, सुवर्णा,  
त्रिमृत्, त्रिमृत्, त्रिभण्डी, त्रिवृत्, त्रिवृता,  
त्रिवला, त्रिपुटा, त्रिपुटी २८

निसोध व तिधारा उजला ना० रेवनी,  
रोचनी, श्वेतत्रिवृत्, सरसा, सर्वानुभूति ९

निसोध व तिधारा काला ना० अद्ध  
चन्द्रा, कालमेषिका, कालमेशी, कालमेषिका,  
कालमेषी; काला, कृष्णत्रिवृत्, पालिन्दी,  
पालिन्धी, श्यामनिशोथ, श्यामत्रिधारा,  
श्यामा, सारा, सुषोणका, त्रिपुवा, त्रियामा,  
निमोथ व तिधारा लाल ना० अरुणा,

कालिन्दी, कुलवर्णा, ताम्रपुष्पका, रक्त  
त्रिवृत्, त्रिपुटा ६

निसोदर = नवसादर देखो

निस्तेज ( तेजहान ) ना० निःप्रभ,  
निस्तेज, प्रभाहान, विगत ४

— नी ६ —

नीबू ना० जंतमारी, दंताघात, निम्बु,  
निम्बुक, नीबू, बह्नि, बहिनीज, शोधन,  
नीबूबना ना० वरण; वरना २

नीबू कागर्जा ना० गुरुबर्धन, निम्बुक,  
लिम्पाक ३

नीबूखटा ना० अम्लजम्बीर, अरुल  
निम्बुक २

नीबू चकोतरा ना० कुशा, गिरिजा,  
देवदूती, पूतेपुष्पका, मधुवर्कटिका, मधु  
कर्कटी, मधुकुवकुटी, मधुपर्णी, मधुबल्ली,  
मधुबीजपूर, मधुरा, मातुलंगा, सुगंधा,  
सुरजंबीर १४

नीबू जम्बीरी ना० गम्भीर, गिल, ज  
म्बीर, जम्बीर, जम्भ, जम्भक, जम्भर, जम्भल  
जम्भा, जम्भन्, जम्भार, जम्भीरी, जाह्या  
रि, दंतवर्षण, दंतशट, दंतशट, दंतहर्षक,  
दंतहर्षण, प्रस्थपुष्प, फणिञ्ज, फणिञ्जक,  
मुखशोधा; मुखशोधन, देवत, लिम्पाक,  
ववत्रशोधी, ववत्रशोधिन, १७

नीबू विजौरा ना० अरबुकेशर, अम्ल  
वेशर, इच्छुक, वेशराडल, वेशरी, वेस  
राडल, ह्योलंग, जन्तुघन, दन्तुरच्छद,  
देवदूती, पूरक, पूर्णबीज, फलपूर, फल  
पूरक, मातुलंग, मातुलंगक, रुचक, रो-

चनफल, लुंगुष, विजौरा; बीजव; बीजपूर,  
बीजफलक, श्वफल, सुकेशर, सुपूर, स्पृह,  
नीबू विजौरा जंगली ना० अत्यम्ला,  
देवदाही, देवेष्टा, पचनी, वनपूरक, वन  
बीज, वनबीजक, वनबीजपूरक ८

नीबूविहारी ना० वनबीजपूर, मातु  
लुंगिका. २

नीबूघाटा ना० वमला, कुरुम्ब, कुल  
पालक, कूलपालक, पित्तद्रावी, पित्तद्राविन्,  
मधुजम्बीर; मधुरजम्बीर; मिष्टनिम्बु,  
रसद्रावी, रसद्राविन्; शर्करक. १२

नीबूवृक्ष ना० अग्नि, निम्बुकृक्ष. २  
नीमवृक्ष ना० अरिष्ट, अर्कपादप,

वाकफल, ककेष्ट, कैटय, चीरीपर्ण, छ-  
ईन, क्विंघन, दीप्त, नलदग्धु, निबन्ध, निम्ब,  
निम्बक; नीब; नीम, नेता; पक्वकृत,  
पारिभद्र, पारिभद्रक; पित्तमन्द, पित्तमर्द,  
पीतसारक, प्रभद्र, मालक, श्वनेष्ट, राज  
शद्रक; वरत्वच, विशीपर्णी, शीत, शी-  
र्णपर्ण, शशीपत्र; सर्वतोभद्र, सुमना,  
सुमनास्, हिंगुनिर्यास ३५

नीच ( कमीना ) ना० अपशद, अप  
सद, इतर, सुल्लक, जाल्म; निर्हीन, नीच,  
पामर, पृथक्जन, प्राकृत, विवर्ण, सुल्लक

नीलवृक्ष ना० अक्लिवा, असिता,  
काला, कुतसला, कृष्णा, केशी, वळीतकिका,  
गन्धपुष्पा, ग्रामीणी, ग्रामिणी, ग्रामीणा,  
ग्राम्या, तुच्छा, तुत्था, तूली, दुर्गा, दूलिका,  
दूली, दोला, द्रोणिका, नखवृक्ष, नखालू,  
नरप्रिय, नील, नीलपत्रिका, नीलपुष्पवा,

नीला, नीलिका, नीलिनी, नीली, नेपाली,  
पिंगाशी, नशिंगबधु, बड्डला, रदा, भाग्वाही,  
मधुपर्णिका, मधुपर्णी, मेघवर्णा, मोचा,  
रंगपत्री, रंगपुष्पी, रजनी, रजनी, राज्ञी,  
शोधनी, शोकनाशन, श्यामलिका, श्यामा,  
श्रीफला, श्रीफली, सिक्थक, स्थिररंगा,  
त्रियामा. ५४

### ने

नेवारी ना० आतिमोत्त; आरफेटा,  
करुणमल्ली, कुमारिवा, कुमारी, करस्वरा,  
गंधनिलया, ग्रीष्मभव, ग्राप्मी; ग्रीष्मोद्भवा,  
ग्रीष्मी, देवलता, नवमल्लिका; नव  
मालिका, नेवारी, नैपली, भद्रवर्मा, भद्र  
वर्मन्, वसंत; शिखरिणी, शुचिमल्लिका,  
सुकुमारा, सुकुमारी, सुगंधा २४

नेत्रवाला ( औषध ) ना० अम्बु,  
अम्भः, अम्भस, उदक, उदीच्य; कच,  
कचामोद; केश, केशनाम, केशनामन्, जल,  
पर्णीर, बाल, बालक, बाला, रगणी, रा।,  
ललनामिय, बर्हिःपट, बर्हिपट, वारक,  
वारि, वारिद, वारिबालक, हिवेर, हूविर,  
हीवेल, हीवेलक २८

### ने

नैयायिक ना० गुमी, गुमीन; पटु,  
वाग्मी, वाग्मिन्, वाचायुक्त वाचायुक्ती, ७

### नो

नोक ( तलवारकी ) ना० आभि,  
अश्री, कोटि, कोटी, कौण, पालि, पाली,  
नोन ना० कवर, जलरस, नून, नोन,

पटु, लवण, लोन, सर्वरस, सर्वरसे तमए  
नोन कचिया ना० वाच, काचमल,  
काचलवण; वाचसरभव, काचसैवर्चल;  
कुखाविन्द, कृत्रिम, धूर्त्त, नलि, नलिक,  
पात्रज, हयगंध. १२

नोनकात्ता ना० अक्ष, कृष्ण, कृष्ण  
लवण, कौद्रविक, चोहार कोडा, जरण,  
तिक्क, दुर्गंध, द्विलवण, रुचक, शूल  
नाशन; सौवच्चल, हृद्गंध १३

नोनखारी ना० औषरक, बहुलवण,  
मिश्रक, मेलकलवण, लवणमद, लवण  
जार, लवणरज, लवोत्थ, लोणा, सर्वसंमर्ग  
लवण, जारलवण ११

नोनपहाड़ी व नोनसेधा ( लाहौरिनमक )  
ना० तुरंग, द्विलवण, नादेय, पश्य,  
मणिसंध, लवणोत्तम, शिव, शिवात्मक,  
शीतशिव, शुद्ध, शैलेय, शैलेयक, श्याम,  
सिंधुज, सिंधुजन्म, सिंधुजन्मन्, सि  
ंधुगन्धज सिंधुलवण, सिंधुद्वव, सिन्धुपट,  
सेधा, सैन्धव २२

नोन विरिया सौचर ( सौचर नोन )  
ना० आसुर, बाललवण, कृतक, कृत्रिम,  
रुण्ड, सयडलवण, द्रविडक, पाक्व, विट,  
विटलवण, विड, विडगन्ध, विडलवण;  
सुपाक्व; जार, १५

नोनरेहका ना० उद्भिद, उष, ऐरिया,  
औद्भिग, और्व, औषर, द्रोणालवल, पांशव,  
पांशुज, रोमक, सह ११

नोनसमुद्र ना० अक्षि, अक्षीव,  
कटक, वडक, तीक्ष्ण, लवणाब्धिज,

वशिर, वसिर, शिव, समुद्रलेखण, सा-  
गरांत्य, सामुद्र, सामुद्रक, सामुद्रलेखण,  
नाराच्छ, नार. विवज १६

नोनसांभर ना० आकरसम्भव,  
आंक्रिद, गजेशज, गडलवण, गडोत्य,  
पाशनात्पाकरसम्भव, पृथ्वीज, महारम्भ,  
रामलवण, रोमक, रोमलवण, रोम, रौमक,  
रौनलवण, रसक, रसूक, शाकम्भरांग,  
शुभ्र, साम्बर, सांभर, साम्भरिलवण ३१

न्याय ना० अभेष, कल्प, देशरूप,  
नीति, न्याय, समजस ६

न्याययुक्तदृष्टय ना० अभिर्नाति, औ  
पवित्र; न्याय्य, भजमान, युक्त, उभ्य ६

न्यायाधीश ना० अन्न; अक्षदर्शक,  
न्यायकर्ता. न्याया, न्यायाधीश, प्राडिर  
वाक. ६

न्यौरा ना० नकुल, न्यौरा, न्यौला;  
पिगल, बभ्रु, बभ्रू. मर्षभक्तक, सर्गारि,  
मांपारि ६

१—सांप नाभीर अरिअर्थक शब्द  
जगाने से न्यौराके नामहोते हैं

— ७ —

पंख ना० गरुत, लुद, तनरुह, पंख,  
पतत्र, पक्ष, पक्षम्, पत्र. ८

पंखा ना० तालवृत्त, तालवृत्तक. पंखा,  
वेना, उयजन ५

पकरिया वृक्ष ना० अवरोःशालिन्.  
अवरोहशाली, कन्दराल, कन्दरालक,  
कमण्डलु, कमण्डलुतरु, कलापी, कलापि  
कंडिग, गर्दभाण्ड; जटि, जटिल, जटिन्, जटि,

वृद्धप्ररोह, पर्कटि, पर्कटी, पर्कटिन्, पाकरि,  
पाखर, पिळखन, पीतन, प्लव, प्लवक,  
प्लवंग, प्लव, प्लाक्त, भिंदुर, मंग  
लच्छाय, महावृक्ष, यवकल, शक्तिनी  
थेक; कुगा, शुगिन्, शुगी, शृगी; क्षीरिन,  
क्षीरिवृक्ष, क्षीरि. ३९

पकरिया छोटी ना० पी रि, पुरुड,  
महाप्ररोह. ह्रस्वप्लक्ष ४

पखोडावृक्ष ना० रक्तपीड, पञ्चकृत्य  
पंचरत्नक १

पञ्चतावा ना० अनुताप, पञ्चतावर,  
पञ्चताप, विप्रतिमार, विप्रतीमार. ५

पंच (रोदा) ना० गव्य, गुण चिल्ला,  
जीवा, ज्या, पंच, प्रत्यंचा, मौर्ती, रोदा,  
शिंजनी, १०

पंचगुरिया ना० चण्डा, चाण्डाली,  
चित्रकला, बहुपत्री, लिंगिनी, लैगी, स्व-  
यम्भू. ८

पटिया (वेणी) ना० कवरकी, कवरि,  
कवरी. केशपास, केशेश, केशहस्त, प  
टिया. प्रवेगी, प्रवेणी, लट, वेणि, वेणीवा,  
वेणी १३

पट्टीसोनेकी ( चेटीका ) ना० पारि  
तथ्या, बालपाश, मांमन्तभूषण, स्वर्णपट्टी

पट्ट्या ना० अपराजिता, अशनपर्णी,  
असनपर्णी, कटुनिक्षक, खेदिनी, विर्भी,  
तृषितोत्तरा, स्वकम्पर, दीर्घपलकव, दीर्घ  
शाल्व; देवा, पटशभ, पट्ट्या, पट्टवृक्ष,  
मातुलानी, माण्ड्यपुष्प; लता; वातक,  
शगपर्णी, शीत, शीतक, शीतल, शीतलवानक  
सनपर्णी, मुदीर्षिपर्णी. २२



पञ्चशतक ना० नादीक, नाहःशक  
पञ्चशक, पाठ्य, राजशय ५

पटाली लो ध=लोत्र पटादीदलो

पटना ना० निपठ, निपाठ, पठम, पाठ

पटिडित ना० अद्रातिष, अभिरूप;

आकेनिष, प्रभु, वनि, कुञ्जल, कुण्ड,

कोमिद, गृत्स, दीर्घःशिन, दीर्घदरी,

दोषस, धीमत्, धरि, नागर, मिपुण, निष्ण,

निष्णान, पटु; पण्डित, मधीण, प्रवीन,

प्रज्ञ, प्राता, बुद्धिमान, पुन, मनीमत्,

मोषी, मन्धाता, विदध, विचक्षण, वि

ज्ञान, विप, विपश्चित, संस्वावत् सुदी,

सूर, सूरि, सूरिन्, सूरी. ज ४ ।

पंडित (पदानेवाला) ना० अध्यापक,

उपध्याय, पाठक ३

पदंगवृत्त ना० पतंग, पसंग, पत्तरंग,

पत्तर, पत्रंग, पत्रांग; भाष्यावृत्त, ७

पतंग काष्ठ ना० कुचन्दन, पट्टंग,

पङ्करीमनक, रक्तकाष्ठ, रक्तसार, लोहत

सुरङ्गद, सुरंग. ८

पतला ना० अणु; वण; वणिक.

कण्ठीयम्; कुरा, तनु, दम्, मया, लव,

लेश, रक्तचण, सन्ध, त्रुष्टि, तुष्टी. १५

पतवार ना० अरित्र, वर्णाधार, केनि

पातक, पतम्बर. ४

पति ( दूतहा ) ना० आद्यपुत्र, आ

प्यपुत्र, कर्तु, दयित, दुष्टहा, दूतहा,

धव, नाथ, पति, पता, पिय, प्रभू, धिय,

प्राय, पर, वल्लभ, भर्ता, रक्षण, रसन,

स्वामी. २०

पतिष्ठा ना० पतंग, पतंगिक, पतंगम,  
पतंगी, शलभ. ९

पतिजिया ना० गर्भदात्री, पुत्रदा २

पतिभूतास्त्री ना० एकस्त्री, कुलस्त्री

पतिभूता, शाल्वनी, सती, साधु, साध्वी,

सुचारिणी, =

पतुरिया ( कसनी ) ना० अहज्जम,

अलज्जिका, वणेर, काभरेला, कमुका,

कामुकी, गणिका, मजिका, पतुरिया, प्र

पुष्टा, पीवा, भावाटी, भण्डहासिनी, मंजि

वा, मसूर, रूपमंज, रूपार्जिका, वसुरा;

वाग्मुली, वाग्मुल्या, वाग्मधु; वाग्मिका

सिनि; वाग्मिकासिनी, विद्यालिका, विका

सिनी, वरवाणी, वारहणी, विभमरी, वेद्या;

शम्बला; सर्ववल्गुभा, ३३

पतुरिया नाचनेवाली ना० गुणजिका

तुखनी; नृत्यवेद्या ३

पतोह ना० जति, जनी पतोह, कपु,

वधु बधूटी, स्नुषा ७

पत्थारका कुल ना० अश्मपुष्प, अ-

श्मपुष्प; कालानुसार, कालानुसार्य,

कालानुसार्यक, गिरिज, गिरिबुष्पक;

गृह, जर्जर, जीर्ण; पलित, मूरिहरीला,

शिलाम, शिलादद्रु, शिलापुष्प, शिलाभ्र

शिलासन, शालेय, शालोत्थ, शिलोत्थव,

शतपुष्पक, शीतशिव, शीवल, शैल; शैलक,

शैलज, शैलाद्रिपीस, शैलास्य, शैलाम,

शैलेय, शैलेयक; सुमग, स्थाविर, श्वा

धीधन, ३५

श्वरिरोम ना० कुरुसरी, कुररी ३

पद्मरागमणि ना० पद्मराग, मणिकय,  
लोहितक, शोभरत्न, ४

पद्माल लोषधि ना० केदरन, पद्म,  
पद्मक, पद्मफाट, पद्महालय, श्रद्धमधि,  
पद्माल, पद्मग, पद्मांग, पीतक, रक्त,  
शुभ, शैवल, श्रीपुष्प, श्रीवासच्छुद,  
हिम. १४

पद्मही ना० जतुकृत, जननि, जनी,  
पर्यङ्गी, रंजनी, संस्पर्शा ६

पद्मना ( रत्नविशेष ) ना० अश्मगभे  
अश्मगर्भज, अश्मग्नः, अश्मयोनि, गारुत्मत्  
पद्मना, पात्रिका, भरकत, ममार, सौपर्ण,  
हारिन्माण. ६

पद्मरी ना० कुण्डला. ग्रन्थिपर्णा; चक्रव  
र्तिनी, जतुका, जतुकुण्डला, जतुका, मननी  
ननि, जनेष्ठा, ९

पद्मोदावन्तो ना० कापिजल, कालिंग, चातक,  
दत्त्यूह, धूम्याट, पविहा, पद्मोदा, पद्मोदा  
षिक, भृंग, शारंग, सारंग, स्तोक, रत्नकक

पद्मार ना० अम्बुप, उरणास्य, उर  
णास्यक, उरणास, उरणासक, एडगज  
गनास्य, चक्रवट, चक्रगज, चक्रपट्टाट,  
चक्रपर्ह, चक्रमर्दक; चक्राह; चक्रा,  
चक्रिन्, तर्किण, तर्किल, तषट, वदुघन,  
दद्रुघन; दृढबीज. पद्माट, पद्मार. पद्माह,  
पुन्नाट, पुन्नाह, प्रपुन्नाह, प्रपुनाह.  
प्रपुन्नाह, प्रपुन्नाट, प्रपुन्नाह, प्रपुन्नाह  
मेघलोचन; मेघाहय, मेघाहिसुम, हिम  
र्दक, सिम्ब, सुकनासन. ३८

परवरकल ना० अमृतकल, अमृता

कज, कच्छुष्की, कटु, कटुन; कटुकल,  
कर्कशकउद, कर्कशदल, कासमर्द,  
कासमर्दन, कुण्डारि; नाता; उन्नीस्त्री,  
तिक्तक, तिक्तभद्रक, नागकल, पटु, पटुक,  
परवर, पाण्डुकल, पाण्डु. राजनामा,  
राजनामन्; राजपटोल, राजकल, रानी  
पटोल, रताकल; नाजिवात्, नाजिवात्,  
नानिगर्भ. ३०

परवर बेल ना० कुलक, पटोल, प-  
टोललता. ३

परिवा ना० परिवा, पलति, पलती,  
प्रतिपत्, प्रतिपद्, प्रथमतिथि ६

परोस ना० परोस, सन्निकर्ष, सन्नि  
कर्षण, सन्निकृष्ट, सन्निधान, सन्निधि,

पलङ्ग ( साटिया ) ना० स्वहा, पलङ्ग,  
पल्यङ्ग, पर्यङ्क, मंच ६

पलाशीलता ना० अम्बुपत्री, दीर्घपत्री  
दीर्घबल्ली; पर्णबल्ली, पलाशी, पत्रबल्ली,  
रसापवसा, विवादनी, शशी, सुरपर्णी १०

पल्लुआञ्जोरका ना० परजात, परमित,  
परपुष्ट, पराचित, परिष्कारण, परिष्क  
न्न, परिष्कन्द, परौचित ८

पवित्र ना० पवित्र, पूत, प्रयत. १

पसीना ना० पसीम, निदास, भस्वेद,  
स्वेद. ४

पहर ना० पहर, प्रहर, याम १

पहरा ना० उपरक्षण, गस्त, पहरा,  
सज्जन. ४

पहाड ना० उम, अगच्छ, अचल,  
अदि, अमर, अहर्ष, गिरि. गीत्र,

प्राबन, प्राबा, दरीपुत्र धर, नग परबत,  
धर्वत; पमाड, भूधर, भूध, मधुल मदी  
धर; महीधू मेक, शील,सानमल, साभुत.

१—पहाड नामोंपर धर नामों से थी  
कृष्ण और रियलमाने सेन्द्रके नामों से हैं

पहाडका चौटी ना० कु, शकर,  
गृग, सानु. ४

पहुंषी(करभषण)ना० अ, प, कटफ,  
परिहायर्ष, वतण, पहुंषी ५

पहेली ना० पहेलि, पहेला, प्रकलि,  
प्रवलिहका, प्रवल्ही, प्रली, प्रहलिक,  
पहेली ८

— पा —

पांजर ना० पंजर, पशुहा, पांजर,  
पार्श्व, पाश्वीरिथ ९

पांति ना० मानि, आली, आकलि, आनली  
पांक्ति, पंक्ती, पाति, पांती, पांथि, पीपी,  
राजि, राजी, श्रेणि, श्रेणी १५

पांव ना० अत्रि, आहू, गोट्ट, चणण,  
चरन, चलन, पग, पद, पांय, पाद, पांय

पांवकी अमाही ना० अरणा, पदम,  
पादाय, प्रपद ४

पांसा ना० अस, देवल, वाशरु, पांसा,  
पाखण्टी ना० धर्मधजन, धर्मध्वज

निगच्छति २

पाखानभेद वृक्त ना० अश्मभित्त  
अश्मभित्त, उपलभेदी, उपलभेदीन्, मि-  
रिभित्त, गिरिभित्त, नगभित्त, पाखानभेदन,  
पाखणभित्त, पाखणभेदी, शिलमभेद,  
शिलाभेद, शिलोद्धेव, श्लेष्मा १४

पाखानभेद छोटा ना० धन्दरोद्धका,  
गिरना, रिभू, चतुष्पत्रा, नगजा, नगभू,  
पार्वती, शैरोद्धन, सुद्रम पाणभेदा ५

पागल ना० उन्मत्त, उन्माद, विस्त  
वभूम, ३

पाठा ना० अम्बठकी, अम्बठ्या;  
अम्बठका, अम्बठही, अम्ब १, अम्ब  
लिहा, अम्बिका, अम्बिकर्णी, अम्बि  
कर्णी; एनाशीला, एकोशिका, कुचला,  
कुचेली, विचपुष्पी; छिन्दवेशिकी, दाङ्गी  
दशदृका, तिकपुष्पा, तिका, दीपनी,  
देवी, पाउ, पाडा, पाठिका, पापनेनिका,  
पापनेली; प्राचीना, महातिका, युषिका,  
युषी, रना, रना, रहस्या, वन्तिका,  
वन्तिका, वरतिका, वरतिका; वरा,  
वदकर्णी, विदकर्णी, विदकर्णिका, वि-  
दकर्णी, वृहा, वृकी, वृत्तपर्णी, वृहतिका,  
अवसा, स्थापनी. ४७

पाडर वृक्त (पडरमा) ना० अगोवा,  
अम्बुवतिनी, अम्बुवासा, अलिमिया,  
काचस्थाली, कलेर, कामदता, कामदता  
कालपेवा, काला, वृज १, कामका, वृम्भा,  
कुवेरासी, कृष्णवृता, गदा, घण्टकण,  
तामपुष्पा, तेषपुष्पा, तोषदिवसिनी,  
तोषाविसिनी पाडला, पाडलि, पाडली,  
फलेरुहा, गधुदूना, मोषा, मोल, रक्तपुष्पी  
वसंतदूनी, बालीनी, सुगुष्पिका, स्थानी,  
विपरमंश. २३

पाटर वृक्त उजला ना० कटपाडर,  
कण्टपाटला, भांनेह, गोनीह, वण्टा,

धैर्याक, मुष्कक, शितपाटलिका, रवेतपाटली  
पाता ना० पञ्चा, पत्र, पर्ण, पत पाता,  
वल. ६

पाताल ना० अश्वः, अधस्, अधोभुवन,  
अधोशेक, नागलोक, पाताल, बडिसदम्,  
रसान्त्र ८

पाथर ना० अश्म, अश्मन्. उपल,  
दृषत्; पत्थर, पत्थल, पषाण, पपान,  
पाषाण, पाषान, पाहन, प्रथर, शिल,  
शिला १३

पान ना० अहिल्ली, अहिल्लिका,  
अहिलता. उरगलता, कटुवा, कुहलि,  
गृहाशया; ताग्वूल, देवाभीष्टा, नाग, नाग  
पत्रा, नागपर्णी, नागबल्लरी, नागबल्लिका,  
नागबल्ली, पर्णी, पान, भक्ष्यपत्रा भुजं  
गलता, भुजंगबली, मल्ला; मुखभूषण;  
सप्ताशिरा, सर्पश्चता, स्त्रीजन. २५

१—सर्पनामोंपर लता अर्थ के शब्द  
लगाने से पानके नाम होते हैं ॥

पानकी बेलि ना० ताम्बूलबल्लिका,  
ताम्बूलबल्ली; ताम्बूली देवाभीष्ट, नाग  
बेलि, नागलता पत्रबल्ली, पर्णलता. ८

पानकी गिलौरी ना० आमोदी. गि  
लौरी. मुखवासन ३

पानी ना० अन्न, अप, अपक, अमय,  
अमृत, अम्ब; अम्नु; अम्भ, अम्भस् अर  
रिंद, अणीः, अर्णस्, अहि, अक्षर,  
अक्षित्, आपस्, आवयः, आवया; उदक  
अत, ओजस्, कं, कंबध, कमल, कर्बुर,  
कशस्, काण्ड, बीन्त्र, कुश, कृपीट,

गहन, घनसार, घृत, चन्द्र, जड़, जल,  
जत्राष, जमि, जीवन, जीवीय, तामर,  
तुग्या, तूय, तृप्ति; तोय, धरुण, नभस्,  
नत्तिन, नामन्, नार, नार, पयस्; पवित्र,  
पाय, पानी, पानीय, पिपल, पुरीष,  
पुष्कर, पूर्ण, पेय, प्राणन, बरिस, बुबुर,  
बुभ, भुवन, भेषज, मधु, मेघपुष्प, मेष  
प्रपन्न, यशस्, यादु, योनि, रम, वन,  
वपुम, वार, वारि, विष, वधोमन्, शम्बर,  
शंभ, शुक्र, शुभ, रुत; सत्य, सदन,  
सद्मन, सम्बर, सम्बल, सर, सरिल,  
सर्ग, सर्वतोमुख, सतिल, सुख, सुरा,  
स्नानस्, हनिस्, हेमन्, सद्मन् क्षपः,  
क्षत्री, क्षीर, क्षोदस्. ११९

१—पा नी नामोंपर चर लगाने से  
मच्छली और जठरर जीवोंके नामहोतेहैं

२—पानी नामोंपर थ व धर लगाने  
से मयके नाम होते हैं ॥

३—पानी नामोंपर अकार लगाने से  
वसन्त, चन्द्रमा, सोना और धातुके नाम  
होते हैं ॥

४—हमय नामोंपर ज उयोभी, या सुत  
अर्थीशब्द लाने से ब्रह्माके नाम होतेहैं ॥

पानीबूद ना० पृषत्, पृषत, पृषत्क,  
पृषन्ति, किन्दु, रिप्लिष्, रिप्लिष.

पाप ना० अहर्त; अंहस. अंहिति,  
अध, अधम, अधम्म, एस्, कलक, क-  
लिमल, कल्लुष, कलमष, क्लिबष, दुरित,  
दुष्कृत, दोष, पंक, पाप, पापन्, पाप्मा,  
वृजन. शमन, समल २२

१—पाप नामोंपर अरि और नाशन  
अर्थके शब्द लगानेमे विष्णुके नामहोतेहैं

पायजेव ना० पादांगद, पादपाश,  
पायजेव, पायल, पैजनी, मंजीर, मन्जीर,

१—जो विद्वियोंके नामहैं वही पायजेव  
के भी नामहैं ॥

पारसी ना० कारणिक, परिशक, प-  
रोत्तक, पारवी ४

पारसपीपल ना० कन्दराल, कपीतन,  
गङ्गापण्ड, गङ्गा, ताम्रगङ्गा, ताम्रपाकिन्,  
नन्दी, नन्दिन् पारमर्दावल, पारिश,  
पारिशर्पावल, प्लक्ष, फलपाका, फलपा  
किन्, शृंगा; शृंगिन्, मुपारश्वेक, क्षांगी १९

पारा ना० अमृत, अतित्यज; अशोक,  
ईश, ईश्वर, खलमूर्ति खेचर, नपल, नैत्र,  
दारद, दिव्यरम, दुर्धर, देव, देहज, पतङ्ग,  
पार, पारन, पारद, पारा, प्रभु, ब्रह्म, भव  
वीन, महातेजः; महातेजम्, महारस,  
मुकुन्द, मृत्युनाशकः यशोद, योगवाही रम,  
रसधातु, रसनाथ, रमराज, रसनेह, रमा  
यनश्रेष्ठ, रसेन्द्र, रुद्रन, रेतः, रेतम्, गोपण,  
लोकेश, शंकर, शुक्र, शम्भु, शिव, शिवधातु,  
शिवबीज, सर्व; सिद्धधातु, सिद्धरस, मृत;  
मृतक, सूतराट्, मृतगज्, स्कन्द, स्कन्दां  
शक, हरेतेजः, हरतेजम्, हरबीज, ५८

पारेवत ना० पारेवत, रेवतक, रेवतक

पारेवत बड़ा ना० द्वीपखर्जूर, द्वीपन,  
महापारेवत, साम्राणिक, स्वर्णपारेवत ९

पार्वती ना० अजा, अपर्णा, अपर्ना,  
अम्बा, अम्बिका, अम्बीका, अर्थ्यट्पीली

अर्थी, अर्थणी, आर्थ्या, इडा, इन्द्राणी,  
इन्द्रानी, इला, ईश्वरा, ईश्वरी, उमा,  
कात्यायनी, काशापनी, कालिका, काली,  
गिरिजा, गिरिन्दिनी, गिरिसुता, गौरा,  
गौरि, गौरी, चण्डा, चण्डाञ्जिका, चाण्डिका,  
चण्डी, चामुण्डा; जगदम्बा, दरीभृतन,  
दासायणी, दुर्गा, देवि, देवी, नगजा,  
नगनन्दिनी, नारायणा, पर्वतमुता, पार्वती,  
ब्रह्माणी, भद्राणी, भग, भवानी;  
मंगला, मंगली, माधवी; माहेश्वरी, मृडा,  
मृडणी, मृडी, मेनवात्मजा, मेनात्मजा,  
मेनामुता, मेनाकस्वस्त; योगमाया, रुद्र  
प्रिया, रुद्राणी, रुद्रानी, वामप्रिया, वामा,  
त्रिन्धवासीनी, त्रिवेश्वरी, वैष्णवी,  
शंकरप्रिया, शंकरा, शंकरा, शंभुप्रिया,  
शम्भुगानी, शर्वाणी, शर्वाणीया, शिवरानी,  
शिवा, शैलजा, शैलमुता, सती, सर्वमंगला,  
सतीण, सतीणी, सिहेश्वरी, हरप्रिया,  
हरमार्गी, हरमर्गा, हरिप्रिया, हिमजा,  
हिमतनया, हिममुता, हैमवती ९१

१—पहाड़नामोंपर मुता अर्थकेशब्द  
लगाने से पार्वतीके नामहोते हैं ॥

२—महादेव नामोंपर भार्या अर्थ के  
शब्द लगाने से पार्वती के नामहोते हैं ॥

३—पार्वती नामोंपर पति अर्थकेशब्द  
लगाने से महादेवके नामहोते हैं ॥

४—पार्वतीनामोंपर सुा अर्थ के शब्द  
लगाने से गणेशजी के नामहोते हैं ॥

पालक ( शाक प्रसिद्ध ) ना० लोटी,  
ग्रामीणा, ग्रामवल्लभा, चीरितच्छदा,

पालकी, पलक्या, पालक, पालक्य, पालेक,  
पालेकी, पालेक्य, पालेक्या, मधुरा, मधुसूदनी  
वास्तुका कारा, सुपत्रा, तुर-त्रिका, तुरिका  
पालकी ना० पात्रक. प्रवहण. रथग-  
र्भक. शिविका. शीविका सुखपाल ६

पाला ना० अवश्याय, आवश्याय,  
तुषार, तुहिन, निशाजळ, निहार, नीहार,  
पाला. प्रालेय. महिवा, मिहिका. रजनी  
जळ; हिम; हिमसहति. हिमानी. हिमि १ ६

१—निशा नामोंपर जलनामके शब्द  
लगाने से आम, पाठा, कोहिरा और  
बर्फ के नामहोते हैं

पाला समूह ना० हिमसंहति, हिम  
समूह; हिमानी. ३

पाहुना ना० आतिथि, अभ्यागत,  
आगान्तु; आगामिन्, आवेशक, गृहागत,  
पथिक, परदेशी, गहुना, पाहुन, पाहुना,  
वटाऊ, वटायू, वटोही, मुसाफिर, विदेशी १ ६

— पि —

पिआवांसावृत्त ( पुष्पप्राप्तिद्ध ) ना०  
अम्बान, कटसैरैया; कण्टकुरगट, कृष्ण  
शैरिक, भिण्ठी, पीतका, मरुव, मरुवक,  
सहचर, सैरीय, सैरीयक, सैरेय, सैरेयक

पिआवांसा नीला ना० अर्तगल,  
अर्तगल, कण्टार्तगला, कर्बुदार, छादन,  
दासी, नीलकुरगटक; नीलभिण्ठी, परुष,  
बाणा, बाला, शैरीयक, शैरेयक, सहचर

पिआवांसा पीला ना० कण्टकिनी;  
कुरगटक, कुरव, कुरण्डक, कुरगट, कुरगटक,

कुरुवक, दासी. पीतकुहंट, पीतभिण्ठी, पीत  
पुष्प, पुर, शोणभिण्ठिका, महचर, सहचरी,  
सहाचर १ ६

पिआवांसा लाल ना० अपरिञ्जन,  
किंकरात; कुरव, कुरवक, कुरुवक, रक्त  
भिण्ठी, रक्तम्लान. ७

पिअलाहुआ ना० द्रवीभूत, द्रुत, विद्रुत,  
विलीन. ४

पिठवन ना० अंघ्रिपर्णिका, अंघ्रिपर्णी,  
अंघ्रिबल्लिका, अंघ्रिबल्ली, कंकशत्रु, क-  
नृण, कदल, कदला, कलशि, कलशी,  
कलसि, कलसा; क्रोष्टुकपुच्छिका, क्रो-  
ष्टुपुच्छी, क्रोष्टुचिन्त, खगशत्रु, गुदा,  
मृष्टिला, चक्रकुल्या, चक्रपर्णी, चित्रपर्णी  
दीवपर्णी, दीर्वा, धमनी, धावनि, धाव  
निका, धावनी, पर्णीचतुष्टय, पिठवन,  
पृथकपर्णी, पृथिनपर्णी, ब्रह्मपर्णी, महागुहा,  
मेखला, रमालका, रामवातक, रामाटरूप  
लाङ्गला, लाङ्गनिका. बरम्बरा; बीरा, शी-  
र्यमा, शृगालान्ना, सिंहपुच्छी, सिंह  
पुष्पा, सिंहलांगुनी, सुमला. ४७

पिटारीलता ना० कुलिगाक्षी, कृष्ण  
वृन्तिहा; पेटिकावृत्त ३

पिण्डखजूर ना० नृपप्रिया, पिण्ड  
खजूर, पिण्डखजूरी, फलपुष्पा, फलमुद्गर  
रिका, मधुरस्रवा, यक्षामलक, राजखजूरी  
राजजम्बू ६

पिण्डालु ( पेंडालू ) ना० ताम्बूल  
पत्र, नानाकन्द; पिण्डक; पिण्डकन्द,  
पिण्डालु, पिण्डालुक, रोमकन्द; रोमालु

पिता ना० आबुक्त; जनक, जनयितृ, जनित्व; तात, पिता, पित्र, वाप, वाप्ता वापृत् । १०

पितातुल्य ( वापके बराबर ) ना० पित्रतुल्य, त्रिसन्निभ, मनोजव, मनो जवस । ४

पित्त ना० अग्नि, अनल, निकषात्, तेजः, तेजस्, पलंकर, पल्लज्वर, पलाग्नि, दायु । २

पित्तपापड़ा ( औषधि ) ना० अरक, कटुपत्र, कृशशस्त्र, तक्त, तृष्णरि, र्पट, पांशु, पित्तपापड़ा, पित्तारि, रक्तपुष्पक, वक्र, वरक, वर्मकण्टक, शीत, शीतप्रिय; मुक्तिक, त्रियष्टि । १८

पियाज ना० उष्ण, कृमिघ्न, किमिघ्न, तीक्ष्णकन्द, दीपन, दुर्गन्ध, निरेतन; नीचभोज्य, पलायडु, पलाण्डु, पियाज, प्याज, बहुपत्र; मुकुन्दक, मुकुन्दक, मुवगन्धक, मुवदृपण, यवनेष्ट; रोचन, डोहत, विश्वगण; शूद्राण्य, मुकुन्दक, मुकुन्दक । २४

पियाज जंगली ना० अरण्यपलाण्डु, बनप्याज, शार्ङ्गकन्द, श्वेतपलाण्डु । ४

पियाजलाल ना० दाघपत्र, नृपकन्द, नृपप्रिय, नृपाह्वय, महाकन्द, महामूल, यवनेष्ट, रक्तकन्द, राजपलाण्डु; रोचक । १०

पियाजहरा ना० दुहुम, दुर्दुम, लतार्क, हारतपलाण्डु, हरितप्याज । ६

पिलही रोग ( तिल्ली ) ना० डिम्ब, तिल्ली, पिलही, पिलहन, पिलहा, प्लीहा

पिसाहुआ ना० अपध्वस, अवचूर्णित, अवध्वस्त; चूर्णित, चूर्णीकृत । ५

पिस्ता ना० पिस्ता, मुनिकल, हरिद्रीज । १

— ❀ पी ❀ —

पीकदान ना० पतद्ग्रह, पीकदान, प्रतिग्रह, प्रतिग्राह । ४

पीछे ना० अनुपदम्, अन्वक्, अन्वक्त; अन्वीची, पश्चान्, पीछे । १

पीड़ा ना० अमानस्य, आदीनव, आमील, आमानस्य; आमूत्र, कष्ट, कृच्छ्र, क्लेश, तोद; दुःख; पीड़, पीड़ा, बाधा, रुज्, रुजा, वेदन, वेदना, व्यथा, शंकर । १२

१—पीड़ा नामोंपर नाशन अर्थ के शब्दलगाने देवता और ईश्वरके नाम होतेहैं जैसे शंकरगोचन,

पीड़ा ना० आसन, पीठ, पीडा । ३

पीतल धातु ना० आर, आरकूट, वपिलेह, कुकाञ्चन, दारु, द्रव्य, पिंगल, पिंगललोह, पित्तल, पीतक, पीतकांवर, पीतल, रीरी, गीत, रत्य, सिंहल, सुलोहक, मुवर्णक, हंसलोहक, नृद्रसुवर्ण । २०

पीनस ( नाकरोग विशेष ) ना० अपी-स, पीनस, प्रतिश्या, प्रतिश्याय । ४

पीपरामूरि ना० कटुग्रन्थि, कणामूल, कोलमूल, ग्रन्थिक, ग्रन्थिल, ग्रन्थिक, चटका, चटकाशिर, चटकाशिरस, चटिका, दीपनीय; पत्राढ्य, पिप्पलीमूल, पीपरामूर, पीपलामूर, मूरि, मूल, विरूप, शिर, शोषसम्भव, पङ्ग्रन्थि, सर्वग्रन्थि, सर्वग्रन्थिक, सिर, सुगन्धि । २६

पीपरि ना० अनन्ता, उपकुल्या, उ-  
पणा; उषणा, एभ्रदा, कटी, कटुवीजा;  
कणा, कृकला; कृष्ण, कृष्णा; कोरंगी,  
कोला, कोल्या, क्रोडवादन, चक्रवन्ता.  
चपला, चला, जाटल, तिकभगदुला,  
तीक्ष्णतण्डुला, दन्तफली, दीपनीय; न  
न्दकि, पिपरी, पिपली, पीपल, पीपार,  
प्रियंगु, बोधनी, भद्रा, मगवा, मगधोद्धवा,  
महौपय, मागवा, विधात्री, विश्वा, वैदेही,  
शौरडी: श्यामा भिन्विता, मूक्षमतण्डुला,  
सौंंडी. ४३

श्रीपरिद्रुम ना० अश्विनी परित्रा.  
पिपलीना: पीपलीवृक्षः

पीपलवृक्ष ना० अश्विनवृक्ष, अश्विन  
रूपितन, कुंभराशय, वृक्षमाल, केशा-  
लय, केशवावास, गजभक्तक, गजशय;  
गुह्यपुष्प, चन्द्रदल, चन्द्रपत्र; चैत्यद्रु,  
चैत्यवृक्ष, देवभवन, देवान्मा, देवान्  
देवावास, धनुर्वृक्ष, नागधनु, पवित्रक,  
पिप्पल, पीपर, पीपल, पञ्च, प्लीहाय,  
बोधि, बोधितरु, बोधिद्रुम, बोधिपादप,  
बोधिबृक्ष, मगलय, महाद्रुम, मन्डू,  
याज्ञिक, वातरङ्ग वादरंग, प्रिय. वृक्षादन  
शुचिद्रुम, शुभद, श्यामन, श्रीमात्, श्रीमान्  
सेव्य, हयमारण; हास्वाम, जौरद्रुम,  
क्षरिवृक्ष, चीरी ७०

१—गजनामों पर अशन अर्थकेशवद  
लगाने से पीपल वृक्ष के नामहोले हैं  
पीला ना० कडार, गोर पिंग, पीत,  
पीला, हरिद्राम. ४

पीलावर्ण ना० कडार, कद्रु, कपिल.  
पिंग, पिंगल, पिंगला, भिशंग; भिशंगी,  
पीतवर्ण, वधु, हरिद्राम, ११

पीलूवृक्ष ना० कर्मल्लभ, कलमन  
ल्लभ, गुणकल, धानी, धारिन्, धारी,  
पिलु क, पंलुवृक्ष, वामापीडन, विरेचन,  
शीतमह, श्याम; स्मेमिन, स्मेसी. १३

पीलूवृक्ष ना० मधुपिलु, महापीलु,  
महावृक्ष, राजपीलु, वृहतीलु. ९

— पु —

पुश्या ना० अपुर. अपुष्य. आपुष्य,  
पिठ १३४३, पुश्या १३४३.

पुश्या मलानवशात ना० आपुष्यक,  
कान्दविश. २

पुकारना ना० अकारण, आहूति,  
आह्वान, हूति. ४

पुम्बगजमलिना० पुष्पराग, पुष्पराज २

पुजारी ना० देवल, देवलक, देवा-  
जीम, देवजतिन्; देवार्जी; पण्डा,  
पुजारी. ७

पुण्डरियावृक्ष ना० अनुज, चक्षुष्य, ताञ्ज  
पुष्पक, पुण्डरिन् पुण्डरी, पुण्डरीकाक्ष,  
पुण्डरीय, पुण्डरी, पुण्डू, पौण्डरीक,  
पौण्डर्य, प्रपौण्डरीय; मातक, शिब, माल,  
पुष्प, सुष्प, स्थरपत्र. १७

पुण्य ना० धर्म, पुण्य, वृष, श्रेय, श्रेयस्,  
मन्कुत, मकुत. ७

पुनरा ( अन्वय विशेष ) ना० अ-  
श्मरी, जेन्मा । देवधान्य, पवनाल,  
यवनाञ्ज, योनल. ६



पुननागवृक्ष ( पुष्पवृक्ष विशेष ) ना० अरुण, केशर, केशरिन्, केशरी, केशव, केशर, केशरिन्, केशरी, तुंग, तुंगक, पाटलद्रुम, पाण्डुनाग, पुरुष, प्रमुख, रक्त केशर, रक्तपुष्प, रत्नरेणु. १७

पुराना ना० चिरंतन, पुरान, पुराना, पुरानन, प्रानन, प्रानन, प्राचीन. ७

पुष्करमूल ( पोडकरमूल ) ना० वा- शमीर, कारमारन, पद्म, पद्मार्ण, पद्मपत्र, पद्मनर्णक, पुष्करमूल, पुष्करमूलक, पुष्करशिका, पुष्कराक्षय, पुष्करिणी, पुष्करमूत्र, पोहकरमूल, पोहकर, पोहकरमूल, ब्रह्मतीर्थ, मूत्रपुष्कर, वीर, स्वामारि, सुगन्धित. २०

पुष्पाञ्जन ( जस्ताका फूल ) ना० कुसुमाञ्जन, कौस्तुभ, पुष्पाञ्जन, पौष्पक, रीतक, रीतिक, रीतिपुष्प, सञ्जन. ८

पुष्यनक्षत्र ना० तिष्य, पुष्य, सत्य ३

पुत्रदात्री ( लताविशेष ) ना० जतु कालता, पुत्रदात्री, भूमरी; वातारि, वेशिमाना ५

— ❁ पू ❁ —

पूषा ना० अपचिन्ति, अर्च, अर्चि, अर्चा, अर्ह, अर्हण, नमस्या, पूना, मर्त्य, पूजाकरनेवाला ना० अपचेता, अपचेतृ, अर्चक १

पूजाकरनेवाला ना० अपचेता, अपचेतृ, अर्चक १

पूजित ना० अपचिन्ति, अर्चित, अर्हित, नमस्याति, पूजित. ५

पूर्णाभासी ना० पंचदश, पञ्चान्त, पूना,

पूनौ, पूर्णवा, पूर्णभासी, पूर्णभास्या, पूर्णिमा, पौर्णमा, पौर्णभासी, पौर्णमा, पौर्णमी. १२

पूपमास ना० तैष, पूप, पूम, पौष, पौस, सशस्य. ६

— ❁ पे ❁ —

पेट ना० उदर कुक्ष, कुक्षि, जठर, तुन्द, पिचयडः पिचिण्ड, पेट. ८

पेटारी ( पिटारा ) ना० पिटक, पिटाग, पिटारी, पेटक, पेट, पेटा, पेटिका, पेडा, मंजूष, मंजूषा, १०

( येही संस्कृतके भी नामहैं )

पेटा ( खवहा कुम्हडा ) ना० कुम्पाण्ड, कुम्पाण्डक, कुम्पाण्डा; कूम्पाण्ड, खवहा, ग्राह्यकर्कटी, घनवास, तर्कर, तिषिष, नमपुष्पफला; पुष्पफल, पेटा, वृहत्फला, शिविवर्द्धक, सुफला, स्थिरफला. १६

— ❁ पै ❁ —

पैदल ना० पति, पदग, पदाति; पदाति, पादिक, पद, पादान, पादाति, पादातिक, पादातिक, प्यादा. ११

पैना ( चाबुक ) ना० तोदन, तोत्र, पैना; प्रवयण, प्रानन. ५

पैनायाहुआ ना० तीक्ष्णकृत; तेजित, निश्चित, शत, द्युत. ५

— ❁ पो ❁ —

पौञ्जना ना० मार्जना, मार्ष्टि, मृजा. ३

पौड ना० गांठि, ग्रंथि, परु, परुः, परुम्, पर्व, पौड; पार. ८

पोता ना० पोत्र, पोता, सुतात्मज. ३  
१—सुतनामों पर सुत अर्थ के शब्द  
लगाने से भंतेके नामहोते हैं

पोती ना० पोती; पौत्री; सुतात्मजा.  
१—सुत नामोंपर कन्या अर्थके शब्द  
लगाने से पोतीके नामहोते हैं

पोदीना ना० अम्बा, अम्बा, अ  
म्बालिका, अम्बिका, केशी, गंधपत्री,  
द्विन्नपत्री, दृढबल्का, प्रस्थिका, बाला,  
भूरिमल्ली, मयूरविदला, मयूरिका, मा  
चिका, मुखबाचिका, मोइया, रोजनी,  
वेदि, शठाम्बा, सहस्रा, मुरशाक. २१

पोयशाक ना० अपोदिका, उत्पादिका  
उपोती, उपोदकी, उपोदिका, उपोदीना;  
पिच्छिलच्छदा, पिच्छला; पूतिका,  
पूतीका, पोतकी, पोतिका, बालिपोदकी,  
मदघनी, मदशाक, मोहनी, विशाला;  
वृश्चिकप्रिया. १८

पोयछोटी ना० मण्टपी, सूत्रमरित्रिका,  
स्वरूपपूतिका, तुद्रोपोदकी. ४

पोयजंगली ना० अरययोत्पादिका,  
पोतिका, बन्धोपदका ३

१—पोयनामके पहिले जंगल नाम के  
शब्द लगाने से पोयजंगलीके नामहोते हैं

पोलाव ना० पलान्न, पोलाव २

पोस्ताकादाना ना० सुवीज, सूत्रम  
तराडुल, सूत्रमबीज ३

पोहकरमूल=पुकरमूल देखो

—● पो ●—

पौंडा ना० इक्षुवाटिका, इक्षुवाटी,

करंकशालि, पुण्ड्र, पुण्ड्रक, रसाज ६

पौंडाकाला ना० कतारा, कान्तारा  
कान्तारक; कान्तारी ४

पौंडासफेद ना० पौण्ड्र, पौण्ड्रक,  
पौण्ड्रक ३

प्यारा ना० अभीप्सित, अभीष्ट, द-  
यित, प्रिय, प्यारा, प्रियप्राय, बल्लभ ७

प्यारी ना० कांता, दयिता, पतनी,  
पुरंधी, पुरंधी; प्यारी; प्रिया, प्रेष्टा,  
रमणी, रञ्जभा १०

प्यास ना० अनुबंध, उद्व्या, तर्ष,  
तृष, तृषा, तृषाभू, तृष्णा, पिपास, पि-  
यास, प्यास १०

प्रभामात्र ( चमक ) ना० ह्यवि, त्वष्ट,  
दीप्ति, द्युन्, द्युत द्युति, द्युतिमन्, प्रभा,  
भा, मास, भास, भासम्, रुच्. कनि, हञ्,  
रोचिष १६

प्रयोजन ( मतलब ) ना० अभिप्राय,  
अभीष्ट, अर्थ, आशय प्रयोजन ५

प्रलय ( सर्वनाश ) ना० कल्प,  
कल्पांत, काल, प्रलय, लय; संवर्त, क्षय,

प्रशंसा योग्य ( तारीफ के लायक )  
ना० अनभिश्यस्य, अनवद्य, अनेवद्य,  
अनेमन्, अनेमा, अनेमन्, अभ्रेमा, उ-  
कध्य; पाक, प्रशंसनीय, प्रशस्य ११

प्ररन ( सवाल ) ना० अनुयोग,  
अनुयोजन, पृच्छण, पृच्छा, प्रच्छ, प्र-  
च्छण, प्ररन. ७

प्रसन्न ना० तृप, तृप्त, प्रतीत, प्रसन्न  
मीत, हृष्ट ५

प्रसिद्धि ना० ख्यात, ख्याति,  
प्रख्यात, प्रतीति, प्रतीति, प्रथ, प्रथा,  
प्राथत, प्रसिद्ध, प्रसिद्धि, विख्यात, विख्यात,  
वित्त, विश्रुत, १४

प्रसिद्ध गुणसे ना० आहतवक्षण,  
आहितवक्षण, कृतवक्षण ३

प्राणी ( जीवधारी ) ना० चेतन,  
जन्तु; जन्मिन्, जन्मी, नन्यु, प्राणी. श-  
रीरिन, शरीरां ८

प्रातःकाल ना० अहना, अहर्मुल,  
उष, उषम्, उषा, ऊष, ओदतां, कल्प,  
काल्य, विद्याभव, प्रत्युष, प्रत्युषम्,  
प्रत्युष, प्रत्युषम्, प्रभात, प्रातःकाल,  
वाग्निनी, विभात, विभाती, मृता २०

प्राप्त ना० आसाति, प्राप्त, भावित,  
भूत, लब्ध, विन्न ६

प्रियंगु फूल ना० कंसुहा, कटु, क-  
रम्भा, कान्ता, वारम्भा, कृशांगी, कृष्ण  
पुष्पी, गन्धफली, गुन्दा, गोवन्दनी, गौरी,  
गौरीवृषा, धविका, पर्णभेदिनी, पीता,  
प्रियंगु, प्रियवर्णी, प्रियवल्ली, प्रया, फ-  
लप्रिया, फला, फलिनी, फली, फूलप्रियंगु,  
भंगुना, भंगल्या, माहिला, माहलाह्वय,  
मानुलानी, मानिनी, लता, बनिता, वरव-  
र्णिनी, वन्दिशाशला, विश्वसेना, विष्व-  
क्सेना, वृत्ता, शुभा, शूद्रार्ता, श्यामा, स-  
र्वगा; पर्वतःशुभा, सुभगा, सौवर्णभेदिनी ४४

प्रियवक्त्रा ( मीठबोलनेवाला ) ना०  
प्रियवक्ता, प्रियवद, शक्त, शक्न, शक्नु ५  
प्रीति ना० अनुगम, नेह, प्रणय,

प्रश्रय, प्रवर, प्रियता, प्रीति; प्रेम, प्रेमन्,  
राग, स्नेह, हाहे १२

प्रतियुन ना० उत्क, उत्कण्ठितमना.  
उमना ३

प्रेमी ( आशिक, ) ना० प्रणयी, प्र-  
श्रयी, प्रसरा, प्रसरी प्रेमी. ९

### — फ —

फटकरी ना० वृद्धरंगा, फाटकी; फिट  
करी; रंगदा, रङ्गदटा, रंगंगा, शुभा, श्वेता,  
स्फटिक, स्फटिका, स्फाटकार, स्फटी. १२

फडकना ना० फरकना, स्फरण, स्फार,  
स्फागण, स्फुर, स्फुरण, स्फूर्ति. ७

फण ना० फटा, फण, फणा. ३

फन्दा ना० उन्माथ, कूटयन्त्र, फन्दा,  
मृगबन्धनी, बागुरा. ५

फफूला ( कोकिलेनी ) ना० अनुष्ण;  
उत्पल, उत्पलनी, कन्दान, कमादनी,  
कवेल, कुइया, कुई, कुच्छ, कुमुत; कुमु-  
ट, कुव, कुवल, कुवल्य, कुवेल, कौवल,  
गन्धमोम, गद्गमाह्वय, जलाह्वय, धवलो-  
त्पल, शिशापुष्प, निशाहस, फफूला, रा-  
त्रिपुष्प, शशिकान्त; शशिप्रभ, शतिलक,  
शीतलजत्र, सोमवन्धु; हिमाञ्ज, त्रिशत्पत्र

फफूला उजला ( उजली कमादिनी ) ना०  
कन्दट, कन्हार, कुमुद, गद्गम, चन्द्रका-  
न्त, रात्रिहास, शीतलक, शुक्लोत्पल, श्वे-  
तोत्पल, सितोत्पल, सुगन्धिक, सौगन्धिक ११

फफूला नीला ( नीली कमादिनी ) ना०  
इन्दिरावर, कुवल्य, कुवेल, नीलकमादिनी,  
नीलकुमुद; नीलोत्पल ६

**फफूलालाल ( रक्तकर्मोदनी )** ना०  
कृष्णकन्द, कोकनद, रक्तकोकनद, रक्त  
कुमुद, रक्तकैरव, रक्तकलहार, रक्तसंध्यक,  
रक्तसौगंधिक; रक्तताल; सोमाख्य, ह  
ल्लक ११

**फरसा** ना० कुठार,, परशु, परश्वध;  
परस्वध, पर्शु, स्वविति. ६

**फरुही ( काठकी कुदार )** ना०  
अविभ्र, अभि, अभी, काष्ठकुदाल, फरुही ७

**फरहद** ना० कृमिघ्न, पारिजात, पा  
रिजातक, पारिभद्र, बहुपुष्प, मन्दद,  
मन्दर, मन्दार, रक्तकेशर ६

**फरहद वृक्ष** ना० पारिभद्रक, रक्त  
कुमुम, राजभद्रक, सुतिक्तक ४

**फरेंदाफल** ना० जामुन, जम्बू, जम्बू,  
जाम्बव; फरेंद, फरेंदा, मोद, राजफला,  
रानाही, शुक्प्रिया २०

**फरेंदा वृक्ष** ना० जम्बु, जम्बुल,  
जम्बू, जम्बूल, नदीकांता, नीलफला,  
महास्कंधा, रथामला, मुदर्शन, सुरभिपत्रा १०

**फरेंदा छोटा** ना० काकजम्बु, कृष्ण  
फला, जञ्जम्बूना, दीर्घपत्रा, भृङ्गवल्लभा,  
भ्रमरेष्टा, ह्रस्वजम्बु, ह्रस्वफला, लुद्रजम्बु २

**फरेंदावडा** ना० कोकिलेष्टा, पिकाप्रिया,  
फलेद्र, महाजम्बु, महान्जम्बु, महानीला,  
महापत्रा, राजजामुन, राजजम्बू, वृहत्फला,  
सुरभिपत्रा. ११

**फरेंदाभूमि** ना० काकजम्बु, काष्ठजम्बु,  
नादेयी, नीत्रलोहिता, भूजम्बु, भूमिजम्बुका,  
भूमिजम्बु; भ्रमरेष्टा, मधुप्रिया, ह्रस्वफला १०

— ● **फा** ● —

**फांका** ना० फांका, मुनिभेषज, लेंघन, ३  
**फार** ना० कूटक, कृपक, निरीश, निरीष,  
फल; फार, फाल. ७

**फाराहुथ्या** ना० द्वागति, फारित, भिन्न,  
भेदित. ४

**फालसाफल** ना० नागदन्तोपम,  
नीलचर्म, नीलचर्मन्, परापर, परावत,  
परुष, परुषा, परुष, परुषक, पवनो  
म्बुन, फलत्रय, फलसा, फानसा, १३

**फालसा वृक्ष** ना० गिरिपीलु; परुष  
वृक्ष, परुषवृक्ष. ३

**फाल्गुणमास** ना० तपस्य, फागुन,  
फाल्गुण, फाल्गुणिक, फाल्गुनिक. ४

— ● **फु** ● —

**फुलवारी** ना० आराम, उद्यान, उप  
वन, कृतारण्य, प्रमूनवटी, प्रमूनवनी,  
फुलवारी, वाटिका =

— ● **फू** ● —

**फूट ( फलपसिद्ध )** ना० इर्वोरु-  
शुक्तिका, ईर्वोरु; फूट, स्फुटी ४

**फूल** ना० उत्पल, कुसुम, पुष्प; प्रसून,  
फलपिता, फूल, मेनरी, लत, लत, सुम, सुमन,  
सुमनम्; सुमना, सून १३

१—फूल नामोंपर वाटिका अर्थकेशब्द  
लगाने से फुलवारी के नामहोते हैं जैसे  
पुष्पवाटिका आदि

**फूल का जांश** ना० किञ्जल्क, पी-  
तराग, सिक्थक ३

फूलप्रियंगु=प्रियंगुफूल देखो

—● फे ●—

फेकना ना० प्रक्षेपण; प्रेरण, जिपा, जेपणा ४

फेफड़ा ना० फुफुस, वानफुल्लान्त्र २

—● फे ●—

फैलाव ना० उरुरी, बड़, विग्रह, विस्तर, विस्तार, विस्तीर्ण, विस्तृत, व्यास=

फैलाहुआ ना० उरू, तन, पृथु, पृथुक, पृथुल, महत, बड़, विपुल, विशंकट; विशंकटा, विशंकटी, विशाल, विस्तीर्ण, विस्तृत, बृहत्. १५

—● फो ●—

फोड़ा ना० पिडक, पिड़का, फोड़ा, विस्फोट ४

फौज ना० अनीक, अनीकिनी, कटक, चक्र, चमू, ध्वजिनी; पृतना; बरूथ, बरूथनी, बरूथिन, बरूथिनी, बल, बाहनी, बाहिनी, साधन, सेन, सेना, सैन्य, सैन्या, सैन, सैन्य, सैन्या २२

फौजकाकुच ना० अभिनिर्याण, गम, गमन, प्रस्थान, यात्रा, ब्रज्या. ६

फौजका जमाव ना० सर्वसंहनन, सन्निभिसार, सर्वौच, ३

फौजका निवास ( मुकाम वा पड़ाव ) ना० निवेश, शिविर, सेना निवास, सेनावास स्थान; अनीकस्थ. ५

फौजका फैलाव ना० आसार, प्रसरण, प्रसरणी, प्रसारणी, प्रसार्णी. ५

फौजका स्वामी ना० बाहिनीपति, सेनाध्यक्ष, सेनानी, सेनापति ४

—● व ●—

बंधेहुए ना० उदित, उदित, बद्ध; मृत, मूर्ख, सन्धानित, सन्दिग्ध, सित ८

बकरा ना० अज, गलस्तन, छग, छगल, छगलक, छग छगल, छगलक, तम. बकरा, बोकरा, बस्त, स्तम, स्तुम, शिशुवाहक

बकरी ना० अजा; गलस्तनी, छगी, हागी, बकरी, बोकरी बसोज, सर्वभक्ष्या = बकुची = बाकुची देखो

बकना वृत्त ( जिसे बकायन नाम कहते हैं ) ना० अद्रिका, उद्रेका, कावाण्ड, काम्बुक, केशमुषि, कैटर्य, कैटप्य, पार्थन, कैदर्य; भिरिनिम्ब, जवि, ट्रेका, पवनेष्ट, पवित, बकायन, महावित, महाद्रेका, महानिम्ब, महारिष्ट, रामब, वननिम्ब; वमनेष्ट, हिमद्रुम २२

बखतर ना० कंचुक, चोचक, बखतर, वाणवार, बारवाण, सनाह ६

बखतर पहिरेहुए ना० अपिनद्ध, आयुवत, दिनद्ध, प्रातिमुक्त ४

बगल ना० कक्ष, कांख, कोख, बगल, बाहुमूल ५

१—भुजानामों पर मूल अर्थके शब्द लगाने से बगल के नाम होते हैं ॥

बगुला ( पत्नी ) ना० बक, बकुला, बगला, बगुला, ४

बच औषधि ना० उग्रगंधा, काङ्गा, गानिली, गोशोमी, चढ्या, नटिछा, जीवा, तीक्ष्णगंधा, तीक्ष्णा, भद्रा, मंगल्या, रत्नोर्ध्वा, बच, बचा; बशिर, शतपर्वा, शतपर्निका; षडग्रन्था, षडग्रन्थी, सुपद्या, स्वरात्तु, जुद्रपत्री. २२

बच उजली ना० तीक्ष्णगंधा, दाघिपत्रिका, मेध्या; श्वेतबचा, हैमवती ५

बचलाल ना० मेध्या; रक्तबचा २

बच्चा ( दूधपानेवाला ) ना० उत्तानशयः उत्तानशया, डिंभा, स्तनंधी, स्तनंध्या, स्तनपा स्तनपाथी. ७

बच्छनाभ ( विषविशेष ) ना० उग्रबच्छनाभ, बत्सनाभ ३

बच्छडा ना० बच्छ, बच्छडा, बत्त, शकृत्करि, शकृत्करा; शकृत्करि, सकृत्करी ७

बटुली ना० उखा, उधा, कुरड, कुरडी, पिठर, पिठरी, ६

बटेरपर्ती ना० चित्रचित्रतनु, फणिलेखबटेर, लवा, लाव, लावा; वर्तार, वार्तिक, ६

बडवाग्नि ना० उर्व, उर्वी और्व, और्वी, बडवाग्नि, बडवानल, बाडव. ७

१—अग्नि नामों के पहिले बडवाशब्द लगाने से बडवाग्नि के नाम होते हैं

बटी वृत्त ना० नदीवट, नदाबड, यज्ञवृत्त ३

बडहर फल ना० कार्श्य, वृद्धबलकल, मुख, रत्रिमिय; लकुच, लिङ्गुच, स्थूलस्कंध, जुद्र, जुद्रपनस, क्षुद्राम्लपनस १०

बडहर वृत्त ना० अम्लक, ऐरावत, कषायी, कषायिन्; खगववन्न, ग्रान्थमत्कल, डहु, डहु, लकच, शूर. १०

बडा ना० अभृण, अश्व, उक्षा, उन्नित, ऋभुजा, ऋश्व, ककुह, गंभीर, तवस, तविष, बडा, महत्; महिष, माहिन, यहु, रभस, वार्हिष्ठ, वार्हिषत, ववाक्षथा, विरप्शी, विवक्षसे, विहाया, वृधन, बृहत. प्राधन्. २५

बडाई ना० अतिशय, उत्कर्ष, प्रकर्ष, प्रशंसा, बडाई ५

बडावेग ना० त्वरा, त्वरि, त्वरी, वेग. सम्भूम ५

बडई ना० काष्टतन, तक्षक, त्वष्ट, बडई; रथकार, वर्द्धकि, वर्द्धकी, वर्द्धकिन, बडना ना० एधा, वर्धन, वृद्धि ३

बदनी ना० अपूरडी, तुरी, बहुवरा, बहुकरी, वुत्तारी, मार्जनी, शोथनी, समूहन, ६

बतक ना० कलहंस, बतक, बत्तक, बतख ४

बथुआशाक ना० केकेल, धनामल, चक्रवर्तिन्, चक्रवर्ती, चण्डिल, चन्द्रिल, ज्वरघ्न, टक्कदेशीय, पाशुपत्र, पिण्डपुष्पक, बथुआ, बथुई, बथुवा, राजशाक, राम, वाम, वास्तु, वास्तुक, वास्तूक, शाक, राज, शाकवीर, शाकश्रेष्ठ, क्षारपत्र, क्षारपत्रक. २४

वथुआ जंगली ना० कण्ठज, वनवास्तूक. २

बदाम ना० बदाम, बादाम, बातभैरी,  
वातभैरिन्, वाताद, सुकल ६

बन्दर ना० कपि, कीश, कीस, प्रवग,  
प्रवंग, प्रवंगम्, प्लवग, प्लवंग, प्लवगम्,  
वनौका, वनौकस, बन्दर; बलिमुख, वलीमुख,  
वानर, मक्रेट. शाखामृग, हरि, हरी, १९

१ — बन्दर नामोपर पतिअर्थक शब्द  
लगानसे बालि और सुप्रोत्रके नामहोते हैं  
बन्दी ना० दीका, पत्रपाश्या, बन्दी,  
ललाटभूषण, ललाटिका ५

बन्धन ना० चार, प्राप्त, बन्धन ३  
बवईपौधा ना० अजगंधा, अजगंधिका,  
अपेतरान्जसी, अर्जक, अविगान्धिका, असु  
रसा, उग्रगंध, वररी, वरुंरा, कवरा,  
कवरी, कुठेर, कुठेरक, खरपुष्पा, गरधन  
जम्बीर, तुङ्गी, तुलसीद्वेषा; दोषाकलेशी,  
निद्रालु, पूतिमयूरिका, बनतुलसी; मेषालु  
वरीक, वर्वे, वर्वेर, बर्वेरा, वर्वेरी,  
वारडीक, श्वेतच्छद, सुगंधि, सुमुख, सुरभि,  
स्थानचञ्चला ३४

बवई उजली ना० बटपत्र, मितार्जक २  
बवईकाली ना० कालमान, कृष्णवर्क,  
कृष्णवल्की, कृष्णार्जक, गन्धपत्र, गरधन,  
पूतगन्ध, बनवर्वेर, वायव ६

बबूरवृक्ष ना० अजभक्ष, आभा, क  
एक, कएटालु, कफान्तक, किंकिराळ,  
गोशुंग, तद्विणकएक, दार्चकण्टक, दूढ  
बीज, पंक्तिवान, पीतक, बर्वूर, बर्वूल,  
युगल; रुय, सूक्ष्मपत्र, स्पर्णपुष्प, हेमगौर १८  
बरगदवृक्ष ना० अमरा, अवरोहि,

अवरोहिन्, अवरोही, कर्मज, जटाळ,  
जाटल, जटिळी, जटुळ, नन्दिन्, नन्दी,  
नील, न्यग्रोध, पादरोहण, बहुपात्, बहुपाद्,  
बहुपाद, भागडीर, भूकेश भृङ्गिन्; भृंगी,  
मगडलिन्, मण्डली; महाच्छाय, यमप्रिय,  
यक्षतरु, यक्षावास; रक्तमूत्रफल, रोहिण,  
रोहिन् रोही, वट, विटपिन्, विटपी, वृहत्पाद,  
वृक्षनाथ, वृक्षपाक, वैश्रवणालय, वैश्रवणा  
वास, वैश्रवणोदय, शिफारूह, शुंग,  
शुंगिन, शुंगी, शूलिन, स्कन्धतरु, स्कन्धरुह,  
क्षीरिन्, क्षीरी ४९

बरदाई ना० बरद, बरदाई, बरदाता,  
मनेार्थप्रव; समर्द्धक, ५

बराबर ना० तुल्य, बराबर, सदृक्,  
सदृश, सदृज, सधर्म, सम, समान,  
समानान्तर, सवर्ण, सवर्णा; सजात, १२  
बरिआरा पौधा ना० ओदन, ब  
रिआर, बरिआरा; बला, वाट्यालक,  
वाट्यपुष्पी, वाट्या, वाट्याळ, वाट्यालक,  
वाट्याली, सुवर्णा १२

बर्डी ना० प्राश, प्रास, बर्डी, भाला ४  
बर्डी ना० कुन्त; बर्डी १

बर्तन ना० अमत्र, आवपन, पात्र,  
वर्तन, वासन. भाजन, भाण्ड, भाण्डक,  
भाण्डा ६

बर्मा ना० नट, बर्मा, लास्फोटनी, ३  
बैरै ना० इडावका, गन्धमक्ली, गन्धा  
ली, गन्धोली, बरई, बरटी; बैरै, भिड, भिर,  
वर्वटी ६

बैरै (कुसुम के बीज) ना० वरटा, वर  
ट्टिका, करै ३

बल ना० अोज, तरस्, तव, तविषी, तवीषी, द्वविष, पराक्रम, पानस्, प्राण, बल, वीर्य, शक्त, शक्ति, शुष्ण, शुष्म, शुष्मन्, शौर्य, सहस्, सह, स्थापन्. २०

बलदेव ना० अच्युताग्रज, कामपाल, कालिन्दीभिदन, कालिन्दीभेदन, कृष्णाग्रज, तालांक; नीलाम्बर, प्रलम्बदन, प्रलम्बदमन, नरवीर, बल, बलदेव, बलभद्र, बलराम, बललः, भद्रबल, भद्रबल्ल, मुशली; मुषली, मुसली, मूशलपाणिक, मूशतपाणी, मूशली रामः, रेवातरमण, रेवतीरमण, रौहिणेय, संकर्षण, सीरपाणि; सीरपाणा; हलधर, हलायुध, हली. ३३

१—कृष्णनामोंपर, अग्रज और भूत रेवती, नामोंपर रमण, मूश और हल नामोंपर धर अर्थके शब्दलगानेसे बलदेव जीके नाम होते हैं ॥

बलवान ना० अंसल, अोज, बलगर, बलवान्; बलवान, बली, मांसल ७

बवासीर रोग ना० अर्श, अर्स, अर्सस्, गुदकील; गुदांकर, चर्मकील, दुर्नाम, दुर्नामिक; दुर्नामन, नवासीर, बवासीर ११

बवासीर खूनी ना० रक्तार्थ, रक्तार्श, रक्तार्शस्. ३

बसंतऋतु ना० ऋतुपति, ऋतुराज, कुसुमाकर, पुष्पसमय; बसंत, मधु, माधव, सुरभि, सुरभी. ९

१—ऋतुनामोंपर पति अर्थके शब्द लगाने से बसंतऋतुके नाम होते हैं ॥

बसूला ना० बसूला, वृक्षभेदन, वृक्षभेदी, वृक्षादन ४

बहिंगी ना० बहंगी, बहिंगी, बिहंगिका, बिहंगिमा, भारयष्टि, भारयष्टिका, भार यष्टी, ७ ॥ १—येहीखूंटीके भी नाम हैं

बहना ना० श्रव, स्रव, स्राव. ३

बहादुर ना० बहादुर, बीर, विक्रांत, शूर, शूरवीर ४

बहिन ना० बहिन, भगिनी, भग्नी, स्वसा. ४

बहिन छोटी ना० अनुजा, कनिष्ठा, कनिष्ठा, जघन्यजा ४

बहिन बड़ी ना० अस्तिका, अग्निका, अस्तिका, ज्येष्ठाभगिनी ४

बहुत ना० अदभू, पुरह; पुरु, पुरुह, प्रभु, प्रभूत, प्राज्य, बहु, बहुत, बहुल, भूमन्, भूय, भूयिष्ठ, भूर, स्फार, स्फिर,

बहुरूपिया ना० ऐयार, बहुरूपिया, बहुरूपिया, भरतपुत्रक, ४

बहेरावृक्ष ना० अक्ष, कफारि, कर्ष, कर्षफल, वलि; कलिद्रुम, कलिन्द, कलिफल, कलिवृक्ष, कलक, कुशिक, तुमुल, तुष, तैलफल, बहुवीर्य, भूतावास, रोम हर्षण, बहेडुक, विभीत विभीतक, विभीतकी, विषदन, संवर्त, सान्द्रपुष्प, हाटर्षा,

१—वलि शब्दपर वृक्ष नामके पर्याय लगानेसे बहेरावृक्षके नाम होते हैं ॥

बहेराफल ना० अनिलदनक, कफघात फल, बहेड़, बहेर, बहेरा, सौभद्रय, ९



## — वा —

वांभककोडी (खलसा) ना० ईश्वरी  
कन्दवल्ली, कन्या, कुमारी, गर्भदात्री,  
तामसद्रुमसान्निभा, दिव्या; देवी, नागहंत्री,  
नागाराति, परा, पुत्रदा. वांभककोडी,  
भूतहंत्री; मनोज्ञा, योगेश्वरी, बन्ध्या,  
बन्ध्याकर्वोटिकी, विषकण्टकिनी, श्री-  
बन्दा, सर्पदमनी, सुगन्धा. १२

वांदा ना० उपदा, काकरुहा, कामतरु,  
कामवृक्ष, कामिनी, केशरूपा, गंधमादनी,  
जीर्वांतिका, जीवन्ती, तरुभृक्, तरुपुत्र,  
तरुहृहा, तरुरोहिणी, तरुस्था, नीलवल्ली,  
परपुष्पा, परवासिका, परवासिनी; परा  
श्रया, पादपरुहा, वांदा, बन्दका, बन्दा,  
बन्दाक, बन्दाका, बन्दाकी, बन्धा, वाशिनी,  
वृजभक्ता, वृक्षरुहा, वृक्षादनी, श्यामा,  
सेव्या. १३

वांम ना० कण्ठात्तु कर्मार, वाज्जार;  
कार्मुक, किलाटी, किलाटिन् निष्कुपर्वी  
किष्कुपर्वन्, तृणकेतु, तृणकेतुक, तृणध्वज,  
तेजन, त्वक्सार, त्वचिमार; दृढ़ग्रंथि,  
दृढ़पत्र, धनुर्द्रुम, धनुर्वृक्ष, धानुष्य,  
फलान्त; पृत्युवीज, यवफल, वंश, वन्दिहगभि  
वृहन्तृण, वेणु, शतपर्वी, शतपर्वन्,  
सतील, सन्तान, सुपर्वन, सुपर्वा. १२

वांसके चांवल ना० वंशज, वंशतंडुल,  
वंशधान्य, वंशफल, वेणुज, वेणुयव,  
वेणुवीज, वैणव. ८

वांसकी लाल ना० तमाल, तमालक,  
वंशत्वक. ३

वांस छेदवाला ना० कीचक.

वाकला—जो पमारके नाम हैं वेही  
वाकलाके नाम हैं ॥

वाकुची औ० ना० श्रवणगुज, ऐन्दवी,  
कान्तिदा, काम्बोनी, कालमेषी, कुष्ठ  
नाशिनी, कुष्ठहन्त्री, कृष्णप्रतिकला, कृ  
ष्णफला, कृष्णा, किमिभी, चन्द्रप्रभा, चंद्र  
रेखा, चन्द्रलेखा, चन्द्री, छेलु; त्वग्दोषा  
वहा, नेत्रमात्रा, पाणियमूलक, पूतंगंधिका,  
पूतिकला, पूतिकली, प्रतिकला, भूकेशी,  
मसन, मासन, वल्गुला, वाकुची, वागुजी  
वापची, वायची, वेनाती, शमिर, शशि  
रेखा, शूलोत्खा, श्यामासिता, सितावरी,  
सुपाणिना, सुप्रभा, सुचलिल, सुवल्ली,  
सोमराज्, सोमराट्, सोमराजिका, सोम  
रानिन, सोमराज, सोमवल्कला, सोम  
वल्ली, त्रयी. ४६

वाय ना० द्वीपी, वाय, व्याप्त, शार्दूल  
वायपत्नी ना० आमिप प्रिय, गरुडोधिन्,  
पत्नी, वाज, सीतार, शशादन, श्येन, सचान,  
मिचान, म्येन १०

वाजार ना० अपण; निषया, पण्य,  
पण्यशाब्दा, विपाण, विपण, वाजार, हट्ट  
हाट ९

वाजी ना० उत्तह, पण, बाजी. ३

वाजूबन्द ना० अंगद, अन्दु, अन्दुक,  
अन्दू, अन्दूक, केयूर; वाजूबन्द, विजायट,  
बादाम ना० चौच, नेत्रापम, नेत्रोपफल  
बदाम, वातवैरी; बादाम; सुफल. ७

वायन ना० खर्व, नीच, न्यक, न्यड,

न्यच, लघु, लघू, वामन; ह्रस्व. ६

बार ना० अलक, कच, कुन्तल, केश;  
चिकर, विकुर, विक्र, बार, बाल, शि-  
लएडक, शिरदेश, शिरोरुह, शिरोरुह. ११

बारटेढे ना० अलक, चूर्णकुन्तल. १  
बारसुन्दर ना० अलक, शिरस्थ,  
शीर्षस्थ, सुप्ररकच, ४

बारों का समूह ना० कचपत्त, कच  
पाश, कचहसा, कुन्तलहस्त, केशपत्त,  
केशपाश, कैशिक, कैश्य. ८

बारहसिंगा ना० बहुविधानक, बारह  
सिंगा, बारहसिंहा, ररु. ४

बालक ना० बाल, बालक, माणव,  
माणवक ४

बाल लीला ना० कुर्दन, कुर्दन फ्रीडा,  
बाललील, बाललीला, लीला. ६

बालछड ना० चक्रवर्तिनी, जटावती,  
जटिला, भूतजटा, लोमशा, वहिनी, ६

बालू ना० इष्टगंध, बालु, बालुक,  
बालुका, रंगु, रेत ६

बासन्ती (वत्स) ना० बसंतना, बासन्ती,  
महाजाति १

बाह ना० अप्पवान, अभीशू; आयति,  
दोषन; दोषा, दोस, प्रवेष्ठा, बाह, बाहुं,  
भरिभ्र, भुज, भुजा, भुरिज, भूषणाहु,  
जिपति; जिपस्ति, जिपस्ती. १७

— ❁ त्रि ❁ —

विगाह ना० पर्यवस्था, पर्यवस्थान,  
प्रत्यवस्था, विगाह, विरोध, विरोधन. ५

विद्यिया ना० कोटितुला, चरणाभरण,

तुलाकोटि, नूपुर, पदांगद, पदांगुद, पाद  
कटक, विद्यिया, विद्युआ, मनरि, मंजील,  
मैनिक, मैनकी, शृंखल, शृंखला, हंसक,  
विद्यौना ना० विद्युवना, विद्यौना,  
शयन, शयनीय, इत्या ५

विजुली ना० आकाशी; ऐरावती,  
घनज्योति, घनज्वाला, घनबक्लिवा, घन  
बल्ला, चंचला, चपला, छटा, छुटाभा,  
तदित, दामिान, दामिनी; विजुली, विजुली,  
विद्युत्, शतदृदा, शम्पा, शम्बा, सौदामनी,  
सौदामिनी, सौदाम्नी, ह्रीदिनी, क्षणप्रकाशा,  
क्षणद्युति, क्षणप्रभा, २६

विजुली का गर्जन ( कौधा ) ना०  
बज्जनिर्वोर, बज्जानस्त्रेष, विस्फुज, विस्फू  
जथु, स्फुज, स्फुज, स्फुजथु, स्फुजथु,  
स्फुजन, ९

विजौरा नीवू=नीवू विजौरा देवो  
विनौर ना० कर्पासविज, कर्पासविज,  
तूलशर्करा, वदर, विनौर, विनौरा. ६

विलाव ना० आमुष्क, जोनार  
मारजार, मार्जार, विडल, विडल; १०  
वृषदंश. ६

१— मूसा नाबोपर, भुम् शर, लमान  
से विलावके नामहेते हैं ॥

विलाववन (जंगलीविलाव) ना० कट्टाश,  
खट्टास, वनजन्तु, वनमाज्जरी, वनबिलार,  
वनबिलाव ६

विरली ना० आनुभुक, ओतु, विरारि,  
विलारी, विल्ली; मंजारि, मंजारी, मार्जारी;  
विडारि, विडारी, विडाली, विराला, वि-

लाल, वृषदंशका. १४

विरोजा ( गंधाविरोजा ) ना० ग-  
ध्रसंगक, विरोजा २

विवाह ( निकाह ) ना० उद्वाह,  
उपयम, उपयाम, करपीडन, दारकर्म,  
निवेश, परिणय, परिणयन, परिभव,  
पाणिग्रह. पाणिग्रहण, पाणिग्रहन, पा  
णिग्राह, पाणिपीडन, वियाह; विवाह,  
व्याह; परिणाह. १८

### — ● बी ● —

बीच ना० अन्तर; अन्तरा, अन्तराय,  
अन्तराल, अन्तरस्थ, अर्धन्तर, बीच,  
मध्य, ८

बीछी ना० अलि, अलिन; अली,  
आलि, आलिन्द, आली, आलिन, द्रुण,  
द्रूण, द्रोण, बीछी, बीछू, वृश्चिक. १३

१—बीछी नामोंपर वृत्त नामके शब्द  
लगाने से बीछू वृत्त के नाम होते हैं ॥

बीदाना ना० पाटला, पिच्छलबीज;  
बीदाना, त्रिहदाना, हेमबीज ५

बीरवहूटी ना० अग्निरजाः अग्निरजसु,  
इन्द्रगोप, इन्द्रधू, बीरवहूटी; भासुर,  
भास्वर. ७

### — ● बु ● —

बुखार ना० ज्वर, महागद, रोगश्रेष्ठ ३  
बुढ़ापा ना० जरा, जीर्ण, विस्रसा,  
बुढापा, वार्द्ध, वार्द्धक, वृद्धत्व, वृद्धावस्था.  
स्थाविर ९

बुद्धि ना० अभिरुया, उपलब्धि, उप  
लब्धी, चित्. चेतना; चेतय, विषणा,

विषना, धी, धीद, प्रतिपद, मज्ञान. मेक्षा,  
बुद्धि, मत, मति, मती, मनीषा; मनीषा,  
माया, मेघ, मेधा, शची; शेमुली, शेमुषी,  
संविद, इप्ति, ज्ञा २८

बुध ( ग्रह ) ना० इलापति, बुध, रौ  
हिणेय, सोमसुत, सौम्य, ज्ञः ३

बुध (बौद्धदेव) ना० अद्भ्य, अद्भ्यवादिन्,  
अद्भ्यवादी, अद्भैतवादिन्, अद्भैतवादी, अर्क  
बन्धु, गौतम, दशबल, दशभूमिग, बुद्ध; बुध;  
बोध, बौद्ध, बौध, मायादेवीसुत, मारानित,  
मुनि, मुनीन्द्र, मुनीश; मुनीश्वर, लंक  
जित, विनायक, शाक्य, शाक्यमुनि, शा-  
क्यसिंह, शास्ता; शास्तु, श्रीघन, शौद्धो  
दनि, समन्तभद्र, सर्वज्ञ; मुभग. ३०

बुहारनेवाला ना० खलपू, बहुकर,  
बहुकरा, ३

### — ● वृ ● —

बूढ़ा ना० जरा, जरण्ड; जरन्त, ज-  
रसान, जरिन, जर्ण, जीर्ण, पतयण, वृद्धा,  
वृद्ध, स्थाविर. ११

बूढा अति ना० अतिबूढा, ज्यायस,  
वर्षीयस ३

### — ● वे ● —

वेठन ना० अच्छादन, आवरण, ओहार,  
निचोल, प्रच्छद, प्रच्छदपट, प्रच्छादन,  
वेठन, बेठन. ६

वेत ना० अप्रिय, कर्कश, वेत, वेतसी, वेज,  
मृदुपर्वक, विहुल, विल, वेतस, सुदण्ड  
वेतमारने योग्य ना० कशाघातनीय,  
कशाई, कश्य ३

वैतवृक्ष ना० अमृपुष्प, कलन, गन्ध  
पुष्प, दीर्घात्रक, नमूक, निचुल, मंजरीनमू,  
रय, रयपर्याय, रयाभू, रयाभूपुष्प, बंजुळ;  
बंजुत्राप्रिय, बानीर, विडुल, वैतसवृक्ष, शीत,  
सुषेण. १८

वैतजल ना० अम्युवैतम, जलवैत,  
न.देय, नादेया, निकुञ्जक, बानीर, विडुल  
बेर ( फल ) ना० कुवल, कोल, को-  
लिफल, बीवल, गूढफल, ततफल, फेनिल  
वदर; बदरीफल, बेर, बालेष्ट, वृत्तफल,  
सुफल, सुधीर्य, सौवीर, स्वदुफल,  
स्वादुफला. १७

वेरवडा ना० उत्तमकोल, गोरक्षनम्बु,  
पृथुकोठ, मधुरफल, राजवदर; राजबल्लभ,  
राजवेर ७.

वेरवृक्ष (वेरी) ना० कण्टकिन, क  
ण्टयी, कर्कन्धु, कर्कन्धू, कळ, कुकोल,  
कुवळी, कोठा, कोठे, बोली, कोलिक  
वृक्ष, गृध्रनखी, वृद्धवीज, विच्छलदला,  
कलशौशर; फेनिल वदर, वदार, बदरी,  
वककण्ट, सौवीरक, निम्बपत्रा. २२

वेरभरा ना० कर्कशीका, भड्बेर.  
फलकर्केश, बेरभगा, वेलभरा, लघुवदर,  
वनवदर, शिल्पिप्रिय. ८

वेरभरावृक्ष ना० भड्बेरी, वदरफली;  
वदरबल्ली, बहुफलिका, भूवदरी; लघु  
वदरी, वनवदरी, वनकोलि, वल्लीवदरी,  
सूक्ष्मवदरी. १०

बेलपत्री ना. ज्वरापहा, बिल्वपत्री,  
बिल्वत्रिका, ३

बेलफल ना० गेहित, बिल्व, बेल,  
श्रीफल ४

बेलवृक्ष ना० अतिमंगल्य, कर्कटाह्वय,  
कर्कोटक, कर्पितन, गन्धपत्र, गन्धफल,  
गोहरीतकी, चैत्य, दुरारुह, पत्रश्रेष्ठ, पू-  
तिवात, प्रनिवात, प्राचीनपनस, मंगलय,  
महाकपित्थ, महाफल, महेशबन्धु, मालूर,  
मृत्युबंधन, लक्ष्मीफल, बिल्व, शलाटु,  
शाखिल्य, शिवद्रुम, शैलूष, शैलपत्र,  
श्रीफल, सत्यफल, सदाफल, सर्वसिद्धि,  
सुमद्रक, सुभीतिक, वृद्यगंध, त्रिजटा,  
त्रिपत्र, त्रिशाखपत्र, त्रिशिल. ३७

बेलावृक्ष ना० तृणशून्य, तृणशून्या,  
तृणशून्य, नारीष्ठा, प्रिया; भद्रमल्लिका,  
भद्रबल्ली, भूपदि, भूपदी, मद्यान्तिका,  
मद्यन्ती, मल्ला, मल्ली, मल्लिका, माधुर,  
मुकुर, मोदिनी, वनचन्द्रिका, वनज्योत्सना  
शतभीरु, शतभीरु, सिनपुष्पा, त्रिपुटा २३

१—मल्लिकाशतभीरु व गवाशी भद्र  
मल्लिका, शतभीरुदापन्ती, भूपदीतृणशू-  
न्यका ॥ मितिवाषस्पति

२—येमल्लिका, मोगरी और मकरन्द  
के भी नामहैं ॥

बेलाजंगली ना० आस्फोटा, आस्फोता,  
वनोद्भवा, वनमल्ली, वनमल्लिका, मो-  
दयन्ती. ६

१—आस्फोता गिरि करायांच वन मा  
ळयांच यावतीति मेदिनी ॥

—● वै ●—

वैल ना० अनडुह, अनड्वाह; उक्षन.

उत्ता, ऋषभ, बरीन्द, वर्ध, बलीवर्द,  
वलीवर्द, भद्र, वित्तन, वृष, वृषभ, शक्कर,  
शक्खन, शक्खर, सौरभेय १७

बैल ( एकधुरा लेजानेवाला ) ना०  
एकधुर, एकधुरावह, एकधुरीण, ३

बैलजोतू ( बैलबली ) ना० धुरंधर,  
धुरीण, धुदर्य, धूर्धर, धूर्वह; धौरेय ६

बैलबड़ा ना० जरदगव, जरदगवी, वृ-  
द्धवृषभ, वृद्धेक्ष ४

बैसाख ना० भिशाख, वैशाख, वैसाख  
माधव, राघ. ९

### ● बो ●

बोभिया ना० बोभिया, भारबाह,  
भारिक, भारिन्, भारी. ९

बोरा ना० भसेव, बोरा, स्यूत, स्यून,  
स्योते, स्योन ६

बोल ( गंधद्रव्य ) ना० कालकूट,  
गंधरस, गान्धार, गोष गोपक, गोपरस,  
गोल, गोलक, गोस, जातीरस, पिएड,  
पिण्डक, बोर, बोड, महागंध, मुगड, रक्त  
गंधक, रक्तापह, रस, रसगंध, रसाळ,  
वर्ब्वर; विश्व, विश्वगंध, विष, शश,  
शशक, शुभगन्धक, सौरभ. २६

बोलना या शब्दकरना ना० क्वण  
बण, रण ३

### ● बी ●

बीड़ी ना० प्रतति, प्रतती, बोल, लता,  
बल्लरि, बल्लरी, बल्लि, बल्ली, विटप,  
बीरुधा, प्रतति, वृत्ती. १२

बीडफैलीहुई ना० उलपः, गुळिमनी;  
गुल्मी, वीरुध्, ४

ब्यवाई ना० पादस्फोट; विवाधी, बे-  
बाधी, व्यवाई, विपादिना, ५

ब्रह्मदण्डी ( औषधि विशेष ) ना०  
कण्टपत्रफला, ब्रह्मदण्डी २

ब्रह्मा ना० अज, अण्डज, अठनज, अठ्ठ  
भव, अठनभू अठजयोनि, अठनयोनी,  
अठनस्थिति, आत्मभू, आत्मयोनि, कः,  
कमलन; कमलजन्मन्, कमलभवे, कमला  
सन, कमलासीन, चतुरमुख, चतुरानन,  
जगतप्रभु, जगतयोनि, जगतमूष्ट, दुषण,  
द्रुहण, द्रुहिण, धाता, धातृ, नाभिन,  
नाभिनन्मन्, नाभिभृ, पंकजज, पंकजजन्मन्  
परमेष्ट, परमेष्टन्, परमेष्ठी, पञ्चालय,  
पद्मासन, पद्मोज्ज्व, पितामह, प्रजापति,  
प्रजामृज्, ब्राह्मन्, ब्रह्मा, लोकनाथ; लो-  
कपति, लोकपितामह, लोकेश, विधाता,  
विधातृ, विरञ्च, विरञ्चिच, विश्वयोनि,  
विश्वमृज; वेधस्; शतधृति, सुरज्येष्ठ,  
स्रष्टा, स्रष्टृ, स्वयम्भुव, स्वयंभू, हंसना,  
हन, हिरण्यगर्भ. ६१

१—हंस नामोंपर, बाह्य अर्थके शब्द  
लगाने से ब्रह्माके नामहोते हैं ॥

२—कमल नामोंपर सुत न.मके शब्द  
लगाने से ब्रह्मा के नाम होते हैं ॥

३—लोल शब्दपर नाथ अर्थके शब्द  
लगाने से ब्रह्मा के नाम होते हैं ॥

ब्राह्मण ना० अग्रजन्मन्, अग्रजन्मा,  
द्विज, द्विजन्मन्; द्विजन्म, द्विजानि, ब्राह्मण,

ब्राह्मण, भूदेव, भूमिदेव, भूसुर, वाङ्म, विम. १३

१—भूमि नामोंपर देवतानामके शब्द छगाने से ब्राह्मण के नामहोते हैं ॥

ब्राह्मी ( भ्रौषधि ) ना० कपोतचंका, चन्द्रबल्लरी, दिव्यतेज, दिव्यतेजस्, दिव्या, परमेष्ठिनी, वरा, ब्रह्मकन्यका, ब्रह्मचारिणी, ब्राह्मी, भारता, मण्डूकमता; मण्डूकी, मत्स्याक्षी, महौषधी, मेघया, वरा, वारा, वैधात्री, शारदा, सरस्वती, सुरश्रेष्ठा; सुरसा, सुरेष्ठा, सोमवल्ली, सोमवल्ली, सौम्या, स्वयम्भुती.

— ● भ ● —

भंगरा ना० अंगारक, अंगारवल्ली, अंगारबल्ली, अंगारलता, अंगारक, अंगार; अनिद्धकर्णी, एकरज, करंजक, कुन्तल, कर्द्वेन, केशरंजन, केशरान, केशर, पितृप्रिय, भंगरा, भृंग, भृंगरज, भृंगरजस्, भृंगराजा, भृंगराज, भृंगराजन, भृंगराजा, भृंगार, भृंगाह, मधुकर, महानील, मार्क, मार्कर, मार्कव, सुगानक. ६०

भंगरानीला ना० नीलपुष्प, नीलभृंगराज, महाभृंग ३

भंगरापीला ना० देवप्रिय, पावन, पीतभृंगराज, बन्दनीय, स्वर्णभृंगार, हरिप्रिया.

भग ( स्त्रीचिन्ह ) ना० उपस्थ, पुष्पपथ, बन्धुर, भग, मदनायुध, मदनालय, योनि, योनी. ८

भगन्दरोग ना० उष्ट्रशिरोधर, भगन्दर. २

भटकटैया, ( कैटैया देखो )

भटोरा ना० नाकपुष्प, गुच्छक, ग्रंथिक, ग्रंथिपर्ण; तैरपर्णक, नीलपुष्प, सुगंध. ७  
भद्रचूडवृत्त ना० राजवृक्ष, लंकास्थ. यी, लंकास्थायिन, विशाकर ४

भद्रदन्ती ना० केशरुहा, जयावहा, जयाह्वा, जवरांभी, भद्रदन्ती, भद्रदंतिका, भिषग्भद्रा. ७

भयानक ना० घोर, दारुण, प्रतिभय, भय भयकारी, भयंकर, भयानक; भीम, भीषण, भीष्म, भैरव, भयानकरौद्र. १२

— ● भा ● —

भांग ना० अजया, आनन्दा, इन्द्राशन, गजाशना, चपला, जया, भंग, भांग, भांगा, मत्कुणारि, मातुलानी, मदी, विजया, वीरपत्रा, शकाशन, शण, सन्धवा, हर्षिणी, त्रैलोक्यविजया. १६

भांटा ना० कशला, विजकला; शिक्तकला, निद्राल, नीलकटा, नीलवृषा, नृपप्रियकला, बाडिंगन, भयटा, भयटाकी, भांटा, महावृहती, मांसकला, मांसकला, मिश्रवर्णकला, रक्तकला, रक्तवर्द्धन, राजकूष्माण्ड, वंग, वंगण, वंगम, वातिग, वातिगम, वार्तिगन, वार्ता, वाताक, वातार्क, वार्तिकिन्, वार्ताकी वार्ताकु, वार्ताक, वार्तिक, वृत्तानक वृत्ताकी, वेर, शाकविल्व, शाकविल्वक, शाकश्रेष्ठा, हिण्डीर, हिंगुली,

भांटाउजला ना० श्वेतवंगन, श्वेतवाताक, श्वेतवार्ताकी, ३

भांङ ना० कथिक देखो

भाई ना० बन्धु बांधव, भाई, भात, सगोत्र, सनाभि, सहोदर, सजात, सोदर्य, स्वः, स्वजन. ११

भाईगोती ना० एकगोत्र, गोतीभाई, बन्धु, बान्धव, सगोत्र, स्वः, स्वजन, स्वाः, स्वौः, जति. १०

भाईछोटा ना० अनिशायन, अनुज. अवरज, कनिष्ठ, कनीय, कनीयस्, कनीयान्, कन्यस, जघन्यज, प्रीय, यविष्ठ; यवीय, यवीयस्, यवीयान्, १४

भाईचढ़ा ना० अग्रज, अग्रिम, अग्रिय, अग्रिय, अग्र्य, जेठाभाई, ज्येष्ठ, ज्येष्ठबंधु पूर्वज ९

भाईसगा ना० सगर्भ, समानोदर्य; सहज, सहोदर, सोदर; सोदर्य. ६

भागजाना ( भागना ) ना० अपक्रम, अपयान, उदाव, दूव, पलायन, प्रदाव, विदूव; संदाव, संदाव ६

भाग्य ना० उदय, दिष्ट, देव, देव्य, नियति, प्रारब्ध, प्रारब्धि, प्राकृत्य, प्राकृति, भाग; भागधेय, भाग्य, भाग्यधेय, विध. १४

भाग्यमान ना० धन्य, पुण्यवान्, भाग्यवान्, भाग्यमान. सुकृती, सुकृतिन्, ६

भात ना० अन्न, अन्धः, अन्धस्, ओदन, दीदिवि, भक्त, भान; भिष्मा, भिस्सा, याज. १०

भातकामाड़ ना० आचाम, निम्ब, निश्राव, माड़, मासर ५

भादौपास ना० नभस्य, प्रोष्टपद;

प्रोष्टपद, भादव; भादौ, भाद्र; भाद्रपद;

भारंगी औषधि ना० अङ्गारपर्णी, अङ्गारबल्ली, आरटी, कञ्जिका, कासजित्, खरशाक, गर्दभशाक, मर्दभशाका, गर्दभशाखी, पद्मा, कञ्जिका, फन्जी, बहुसंतात, बालेय, बालेयशाक, ब्रह्मचारणी, ब्रह्मदण्ड, ब्रह्मनेटि, ब्रह्मयष्टि, ब्रह्मयष्टिका, ब्रह्मयष्टी, ब्रह्मी; ब्राह्मणयष्टिका, ब्राह्मणयष्टी, ब्राह्मणी, ब्राह्मिका, ब्राह्मी, भारङ्गी, भारता, भाङ्गी, भृंगना, भृंगेष्टा, भ्रमरेष्टा, मार्कण्डी, मुग्धौता, वर्द्ध, वर्द्धक वर्द्धर, वर्द्ध, वरीक, वतरि, विप्र, व्रणद्विट, वृणद्विष्ट, शक्रमाता, शान्तवति, शवान्तवति, मुरूपा, स्थूलवर्त्महृत्, हज्जिका ५०

भाला ना० प्राश, प्रास; बह्नी, भाला ४

— ❀ भि ❀ —

भिखारनीकापुत्र ( जो व्यभिचारसे हो ) ना० कालकेय, कौलटनेय, कौलटय, कौलटर, भिक्षुकात्मज. ५

भिखारनीकी पुत्री ( जो व्यभिचारसे हो ) ना० कालकेया, कौलटनेया, कौलटेया, कौलटेरा; भिक्षुकांशजा भिक्षुकात्मजा, भिक्षुकापुत्री, भिक्षुकासुता, ८

भिण्डीवृक्ष ना० असूपत्रक, करपर्ण; चतुष्पुण्ड्र; भिण्ड, भिण्डक, भिण्डा, भिण्डीतक, ७

भिण्डीफल ना० वृत्तबीज, सुशाक, क्षेम सम्भव. ३

भिन्न ना० अन्य, अन्यत, अन्यतर, अन्यतम, अलग, इतर, एक, एकतर, त्वत्, भिन्न. १०

भिलावाफल ना० अरुपकर, कुमिठन, दहन, भल्लातक, भिलामा. भिलावां; बृषांक, बृषकृत, शोधनित, ९

भिलावांबृक्ष ना० अग्नि, अग्निमुख, अनल, अंतःमत्वा, अरुपक, अशोहित, अह्ला, तान, दहन, दुर्घर, धनुर्वृक्ष, निर्दहन पावक, पावकसंज्ञक, पृथग्बीज, भल्लात, भल्लातक, भल्लातकी, भल्लिका; भल्लीका, भूतनाशन, महातीक्ष्णा, रक्षाघ्न, वह्नि, वह्निनामा, वह्निनामन्, वाताग्नि, विषा स्या, बीजपादप, वीरतरु, वीरवृक्षः शंख बीज, शोफद्रुत्, स्फोटबीजक. ६४

— ● भी ● —

भीम ना० वीचक्रजित्; वीचवरिपु, वीचकशत्रु, कुरुवृद्ध, भीम, वायुकुमार, वायुजात, वायुतनय, वायुनन्दन वायुपुत्र, वायुमुत, वायुमूनु, वृकोदर. १२

१—पवन नामोंपर पुत्रनामके शब्द लगाने से भीमके नामहोते हैं ॥

— ● भु ● —

भुईफोड़ ना० उच्छिलीन्ध्र, उर्ध्वग, द्वित्रिका, दिल्लीर, शिलीधूक, ९

— ● भू ● —

भूख ना० अशनाया, वृभुक्षा, भूत्, जूध, जूधा. ९

भूवा ना० अशनायित, जिघत्सु, वृ भुसित, जूधित ४

भूमि ना० अन्नला, अदिति, अनन्ता, अम्बरा, अरुणि, अरुनी, इला, इलिका, उरवी, उर्वरा, उर्वी, काश्यपी, कुः, केलि शुषि, गातु; गातू, गात्रा, गो, गोत्रा, गमा, जगती, द्वीपवती, धग्णि, धरणी, धरती, धरा, धरित्री, धरीत्री, धात्री, पुहुमि; पुहुर्मा, पूषा, पृथ्वी, पृथिवी, पृथिवि, पृथ्वी, भू, भूतधरा, भूतधारिणी, भूतधात्री, भूमि, भूमिका, भूमा, महि, मही, मेदनी, मेदिनी, रत्नगर्भा, रसा, वसुधा, वसुधरा, वसुमती, विपुला, विश्वम्भरा, सप्तसहा, सर्वसहा, सहा, सागरधरा, सागरनेमि, सागरमेखला, सागरम्बरा, क्षमा, क्षिति, क्षिती, क्षोणि, क्षाणी, क्षौणि क्षौणी, क्षमा. ६६

१—भूमि नामोंपर धर लगाने से वच्छप पहाड़ और शेशजीके नामहोते हैं

२—भूमिनामोंपर पति अर्थ के शब्द लगानेसे राजा और क्षत्रियोंके नामहोते हैं

३—भूमि नामोंपर रुह शब्दलगाने से वृक्षके नामहोते हैं जैसे भूरुह आदि

४—भूमि नामोंपर स्तुतनामके शब्द लगाने से मंगलग्रह के नामहोते हैं

५—भूमि नामोंपर सुता नामके शब्द लगाने से जानकीजी, तिनपर पति अर्थी शब्दलगाने से रामचन्द्रजीके नामहोते हैं

६—भूमिनामों पर सुर शब्द लगाने से ब्राह्मण के नामहोते हैं जैसे भूसुर



—● भे ●—

भेजाहुआ ना० अस्त, आविद्ध, ईरित, नुत्त, नुन्न, प्रेरित; प्रेषित क्षिप्त. ४

भेट ना० ( नज़र ) ना० उपग्राह्य, उपदा, उपहार; उपादेय, उपायन ५

भेड़हा ना० इहामृग, ईहामृग, वोक, भेड़हा, भेड़िया मृगभूतक, वृक ७

भेड़ा ना० उरण, उरभ्र; ऊर्णायु, एडक, भेट्र; मेढा, मेष; मेण्ड, वृष्णि, शिशुवाहक, हुड; हुडु, हुण्ड. १३

भेड़ी ना० आविक, अविता, आविला, अवी, उरग्रा, उरणा, उरभ्र, ऊर्णायु, एडका, गडुर, गड्डल, जालकिनी, भेड़, भेड़ी, भेट १५

भैंसा ना० कासर, कासार, माहप, लुलाप, लुलाय, वाहद्विषत, विपञ्चर, सैरिभ ८

१—भैंसानामोंपर सुर शब्द लगानेसे महिषासुर दैत्यके नामहोते हैं ॥

२—भैंसा नामोंपर बाहन अर्थ के शब्द लगाने से यमराजके नाम होते हैं

भैंसी ना० माहपी, लुलापा, लुलाया, सैरभी

भैंसाकन्द ना० मपिकन्द, लुलाप कन्द, विषकन्द, शुक्लकन्द, शुभ्रात्. ५

भोजन ना० अदन, अशन, असन, अहार, आहार, खादन, जग्धि, जमन, जीमन, जेमन, निवस, न्याद, भन्न, भन्नण, भन्नन, भुक्ति, भोग, भोजन, लेप, लेपन, लेह, लेहन; विषस, २३

—● भो ●—

भोजनकरनेवाला ना० अदन, अशन, खानक, भन्नक, भन्नकार, भुज, लेपक ७

भोजन का मसाला ना० उपस्कर; वेशवार, वेसवार १

भोजपत्र ना० कवचपत्र, पत्रपुष्पाक, पत्राङ्ग, पित्तल, भूर्ज; भोजपत्र लेखन;

भोजपत्र वृक्ष ना० चर्मद्रुम चर्मी, चर्मिन्, चित्रत्वक्, चित्रत्वच्, छत्रपत्र,

छदपत्र, दलनिर्मोक, दन्की, पद्माकिन, बहुत्वक्, बहुत्वच्; भूतघन, भूर्ज, भूर्जपत्र,

भूर्जपत्रक, भूर्जवृक्ष, मृदुचर्मिन्, मृदुचर्मी, मृदुच्छद, मृदुत्वक्,

मृदुत्वच्, रत्नापत्र, बल्कद्रुम, विचित्रक, विद्यादल, विन्दुपत्र, शिति, शिली, शिवि,

सुचर्मन्, सुचर्मी, स्थिरच्छद. ३३

—● भौ ●—

भौरा ना० अलि; अली; चंचरीक, डुरेक, द्विरेक, भंवर, भंवरा, भृंग, भौरा

भृंग, भूमर, मधुकर, मधुग, मधुपा, मधुपायिन्, मधुपायी, मधुरसिक; मधुलिह,

मधुतेह, मधुव्रत, मधुसख, मधुसूदन, रोन्म्व, शिलीमुख, पट्पद, षट्पद, सारंग २८

भौह ना० भृकुटि, भृकुटी, भौह, भौ, भृकुटि, भू. ६

भूमज्ञान ना० अयथार्थज्ञान, भ्रम, भ्रमज्ञान, भ्रान्त, मिथ्यामति ५

—● म ●—

मंगता ना० अर्थिक, अर्थिन्, अर्थी, मार्गण, याचक, याचनक, बनीयक. ७

मंगलगृह ना० अङ्गारक, आर; कुज, धरणिमुत, धरणासुअन, भूतात, भूमिसुत,

भौम, मंगल, महीताल, महीमुत, लोहितांग,

१—भूमि नामोपर, सुत अर्धके शब्द लगाने से मंगलके नामहोतेहैं

मकरी ना० ऊर्णनाम, ऊर्णनामि, जाल कारक, तंतवाय, संतुवाय, तंत्रवाय, मकड़ी, मकरी, मर्कट, मर्कट, मर्कटक, लूता, मूत्रा

मकोय ना० कटुकपाणि, कट्फला, काकमात्रि, काकमाची, काकमाता, काका; मकोय, रसायनी, वायसाहा, वायसी, सर्वतिक्ता, सुन्दरी, १२

मक्खन ना० कळम्बुट; छात्रदर्शन, जीवन, दधिन्न, दधिसार, नयनू, नवनीत, नैनू, मक्खन, मन्थज, माखन, शुक्ल, सरज, सार, हिम, हैयंगवीन. १६

मखाना ना० पद्मनीजाभ, पानीयफल, मलान्न, मखाना. ४

मकर तेंदुआ वृत्त ना० काकतिन्दुक, काकपीलु, कालपीलुक, कुपीलु, कुलक, जलज, मर्कटतिन्दुक, मर्कटेन्दु, विपातिन्दु

मगज ना० मक्कस्नेह, मस्तिष्क; मस्तुलंग, मस्तुलंगक. ४

मगर ( जलजन्तु ) ना० अम्बुकिमान, आसिदन्त, आसिदंष्ट्र, आसिदंष्ट्रक, ग्राह, मकर, मगर, शिशुमार ४

मछली ना० अगडज, अगडजा; अगडभव, भूख, भूष, तिमि, तिमिगिल, तिमिगिला, तिमी, पृथुरोमन्, पृथुरोमा, पृथुलोमन्, पृथुलोमा, प्रोष्ठ, प्रौष्ठा, मकर मच्छ, मच्छी, मछरी, मछली, मत्स, मत्स्य, मीन, राजीव, बिसार, बिसारिन्, बैसारिण, शकलिन्, शकली, शकुळ,

शकुली, शकुलार्भक, शंक, शंकुचि; शंकोच, शंकोचि, शकर, शकरि, शफरी, शरक लिन्, शल्किन, शाल, शिशुक, सकुल, सकुला, सकुली, सहस्रदंष्ट्र. ४७

१—पानी नामोपर चर शब्द लगाने से मछली के नामहोते हैं जैसे जलचर मछली पठिन ना० पठिन, पठिना, पाठीन, मत्स्यपठिना; सहस्रदंष्ट्र, सहस्रदंष्ट्रा ६

मछलीरोहू ना० मत्स्यराज, रोहित, रोहित, रोहूमत्स्य, छोहित, ५

मछलीसहरी ना० प्रोष्ठ; प्रोष्ठा, प्रौष्ठ; प्रौष्ठी, शफर, शफरि, शफरी, सफर, सफरी, सहरी, सहरीमत्स्य ११

मछली पकड़नेकी कटिया ना० मत्स्यबधन, मत्स्यबेधन, मत्स्यबेधनी, वडिश, वडिशा, वडिशी, वनिश, वडिशी ८

मछली बांधनेकी टोकरी ना० कुपिनी, कुवेणी, मत्स्यकराण्डिका, मत्स्य, बंधनी, मत्स्यबंधिनी, मत्स्यबंधन, मत्स्यबेधनी, मत्स्यादनी, ८

मछलीमार ना० कुपिनिन्, कुपिनी, कैवर्त, कैवर्त, कैवर्तक, दास; धीवर, धीवरक, मत्स्यघाल, मत्स्यघातिन्, मत्स्यघाती, मत्स्यजीवन्, मत्स्यजीविन्, मत्स्यजीवी, मत्स्यबधः, मत्स्यबधिन, मत्स्यबधी, मत्स्याजाव, मत्स्योपजीविन्, मत्स्योपजीवी, मैनाल. २१

मजीठ ना० अरुणा, अस्रयष्टिका, कलाया, काशिडरी, कालभाण्डिका, कालमेशिका; कालमेशी, कालभेषिका, कालभेषी, काला, मण्डेरी, गौरी, चक्रांगी, चित्रपर्णी, चित्रा, चित्रांगी, दुधा, जननी, जिगी, ज्वरनाशिनी, ज्वरहन्त्री, ताम्रपर्णी, ताम्बूलि, ताम्बूलिका, ताम्बूली, नागकुमारिका, मण्डिका, भण्डी, भण्डीतकी, भण्डीरत्निका, भण्डीरी, भण्डील, मंजिष्टा, मंजूषा, मण्डरुपर्णी, मण्डूकपाता, मण्डूका, मण्डूकी, योजनपर्णी, योजनबलिका, योजनदल्लरी, योजनलता, योजनबली, रक्तयाष्टु, रक्तयाष्टिका, रक्तयष्टी, रक्ता, रक्तांगी, रञ्जनी, रसायनी, रसांगी, रामाद्या, रोहिणी, लतायष्टि, लोहितयाष्टि, लहितयता, वप्रा, वस्त्रभूषा, विक्रपा, विक्रसा, विजया, शंकरा, ससंगा, हरिणी, हेमपुष्पी. ६५

मचूर ना० कर्मकर, कर्मकार, कर्मण्यभुक्त, चाकर, पण, भरण्यभुक्त, भरण्यभुज, भरण्यु, भारवाह, भारवाहन, भारहार, भृतक, भृतिभुक्त, भृत्य, वस्त्रिक, वैतनिक १६  
मंजूरी ना० कर्मण्या, कर्मकारी, चाकरी, दर्माहा, निवेश, भरण, भरण्य, भरण्य, भर्म, भर्मन्, भर्मण्या, भारवाही, भारहारी, भृति, भृत्य, भृत्या, मूल्य, विधा, वेतन १२

( येही दर्माहा वा माहवारी के भी नाम हैं )

मटर ना० अतिवर्तुल, कण्ठी, कण्ठिन्,

कलाय, कषाय, क्यराव, खण्डिक, गोलक, निखण्डिका, मटर, मानुलानी, मुण्डचणक, यन्त्रगोल, रेणुक, बर्तुल, सतीनक, सतील, सतीलक, सतीलक, हरेणु, हरेणुक, त्रिपुट.

मट्टा ना० अम्ल, अरिष्ट, कंकर, कचर, कटुर, कटूर, कालशेय, कालसेय गोरस, गोरसज, घोल, छाछ, तक्र; दण्डाहत, दधिस्वेद, मट्टा, मथित; माटा १८  
मट्टा आधे पानीका ना० अदशिवत, अदशिवतक. २

मत्स्याक्षी ( मच्छेछी ) औ० ना० मच्छेछी, मत्स्यगंधा, मत्स्याक्षी. ३

मथानी ना० जातगणिका, मथानी, मन्थदण्ड, मन्थरु, मन्थान, रई, चिलोनी, चिलौनी, वैशाख. ६

मदन मादनी ( गणवारी ) वृक्ष ना० अलिपोदा, कंचनपुष्पा, गणिवारी, मदनमादनी, बसंतदृती, ७

मदन माली ना० उष्ट्रपादिका, मद्रवल्ली; भूमिमण्ड, योजनमल्लिका ४

मदार वृक्ष ना० अरुण; अर्क, अर्कपर्ण. अर्कह; अर्थमन्, अर्थमा, अहर्निधव, अहर्मणि, अहस्कर, अहस्पति, आक, आदिता; आस्फोट, आस्फोट; आस्फोटक, उष्णरश्मि, कटुक; खर्जबूधन, गणरूप, गृहपति, चित्रभानु, तपन, तरणि, दिवाकर, दिव्य पुष्पिका, दोहरी, दुमणि, द्वादशात्मन; द्वादशात्मा, पुच्छिन्; पुच्छी, प्रभाकर, बूधन; भानु. भास्कर, भास्वात्, भास्वान, मदार, मंदार.

पार्श्वद, विभक्त, विभुना, विकर्तन, वि-  
कीरण, विविक्त, विभाकर, विभावसु,  
विरोचन, विविक्त, विवस्ता; विक्षीर,  
शुकफल, शुकपुष्प, सदाप्रसून,  
सप्तारश; शीतल, शूर, मूर्ध, सूयर्ह,  
हरिदश्व, हस्ति, हृस्वाग्नि, क्षीरका  
यडक, क्षीर, क्षीरार्णिन्, क्षीरपर्णी,  
क्षीरिन्, क्षीर, ७१

१ — जः सूर्येकं नाम है वह मदारकं  
भी नाम है

मदार उज्ज्वलवृत्त ना० अलक, अलक,  
काष्ठीक, कुरव, गणरूपक; गणरुति,  
गणरुपी, दांभीलक. मतपस, मन्दार;  
राजक, खापका, बमुक, वृक्षमल्लिका,  
वेवस, वेवा, शम्भु, शुक्लक, श्वेतमन्दा  
रक, श्वेतक, सिताक. २१

मदागलावृत्त ना० अर्धगर्ग, आदित्य  
पुष्पिका, रकाक, बोहितक, मदावृष्पी,  
सूर्या. २

मधुमन्दी ना० तरला, मधुमन्दी,  
मधुमन्दी, सरवा, ४

मनमिल्ल=मैनासज देवो

मंत्री ना० अमात्य, अमात्य, धीरव,  
धीसन्निव, मंत्री, मन्निव. ६

मन्दार वृत्त ना० देववृत्त, निम्बतरु,  
मन्दार, मन्दारतरु. ४

मरघटा ना० पितृकानन, पितृवन,  
पितृवसति; अत्भूमि, मरघट, मरघटा, मृ  
तरु दाहस्थान, मृतकदाहभूमि, श्मशान २  
मरसावृत्त ( शाकप्रसिद्ध ) ना०

कन्धर, मारिप, मार्प, मार्पिक ४

मरुआवृत्त ना० आजस्य सुरभिन्न,  
कुलक, कुलसौरभ, खरपत्र, खरपुष्प,  
गन्धपत्र, जम्बीर, जम्मीर. तिलक, इला  
मल, पाण्डुर, प्रत्यपुष्प, बहुवीर्य, मरिच,  
मरु, मरुत्, मरुत्त, मरुव, मरुवक,  
मरुवा, यरोट, धीनपुष्प, शीतक, शु-  
क्लपुष्प, सधीरण, सुरह. २६

मरुगफली ( औषधि ) ना० अतिरस,  
कटम्बर, नर्गपुष्प, कुचशिडका, गोकर्णी  
गोखली, वनरग, वजमल, चुरनहार,  
जालनी, तिक्रवल्ली, तेजनी, दिव्यलता,  
द्विर्मूत, वृद्धमूत्रिका, देवश्रेणी, देवा,  
धनुःशाखा, धनुःश्रेणी, धनुर्गुणी, धनु  
मीला, ध्रुवा निर्देहनी, ग्लिपर्णी, पाल्नुनी  
पीलुवत्र, पृथक्त्वचा, पथुसा, मधुश्रेणी,  
मधुश्रेणी, मधुस्रव, मधुस्रवा, मूरस, मूर्वा,  
मोटा, शिबरा, शिबाराणी, शिखा  
वती, श्रुवा, समतद्र, मुदल, सुधा, सुरंगिका,  
स्रवा, सुवा, चारमोड. ४६

मर्कतमणि ना० शितिरत्न, लोमसार,  
लौपर्ण ३

मर्यादाना० धारणा मर्यादा, संस्था; स्थिति  
मल्लाह ना० वरणधार, केवट, केवर्त,  
कैवर्त, कैवर्तक, गुह, दास, धीमर; धीविर,  
धीविरक निपाद, मलाह, मल्लाह, १३

मल्लाहिन् ना० करणधारिणी, कैव  
र्तिनी, खेवटिन दासी; धीमरी; धीवरी,  
निपादिन्; निपादिनी, निपाधिनी, मलाहिन्,  
मल्लाहिन्, मल्लाहिनी, १२

मल्लिका पुष्पवृक्ष ना० गिरिजा,  
गौंगी, चन्द्रिका, तृणशून्य; मल्लिका,  
रामभक्तन्दिनी, शतमीरु, शिवरिणी, शी  
तमीरु, श्रुतिनी, श्लेष्मघ्ना, श्लेष्मघ्नी,  
सौम्या, त्रिपुटा. १४

भसा ( देहका ) ना० कालक जटुल,  
जहुल, पिप्लु, ४

मसूर ना० कल्याणचीन, गणेशिक,  
गुहचीन, ताम्बूराग, मंगलय, मंगलयक,  
मसुरा, मसुर, मसूर, मसूरा, रागजात,  
वनसंकट, व्रीहिकांचन, शूर. १४

महाकाललता ना० काकमर्द, काक-  
मर्दक, किम्पाक, जर्जंग, दाल, दालिका,  
देवदालिका, महाकाल, महाकाललता. ९

महाजावृक्ष ना० महाना, महाद्वे २

महादेव ना० अन्धकारिण, अन्धकारि,  
अष्टमूरति, ईश, ईशान, ईश्वर; उग्र,  
उड्डीश, उमानाथ, उमापति, उमारण,  
उमावर, उमेश, कपर्दिन्, कपर्दी, कपाल  
भृत्, कपालमालिन्, कपालमात्री, कपाल  
शिरस, कपालि, कपादिन्, कपाली, कामना  
शन, कापरिपु, कापशत्र, कामारि, कृति  
वास, कृत्तिवासम्, कृशानुरत्तम्, कृशानु  
रेता, खण्डपरशु, खण्डपरशु, गंगाधर,  
गंगाभूत, गजारि; गिरिजानाथ, गिरिजा  
पति, गिरिजारमण, गिरीश, चण्ड, च  
ण्डीपति, चण्डीश्वर, चन्द्रचूड, चन्द्रचू  
डामणि, चन्द्रधर, चन्द्रमालि, चन्द्रमौलि,  
चन्द्रसेखर, चन्द्रापिडि, जटिन्, जटी, दिग  
म्बर; धूरिजटि, धूरिजटी, धूर्जटि, नलि

कण्ठ नीलोहिन, पशुपति, पितृरूप,  
पिनाविन्; पिनापि, पुरारि, प्रारी, प्रम  
थाधिप, भद्र, भद्र, भव, शीघ्र, भूतनाथ,  
भूतहति, भूतेश, भूतनाथ, मयनमदन,  
मन्दि; महेश्वर, मृत, मृत्युञ्जय,  
यज्ञार, रुद्र, वाम, वामदेव, विरूपाक्ष,  
विशालदृग्वाक्शान्ति, विश्वनाथ, विश्वम्भर  
विश्वेश्वर, वृषभज, वृषभजी वृषभर्षन्,  
वृषभध्वज, वृषभानेत्तन, वृषभहन,  
वृषभ वृषभवन, व्योमकेश, शंकर, शम्भु,  
शम्भू, शर्व, शशिनर, शशिभूषण, शिति  
कण्ठ, शितकपट, शिपि, शिव, शिवा  
पति, शतल, शूलधन्वन्, शूलधर; शूल,  
धारिन्; शूलधारी, शूलधृक्, शूलपाण;  
शूलभृति, शनिन्, शरी; श्रीकण्ठ, सर्व;  
सर्वकर, सर्वकर्मन्, सर्वकाम, सर्वकामद,  
सर्वकामधर, सर्वग; सर्वचारिन्, सर्वचारी  
सर्वदेवमन्त्र, सर्वधारिन्, सर्वधारी, सर्वभा  
वकर, सर्वभावन, सर्वरूप, सर्ववाम, सर्व  
वासिन्, सर्ववामी, सर्वविद्, सर्वविरुयात्,  
सर्वविग्रह, सर्वसाधन, सर्वज्ञ, सर्वत्र,  
स्पाणु, हर, हरि, त्रयचक्षु, त्रयजनयन,  
त्र्यम्बक, त्रिपुरान्तक, त्रिपुरार, त्रिलोचन,  
त्रिनैन, त्र्यम्बक. १५२

१—अन्धक काम और त्रिपुर नामों  
पर रिपु अर्थके शब्द लगाने से महादेवके  
नामहोते हैं ॥

२—पार्वती नामोंपर पति अर्थके शब्द  
लगाने से महादेवके नामहोते हैं

३—चन्द्रमा नामोंपर धर शब्द

लगाने से मह देवके नामहेते हैं

महादेव धनुष ना० अजकव; अजकाष  
अजगव. अजगाव, पिनाक; शंकरधनु.  
शिवधनुष ७

महापारेवत ना० रत्नैवतक. १

महाभेदा औषधि ना० दिव्या, देव  
गन्धा, देवमाणि, देवतापाणि, देवेष्ट, पांशु  
रागिनी, पुरोद्भवा. महाचिद्भद्रा, महामेद,  
महामेदा, लेश्या, वमुच्चिद्भद्रा, वृक्षाही;  
मुरमेदा. १४

महावर ना० अलवत, अलवसक,  
चक्रवर्तिनी, जतुरस, जनकारिन्, जनकारी,  
जननी, यावक; रागचूर्ण, लकक, ला  
जारस. ११

महुआवृत्त ना० अशिमक, कुलिशक,  
गुडमुष्प. मधु, मधुद्रा, मधुपुष्प, मधु  
शाव; मधुष्ठील, मधुसूत्र, मधुसूत्रा,  
मधुमूत्र, मधूक, माय, रोधपुष्प,  
वातप्रस्थ. १५

महुआ जलवृत्त ना० कीरष्ट, गौरि  
काञ्च, जलमधूक, दर्वाशक, पतंग, मधूल  
मधूलक, लौद्रमिय. ८

महुआपहाड़ी वृत्त ना० गिरिज, म-  
धूल, ह्रस्वपत्रक ३

महुआभेद वृत्त ना० गौरशाक,

—● मा ●—

मांगना ना० अभिशक्ति, अर्थना,  
अर्हना, भिन्ना, यांनना, ५

मांस ना० अमिष, आमिष, क्रव्य,  
जांगल, तरस; पल, पल्ल, भिंशिन, पेशि,

पेशा, मांम. शुष्क, शुष्कल. १२

मांमभक्षी ना० आममयसी; मांसाहारी  
शाष्कुल; शाष्कुर्ना, शौष्कल. ९

मांमभूनाहुआ ना० ताडित, अष्टमांस  
शूनाकृत, शाष्कळ ४

मांसरोहिणी औषधि ना० अग्नि  
रुा, कशा, गुणा; प्रहारबल्ली, मांसरो  
हिणी, मांसरोही, रोहिणी रोहिनी, वसा,  
निकषा, वारवता, वृत्ता, १२

मांसरखा ना० उत्तप्त, बल्लूर,  
बल्लूर, शुष्कमांस, शुष्कळ ५

मा.घ ना० तप, तपम्; तपस, तपा,  
विद्य, माघ, माह. ७

माजूफल ना० कृमिर्जा, कृमिजा,  
कमिजा, क्रिमिजा, मज्जफल ५

माता (महतारी) ना० अम्ब, अम्बा,  
अम्मा, जननि, जननी, जनापत्री, जनित्रा  
जनित्री, प्रपू, मा, माता, सू. १२

माथा ना० अलिक, अलीक, गोध,  
गोधि. भाठ, मस्तक, माथ; ललाट. ८

माधवी लता ना० अतिमुक्त, अति  
मुक्तक, कामुक, कामुकवान्ता, चन्द्रबल्ली,  
पुण्ड्रक, भद्रवल्ली, भूमिमण्डपभूषणा,  
भृङ्गाप्रदा, भ्रमात्मवा, महबल्ली, माध  
विका, माधवी, माधवीलता, लता, लता  
माधवी, वसंतदूती, वासंती, सुगन्धी. १९

मानकन्द ना० माणक, मणक, मा.  
नकन्द विस्तीर्णपर्ण, स्थलपत्र, शूलवन्द ६

मामी ना० मन्तुला; मातुलानी, मातुली  
म.मां. ४

मायाफल ना० मायफल, मायाफल,  
मायिक. ३

मारण ना० अपासन, आलम्भ, उ  
ज्जासन, उदासन, उन्मथन, उन्मथ, रुदन,  
क्रथ, क्रयन, वात, घ तन, घ ति, तिका  
रण, विपातन, निर्वहण, निर्गमन, निर्ग  
थन, निर्वाण, निर्वसन, निशरण.  
निपूदन, निस्पूदन, निस्तर्हण; निहनन, निहि  
सन, परसन, परवजन, विज प्रातघातन,  
प्रमथन, प्रमाथ, प्रापन, प्रत्तासन, वन,  
मारण, मारन; वध, विशर, विशरण,  
वशसन, संहार, संज्ञपन, हत, हन, हनन,  
क्षण ४६

मालकंगुनी ना० अनलप्रभा, अमृता,  
इंगुदी, कंगुनी, कटभी, म्हेभी, उद्योतपत्ता,  
उगोतिष्मती, तेस्विनी, तेजिका, दत्ति,  
दर्जरा, कसणा, निफला; पमया, पाराव  
तपदी, पारवतात्रि, पियया, पित्तैा,  
पुनितैला, मातेश. मालकंगुनी; रमपूतिफा,  
लता, मृगिनी, शै-सुता; श्चम्पनी, सुधि  
गला, सरम्बती, सुमेरा, सुमेधा,  
रुद्रतन्धनी, स्वर्णता. ३६

मालकंगुनी वर्द्धा ना० भग्निगर्भा, अ  
ग्निदीप्ता. कनकप्रभा, कावययी, कंगनी  
गर्भिता, तीव्र, तीक्ष्ण, तेजनी, तेजस्विनी  
तेजोवती, धारा पीततका, पीता, चहुरमा  
ब्राह्मी, महाज्योतिष्मती, मेना तो, यश  
स्विनी, लक्षणेशुभा. बायसादनी, वा  
यसा श्री त, मूर्त्तना, सुरता सुवर्ण  
नता ३७

मालतपिप्पलता ना० जाति, मधुमल्ली  
मालती, राजपुत्री, सुकुमारा; सुमन्सु-  
सुमना. ७

माला ना० दामन, मार; गान, माडा,  
माल्य, मूज, हार ७

मालाफूलकी ना० माला, माल्य, मूज ३

माली ना० माडा, माडाकार, मालिक;  
मलिन मानी ५

माषपर्णी ना० अश्वपुच्छी, आत्मो  
द्भवा, आर्द्रमषा, क्रादिप्रोका, ऋष्यगता  
कन्ययी, काम्बोजी, कृष्णवृन्ता, कृष्ण  
वृन्तिका, घना, पार्थिनी, पार्थिनीद्वय,  
पार्थिवनुष्टय, पाण्डुग, पाण्डुलोमसा.  
पाण्डुलोमा, बहुफला, मंगल्या, मपवन,  
महामहा, मांसमाला, माषपर्णी, लोमसप  
र्थिनी, बज्रमूली, विमारिणी, शूर्पपर्णीद्वय,  
सिंहपुच्छी, सिंहपुष्पी, सिंहविन्ना सुनमा  
स्वयम्भू, हयपुच्छी, हंसमाया. ११

— \* मि \* —

मिटाई ना० प्रदेखक, महेलक, मिष्टान्न  
मिष्टान्न, वैयधिक. ५

मिरच उजली ना० चन्द्रक, धवल,  
शुभ्रमिरच, श्वेतमिरच, सितमिरच. ५

मिरचकाली ना० उषण, उषण,  
मफरोतिन्, कफरोयी, कृष्ण, केवलद्रव्य,  
कोल, कोलक, धम्पतन, पवत, मिरच,  
मारच, मरीच, मरिच, मरुच, मृष्ट,  
यवनप्रिय, यवनेष्ट, वरिष्ठ, वल्लीन,  
वीर, वृत्तफल; वेणुव, वल्लज, शकभङ्ग,  
शुद्ध; श्याम, सर्वाहित, मूलक ३६

भिरच लाल ना० भिरचा, भिरोवृत्त २  
मिलाहुआ ना० अपदान्तर, अन्यव  
हित, संमिलित, संयुक्त, संलग्न, संसक्त ७  
भिलित ना० युक्त, युत, संयुक्त, सं  
हत, सहित, सहित, संसक्त, ७

भिलीहुई वस्तु ना० प्रणिहित, भ्रष्ट,  
व्याप्य; ३

भित्र ( दोस्त ) ना० इष्ट; दयित,  
प्याग, प्रिय, प्रीय, बल्लभ, भित्र, सखा,  
मुहूर्त, मुहूर्त, १०

भित्र ह्मजेली के ना० वयस्थ, सब  
यस्, दिनघ. ३

भिश्री ना० दृढगात्रिका, मत्स्यरिडका,  
मत्स्यरिडी, भिश्री. ४

— ● मु —

मुकुट ना० किरिट, मकुट; मुकुट,  
मौलि, मूर्धा. ९

मुक्ति ना० अपवर्ग; अपुनर्भव, अमृत,  
कैवल्य, निःश्रेयस्, निर्वाण, मुक्ति, मोक्ष,  
श्रेयस् ९

मुख ना० आनन, आस्य, तुण्ड, वदन,  
मुख, मुह, लपन, वक्त्र ८

मुख्य ना० अग्र, अग्रिय, अग्रिय,  
अनवराध्य; अनुत्तम, उत्तम, परार्ध्य,  
प्रधान, प्रमुख, प्रवर्ह, प्रवेक, प्राग्रहर,  
प्राप्य, मुख, मुख्य, वरेण्य, वर्थ्य. १७

मुग्दपर्णी ( मुगवन ) ना० अतिशुप  
र्णा, अतिशुपर्ण्या, अक्षयमुग्दा; काक  
पर्णी, काकमुग्दा, कुरङ्गिका, माज्जार्गंधा,  
माज्जार्गंधिका मुग्दपर्णी, रिगिनी, वनजा,

वनमुग्दा, शिखिपर्णिका, शिखिपर्णिका,  
शिखिपर्णी, शिखी, सहरसा, सहा,  
सूपपर्णी, लुद्रसहा. २०

मुद्गर ना० घन; द्रघण, द्रघन, मुद्गर ४  
मुचकुन्द वृक्ष ना० उन्मत्त, चिबुक,  
प्रतिविष्युक, मुचकुन्द, क्षत्रवृक्ष, ९

मुण्डा ना० अरुणा, निर्गुण्डी, मुण्डी,  
म्यौडी, शेफालि, शेफालिका, शेफाली श्राविण  
सिन्दुवार, सिन्दुवारक, सिन्दुवारिका,  
सिन्धुवार, सिन्धुवारक, सिन्धुवारित. १४

मुनक्का ना० कपिलद्राक्षा, गोस्तना,  
गोस्तनी, चारुफला, तापसप्रिया, दास्य,  
दीर्घफला, द्राक्षा, पथिका, मधुफला,  
मधुरसा, मृद्वी, मृद्वीका, रसाला, सतवीर्या,  
स्वादु, स्वाद्वी; हारहारा, हरिता, हारहूरा,  
हिमोत्तरा. २१

मुग्दासंग ना० कंकुष्ठ, कंकुष्ठमुत्तिका,  
काञ्जकुष्ठ, कालपालक, पुलक, मुग्दासंग,  
रंगदायक, रचक, विरंग शोधक. १०

मुरा ( कपूरकचरी ) ना० उत्सला;  
कुटी, कूटक, खशा, गन्धकुटी, गन्धमा  
दिनी, गन्धमालिनी, गन्धवती; गन्धिनी,  
तालपर्ण, तालपर्णी, तालारुपा, दिव्या,  
दुच्छक, दैत्या, पुरा, भूतगंधा, मुषा,  
वीरा, सुरभि, २०

मुरेठी ना० अतिरसा; कृतक, क्लीतक,  
जैमिषु, तिवतवर्धन, तिवतपर्वा, मधु,  
मधुक, मधुका, मधुगण्डिका, मधुगण्डी,  
मधुरा, मधुवन्डी, मधुखवा, मधूक, मधूकी,  
मूलहठी, मुरेठी, यष्टि, यष्टिका, यष्टि



मधु, यष्टिमधुका, यष्टी, यष्टीक, यष्टी  
मधु, यष्टीमधुक, यष्टीमधुका, यष्ट्याह,  
यष्ट्याहा, यष्ट्याहका, यष्ट्याहिका,  
वादल, शोषापहा, ३३

मुर्गा ना० अरुणाशिला, कालङ्ग, कु  
क्कुट, कुकुट, कुरुवाकु, चरणायुध, चर  
नायुध, ताम्रचूड, दत्त, मुरगा, मुर्गा,  
यामघोष, विष्कर, ११

मुर्दा ना० कुण्ठ, परासु, परेत, प्रभीत,  
प्रेत, मृत, मृतक, शव, संस्थित ६

मुसन्बर ना० आलु, आलुक, एलुआ,  
एलुवालु, एलुवालुक, ऐलुवालुक, ऐलेय,  
कपित्थस्वक्, कृष्टगंधि, गन्धत्वक्, तृणौ  
षध, त्वक्मुग्धा, दुर्वर्ण, बालु, बालुक,  
मुसन्बर, वीरा, सुगंधि, सुवर्णप्रसव,  
हरिवालुक, हरिभद्र. २१

मुसाफिर ना० अध्वग, अध्वगमन,  
अध्वगामिन, अध्वगामी, अध्वनीन, अध्व  
न्य, पथिक, पथिल, पान्थ, वटाऊ, बटोहा,  
मुसाफिर, यात्रिक, यात्री; राही, विस्तृत,  
विमृमर. १६

मुहासा ना० मुखदूषिता, यौवनापटकः

—● मू ●—

मूंग ना० बलाट, मुक्तिप्रद; मुग्द, मूंग,  
रसोत्तम, बनाखुग, वर्णार्ह, वाजिभोजन,  
वासन्त, सिम्बिजा, मुकल, मूपश्रेष्ठ,  
हयानन्द, हरित, हरिन्नाम, हरिन्नामन,

मूंगकाली ना० कृष्णमुग्द, माधव,  
शिम्बिक, वासन्त, मुराष्ट्रज, हरिमन्थज, ६  
मूंगजंगली—मोठेदेखे

मूंगपीली ना० खण्डीर, पीतमुग्ध,  
प्रवेल. ३

मूंगहरी ना० शारद, हरित्मुद्ग २

मूंगा ना० अंगारकमणि, अम्भोषिव  
ल्लभ, अम्भोमुक्; अम्भोमुक्, प्रवाल,  
भौमरत्न; मूंगा, रक्तकन्द, रक्तकन्दल,  
रक्तवर्णक, रक्ताकार, रक्तांग, रत्नक  
न्दल, रत्नवृक्ष लतामणि, लतायानक,  
विद्रुम, हेमकन्दल. १०

मूज ना० तेजन. दर्भाह्वय, दूरमूल,  
दृढतृण, दृढमूल, बहुप्रज; ब्रह्ममेखल,  
मूञ्ज, मूज, मौञ्जीतृणाख्य, रञ्जन,  
वानीरक, सुमेखल, स्थूलदर्भ. १४

मूड ना० उत्तमांग, कं, मस्तक, मूड,  
मूड, शिर, शीर्ष, शीश. ८

मूत ना० प्रस्राव, मूत; मूत्र, वस्तिमल. ३  
मूरि ( मुरुयधन ) ना० नीवि, नीवी,  
परिपण, परिपन, मूरि, मूळ, मूलधन. ७

मूर्ख ना० अबुध्, अबुध, अबोध,  
अज्ञ, कुबादी, जड; बुद्धिहीन, मन्द,  
मुग्ध, मूड, मूर्ख, मूर्ख, यथानात, वालिश;  
वैधेय, वैधेयी, शठ. १७

मूर्खी ना० कश्मल, कश्मल, मूर्खी, मांह  
मूर्छित ना० नष्टचेतन, नष्टचेष्ट, नष्टज्ञ,  
मूर्खीळ, मूर्छित, मूर्त. ६

मूर्ति ना० अर्चा, प्रतिकृति, प्रतिच्छाया,  
प्रतिनिधि, प्रतिविम्ब, प्रतिमा, प्रतिमान,  
प्रतिधातना; मूर्ति. ९

मूर्तिलोहकी ना० लोहप्रतिमा, लोह  
मूर्ति मूर्ध्म, सुम्मी, स्थणार ( श से भी

लिखते पढ़तेहैं )

मूर्वा—मरोरफली देखो

मूली ना० कन्दमूल, कुंजरत्तारमूल, कुरुकन्दक, दीर्घकन्दक, दीर्घमूलक, नील कण्ठ, पटीर, मूरी, मूलक, मूला, मूलाह्व, मृत्तार, राजालुक, रुचिर, शंखमूल, सित, सेकिम, हरित्पर्ण, हरिपर्य हस्तिदन्त, हस्तिदन्तक. २१

मूली छोटी ना० चाणक्यमूल, चाणक्यमूलक, विश्र, स्थूलमूल, ४

मूवर ना० अयोग्यमूषक, मुसल, मूसर, मूसल, ५

मूसाकानी ना० अद्रिभू, आखुकर्णी, आखुपर्णी, आखुपर्णिका, आखुपर्णी, इन्दु कर्णी; उन्दुरकर्णी, उन्दुरकर्णी, उपचित्रा, कृशिका, चण्डा, चित्रा, तालपत्री, द्रवती, न्यग्रोधा, न्यग्रोधी, पुत्रश्रेणी, पुष्पश्रेणी, प्रत्यक्पर्णी, प्रत्यक्श्रेणी, प्रतिपर्णाशिका, फंनिपर्णिका, बहुकर्णिका, बहुपर्णिका, मूदीरमा, माना, मूलककर्णी, मूषकमारी, मूषाकर्णी, मूषिकपर्णी, मूषिका, मूषिका हय, मूषिपर्णिका, मूषिककर्णी, मूसाकन्नी, रण्डा, वृशिकर्णी, वृषा, वृहपर्णी, शतमूलिका, शम्बरी; श्रुतश्रेणी, सम्बरी, सहस्रमूली, सुकर्णिका, सुतश्रेणी, सुवर्णी, ४७

मूसली ना० अरीघनी, खलिनी, गोधापदी, गोधावती, टुनाका, तालपर्णिका, तालपर्णी, तालमूलिका, तालि, तालिका, ताली, तालमूली; तीक्ष्णपदा, दीर्घकन्दिका, भयशकी, भूताल, मुशली, मुषली, मुसळी

मूसरी, शैलय, शैलयक, मुन्हा, हेमपुष्पी

मूसा ( चूहा ) ना० आखु, उन्दरु, उन्दुरु, उन्दुर, खनक, चूहा, मूलक, मूपक, मूषीक, मूम, मूसा, ११

मूसा ( छोटीजातिवाला ) ना० गिरि, गिरिका, बालमूषिका, मूषिक, ४

मृगद्धाळा ना० अजिन, कृत्ति चर्म, मृगद्धाळा, ४

मृगतृष्णा ना० मर्गशिका, मृगजल, मृगतृष्णा. १

मृगशिरा ( नक्षत्र ) ना० अग्रहायणी, मृग, मृगशिरस्, मृगशिरा, मृगशीर्ष. ५

मृगी ना० अपस्मार, भूतविक्रिया; मृगी.

—● मे ●—

मेहदी वृक्ष ना० मेन्धिका, मेन्धी २  
मेघ ना० अद्रि; अढभ्र, अभ्र, अम्बु

भूत, अम्बुमुच, अम्बुवाह, अरम; अश्मा, अहि, उपर, उपल, ओदन, कोश, गिरि, गावा; गावन घन, घनघन, चरु, जलद, जलधर, जलमुच; जलभू, जलभूत, जलवाह, जीमूत, तडितगर्भ, तडितपति, तडित्वत्, दर्दुर, दृति, धाराधर, धूमयोनि, नभाक, नभ्राज, पर्जन्य, पुरुभोजस्, वलाहक, मुद्दि, मेघ, वराह, वारिद, वारिधर, वारिबाह, वारिमस, वारिमच, विद्युत्स्वत्, वृत्र, ब्रज, शम्बर, स्तनयित्नु. ५१

मेघगर्जन ना० अश्रोत्य, गर्जित, ध्वनित, मेघगर्जन, मेघनाद, मेघनिर्घोष. मेघपुष्प, रमित, स्तनित, ६

मेघघटा ना० कादाश्विनी, मेघघटि,

मेघमाला; मेघसमूह, ४

मेघधारा ना० आसार, धारासंपत्त,

मेघधार, मेघधारा. ४

मेडुका ना० ददुर, ददुरोहारी; दादुर,  
प्लव, प्लवग; प्लवगम, भेक, मण्डूक,  
मेगा, मेडक, मेडुका, मेडक, वर्षाभू,  
वृष्टिभू; शालू, सालूर. १६

मेडुकी ना० मेकी, मेडुकी, वर्षाभू, ३

मेडुवा ना० मडक, मडुआ, मेडुआ ३

मेदाःशृंगी ना० गूहद्रुम; चशेरुका, च  
क्षुष्या, तिक्तद्रुग्धा, नेत्रौषधी, पुत्रशृंगी,  
मेदशृंगी, मेदाशृंगी, मेदशृंगी, मेघवल्ली  
मेघविषानिका, मेघशृंगी, मौर्वी, वहलचक्षुः  
वहलचक्षुस्, विषाण, विषाणिका, विषाणी,  
विषानिका, शृंगला, सर्पदंष्ट्रिका, २१

मेदाशिगी वृक्ष ना० अजगंधिनी,  
अनशृङ्गी, अहिच्छत्र, आचर्तिनी, क  
णिका, गूहद्रुम, चक्रश्रेणी; बल्ल, चक्षुस्  
चक्षुवर्हेन, नन्दीवृक्ष, ११

मेथी ना० कुंठवा, कैरवी, गंधफला,  
गन्धवीजा, चन्द्रिका, ज्योतिः ज्योतिस्,  
दीपनी, पीतबीजा, बहुपत्रिका, बहुपर्णी,  
मन्था, मिश्रपुष्पिका, मेथीवा, मेथिनी,  
मथी, बल्लरि, शिखिन्, शिखी. १६

मेथी का साग ना० मेथिका, मेथनी  
मेथी. ३

मेदा (अपौषधि ना० जीविनी; पुरुष  
दंतिका; बरा, बहुरन्ध्रिका, मणिच्छिद्रा,  
मधरा, मेदाःसारा, मेदा, मेदानी, मेदो  
दना; मेदोवती, विभातरी, शल्यदा,

शल्यपर्णिका, श्रेष्ठा, साध्वी, सिग्धा,  
स्नेहवती. १८

मेल ना० मिन्न,मिलाप, मेल,मेलन,  
संग, संगत संगम, संगमन, सांगम ६

—●●●—

मैथुन (स्त्रिरमण) ना० गूमचर्ष्या,  
ग्रामधर्म, ग्राम्य, ग्राम्यकर्मन्. ग्राम्यधर्म,  
निधुवन, प्रसंग, मैथुन; रत, रति, रमण,  
व्यवाय; संसर्ग, मुरत, स्त्रीप्रसंग, स्त्रीभोग  
स्त्रीसंग. १७

मैनफर ना० फल, फेनिल; मदनफळ  
मैनफळ. ४

मैनफर वृक्ष ना० उदर्क, कण्टकिन्,  
कण्टकी, कण्ट, करहाट, करहाटक, कै-  
टर्थ, गोल, छर्द्दन, तस्कर, दलामल,  
धारफळ, पिच्छ, पिण्ड, निरदतिक;  
मदन, मदनक, मरुव मरुवक, मातुल,  
मादन, वीजपुष्प; शल्य, शल्यक, स्वसन,  
स्वसन. २६

मैनशिल ना० कल्पशिला, कुनटी,  
कुम्भकारी, कुलटी, गोला तालांकुर,  
नली, नागजिहिका, नागमाता, नेपालिका  
नेपाली, मनःशिल; मनःशिला, मनशिल,  
मनोह्रा, मनोगुप्ता, मनोज्ञा, मैनशिल,  
रसनेत्रिका, रामच्छर्द्दन, रोगशिला, रो-  
चनी, लोहकण्टक; वातिकुत्त, वासंत,  
विचकिल, वितरणा, विषपुष्प, विषपुष्पक  
वृश्चिक; शलाका, शिला, हृत्पाषाण. ३३

मैना (पर्ची) ना० प्रियवादिनी, मैना,  
शलाका, सारि सारिका. ६

मैला ना० अनच्छ, आविल, कच्छर, कलुष, कुत्सित, मलदूषित मलिन, मली मस, मैला ६

— मो —

मोंगरी ना० कोटिश, कोटीश, मोंगरी, छोटभेदन, छोटघ्न ५

मोखोवृत्त ना० गौलिक, घण्टा, घण्टाक, घण्टापाटली, जटाल, भाटल, तक्षिण, तक्षिणक, मुञ्चक, मुष्कक, मोक्ष, मोक्षक, बनबासी, बनबासीन्, विषापह, सन, सु-तीक्ष्णक, चारदु, चारवृत्त, क्षारश्रे २०

मोगरावृत्त ना० अविगन्ध, कहेमो, गन्धराज, गन्धसार, जनेष्ट, प्रिय, मुद्गर, मृगेष्ट, विटप्रिय, वृत्तपुष्प, सप्तपत्र ११

मोचरस=सेमरका गाँद देलो ॥

मोटा ना० पानि, पीव, पीवन, पीवर, पृथु, पृथुल, मोटा, स्थूळ ८

मोठ ना० अमृत, अरण्यमुग्ध, कुलीनक, कृमीलक, खण्डिन् स्वर्णी, निगूढ, मकुष्ट, मकुष्टक, मकुष्ट, मकुष्टक, मयष्ट, मयष्टक, मयुष्टक, मुद्गष्ट, मुद्गष्टक, राम-मुद्ग, बनमुद्ग चरक, बल्गुपत्र, बल्लीमुग्ध सिम्बिजा, २२

मोतिया ( पुष्प ) ना० मदयंती, मोतिया

मोतियाभेद ना० गन्धकुसुमा, गन्ध पुष्पा, मदनमादनी, मल्लि, माल्लिका ५

मोती ना० अम्बुज, अम्भसार, इन्दुरत्न, कुवळ, गुलिका, गुली, जलज, तार, तारा, तौतिक, नक्षत्र, नारज, भौतिक, मञ्जर;

मंजरी, मुक्ता, मुक्ताफल, मोती, मौक्तिक, रसोपल, लक्ष्मी, शाशमम; शुक्तिज, शुक्तिबीज, शुक्रोद्भव, शुक्तिज, शौवितकेय, शौवैतय, सीपमुत, मुधांशुरत्न, स्वच्छ, हिम, हेमवळ, क्षीराब्धज ३५

१—चन्द्रमा न.मोंपर मोती शब्द लगानेसे मोतीके नाम होतें ॥

२—सापी नामोंपर नकार और सुत नामक शब्दलगानेसे मोतीके नाम होतें ॥

मोतीसीप ना० आब्धिमयदूरी, महा-शुक्ति, मुक्तापाता, मुक्तास्फोट, मोतीसीप, मौक्तिकप्रसवा, मौक्तिकमाता, शुक्ति, शुक्तिना, शुक्तिज, शुक्तिपट, शुक्तिपेशी, शुक्तिबीज, शुक्तिमौक्तिक, शुवितवधू १५

मोथा ना० अन्त्य, अब्द, अब्ध्र, अम्बुद, अम्बुमृत्, अम्बुवाह, अम्बोद, अम्बोधर, अणोद, कुरुविन्द, फोडेष्टा, गोगिय, घन, जलद, जलधर, जामूत, तडित्वात, तडित्वान्, तोयद; तोयधर, धूमयोनि, नाग, नागर, नारद, पिठर, बडाहक, भद्र, भद्रगन्धिका, मुस्त, मुस्तक, मुस्ता, मेघ, मेघनामन्, मेघनामा, मेघारूय, मोथा, वनज, बराह, वारिद, वारि-वाह, सुगन्धि, रतनयित्नु ४२

मोथाकेवटी ना० कुटन्नट, कैवत्सेपुस्त, कैवत्सेमुस्तक, कैवर्तीमुस्तक, कैवर्तीमुस्तक, गोनई, गोपुर, जर्णितुधनक, दशपुर, दास-पूर, धान्य, परिपेल, परिपेलव, पशुपन्वळ, पूरण, प्लव, मूलन, वानेय, शीतपुष्प, सितपुष्प, २०

मेथानागर ना० उच्चटा, कलापिनी,  
कक्षरुहा, काण्डहीन, वाता, गागेय;  
चक्रा, चूडाला देवी, नागरवन; नागरमुस्ता,  
पिण्डमुस्ता, पुर, पूर्णकोष्ठा, भद्रमुस्तक,  
मद्रमुस्ता, मुस्ताभ, मोथानागर, हिमा १२

मोथाभद्र ना० कक्षोत्था, काण्डहीन,  
ऋमुक, लपुर, गागेय, गुन्द्रा, चारुशे.शरा,  
भद्रक, भद्रकाशी, भद्रमस्तक, भद्रमुस्ता,  
राजकशेरु, वन्द्या, वराही, श्यामा, श्रीभद्रा,  
हिमा. १७

मोम ना० द्रावक, मदन, मदनक, मधुज,  
मधुशेष, मधोच्छुष्ट, मधुत्थ, मधुत्थिन,  
मानिकज, मोदन, मोम, विषस, शिक्थ,  
शिकथक, चौदूज. १५

मोर ना० अहिद्रुह, अहिद्रिष, अहिभार,  
अहिरिपु, अहिविद्रिष, अहिभषी, अहि-  
भर्त्ता, आहभुज, उरगारिपु, उरगशत्रु,  
उरगारि, उरगारी, उरगाशन, कलापिन्,  
कलापी, केनावल, केमिका, केविन्,  
केकी, गुहयान, चन्द्रकवत्, चन्द्रकिन्,  
चन्द्रकी, नीलकण्ठ, वार्हेण, वार्हेन, भुजंग  
भुक्, भुजंगभुज, मयूर, मयूरक, मरुक,  
मेघानंदिन्, मेघानन्दी, मेघनादानुलाप,  
मेघनादानुलापिन्, मेघनादानुलासी, मे-  
घनादमुदा, मोर, शम्भुसुतवाहन, शिव  
ण्डिन्, शिवश्री, शिखावर, शिखाधार,  
शिखावल, शिखिन्, शिखी, शिवसुतवाहन,  
शुक्लांग, शुक्रापांग, हरि. ५०

१ — स्वामिभक्तिक नापोपर वाहन  
और सर्पनामोपर और अर्थके शब्दत्रयाने

से मोरके नामहेते हैं ॥

मोरपंख ना० पिच्छ, वर्ह, वर्हभार,  
मो.पंख, शिखण्ड, शिखण्डक. ६

मोरशिखा ( श्रीषधि ) ना० कारवी,  
खरारवा, दीपक, दीपन, दीप्य, नीलकण्ठ  
शिखा, प्रियतम, मयूर, मयूरक, मयूरचूडा,  
मयूरशिखा, लोचनकट, लोचमस्तक, वन्हि  
शिखर, शिखालु, शिखाबला, शिखिनी,  
संदीप्य, सुशिखा, सुद्रीर्ष. २१

मोल (भाव) ना० अवक्रय, भाव,  
मूल्य, मोल, वस्न. ५

मोहनभोग ना० अपूप, अपूप्य, तरला, प्रहे-  
णक, प्रहेलक, यवागू, विडेया, श्राया, श्राण,

—● मौ ●—

मौत ना० अत्यय, अन्त, आहार,  
काल, काठभर्म, दिष्टान्त, नरांतक, नाश,  
निधन, पंचता, पंचत्व, प्रलय, मरण, मरत,  
मरन, मृत्यु, मृत्यु, मौत, लय, विदर २०

मौलिसिरी वृत्त ना० केशर, केसर,  
गूढपुष्पक, चिरपुष्प, दन्तधावन, धन्विन्  
धन्वी, अमरानन्द, मकुर, मदन, मदनक  
मद्यामोद, मधुपुष्प, मुकुर, नेकुल, वकूल,  
भिशारद, शारद, सिंहकेशर, सीधुगंध,  
सीधुपुष्प, सीधुसंज्ञ, सुरभि, स्थिरपुष्प.

—● य ●—

यमराज ना० अन्तक, कृतान्त, काल,  
तपनतनय, तपनात्मन, दण्ड, दण्डधर,  
दण्डधार, दण्डभृत्, धर्म, धर्मराज, नरक  
देवता, परेतमर्तु, परेताराज, पितृपति,

महिषध्वज, महिषहित, महिषबाहन, मृत्यु, मृत्युपाश, मृत्युगति, मृत्युराज, यम, यमराज, यमान्तक, यमुनाबन्धु, यमुनाभात, वैवश्वत, शमन, श्राद्धदेव, श्राद्धदेवता, सचितातनय, सचित.सुत, सूर्यसुत ३४

१—सूर्य नामोंपर सुत अर्थके शब्द और यमुना नामोंपर भ्रात्र अर्थ के शब्द लगाने से यमराजके नामहोते हैं

२—यमराज नामोंपर पिताअर्थ के शब्दलगाने से सूर्यके नामहोते हैं उनपर कन्या नामके शब्दलगाने से यमुनानामके नामहोते हैं

३—यमराज नामोंपर बहिन नामके शब्द लगानेसे यमुनार्जके नाम होते हैं तिनपर पिता अर्थके शब्द लगानेसे सूर्यके नामहोतेहैं ॥

यमुना (नदी) ना० अंशुमती, कालिन्दी, कृष्णा, तपनतनया, तपनात्मजा, यमभगिनी, यमी, यमुना, रविजा, रवितनया, रविनन्दिनी, रविमुता, शमनस्वसा, श्यामा, सवितासुता, सूर्यतनया १६

१—यमनामोंपर बहिन अर्थ के शब्द लगानेसेयमुना तिनपर पिता अर्थकेशब्द लगाने से सूर्यके नामहोतेहैं ॥

२—सूर्य नामोंपर कन्या अर्थके शब्द लगाने से यमुनाके नाम तिनपर भाईअर्थ के शब्द लगाने से यमराज के नामहोतेहैं

यवेची ना० पत्रतण्डुली, महातिका, यवतिका, यशस्विनी, त्रिसपिणी, शस्त्रिणी, सूक्ष्मपुष्पी. ७

यश ना० कीर्तिना, कीर्ति, यश, समज्या, समारूपा, समान्ना. ६

यज्ञ ना० अध्वर, अभिषव, आहव, आहवन, इष्ट, इष्टि, क्रतु, देवतात, धर्म, प्रजापति, मख, मेघ यज्ञ, याग, सप्ततंतु, सव, सवन, होत्रा. १८

यज्ञअग्नि ना० उपचाय्य, परिचाय, सपूष्ट, १

यज्ञार्थे पशु ना० उपसंपन्न, प्रमीत, प्रोजित ३

यज्ञभूमि ना० आहवन, यज्ञभूमि, यज्ञस्थल ३

यज्ञांत स्नान ना० अभिषव, अभिषवण, सवन. ६

यज्ञाषधी का कूटना ना० अभिषव, अभिषवण, सवन, सुत्या सूत्या. ५

यज्ञकी वेदी ना० चत्वर, यज्ञवेदि, यज्ञवेदी, यज्ञभूमि; यज्ञशाला, यज्ञस्थाणु, यज्ञागार, स्थ.शुद्ध. ८

यज्ञदर्शक ( यज्ञमें वेदोक्त क्रिया कलापको देखनेवाला) ना० यज्ञदर्शक, विधिदर्शक, विधिदर्शी, विधिदेशक ४

यज्ञपशुमारना ना० परंपराक, प्रोजण, शमन ससन ४

— यु —

युधिष्ठिर ना० अजातरिपु, अजातशत्रु, कंक, कर्णानुज, कीर्तेय, धर्मराज, धर्मरानन्द, युधिष्ठिर, राजलक्ष्मन्. ६

युवा ( पुरुष ) ना० तरुण, युवा; वयस्य. ३

## — यो —

योधा ना० भट, योद्धा, योधा, वीर,  
शूर, ५

## — र —

रंगसाज ना० चित्तरा, चित्रक, चित्र-  
कर, चित्रकर्मन्, चित्रकार, चित्रविद,  
रंगसाज, रंगाजीव ८

रंगकाला ना० अवि, असित, काल,  
काला, कालांग, कृष्ण, कृष्णवर्ण; नील,  
मेचक, श्याम, श्यामठ, श्यामवर्ण. ११

रंगलाल ना० अरुण, कोंकनदच्छनि,  
रक्त, रक्तवर्ण, रोहिणी, रोहित, रोहिता  
लोहित, लोहिता, लोहिनी, शोण, शोणा.

रंगहरा ना० पलाश, फलाश, डारशी  
हरित, हरिता. ५

रज (स्त्रीकारक्त) ना० अर्त्तव, कुमुभ,  
पुष्प; ऋतु, रज, रजम स्त्रारन, ६

रजस्वलास्त्री ना० अग्नि, अग्नी, आर्त्वेयी  
आग्नेयी, उदकया, ऋतुमती, पुष्पवती,  
मणिना, मालिनी, रजस्वला, स्त्रीधर्मिणी

रद्वृत्त ना० अशद्वृत्त, अर्भंगला, अ-  
मण्ड, असार, अमण्ड, इष्ट, उरुमुक,  
उरुवक; एरण्ड, एरण्डक, वगटफळ,  
गन्धर्वहस्त, गन्धर्वहस्तक, चञ्चु, चिक्र  
चित्रक, तरुण, तुच्छदु, दीर्घदण्ड, दीर्घ  
दण्डक, दीर्घपत्रक, पञ्चांगुल, फलपुच्छ,  
मण्ड, रड, रुवु, रुवुक, रुतुक, रुवुक,  
वरदालु, वर्द्धमान, वर्द्धमानक, वातारि,  
व्यहम्बक, व्याघ्रपुच्छ, वृणह, शूलशत्रु,  
हस्तकर्ण, त्रिपुटिन, त्रिपुटी, त्रिपुटीक

रद्वृत्तउजला ना० रुचक, श्वेतएरंड,

रद्वृत्तलाल ना० उत्तानपत्रक, उरु-  
वक, वरपरुण, वञ्चु, चित्रवीर्य, नागकर्ण,  
थाचन, रक्तक, रक्तैरण्ड, रुवु, रुवुक,  
रुवुक, रुवुक, व्याघ्र, व्याघ्रतल, व्याघ्र  
दल, व्याघ्र, हस्तिकर्ण. १०

रतालु ना० रक्तकन्द, रक्तपिण्डक,  
रवतालु, लोहित. ४

रथ ना० चक्रपाद, रथ, शतांग, स्यन्दन.

रथजनानी } ना० कर्णारथ, डयन,  
रथपरदेदार } मन्वहण, हयन. ४

रथवान } ना० दक्षिणस्थ, निय  
गाहीवान } न्ता, नियन्तु, प्राजिता,

प्राजितृ, यन्ता, यन्तृ, रथिक, रथिर,  
सव्येष्ट, सव्येष्ट, सारथि, सारथी, सूत,  
जत्ता, क्षतृ. १६

रनिवाग ना० अन्तःपुर, अवरोध,  
अवरोधन, रनिवास, शुष्कान्त. ५

रनिवासका द्वारपाल ना० अन्तःपुरा  
ध्यक्ष, कञ्चुकिन्, कञ्चुकी; सुविद,  
सौविद; सौविदल्ला, स्थपति, स्थापत्य,

रस ना० द्रव, रस २

रसोईदार ना० आन्वसिक, आपूपिक;  
आरालिक, आदीनिक, कान्दविक, गुण,  
बल्लव, भक्तकार, भक्तकार, मध्यकार,  
मध्यकार; बल्लव, मूद; मूपकार. १४

रसोईकाथर ना० पाकशाला, पाक  
स्थान, महानस, रसवती, मूदशाला ५

रसौत ना० अग्निसार, अञ्जन, क-  
र्परी, कृत्रिम, कवाथोज्जव, चञ्चुष्य, तादर्थ्य;

ताक्ष्येज, ताक्ष्यशेख, तुत्थ, दार्वि, कथोद्भव;  
नीलवर्ण, पुष्पक, प्रणन्त, बालभैषज्य,  
रसगर्भ, रसज, रसरज, रसागूत्र, रसा-  
ञ्जन, रसोत, रसोत, शैल २३

रस्सी ना० गुण, रज्जु, रस्सी वटाकर;  
वटारक, वटी, वराट, वराटक, शुल्ल,  
शुल्व, शुल्वा, शुल्वी, मुष्म. १३  
रस्मीचमडे की ना० चर्मबंधनी; वरजा,  
वर्धिका, वर्धी, वार्धु, वार्धी. ६

रक्षक ना० रक्षक, रक्षण, त्रा. ३  
रक्षा ना० परित्राण. पर्याप्ति, रक्षण,  
रक्षा, रक्षण, वधोद्यनवारण, हस्तधारण,  
हस्तवारण, त्रा, त्राण. १०

— ❁ रा ❁ —

रांगा ना० अपूप, आलीनक, कस्तूरि,  
कुरुप्य, गिरिसार, गुणपत्र, चक्रसंज्ञ, नाग,  
नागन, नागजीवन, पिचचट, पूतिगन्ध,  
मधुक्र, मधुर, मृदंग, रंग, रांग, रांगा,  
वंग, सिंहल, सुरेभ, स्वर्णज, हिप, त्रपु,  
त्रपुस्, त्रपुल, त्रपुप, त्रपुस २८

रांड—स्त्रीरांड देलो

राई ना० असुरी, आसुरी, कट्ट,  
कटुक, कृष्णसर्षप, कृष्णा, कृष्णिका,  
तीन्ना, तीन्द्रगन्धा, प्रियंगु, मधुनिका,  
मुष्टक, रक्तसर्षप, रक्तिका, राजिका,  
रानसर्षप, राजी, सूरी, क्षत्र, क्षत्रक, लु  
तक, लुताभिजनन, क्षत्रभिजनन, २३

रास्व ना० भरम; भस्मन्, शिवांगभूषण,  
क्षार. ४

राग ना० दीपक, भैरव, मन्जर,

मालकौंस, मेघ, श्री. ६

राञ्ज ना० वापदण्ड, वायदण्ड, वेम,  
वेमा. ४

राजकुमार ना० कुमार, कुमारय, म-  
तृदारक, युवगाज, राजकुमार, राजपुत्र. ६  
राजगद्दा ना० नृपामन, भद्रासन, राज-  
गद्दी, राजासन. ४

राजधतूर ना० निम्बैणपुष्पक, भ्रांत;  
महाशठ, राजधतूर, राजधतूरक, राजधु  
स्तूरक, राजधुत्त, राजस्वर्ण. ८

राजवेर ना० तनुबजि, नृपचदर, राज-  
चदर. ६

राजवंश ना० राजवंजिन्, राजवीजी,  
राजवंश, राजवंश्य. ४

राजसदन ना० उपकारिका, उपकार्या,  
राजमहल, राजसदन, सौध. ५

राजा ना० अधिप, अनिप, अधिपति,  
इन. इन्द्र, ईश. ईशान, ईश्वर, देव, नरेदेव,  
नरनाथ, नरपति, नरपाल, नराधिप; न-  
राधिपति, नरेन्द्र, नरेश, नरेश्वर, नृप,  
नृपति, नृपाल, पार्थिव, भट्टारक, भूप,  
भूरांत, भूपाल, भूविनाथ, भूमिप, भूमिपति  
भूमिपाल, महिपाल, महीन, महीनाथ,  
महीप, महीपति, महीपती, महीपाल,  
महीभर्तृ, महीभन्, महीभृत् महीश,  
महीश्वर, महीक्षत्र, महेन्द्र. महेश, महे-  
श्वर, राज्, राज, रान्त, राजा, विभु,  
स्वामन्, स्वामा, क्षितिनाथ, क्षितिप,  
क्षितराज, क्षितपाल, क्षितभुज्, क्षित-  
रक्षिन, क्षितीश, क्षितीश्वर, क्षमाप,



क्षमापति, क्षमाधुन, क्षमाभृत्. ६५

१—भूमि और मनुष्य नामोंपर पनि  
अर्थके शब्द लगाने से राजाके नामहोतेहैं  
राजामवृत्त (कलमी आम) ना० टंक,  
राजपुत्र, राजाम् १

राति ना० अक्तु, आसिकनी, असुगा,  
उर्या, घृताची, चक्रभेदिना, तमस्वती;  
तमस्विनी तमा, तमि, तमिश्रा, तम्या, तम्या,  
नक्ता, नवतन्, नवित, निश, निशा, निशिता  
निशोथानशीथिनी, निशोथया पयम पयस्वनी  
याम्या, यामवती, यामिका, यामिनी, रजनि,  
रजनी, रात, राजमी, रात्र, रात्रा, वि  
मावरी, शर्वरी, शर्वरी, श्यामा, क्षणदा  
क्षपा, क्षिपा, त्रियामा. ४०

१—राति नामोंपर कर औरपति अर्थ  
के शब्द लगानेसे चन्द्रमाके नामहोते हैं

२—रातिनामोंपर चर लगानेसे उल्लू  
चोर, चमगीदड़, और राक्षके नामहोतेहैं

३—राति नामोंपर अपु अर्थके शब्द  
लगाने से सूर्य के नामहोतेहैं

राति इन्द्रवरावर ना० विपुण, विषुप;  
विषुव, विषुवत्. ४

रात्र ना० फणि, फणित, फायट,  
मत्स्यगढी, रात्र. ५

रामचन्द्र ना० अयोध्यानाथ, अयोध्या-  
पति, अवधपति, अवधश ताडुकाहतन,  
दशकण्डजित्, दशकंठरि, दशकंधरिपु,  
दशमुखन शन, दशवदनिकन्दन, दशरथ-  
सुत, धनुषधर, नारायण, निश्चरदलन,  
बीलीवाराणः बीसभुजारि, भरतगुन,

रघुकुलभूषण, रघुकुलमण्डन, रघुनन्दन,  
रघुनाथ, रघुपति, रघुवंशतिलक, रघुवंशा;  
वतंम, रघुश्रष्ठ, रघुसिंह, राघव, राम,  
रामचन्द्र, रावणदलनः रावणारि, शंकररथनु  
स्वण्डन, शिवधनुस्वण्डन, सारंगधर, सारं-  
गपाणी, सीतानाथ सीतापति ३७

१—दशरथ नामोंपर सुतनामके शब्द  
ताडुका, निश्चर, बााल, और रावणनामों  
पर हतन, और शत्रु अर्थके शब्द और  
सीतानामों पर पात अर्थ के शब्द लगानेसे  
रामचन्द्र के नामहोते हैं

रामधर—सरगशा देवो

रायना ना० राईता, राज्यक्ता, रायना.

राल ना० अग्निबल्लभ, अराल, कन-  
कलोद्भव, कलकल, कललन, काल, गलः  
धूनक, धूपन, बहुरूप, मेरुक, यक्षधूप,  
रान, वन्दिहगन्ध, वन्दिहबल्लभ, विरूप,  
शालनिर्यास, शालवेष्ट, शीतल, सज्ज,  
सज्जनिर्यास, सज्जभयि, सज्जरस,  
सज्जर्य, सर्वरस, साल, सालन, सालनि-  
र्यास, सालरस, सालरेष्ट, सुरधूप, सुरामि.

रावण ना० दशकंठ, दशकंधर, दश-  
ग्रीव, दशमुख, दशवक्त्र, दशवदन,  
दशशीश, दशानन, दशास्य, निश्चरनाह,  
निश्चरपति, बंसभुज, मन्दोदरीपति,  
मन्दोदरीरमण, राक्षसराज, राक्षसेश,  
लंकापति, लंकेश. १८

१ रावण नामोंपर रिपुअर्थके शब्दलगाने  
से रामचन्द्रके नामहोते हैं

रास्ना ना० असिरसा, एलापर्णी,

वृषाकी, द्रोणगन्धिका, धूर्त्तानुषा, नकु-  
लेष्टा, नन्दगोपिता, नाकुली, नागमुग्धा,  
पलंकषा, प्रागिना, भद्रा, भुजंगजी.  
मुक्तरसा, मुक्ता, यक्तरसा, युक्ता, रसना  
रस्या, रहस्या, रायसन, रासना, रासना,  
श्रेयसी, सर्जगन्धा, सहा, सुगन्धमूत्रा,  
सुगन्धा, सुराम, सुरसा, भ्रवहा ३१

राहु ( गृह ) ना० अमुर, तम, तमम्  
तमोगु, तमोमय, नभाक, राहु, विधुन्नुद,  
सिंहामृत, सिंहिकातनय, सिंहकापुत्र,  
सिंहिकामृत, सिंहकामून, सैहिक, सैदि-  
केय, स्वर्भानु १५

राक्षस ना० अश्रव, अमुर, अमृष,  
आशर, आशिर, आसुर, इन्द्रारि, कवुर,  
कर्बुर, कर्बुर, कर्बुर, कोणप, काणप,  
क्रव्यभुज, क्रव्याद्, क्रव्याद, जातुधान,  
तर्माचर, दनुज, दनुपुत्र, दनुमंभव, दनु-  
सून, दानव, दानवेय, दित, दितितनय,  
दितिमुत, दित्य, दैतय, दैत्य, निकषा-  
त्वज, निकषापुत्र, निकषासुत, निशचर,  
निशाचर, निशाट, निशाटन, निश्चर,  
नैश्वेत, पिशाच, पिशितभुज, पिशिताश,  
पिशिताशन, पिशिताशिनू, पिशितशी,  
पुण्यजन, पूर्वदेव, यातुः, यातुधान,  
राक्षस, रात्रिचर, रात्रिचर, रात्रेष्ट, शुक्र-  
शिष्य, सुरद्विप, सुररिपु, सुरारि, सुररी ५८

१—रातिनामोंपरचर लगानेसे राक्षसों  
के नामहोते हैं ॥

२—शुक्र नामोंपर शिष्य अर्थके शब्द  
लगानेसे राक्षसों के नामहोते हैं ॥

३—राक्षस नामोंपर रिपु अर्थके शब्द  
लगाने से देवोंके नाम होतहैं ॥

राक्षसी ना० आसुरी, आसूपा, द-  
नुजा; दानवी, दितिमुता, दित्यात्मजा,  
देत्या, निशाचरी, निश्चरी राक्षसी. १०

—● री ●—

रीड ना० ऋक्ष, मल्ल, मल्लक, भ-  
ल्लुक, भरल्ल, भल्लूक, भाल्लूक, भाल्लूक-  
भाल्लुक, भाल्लूक, राड. ११

रीठा ना० अरिष्ट, अरिष्टक, गर्भपा-  
तन, केनिल, रिष्ट, रीठा, वस्तिकर्मादय,  
वेणीर, जृण. ९

रीठा अरिष्ट ना० अरिष्टक, कुम्भ-  
वीजक, गुच्छक, गुच्छपुष्पक, गुच्छफल;  
प्रहीर्य, फेनिल, मंगलय. ८

—● रु ●—

रुई—कपास देवो  
रुद्रदन्ती वृत्त ना० रुद्रन्तिका, रुद्रन्ती;  
रुद्रदन्ती, रोमाञ्चिका ४

रुद्रनटा ना० ईश्वरी, घना, जटा,  
जटावल्की, दीप्यक, नेत्रगुहारा, पत्रवल्की,  
महानटा, रुद्रनटा, रुद्राणां; राद्री, शंकर  
नटा, सुगन्धपत्रा, सुगन्धा, सुपत्रा,  
साम्या. १६

रुद्राक्ष ना० नमेरु, नीलकण्ठाक्ष, भू-  
तनाशन, शिवमिष, शशाक्ष, सर्पाक्ष १

—● रू ●—

रूप ना० अरुण, अरुणम्, कृशान, नि-  
शित, पेश, वपुम, वर्णन, शिष्ट. ८

रूपामकखी ना० मात्तिक, चौदधातु  
रूपीमस्तगी वृत्त ना० गुहानदरी,  
मंगुरा, मस्तकी. १

रुसावृत्त ना० अरुप, अटरुप,  
अडुस, अडूसा, आमलक, कण्ठीरवी,  
कसतोतत्पाटन, नाशा, भिषग्माता, भू-  
कन्द, मृगन्द्राणी, रूपक, रुसा, वंसा,  
बाजिदन्त, वाजिदन्तक, वाशा, वाशका,  
वासक, वासका, वासा, वासिका, वृश,  
वृष, वैद्य वैद्यमाता, वैद्यसिंही. शव.  
सिंहवर्णी, सिंहमुखी, सिंहास्य, सिंही,  
सितकर्णी. ३३

—ॐ रे ॐ—

रेणुका ना० अर्भाष्टा, कापिला, कपि  
लोमा, कान्ता, कृतान्ता, कौन्ती, खरना-  
दिनी, ज्योत्स्नी, इन्द्रजा, धर्मिणी, नन्दिनी;  
पाण्डुपत्नी, पाण्डुपत्नी, ब्रह्मणी, भम्म-  
गन्धा, भस्मगन्धिका, भम्मगन्धिनी, भ-  
स्मगर्भा, महिला, रामजननी, राजपुत्री,  
रेणु, रेणुका, वरमुत्वा, वृत्ता, शान्ता,  
सुपर्णिका, हरेणु, इहमा, हेमगन्धिनी, ३०

रेहू ना० उप, ऊप, ऊपर, रेह, रेहू,  
क्षारमृत्तिका. ६

—ॐ रो ॐ—

रोम ना० आतंक, आमय, उपताप.  
उल्लाप, गद, रुक्, रुन्, रुना, रुद,  
रोग, व्याधि. ११

रोग रहित ना० उल्लाघ, कल्प, नि-  
रामय, निराम, निरोगी, वार्त्त, वार्त्ता ७

रेगी ना० अभ्यामित, अभ्यांत, आतुर  
आमयावी; रोगी, व्याधित. १

रोना ना० कदत; क्रंदिन; कुष्ट; रुद; रुवित  
रोदन; विलाप; ७

रोम ना० तनुरुह; तनुरुह; रोम; रोमन-  
लोम; लोमन ६

रोमखंडे होना ना० उल्लास, रोम-  
पुलक, रोमविकार, रोमविक्रया, रोमवि-  
भेद, रोमहर्षण, रोमहर्ष, रोमाञ्च, रोमो-  
द्गम, रोमोद्भेद, लोमसहर्षण, लोमहर्ष,  
लोमहर्षण, लोमहर्षित. १४

रोहिस ( गन्धजघास ) ना० कतृण,  
कातृण, गंधखेदक, गन्धतृण, देवजग्ध,  
देवजग्धक, घूमगन्धिक. ध्यामक, पूति,  
गौर, भूति, भूतक, भूतृण, मुद्गल, राम  
कर्पूर, रामकर्पूरक, रोहिष, सौगन्ध, सौ-  
गन्धिक. १६

रोहिस वडा ना० दीर्घनाल, दीर्घ-  
रोहिषक, वृद्धकाण्ड, वृद्धच्छद, यज्ञेष्ट, ५

रोहेडा वृत्त ना० कुशाल्मलि, दादि-  
मपुष्पक, प्लीहघन, प्लीहशत्रु, प्लीहारि,  
प्लीहाशत्रु; मांसदहन, यकृद्द्वैरी, यकृद्द्वै-  
रिन्, यकृन्मर्द, रक्तघन, रक्तपुष्प, रक्त-  
पुष्पक, राजपुष्प, रोहिण, रोहित, रो-  
हितक, रोहितेय, रोहिन्, रोही, रोहीतक;  
विरोचन, शाल्मलिक. २१

रोहेडावृत्त सफेद ना० ननवन्धय,  
शुक्लरोहित; श्वेतरोहित, सितपुष्प,  
सितांग, सिताह्वय. १

—● ल —

लंगडा ना० खञ्ज, खञ्जक, खञ्ज-  
खेल, खोड, खोर, खोल, पंगु, पंगुल. ८

लगाम ना० कवि, कविक, कावका,  
कविय, कवीय, खलिन, खशीन, लगाम-  
लनारू ना० अञ्ज लक्षिका, अस्-

रोधिनी, कन्दिरी, कृताञ्जलि, लदिर-  
पत्रिका, खादरात्रा, खदिरा, खदिरी,  
गण्डकारी, गण्डकाष्ठा, गण्डमानका,  
छुर्मा, ताम्रमूत्रा, नमस्का, प्रसारणी,  
प्रसारणी, महाभीता, महाभावे, रक्तपदी,  
रक्तपादी, रक्तपुष्पिका; रक्तमूला, लन  
कागिका, लज्जा, लज्जालु; लज्जिरी,  
लज्जावती, लज्जारू, लानवता, शमीपत्रा,  
संगाननी, सप्तपर्णी, समंगा, स्पर्शलज्जा,  
स्वगुप्ता, हाथाजोडा. ३६

लजारू लाल ना० कर्णाटी, वीटपा-  
दिका, वीटमाता, वीटमारी, गोधापादका,  
गोधापदी, गोधावता, वृत्तमण्डलिका, चि-  
त्रपदा, ताम्रपादी, धार्तराष्ट्रपदी, पदांगी,  
ब्रह्मादी, मधुसूता, शिवगुन्धि, शीतांगी,  
संचरिणी, सुतगदिका, सुतहा, हंसदी,  
हंसपादका, हंसपादी; हंसवती. त्रिदत्ता;  
त्रिपदा, त्रिपदी, त्रिपादका. ३४

लज्जित ना० लज्जित, ब्राडित, द्वित,  
द्वीण, द्वीत, द्वीकु; इलीकु. ७

लट ( बालों की ) = पटिया देवो  
लटकपन ना० कौमार, कौमारक, बालक  
पन; बालिश्य, बाल्य, बाल्यावस्था शैशव.

लटका ना० अंगज, अंगजदुसू; अंगजात,

अपत्य, आत्मज; आत्मजन्मन्, आत्मजात,  
आत्मप्रभव, आत्मभू, आत्मभूत; आत्म-  
योनि; आत्ममंभव, आत्मममूद्भव, आ-  
त्माशीन, आत्मोपन, आत्मोद्भव, उत्तान-  
शय. कुयार, तक्कन्, तनय, तनुज, तनु-  
भव, तनुमुन, तनुद्भव, तनजनि, तनुज-  
न्मन्, तोक, दारक; नन्दन, पुत्र; पुत्रक,  
पृथुक, बालक, बहु, शिशु, शिशुक सु-  
अन, मुन, सूनु. ३६

लटकी लटकी ना० अपत्य, तनयौ  
लटकी ना० अंगजा, अंगोद्भवा, अ-  
पत्या, अर्भका, आत्मजा, आत्मभू,  
आत्मभूता, आत्मसंभवा, आत्मसमुद्भवा,  
उत्तानशया, कना, कन्यका, कन्यका,  
कन्या, कुमारीका, कुमारी, तनया, तनुजा,  
तनुभवा, तनुजा, तनुजाता, तनुद्भवा,  
तोका, दारिका, दुहिता; नन्दना, नन्दनी,  
नन्दिनी, पुत्रका, पुत्रिका, पुत्री, पृथुका,  
बालिका, सुता, सूनु: ३६

लटाई ना० अनीक; अभिर्द, अभि-  
सम्पात्, अभिक, अभ्यागम, अभ्यामदे,  
अभ्यामर्दन, आक्रन्द, आज्ञ, आधोपन,  
कदन, कलह, वलि, खजा, खल, जन्य;  
नदन, नेमाधिति, पृतना, पौर्य, प्रधन,  
प्रयुद्ध, प्रविदारण, भर, महाधन, मीह,  
मृध, मृधम्, मृध, युद्ध, युध. रण, वाज,  
विग्रह, संयत, समुग, संख्य, संगर, संग्राम;  
समर, समावात, समित्, समिति, समिथ,  
समीक, सम्परायक, सम्पराधिक, सम्प्र-  
हार, ४८

लड्डू ना० मोदक, लड्डू; लड्डुक, लड्डू.

लम्बा ना० आयत, गुरु, दीर्घ, प्रांशु,

लम्बा, विशाल, वृहत्. ७

लम्बाई ना० आयति, आयति २

लमोड़ा वृक्ष ना० उद्दाल, उद्दालक,

कोलक, गन्धपुष्प, द्विनकुन्तित, पिच्छिल,

भूतद्रुम, भूतपादप, बाहुवार, शाकट,

श्रीत, शतिल, शेलु, श्लेष्मल, श्लेष्मात,

श्लेष्मातक, श्लेष्मान्तक, शेलु, संलू १९

लसोड़ाफल ना० बहुवार, बहुवारक,

शाकटफल, शतफल, शलुकळ. ५

लमोड़ा छोटा ना० भूकर्षुदारक,

भूशेलु, लघुपिच्छिल, लमेरा; लमेड़ा,

लुद्रश्लेष्मान्तक. ६

लहर ना० उर्मि, उर्मिका, उर्मि,

कल्लोल, तरंग, भंग, लहर, लहरी,

विनि, विची, वीच, वीची, १२

लहसुन ना० अरिष्ट, उगगन्ध, कटु-

कन्द, गृञ्जन, डिण्डरमोदक, दर्विपत्रक;

भूतघ्न, महाकन्द, महौषध, श्लेच्छकन्द,

यवनेष्ट, रसुन, रसोन, रसोनक, राहू-

च्छिष्ट, राहूत्साष्ट, लसुन, लशून, लहशन,

लहशन, श्रीस्तक, सोनह, स्वास्तक. २३

लहशुन लाल ना० गृञ्जन, दीर्घ-

पत्रक, पृथुपत्र, महाकन्द, रथूलकन्द,

लक्ष्मणा कन्द ना० अपत्यदा, अम-

विन्दुच्छदा, नागपत्री, नागाह, पुच्छदा.

पुत्रकन्दा, पत्रदा, लक्ष्मणा, लक्ष्मणाकन्द. ६

लक्ष्मी ना० इन्दिरा, कमला, चपला,

नदजा, पद्म, पद्मालया, पद्मावती, मा,

मति, मातृ, रमा, लक्ष्मी, लोकमाता,

लोकमातृ, विष्णुवल्लभा, श्री, सम्पद्,

सिंधुना, सिन्धुमुता, हरिप्रिया, हरिवल्ल-

भा, हलना, चाराविजना, चीरविधितनया,

चाराविमुता, २५

१—विष्णु नामों पर प्रिया अर्थ के शब्द

लगाने से लक्ष्मी के नाम होते हैं ॥

२—समुद्र नामों पर कन्यानामके शब्द

लगाने से लक्ष्मी के नाम होते हैं ॥

३—लक्ष्मी नामों पर पाति नाम के

शब्द लगाने से विष्णुके नाम होते हैं

४—लक्ष्मी नामों पर बन्धु नाम के

शब्द लगाने से चन्द्रमा, शूल, श्रमृत

आदिके नाम होते हैं

लक्ष्मीवान ना० लक्ष्मण, लक्ष्मीवान,

श्रीमन्, श्रीमान, श्रील, श्लाल. ६

### —● ला ●—

लाख ना० अलक्त, अलक्तक, कार्पट,

कांटाजा, कृमि, कृमिजा, क्रमिजा, स्वदि-

रिका, गन्धमादिनी, गराजिका, गवायिका,

जतु, जतुक, जन्तुका, दूररसा, द्रुमव्याधि;

द्रुम, मय, नीजा, पत्रका, पलाशा, पिचारि,

रक्षा, रंगमाता, रंगमातृका, रक्षा, राक्षा,

राक्ष्या, लाख, लह, लाक्षा, वरवर्णिना,

लतघनी १२

लाज ना० मन्दास्य, लज्जा, लज्या,

लज्जा, ब्रीहः ब्रीदन, ब्रीडा, हया,

ह्रिणीया, ह्रिति, ह्री, ह्रीका, ह्या; त्रापा;

लामंजकृत्य ना० नलद, लघु, लव.

लामञ्जक. ४

लार वा थूक ना० मुखस्राव, लार, लाला, श्लेष्म, मृष्टिका, मृष्टीका, स्थन्दिनी. ७

लालर्चा ना० लालर्चा लुब्ध, लोमी. लार्हा ना० राई, राजसर्षप, राजसर्षो, राजिका, लाई, लाही, श्यामा, सुवुमार, लव, लवक. १०

—● लि ●—

लिंग (पुरुषइन्द्रो) ना० ध्वज, मदनो कुश, पुरुषांग भेद, मेहन, ललाक, लिंग, शिशुन, शेषः, शेषस, शेषः, शेषम्, शेष, लिंगनीलता ना० आपरतम्भिना, देवी, लिंगिनी, लैगी, शिवचलिका, शिवचल्ली, लिपटान' व प्यार करना ना० आलिंग, आलिंगन, उपगूहन, परिरंभ, परिष्टवंग, परिरंभन, ली, श्लेष' श्लेषा. ९

—● ली ●—

लीन (किसीविषयमें आशक्तहोना) ना० आविष्ट, आसक्त, तत्पर, प्रसित. लीलना ना० गिर, मिलन, मिलि, गीर्ण, निगरण. ५

—● लू ●—

लूट ना० डपर, डार, हिम्ब. १

—● ले ●—

लेखक ना० अक्षररचण, अक्षरचुंच, अक्षरजावक, लिपिकर, लिपिवार, लेखक लेनदेन ना० दानादान, निमय, वैमय, परिदान, परिवर्तन; परीवर्त, प्रतिदान, विनिमय, विमय, वैमय. १०

लेना ना० गृह, गृहण, ग्राह. १  
लेप ना० प्रदेह, प्रलेप, लेप. ३

—● लो ●—

लोकवा (फालिज) ना० अर्हित, अर्थांग, पक्षघात, पक्षाघात. ४

लोकवृत्तान्त (कुशलआदि) ना० उदन्त; प्रवृत्ति, वाना, वृत्तान्त. ४

लोथ ना० काण्डकोक, काण्डनील, गालव, निरीट, तिल्व, तिल्वक, बलभद्र, भिल्लतरु, भिल्ली, रोध. लोथ, लोथू, लोथूक, शम्बर, शश, शशक, शाल्व, सावर, हरितशोथूक, हेमपुष्पक. १६

लोथवृत्त ना० गालव, चर्लिप्रय, माज्जन, लोथूकवृत्त, बानराघात, शार, सूद. ७

लोथ उजला ना० गालव, तिल्व, माज्जन, वहलत्वच, शम्बलोथू, श्वेत-लोथू. ६

लोथ पठानी ना० अक्षिभेषज, क्रमुक, गालव, जर्णमुधन, तिल्व, पट्टिका, पट्टिकाख्य, पट्टिकालोथू, पट्टिकोथू, पट्टिकोथूक, पट्टिन्, पट्टी, महालोथू, लोत्ता-प्रसाद, वल्क, वल्कलोथ, वृद्धल, वृद्धलक, शणित्र, श्वेतलोथू. ७

लोथ लाल ना० कषायकृन्, तिल्व, पाटला, माज्जन, लक्तकर्मन्, लक्तकर्मो, लक्षप्रसादन, साम्भरी, स्थूलवल्क. ९

लोथान ना० कुन्द, कुन्दक, कुन्दु, कुन्दक, कुन्दुक, कुन्दुक, गोपुरक, तक्षिण, तक्षिणगन्ध, दाधित्याख्य, पञ्च-

दर्शन, पालंकी, पालंकीया, पाविन्द, मु-  
कुन्द, मुकुन्दु, लवणखेटि, शक्रमुधा,  
शिलरिन, शिकरी, श्रीधाम, श्रेष्ठक,  
सुरभि, सोभाष्टक. २४

लोबिया ना० बुलभाष, द्विजसप्त,  
निष्ठाव, नलिभाष, नृचित, बर्बट,  
बर्बटी, बल्लन्, बली, मरुत्वर, महामाष,  
राजमाष, सितमाष १२

लोहकीट ना० अयोमल, िष्ट, कृष्ण-  
चूर्ण, धूर्त, मगदूर रीगत, लोष्ट, लोह-  
कट्ट, लोहचूर्ण, लोहकीट, लोहज, लौ-  
हांकट्ट, लौहज, लौहमल, सरण, सिंहाया,  
सिंहान. १७

लोहा ना० अयः, अयम्, अश्मसार,  
आयस, काल, बालायस, कृष्ण, खड्ग,  
गिरिज, गिरारसार, घन, आनन, तीव्र,  
तीक्ष्ण, दैत्य, दृढ़, निशित, पुष्पक, म-  
लीमस, मुग्ध, मुण्डायस, मुग्धत, रुक्म,  
लोह, लोहा, शठ, शस्त्र, शस्त्र, श-  
स्त्रायस, शिलाज, शिलात्मज, शिलासार,  
सार. ३३

लोहार ना० अयस्कर, अयस्कार,  
कालायमकर, मुद्गर, लोहकर, लोहका-  
रक, लोहार, व्याकार. ८

लोहाइस्पात ना० काललौह, चिना-  
यस, चीनज, तीक्ष्णायस, पिण्डा, पिण्डायस,  
मुग्धायस, षण्डित, लौहमार, सारलौह.

लोहाकाला ना० कृष्णामिष; २. प्ला-  
यस, नीललोह, वक्त्रक, वसलौह. ५

लोह ना० असृक्, असृज्, अस्,

कीना, प्राणद, रक्त, रुधिर, रोहित,  
लोहहत, लोह, शोणत. २१

—● लौ ●—

लौंग ना० इन्द्रपुष्प, गर्वाणकुमुम;  
ग्रहर्णाहर, चन्दनपुष्प, तीक्ष्णपुष्प; तो-  
यविप्रिय, त्वक्कुमुम, दिव्य; दिव्यमंथ;  
देवकुमुम, देवपुष्प; इमालया, भृंगार,  
भादन, सांचर, लव, लवंग, लवंगक,  
लवंगकलिका, लक्ष्मापति, लौंग, लौंग,  
वश्य, वारिज, वारिम्भव, शृंगार, श्री,  
श्रीपुष्प, श्रीसप्त, सर्पमंथ. सुपुष्प, त्रि-  
दशपुष्प. ३२

लौकी ना० अलावू, आनावु, आलावू,  
तुम्बू, तुम्बक, तुम्बा; ताम्बू, तुम्बी;  
तुम्बुक, तृणकूर्म, पिण्डफल, पिरडी,  
लावु, लावू १४

लौकीबहुई ना० अलावू, इक्ष्वाकु,  
कटुका, कटुकालावु, कटुनिकिषा; क-  
टुतुम्बा, तिकका, तिकतुम्बा, तिकबीजा,  
तिकारुया, तिकका, तुम्बिका, तुम्बिनी,  
तुम्बी, नृपात्मना, पिण्डफला, राजपुत्री,  
लम्बा, बृहत्फला १६

लौकीगाल ना० कुम्भतुम्बी, गोरज-  
तुम्बी, गोरजी, घालावु, नागालावू ५

लौकीपीठी ना० तुम्बीपिण्डा भक्ष्या-  
लावु, मधुरालावुनी, महातुम्बी, राजालावु,  
शानालावु १

—● व ●—

वंश ना० अन्वय, अन्ववाय, अ-  
भिजन, आम्नाय, कुल, गंत्र, जनन;  
वंश, संतति, संतान १०

वंशपत्री तृष्ण ना० जीरका, जीर्ण-  
पात्रका, नाडी, शिवा. वंशपत्री, वेणुपत्री,  
हिंशु, हिंशुपत्री, हिंशुशिखाटका. ९

वंशलोचन ( तवाशीर ) ना० क-  
र्मरी, तच्चिण्क्षीरी, तुंगा, तुमाक्षीरी, तुंगा.  
त्वक्सार, त्वक्क्षीरा; त्वक्क्षीरी, त्वगा  
क्षीरी, पिंगा, रोचनिका, वंशकर्पूररोचना, वं-  
शजा, वंशरोचन, वंशरोचना, वंशलोचन,  
वंशलोचना, वंशशर्करा, वंशाक्षीरी, वैणवी  
शुभा, शुभा, श्वेता २३

वंसी ना० वंशा. वाणा, वेणु, स्टकध  
वन्सी वजाभेवला ना० वेणुधमा.  
वेणुवाद, वेणुवादक, वैणविक वैणिक ५  
वंसी ( जिसमे मङ्गली पकड़ते हैं )  
ना० मञ्जुघातनी, मत्स्यवेधना, मत्स्य  
वेधना, मत्स्यवधन, मत्स्यवेधन, वंसी, वडिश  
वडिशा, वडिशी, वलिश ६

वज्र ना० अशनि, अशनी, कुलिश,  
कुलीश, तुंज, दम्भालि, दिष्टु, नेम,  
नेमी, पवि, भिदिर, भिदु, भिदुर, वज्र,  
वज्राशनि, शतकाटि, शम्भ, स्टक, स्वरु,  
स्वरुम्, हेति, ह्यादिनी. २२

वटपत्री औ० ना० मोहनी, वटपत्री २  
वटमनाभ विष ( वच्छनाम ) ना०  
अमृत, काकोल, कालकूट, गर, नाग-  
स्तोकक, प्राणहारक, वच्छनाम, महौषध,  
भरण, वत्सनाभ, विष, स्थावरादि. १३

वराहक्रांता ना० गण्डकारी, तिक-  
गंधिका, नमस्कारी, बदरा, मधुपिण्डिका,  
रोहिणी, लोहिता, शूकरक्रांता, शूकपी,

समंगा, सूकरी, क्षीरिणी, क्षुरिणी. १३

वरुण ( जलदेव ) ना० अपाधनाथ,  
अपानिधि, अपाम्पति, अप्पति, जलईश,  
जलईश्वर, जलनाथ, जलपति, जलाधिप,  
पाशवर, पाशपाणि, पाशभृत्, प.शहस्त,  
पाशिन, पाशी, प्रचेतस्, प्रचेता, याद-  
स्नाथ, यादस्पति, यादस.स्नाथ, याद-  
साम्पति; वरुण २२

१—जल नामोंपर पति अर्थके शब्द  
लगाने से वरुण के नाम होते हैं

वरुणवृक्ष ना० अबल, अश्मरीधन,  
कुमार, कुमारक, जम्बुक, तपाल, तमाळा,  
तिक्त, तिक्रशाक, धूलिकदम्ब. निष्कयट,  
प्रचण्डमूर्ति, बल, बलाय, माहतापह;  
वरण, वरन, वराण, वरुण, शिखिमण्डल,  
श्वेतवृक्ष, श्वेतसर्प, साधुवृक्ष; सेतु,  
सेतुक, सेतुवृक्ष. २६

वर्तमानकाल ना० तत्काल, तदात्त्व,  
वर्तमान. वर्तमानकाल ५

वर्ष ना० अनुवत्सर, अरुद, परिवत्सर,  
वत्सर, वरष, वर्ष, शरद, संवत्, सं-  
वत्सर, समा, साल, हायन. १२

वर्षा ना० वर्ष, वर्षण, वर्षणि, वर्षा,  
वृष्टि. ५

वर्षाऋतु ना० पावस, प्रावृष, प्रावृषा,  
बरसात, वर्षा, वर्षाऋतु. ६

वसुदेव ( श्रीकृष्ण के पिता ) ना०  
अनकदुन्दुभि, अनकदुन्दुभी, आनकदु-  
न्दुभि, दुन्दु, वसुदेव. ५

१—कृष्ण नामोंपर पिता नाम के



शब्द लगाने से वसुदेवके नाम होते हैं  
वसुवृत्त ना० वसुक, शिवमल्लिका,  
शिवशेखर. १

— वा —

वाण (तीर) ना० अजिह्वग, असुसू,  
आशुग, इषु, कलभन, कादम्ब, खग, तीर,  
नाराच, पत्रिन, पत्री, पृषटक, मार्गण,  
मर्गन, रोप, बाण, वान, विशिख, शर,  
सर, सायक. ११

वानरोग ना० अनिच्छायम चलातंक,  
प्रतान वातरोग, वायुरोग. ५

वायुविहग ना० अमेपा, कागली,  
कीटहाग्न, कृमिकण्टक, कुण्डिन, कु-  
मिघनी, कृमिरिपु, कृमिशत्रु, केतन, कै-  
राल, कैगली, क्रामिघन, कामरिपु, क्रमि-  
शत्रु, क्रिमिदण्टक, क्रिमिघन, क्रिमिरिपु,  
क्रिमिशत्रु, गद्म, चित्रतण्डुल, चित्रत-  
ण्डुला, जन्तुघन, जन्तुघना, जन्तुहत्री,  
तण्डुन, तण्डुना, तण्डुलीयक, तण्डुली-  
यिका, तण्डुलु, बन्धुर, वरा, भस्मक,  
मृगगामिनी, मोषा, रसायन, रुचक, वरा,  
वाताार, वायुविहंग, वायुभरंग, विहंग,  
विहगा, वाजसर, वृषनाशन, वेरुलु,  
सुचित्रवीजा. १०

वाराहीकन्द ना० अमृत, कन्गा,  
कोनकन्द, कौमारी, क्रोडि क्रोडी, गृष्टि,  
शृष्टी, गेठी, घृष्टि, घृष्टी, पञ्चचल, ब्रह्मापुत्री,  
ब्राह्मी, ब्राह्मकन्द, महावीर्य, महौ-  
षध, माधवेन्द्रा, वनभालिनी, वनवासिन्,  
वनवासी, वन्य वराह, वराहकन्द, वराह-

कन्ता, वराहनायन, वराहनामा; वराही,  
वस्त्रपंचल वाराही विल्लमूला, विण्बसैन-  
प्रिया, वरवृद्धिद, व्याधिहन्ता, शम्बरकन्द,  
शूकरकन्द, शूकरी, सुकन्दक, सुपुट,  
सुशीविका, त्रिनेत्रा. ५२

वाल्मीक ना० आदिकवि; प्राचेतस,  
मैत्रावरुण, वाल्मीक, वाल्मीकि. ५

— वि —

विघ्न ना० अन्तराय, उपद्रव, प्रत्युद्,  
प्रत्युद्, विघ्न. ५

विशार ना० चर्च, चर्चन, चर्चा, वि-  
चार, संख्या, संख्यान, ६

विचारा हुआ ना० विचारित, वित्त,  
विन्न. १

विजय मार ना० अजकर्ण, अशम,  
असन, आशन, आमन, नीलक, पस्मायुष;  
पीतक, पीतशाल, पीनसार, पीनसाल,  
पीनमानक, पुष्पप्रियक, प्रियक, प्रिय-  
सालक, बन्धूक, बन्धूकपुष्प, महासर्ज,  
बनेसर्ज, वाजिकर्ण, विजयसार, वी-  
जक, शान्द्युगम, सर्जक, सौरि. २५

विदारीकन्द ना० इक्षुविदारी, गजेष्टा,  
गन्धफला, पलाशना, भूकूपमारदी, भू-  
मिकुम्पारि, रसाला, वारिवल्लभा, विडाडी,  
विदारी, विदारीकन्द, वरिा, वृष्यबल्लिका,  
वृष्यकन्दा, वृक्षादनी, शुक्रा, शृगालिका,  
शृगली, ताता, स्वादुकन्दा, क्षीरकन्दा,  
क्षीरगन्धी, क्षीरवदारका, क्षीरयुक्ता,  
क्षुद्ररेवता. ५५

विदारीकन्द उजला ना० इक्षुगन्धा.

क्रोद्धी, श्वेतभूमिकुष्माण्ड. १

विदारकन्द कालाना० कृष्णभूमि  
कुष्माण्ड; क्रोद्धी. २

विशागवृक्ष ना० आनेमी, ऋतगंभी,  
कोठरपुष्पी, लृगना; लृगनाण्डी, लृग-  
लाञ्छिका, लृगलान्त्रा; लृगलायंभी, लृगला-  
लृगलान्त्रिका, जुंग, जुंगक, जुंगा, वि-  
षारा, वृद्ध, वृद्धदारक, वृद्धदार, वृष्य  
गन्धा, श्याम, श्यामा, सुपुष्पी, क्षत्रि-  
ध्वंमिन्, क्षत्रविध्वंसी. २३

विपाति ना० आपाति; आपद, आपदा;  
विपाति, विपद, विपदा. ६

विलस्त ना० द्वादशांगुल, वितरित;  
विप्ता, विलस्त, वीता. ५

विशाखा नक्षत्र ना० राधा, विशाखा  
विश्वामित्र ना० कौशिक, गाथिन,  
गावितनय, गाथिपुत्र, गाथिसुअन, गा-  
थिसुत, गाथेय, विश्वामित्र. ८

विश्वासी ना० आप्त, प्रत्ययित,  
प्रत्ययिता, विश्वासपात्र, विश्वासी. ५

विष ना० अमृत, कलाकूट, कालकूट,  
गद, गर; गरद, गरल, घोर, लृन्द, जं-  
गुल, नांगुल, तच्छिण, धूनक, निद, निर्मोक,  
नील, मूगर, म, मधुर, रक्तशृंगिक, रस;  
विष, विषल, हाहल, स्नेह. २८

विषभेद (स्थावरादि) ना० काकोल,  
कालकूट, गौराद्रिक; प्रदीपन, ब्रह्मपुत्र;  
शौकिकेय, सारोष्ट्रिक, सौराष्ट्रिक, ह-  
लाहल, हालहल, हालाहल, हालहाल.

विषभेद ना० जांगलि, जांगलिन

जांगुलि, जांगुलिक, विषभिषज, विषवैद्य,  
विषहरवैद्य. •

विष्णु ना० अखिलेश्वर, अच्युत,  
अज अजित, अनघ, अनन्त, अनन्ता-  
त्मन्, अनन्तात्मा, अनन्तरूप, अनन्तश्री,  
अनर्थ; अदल, अनामय, अनिमिष, अ-  
निमेष, अनिरुद्ध; अर्दिश्य, अनिवि-  
राम, अनिर्वर्तिन, आनल, अनशिश अनु-  
त्तम, अनेकमूर्ति, अंतर्यामी, अन्न,  
अन्नाद, अपरान्त, अमयद, अमरप्रभु;  
अमरन्त, अमरश; अन्तविक्रम, अमिता-  
शन, अमूर्ति; अमूर्तिमत्, अमृत, अमृतप,  
अमृताशुद्ध, अमृत्युः, अमृतात्मान्, अ-  
मोघ, अयोनिन, अरिदाक्ष; अरिद्र;  
अर्क, अर्चिष्मन्, अर्थ, अर्ह, अविज्ञ तो,  
अव्यक्त, अव्यय, अशोक, असुरारिपु,  
असुरसुदन, असुरहत् अक्षर, आत्म-  
योनि, अदित्य, आनन्, आश्रम, इन्द्र-  
कर्मन्, इन्द्रावरज, इशान, उत्तम, उत्ति-  
रण; उदारविय, उदीर्ण, उद्भव, ऋद्ध,  
एक, एकपाद, कपिल; कपिलाचार्य;  
कमलापति, कमलासख, कर्ता, काम,  
कामिन्, कुन्द, कुन्दर, कुमुद, कृष्ण,  
केशव, कैटभजित, कैटभारिपु, कैटभरि,  
क्रम, क्रोवहन्, गदाधर, गदाभृत्, गविन्,  
गगस्तिन्, गरुडध्वज, गरुडांक, गरुडा-  
सन; गुप्त; गुरुत्तम, गृह, गुह्य गोप,  
चक्रधर, चक्राणि, चक्रभृत्, चक्रहस्त,  
चक्रायुध, चक्रि, चक्रेश्वर, चतुर्भुज,  
चतुर्भुज, चतुर्व्यूह, चन्द्रांशु,

जगत्पति, जगदीश, जनार्दन, जयंत, ज-  
लशय, जलशयन, जलशयिन, जलशायी;  
जितक्रोध; जितामित्र, जीव, ज्योतिस्;  
सारण, तंतुवद्धन, तथीकर, तुष्ट, दम,  
दमन; दमयित्र; दर्पघ्न, दर्पद, दर्पहन्,  
दक्ष, दक्षिण, दानवारि; दीप्तमूर्ति, दु-  
रतिक्रम, दुर्जय, दुर्मेषण, दृप्त, देवभृत्,  
देवातिदेव, देवाधिदेव, देवारनिकन्दन,  
देवेश, दैत्याणि, द्युतिधर, द्रविणपद,  
धनंजय; धनुर्धर, धनुर्भृत्, धन्विन्,  
धन्वी, धरणीधर, धरणीश्वर, धर्मकृत,  
धर्मगुप्त, धर्मविदुत्तम, धर्माध्यक्ष,  
धातु, धुर्य, धृतात्मन्, धृत्वन्, ध्रुव, नन्द,  
नन्दकिन्, नन्दन, नन्दि, नघ, नरायण,  
नरोत्तम, नक्षत्रनेमि, नक्षत्रिन्, नारसिंह,  
नारायण, निमिष, निवृतात्मन्, निवृतात्मा  
निष्ठा, न्यग्रोध; न्याय; पद्मकर, पद्मगर्भ,  
पद्मनाभ; पद्महस्त, पद्मिन्, पद्मेशय,  
परमांगक, परमेश, परमेश्वर, परमेष्ठिन,  
परमेष्ठी, परिग्रह, पर्जन्य, पवन, पाप-  
नाशन, पावन, पीतांबर, पुण्डरीकाक्ष,  
पुण्यकीर्तिन, पुण्यश्रवण, पुनर्वसु, परंदर,  
पुराण, पुरुष, पुरुजित्, पुरुषकेसरिन्,  
पुरुषाद्य, पुरुषोत्तम, पुष्कराक्ष, पुष्पहास  
पूरयित्र, पेशञ्च प्रकाशन, प्रकाशात्मन्,  
प्रग्रहे, प्रजापति, प्रणव; प्रतिष्ठित; प्र-  
त्यय, प्रथित, प्रभव, प्रभु, प्रमाण, प्रभोदन  
प्रसन्नात्मन्, प्राणद; प्राणभृत्, प्रियकृत,  
प्रियार्ह, प्रीतिवर्धन, ब्रह्मध्वंसि, ब्रह्मकृत,  
ब्रह्मपितृ, ब्रह्मण्य, ब्रह्मण्य, ब्रह्मण्यदेव,

भक्तवत्सल, भगवंत, भगवान्, भयङ्कर,  
भर्तृ, भारभृत्, भावन, भास्वरभृत्, भि-  
षज, भिमपराक्रम; भृगुर्भ, भूतभावन,  
भूतात्मन्, भूतावास, भूषण, भोक्तृ,  
भोजन, भोजिष्णु, भधुसूदन, मनःपति,  
मनस्पति, महक, महाक्रम, महातपस,  
महामाय, महामूर्ति, महायज्ञ, महायाम्य,  
महावराह, महास्वन, महाहंस, महीधर,  
महीधू, महेश, महेश्वर, मुकुन्द, मेधज,  
यज्वन, यदुपति, यज्ञ, यज्ञकृत, यज्ञकृत,  
यज्ञपति, यज्ञपुस, यज्ञपुमान्, यज्ञपुरुष,  
यज्ञफलद, यज्ञभावन; यज्ञभृत्, यज्ञवाहन  
यज्ञसर, यज्ञत्रातृ, यज्ञांग, यज्ञांतकृत,  
यज्ञात्मन्, यज्ञावयव, यज्ञी; यज्ञेश्वर,  
योगनिद्रालु, योगपति, योगिन्, योगी,  
रथांगपाणी, रमाभान्त, रमानाथ, रमापति  
रमाप्रिय, रमेश, रविनेत्र, रविचोचन, रघुण,  
लक्ष्मीनाथ, लक्ष्मीपति, लक्ष्मीरमण, लो-  
कनाथ, लोकपति, लोहितान्त, वत्सल,  
वत्सल, वरांग, वराह, वर्द्धमान, वारंगन्,  
वाजसन, वासु; विक्रम, विक्रामित, विद्यु,  
विभु; विरज, विरिच, विरिचन, विरिचि,  
विशिष्ट, विश्व; विश्वजित्, विश्वभावन,  
विश्वयोनि; विश्वरूप, विश्वात्मन्; वि-  
श्वात्मा, विषय विष्टरश्रवा, विष्णु, वीर,  
वीरबाहु, वीरहन्, वृषभेक्षण, वृषांतक,  
बृहत्, वेद, वेदविद, वेधस, वैकुण्ठ, व्यक्त,  
व्यक्तरूप, व्यग्र, व्यवसाय, व्यवस्थाप,  
व्यादिश, व्यापिन, शंभुभृत्, शतावर्त,  
शतावर्तिन्, शशाङ्गिन्, शिलपिडन्, शि-

खण्डो, शिपीविष्ट, शौरि, श्रीअंक, श्री  
कांत, श्रीगर्भ, श्रीदयित, श्रीधर, श्रीनिके-  
तन, श्रीनिवास, श्रीपति, श्रीमूर्ति, श्रीरंग,  
श्रीवत्स, श्रीवत्सधारिन्, श्रीवत्सधारी,  
श्रीवत्समलदमन, श्रीवत्सनांछन्, श्रीवल्लभ,  
श्रीहरि, श्रीश, श्रेष्ठ, सत्कर्तृ, सांच्चदा-  
त्मन्; सत्य, सहस्रदृश, सहस्रनयन, स-  
हस्रभुज, सस्रपाद, सहस्रपुत्र, सहस्र-  
वदन, सहस्रश्रवण, सहस्रानन, सहस्राक्ष,  
सास्वता, सामगर्भ, सामगायन, सुखद,  
सुरारिचिन्, सुरारिहंतृ, सुवर्णवर्ण, सुवर्ण-  
विन्द, स्वामी, हंस, हरि, हिरण्यगर्भ,  
दृष्योःश हेमाग, त्रिप्राधायिन्, त्रिककुद,  
त्रिदशाद्यन्त, त्रिदशायन्, त्रिनाभ, त्रिपद्,  
त्रिपान, त्रिगद, त्रिभुवनपति, त्रिविक्रम,  
ज्ञान. ४२४

१—शंख, चक्र, गदा, पद्म, पर्वण,  
पृथ्वी और धनुष नामा पर पर लगाने  
से विष्णु के नाम होते हैं ॥

२—लक्ष्मी नामोंपर पातार्थके शब्द  
लगाने से विष्णु के नाम होते हैं

३—गरुड नामोंपर आसन और ईश  
अर्थ के शब्द लगाने से विष्णु के नाम  
होते हैं ॥

४—दैत्य और पाप नामोंपर नाशन  
अर्थ के शब्द लगाने से विष्णु के नाम  
होते हैं ॥

विष्णुकन्द ना० जलवास, बहुसम्पुट,  
विष्णुकन्द, विष्णुगुप्त, वृहत्कन्द. ५

विष्णुकांता ना० अपराजिता, भसन-

पर्णी, कोयललता, गर्दभी, गवाक्षी, गि-  
रिकर्णिका, गिरिशालिनी, हर्दिका, नील-  
कांता, नीलपुष्पा, नीलपुष्पी, राधा,  
विष्णुकांता, श्वेतम्पन्दा सुनछि. १५

— ❁ वी ❁ —

वीण ना० तत्रा, तंत्री, वीण, वीणा,  
वीन; वाना. ६

वीणा आदि का शब्द ना० कवण,  
कवणन, कवाण, निक्वण, प्रक्वण, प्र-  
क्वाण, वैग्य. ७

वीरकीमाता ना० वीरप्रसू, वीरमा, वी-  
रमाता, वीरमातृ, वीरसू. ५

वीरकास्त्री ना० वीरपत्नी, वीरभार्या,  
वीरस्त्री ३

वीर्य ( मनी ) ना० इन्द्रिय, कर्ल,  
तेज, तजस्, धातु, पुमन्, बल, वन्य,  
मन्समुद्भूत, रत्न, रेतस्, रोहण, वाज,  
वाय, शुक्र, शूर्य्ये, हर्म्य. १७

— ❁ वृ ❁ —

वृद्धि अर्थपत्नी ना० आशी, आशीम्,  
अनेष्टा, अनेमद्रा, प्राणदा, भूति, मुत्,  
युग, योग, अक्षय, वसु, वृद्धि, वृद्धिका,  
सुख, वृत्ता. १५

वृषण ना० अण्ड, अण्डक, अण्डकोश,  
अण्डकोष, फलकोश, फलकोसक, मुष्क,  
वीज पोशक, वृषण. ६

वृहस्पति ना० आगिरस, आगिरस,  
गीपति, गीपतिः, गीपति, गीष्पति, गुरु,  
त्रिजशिम्बाण्डज, नाव, देवाचार्य, विषण,

धीमत, वाँफै, वाचस्पति, वृहस्पति,  
शिखण्डी, सुराचार्य. १७

वृत्त (पेड़) ना० अग, अगच्छ, अगम,  
अनोकह, अंघ्रि, कुट, कुठ, कुठार,  
कुठारु, कुठि, जगतीरुह, तरु, तरु; दुः;  
दुम, पत्रिन्, पत्री, पादप, फलद, महीज,  
महीप्ररोह, महीरुह, वनस्पति, विटपिन्,  
विटपी, वृत्त, शाखिन्, शाखी, शाल, साल.

१—भूमि नामों पर रह शब्द लगाने  
से वृत्तके नाम होते हैं

वृत्तअफर ना० अफर, अफल, अव-  
केशिन्, अवकेशी, फलवन्ध. ५

वृत्तकी उचाई ना० उच्छ्रय, उच्छ्राय  
उत्सव. ३

वृत्तकीघाटी ना० अग्र, शिखर, शिर.

वृत्तकी छाल ना० त्वक्, वक्क,  
वलकल. ३

वृत्तकीजड़ ना० अंघ्रि, तरुजीवन,  
वुध्न, मूल. ४

वृत्तछाँटा हुआ ना० छिन्नद्रुमः छि-  
न्नविटप, ध्रुव, ध्रुवक, शंकु, स्थाणु. ६

वृत्तकरैया ना० अन्नन्ध. फलगूहि,  
फलगूहिष्ण, फलग्राहिन्, फलेग्राह, फले-  
ग्राहिन्. ६

वृत्तफूलहूप ना० उत्फुल्ल, प्रफुल्ल,  
फुल्ल, विकृत्त, विकसित, व्याकोश;  
व्याकोष, संकुल्ल, स्फुट. ९

वृत्तसफल ना० फलन, फलवत्, फलग्र-  
हिष्णु, फलिन्, फली, फलेगूहि, फलगूहि,  
फलगूहिन्, फलपादन, फलेगूहिन्,  
फलेग्राही, सफल. ११

वृत्ताम्ल ( महादा ) ना० अम्लपूर,  
अम्लवीज, अम्लवृत्त, चुक्राम्ल, चूडाम्ल,  
पूराम्ल; फलाम्ल, विषाविल, वीजाम्ल,  
वृत्ताम्ल, शाकाम्ल, शाखाम्ल, श्रेष्ठाम्ल

— वे —

वेग ना० जवन, जूति, वेग, शीघ्रः ४  
वेगी—पटिया देखो

वेद ना० आगम; आम्नाय, धर्ममूल,  
निगम, ब्रह्मन, वेद, ब्रह्मन, शास्त्र, श्रुत,  
श्रुति. १०

वेदपाठी ना० छान्दस, छान्दोग्य,  
वेदपाठी, वेदज्ञ, वैदिक, श्रोत्रिय ६

— वे —

वैक्रांतमणि ना० नीचरत्न, वैक्रांत,  
वैक्रांतमणि. ३

वैदूर्यमणि (लहसुनिया) ना० अम्रोह,  
वाल, वायज, वैदूर्य, वैदूर्यमणि,  
वैदूर्य ५

वैद्य ना० अगदंगार, चिकित्सक, मि-  
षक् भिषज्, भेषमिन्, रोगहारिन्, रोग-  
हारी, वैद्य, व्यावघात ६

वैर ना० द्वेष, विद्वेष, विरोध, वैर ४  
वैरी ना० अभिघातिन्, अभिघाती,

अभिघात, अभिघातिन्, अभिघाती, अ-  
भियोगिन्, अभियोगी, अभिघ्न, अराति,  
अराती, अरि, अरी, आमित्र आराति,  
आराती, अहित, दस्यु, दुःखकारी, दुर्हृद,  
द्विष्ट, द्विष, द्विषत, द्वेषक, द्वेषण द्वेषिन्, द्वेषु,  
परः, परिपादन, परिपंथक, परिपथिन्,  
परिपंथी, परिमर्ष, प्रत्यर्थिन्, प्रत्यर्थी,

प्रत्यवस्थातु, रिपु, विपक्ष, वैरी, शत्रु, शत्रु, शात्रव, सपत्न ४२

वैशाख ना० माघव, राघ, राधा, वैशाख, वैसाख ९

वैश्य ना० अर्थ, ऊरव्य, ऊरून, भूमिस्पृक्, भूमिस्पृश, विट, वैश्य ७

वैरयाणी ना० अर्था, अर्थाणी, ऊरव्या व्याध ( हरिण मारनेवाला ) ना०

मृगजीवन, मृगद्युः, मृगसुनु, मृगद्युः, मृगयु, मृगवधाजीव, मृगवधाजीव, मृगव्याध, मृगहन, मृगाजीव, मृगाविधि, लुब्ध, लुब्धक; व्याध, व्याधा. १५

व्यासऋषि ना० द्वैपायन, पाराशर, पाराशर्य, पाराशरि, वेदव्यास, व्यास, मन्वभारत, सत्यरत; सत्यवतीमुत्. ९

व्यासानदी ना० विपाश, विपाशा, व्यासा. ३

— ❁ श —

शंख ना० अन्तःकुटिल, अन्न, अर्णोभव, कम्बु; कम्बुक, जन्तुकम्बु, जलकरक, जलज, दर, दीपिनाद, पावन ध्वनि, पत, बहुनाद; वारिज, शंख, श्वेत, पोटशर्वत, सारंग; सिन्धुपुष्प, सूचिका-मुख, हरिप्रिय, त्रिरत्न. २२

शंखछोटा ना० जलडिँव, नखशंख, नखालि, जुद्रशंख, जुल्लक. ५

शंखाहूली ना० कम्बुपुष्पी, कम्बु-माछिनी, चण्डा, पीतपुष्पी, भूळना, मंगल्यकुमुदा, मंगल्य, मलविनाशिनी; मेध्या, शंखपुष्पी, शंखाहा, शंखाहूली,

शंखिनी ना० तकुली, यवतिका, सूक्ष्मपुष्पी, स्थूलपुष्पी. ४

शंकरकन्दी ( गंजी ) ना० खण्ड-कणी, रक्तालु, वज्रकन्द, शंकरकन्द, शंकरकन्दी. ५

शंकर ( चीनी ) ना० अहिल्लत्रा, उपला, कठिना, गुडोद्भवा, बालुकामिका, मत्स्थयिडका, मत्स्थयडी, माराणी, मी-नारडी, शंकरा, शार्क, शुक्ल, मुक्तोत्पला, श्वेता, सिता, सितोपला, मुमिकता. १७

शंकर उजली ना० खण्डक, सि-ताखण्ड. २

शतलज्जनदी ना० शतदृ, शततज, शितदृ, शतुद्रि, शतुद्रू. ५

शतावर ( औषधि ) ना० अमीरु, अमीरुपत्री, अहेरु, आत्मशल्या, इन्दी-वरी, उत्तमारणी, ऋष्यगता, ऋष्यभोक्ता, वरम्भा, काञ्चनकारिणी, काष्ठी, के-शिका, जटा, तैलवल्ली, दरकण्टिका, दिव्या, दुर्मनाः, दुर्मनास, द्वीपशुद्ध, द्वीपिका, द्वेषिशत्रु, नारायणी, पीवरा, पीवरी, वरी, बहुपत्री, बहुपत्रिका, व-हुमूला, बहुमृता, मीरु, मीरुपत्री, मद-भञ्जिनी, मधुग, मत्पुरुषदन्ता, महा-शीता, मूला, रंगिनी, रसपूर्तिका, लक्ष्मनु-गातृका, वरा, वरी, वातारि, वासुदेव-प्रियंकरी, विश्वस्था, विश्वी, वीरा, वृषा-कपायी, वृष्या, शतपदी, शतपत्री, श-तमूली, शतवीर्या, शतावरी, शताहा, सम्बरी, सुपत्रा, सूक्ष्मपत्रिका, स्पर्शाहा,

स्वादुरसा. ५९

शतावर वही ना० ऊर्ध्वकण्ठी. तुंगिनी, फणिनिहा, बहुपत्रिका, महापरुष-दन्तिका, महावीर्या, महाशानारी; महोदरी, सहस्रवीर्या, सुरमा. १०

शानिश्चर ना० द्वायातनय, द्वायात्मज, द्वायासुत, रविज, रवितनय, रावपुत्र, राविसुत, रविमूनु, शनि, शनिश्चर शनी, शनेश्चर, शौरि, शोरी, सप्तांशुपुंगव, सप्ताधिप. १६

१—द्वाया और सूर्य नामोंपर सुत नाम के शब्द लगाने से शानिश्चर के नाम होते हैं

शब्द (आवाज) ना० आत्र, आरात्र, ध्वन, ध्वनि, नाद, निनद, निनद निघोष, निम्बन, रव, राव, रुद्, विराव, शब्द, शब्दन, संराव, स्यन, स्वान. १८

शयन (सोना) ना० निद्रा, शयन, सुप्त, स्वप्न, स्वाप. ५

शरफाता ना० इषुपुंखा, काण्डपुंखा, शरपुखा. ३

शरफांका उजला ना० शुभ्रपुंखा, श्वेतशरपुंखा, शितशायका. ३

शहत ना० कल्प, कौशल, कुमुमरस, कुमुमासव, लषक, पवित्र, पिचय, पुष्परस, पुष्परसाह्वय, पुष्पासव, मधु, माध्वीक, मात्तक, मार्शक, सारध, सुधा, क्षौद्र. १७

शब्दकी मनवी=मधुमक्खी देखो

शब्दकी मविस्वर्यो का छता ना०

करण्ड, मधुकोष, मुहाल. ३

शब्दकी शकार ना० मधुजा, मधुजातशर्करा, मधुशर्करा, माधवी, मात्तीक-शर्करा, शर्करना. ६

—● शा ●—

शाक ना० पर्णी, पत्रात्मक. २  
शाकवृत्त ना० अञ्जुनोपग, अर्ण. २  
शानिशाक ना० पत्तूर, पत्रक, लोह-मारक, शालाजिब, शानिची, शालिञ्जु, शालवृत्त—सांभूवृत्त देखो

शालिञ्जु ना० असफल, कुन्दुरुकी, कुरता, गताप्रया, गजमता, गन्धच्छया, गन्धलम्बा, गजाशना, गन्धकना, गन्ध-मला, जिन्नरुता, जलान्तिका, बहुमूया, भीषण, महेश्या, महेश्या, रमा, वनक-र्षिणा; शन्करी, शन्करी, शिलाकरी, मरुकी; सिलकरी, सिंहरी, सिंहम-मिका, सुवमेदा, सुगन्धा, सुरनि सुरमि-सूत्रा, सुरनी, सुरगीरसा, सुवहा, सुश्रीका, सुया, दयाशना, दूस्वदा, ह्यादिनी; हला-दिनी ३८

शालपर्णी ना० अंशमती, अस्तमती, एकमूला, कुमदा, गन्धा, गन्धांशुमती, गुहा, गुहावदरी, तन्वी, दीर्घपत्रा, दीर्घ-पत्रिका, दीर्घमूत्रा, देवी, ध्रुवा, निश्चला, पीवरी, विदारिका, विदारी, विदारीगन्धा, शालपर्णी, शालपत्रलसा, शालवन, शुभप-त्रिका, शोषघना, शोकघनी, सवानुकारिणी, सालपर्णी, सुदला, सुधा, सुपत्रा, सुभगा, सुमूया, सुरुवा, सौम्या, स्फरा, त्रिपर्णी

शास्त्री ना० अन्तर्वाणि, शास्त्र-  
बित्, शास्त्रविद्, शास्त्रज्ञ, शास्त्री, ज्ञात-  
सिद्धान्त. ६

—● शि ●—

शिकलीगर ना० असिषाव असि-  
षावक, अस्त्रमार्ज, शस्त्रमार्ज, शायानीव,  
शायानीविक, शायानीवी, शिकलीगर. ८

शिकार ना० अहेर, आखेट, आखे-  
टक, आच्छोदन, आच्छोदन, मृगया,  
मृगव्य. ७

शिर ना० उत्तमांग, मस्त, मस्तक,  
मूर्धा, शिर, शीर्ष, शिश. ७

शिरिआरीशाक ना० कुकुट, कुरुट,  
बुबु, तोयधर, मेधाकृन्, वितुन्न, श्रीवा-  
रक, श्वेतावर, सितावर, सितिवार, सूचि-  
पत्रक, सूचीदल, सूच्याह, स्वप्नकृत,  
स्वास्तिक. १५

शिलाजात ना० अगज, अद्रिज,  
अर्धय, अश्मन, अश्मजतुक, अश्मजतु,  
अश्मपुष्प; अश्मोत्थ, काष्ठानुसारि, गि-  
रिन, गुग्गुल, गैरेय, जत्वश्मक, पापाण-  
जतु, पिश्याक, मकुल्ल, शिलाजतु,  
शिलाजात, शिलाव्याधि, शिलाह, शैल,  
शैलेय; शैलेयक. १२

शिलारस ना० कपि, कपिक, कपिज,  
कपितैल, कपिनामा, कपिनामन, कपिक,  
कपिश, करेवर, कन्क, कुत्रिम, कुत्रिमक  
तुरुष्क, तैल, तैलपर्णी, धूम, धूमवर्ण,  
पाण्डित, पावन, पिण्ड, पिण्डक, पिण्ड-  
तैलक; पिण्डात, पिण्याक, पीतसार, म-

हाधन, मुक्तिमुक्त, यवन, लेपन, बृक-  
धूम, शल्ककडूव, शल्लकीरस, शिह,  
शिहक, सर्वगन्ध, सिह; सिहक, सुग-  
न्धिक ३८

—● शी ●—

शीघ्र ना० अबिलम्बित, अर, आशु,  
उत्ताळ, चपल, जवन, जूर्णि, झटिति,  
तुर, तूर, तूर्ण; तूर्णि, त्वरि, त्वरित,  
द्रुत, लघु, वेग, शीघ्र, सहसा, क्षिप्र. २०

शीघ्रगामी ना० जघाळ, जवन, तुर;  
तुरग, तुरंग, तुरंगम, तुरापण, वेगिन्,  
शीघ्र, शीघ्रगामी. १०

शीत ना० जड़, तुपार शिशिर, शीत,  
शीतळ, सुषिम, सुषीम, हिम. ८

शीतलचीनी ना० कककोळ, ककको-  
लक, कटुकफल, कटुक, काळ, कृतफल,  
कोरक, कोळ, कोलक, कोशफल, गन्धव्या  
कुल, तैलसाधन, फल, मरिच, माधवोचित,  
शीतलचीनी, सर्वगन्ध. १७

शीरखिस्त ( फारसी यवासरस  
घटित शर्करा ) ना० खगडज, खगड-  
मोदक, खगडशर, गुडभा, जलादिन्दुजा,  
तवरान, यवासशर्करा, मुग्धमोदक, हिम-  
शर्करा, हिमानी; लुग्शर्करा. ११

शीशफूल ( मोटीकीमणि ) ना० चूडा-  
मणि, शिशभूपल, शिशिरतन, शं तफूल.

—● श ●—

शुक ना० असुरगुरु, असुरपुरोहित,  
असुराचार्य, उशनस्, उशना. एकनयन,  
एकनेत्र, एकाक्ष, कवि, कधी; काव्य,



दैत्यगुरु, दैत्यपुरोधस, दैत्यपूज्य, दैत्य-  
पुरोहित, भार्गव, भृगु, शुक्र. १ =

१—राक्षस नामोंपर गुरु नामकेशब्द  
लगाने से शुक्र के नामहोते हैं ॥

२—नेत्र नामोंके प्रथम एक छगाने  
से शुक्र के नामहोते हैं

शुवाढोढीवृक्ष ना० शुक्रजिह्वा, शुक्र-  
नागा, शुक्रारुथा, शुक्रानना. ४

—● श ●—

शूद्र ना० श्रवरवण, जवन्यज, वृषट,  
शूद्र. ४

शूलानृण ना० अशाखा, भूमूलिका,  
पिच्छुळा, मधुळता, महिपीप्रिया. ५

—● शो ●—

शश ना० अनंत, अहिपति, अहिराज,  
धरणीवर, धरणीपुत्र, धरणाभृत, धराधर,  
ध्वजिन, नागपति, नामराज, नागेश,  
भुजंगपति, भुजंगपती, भुजंगेन्द्र, भुजंगेश,  
वासुधि, वासुकेय, शश, शेष, सपेपति,  
सर्पराज, सहस्रबदन, सहस्रमुख, सहमानन.

१—पृथ्वी नामोंपर धर छगानेसे शश  
के नामहोते हैं ॥

२—सर्प नामापर पति अर्थ के शब्द  
लगाने से शश के नामहोते हैं

—● शो ●—

शोक ना० मन्यु, शुक्, शोक, शोच.  
शोणभद्रनदी ना० शोण, शोणभद्र,  
हिरण्यवाह, हिरण्यवाहु. ४

शोभा ना० आभा, कांति, छवि, छबी,

दीप्ति, द्युति, द्युती, परभा, प्रभा, प्रभान,  
भा, इचि, रोचित्, रोची, शोभा, भी;  
सुपभा. १७

शोरा ना० तीक्ष्णरस, शोरा, सोरा. ३

श्याम तमाल = तमाल श्याम देखो

श्यामलता = साक्षमाकाला देखो

श्रीताडवृक्ष ना० मर्षालेख्यदल, मद्दु-  
च्छद, मृदुताल, याम्योद्भूत, विशालपत्र,  
श्रीताड. ६

—● स ●—

संयम ना० यम; याम, विद्याम, संयम,  
संयमन, संयाम. ६

संसार ना० जगत, जगती, पिष्टप,  
भव, भाव, भुवन, लोक; विश्व, विष्टप,  
विष्टम, संसार, संसृत. १२

संक्षेप ना० अक्षितर, अक्षिनार, सं-  
क्षेप, संक्षरण, समसन. ३

सखी ना० अदि, अली, अगलि,  
आली, भद्र, मित्रा, वयसा, वयस्या,  
वैस्या, सखि सखी, सखीजन, संधीनी,  
सवयम, सवया, सहचरी, संहली, सुमन्वा,  
सुमखि, सुमखा, हित्. २१

संस्त्रिया ना० वैगटक, संस्त्रिया. ३

संग्रहणी ना० ग्रहाणि, ग्रहणी, प्रवा-  
हिना, संग्रहणी. ४

सञ्चा ना० ऋजुयु, प्रगुण, सरल,  
संधा. ४

सञ्चाज्ञान ना० प्रमा, प्रमिति, यथार्थ-  
ज्ञान, सञ्चाज्ञान. ४

सञ्जन ना० आर्थ्य; कुलीनक, कौ

लीन, कौलेयक, महाकुल, महाकुलीन,  
सज्जन, सभ्य, साधु. ९

सज्जी ( सारप्रसिद्ध ) ना० कापोत,  
योगवाही, रुचक, श्रुद्धिनवा, सज्जी सज्जि,  
सज्जिका, सज्जिकाशार, सज्जिकाशार; सज्जी,  
मुखवर्चक, मुखवर्चकाः, मुखवर्चस्, मु-  
खार्चिक मुखवर्चक, मुखवर्चला; मुखवर्चिक,  
मुखवर्चिका, मुखवर्चिम्, मुखवर्चि, मुनिका-  
शार, सौवर्चक, स्वर्जिक, स्वर्जिका-  
क्षार, स्वर्जिकक्षार, स्वर्जिकस् स्वर्जी, क्षार

सखपुष्पीवर्दी ना० महाशणपुष्पिका,  
महाश्वेतपण्ठी, महारचना, महासिता,  
वृहच्छणपुष्पी. ५

सतिवनवृत्त (छितवन व सतपन्ना)  
ना० अयुरुद्ध, अयुग्मद्ध, गन्धिपर्ण,  
गुच्छपुष्प, गुत्सपुष्प, ग्रहनाश, ग्रहना-  
शन, गृहाशी, गृहाशिन. छितवन, छत्र-  
पत्र, दलगान्ध, देववृक्ष, बहुपर्ण, बहुपुत्र,  
मद्गन्ध, मुनिच्छद, युग्मपर्ण, विन्द,  
विन्धा, विशालत्वक्, विशालत्वक्, वि-  
षमच्छद, वृहत्त्वक्, वृहत्त्वक्, शनिपर्ण,  
शारद, शारदी, शारमालपत्रक, शिमोकरा.  
सतिवन, सतोना, सतोना, सप्तच्छद,  
सप्तदल, सप्तपर्ण, सप्तपर्णारूप, सप्तदह,  
मुपर्णक. २६

सतुआ (सत्त) ना० चूर्णक, चूर्णिका,  
धाना, सक्तु, सत्त. ५

सत्य ना० ऋत, ऋतम्, तथ्य, सत्य,  
समीचीन, सम्यक्. ६

सन ना० मातुलानी, वमन, शण, जुमा. ४

सनवृत्त-पटुआ देखो

सनईवृत्त ना० वगटारवा, वगटाशब्दा,  
वृहत्पुष्पा, शर्णाई, शणपुष्पिका, शणपुष्पी,  
शणिका. ७

सनाय ना० स्वर्णपत्रिका, स्वर्णपत्री,  
हेमपत्री. ९

सन्दूख ना० पेट, पेटक, पेठा, पेटिका,  
पेटा, मंजूष, मंजूषा. ७

सन्देह ना० द्वार, विचिकित्सा, स-  
न्देह, संशय. ४

सन्ध्या ना० दिनान्धय, दिनांत, दि-  
नावसान, पितृभ्रम, प्रदोष, रजनीमुख,  
सन्ध्या, सायं. सायंकाल. ९

सन्यासी ना० कर्मन्दिन, कर्मन्दी,  
पराशरिन्, पराशरी, परिव्राज्. परिव्राज,  
परिव्राजक, पराशरिन, पराशरी, भिक्षु,  
मस्करिन्, मस्कारी, सन्यासी. १३

सप्तर्षि ना० निवृत्तशालाइन, निवृ-  
त्तशिखण्डी, सप्तर्षि. ३

सफाई ना० पूत; पूति २

सय ना० असगड, अखिल, अनून,  
अनूयक. अशेष, कृत्स्न, निःशेष, निखिल,  
पूर्ण, सखल, सख, सम, सम्य, समस्त,  
सम्पूर्ण, सख. १३

समा ना० आस्था, आस्थान; आस्थानी,  
गोष्ठी, पारत, वात्सर्णी, सदस्, संसत्,  
संसद्. समा, समज्या, सभत, समिति.

सभासद (सभामें बैठनेवाले) ना०  
सदस्य, सभासद, सभास्तारा, सभिक,  
सभ्य, सामाजिक, सामाजिका. ७

समय ना० अनेह, अनेहस्, अनेहा, अवसर, औसर, काल, दिष्ट, बेरा, बेला, समय. १०

समाधान ना० अवधान, प्रणिधान, समाधा, समाधान. ४

समुद्र ना० अकूपार, अपाम्नाथ, अपाम्निधि; अपाम्पति, अपार, अप्यति, अविधि, अम्बुधि, अम्बुनिधि, अम्बुराशि, अम्भोध, अम्भोानधि, अम्भोराशि, अर्णव, अवागपार, आपाम्पति, आर्णव; उदधि; उदन्वत्, कूपार, कूपार, जलधर, जलधि, जलनिधि, जलनिधी, जलपति, जलेश, जलोद्वार, नाविधि, नाविपी, नावीपी, तिभि, तिभिद्रोप, नदपति, नदराज, नदीकान्त, नदीपति, नदीश, पयोध, पयोधि, पयानिधि, पयोराशि, पाराधार, नाहावार, नादसाम्नाथ, यादशाभनि, रत्नभिधि, रत्नराशि, रत्नाकर, वारिधि, वारिनाथ, वारिनिधि, वारिराशि, वारीश, समुद्र, सरस्वत, सरितापति, सरित्नाथ, सरित्पति, सारस्वतृ, सलिलनिधि, सलिलपति, सलिलराशि, सागर, सिन्धु. ६५

१—जल और नदी नामोंपर पति अर्थके शब्द लानसे समुद्रके नामहोतेहैं

२—समुद्र नामोंपर ज या सुत अर्थके शब्द लगानसे समुद्रके उत्पन्न १४रत्नों के नाम होतेहैं

३—समुद्र नामोंपर जा या कन्या अर्थके शब्द लशान से लक्ष्मी, मदिरा, हृद्, मणि, और गौके नाम होतेहैं

समुद्रफल ना० अदल, अब्ज, अम्बुज, इज्जल, कान्त, कामुक, जलज, दीर्घपत्रक; धनद, नदीकान्त, नदीर्ण, निचुल, पिचुल, रक्त, रक्तमञ्जर, समुद्रफल, सेव्य, हिज्ज, हिज्जल. १९

समुद्रफेन ना० अविधकफ, अविधफेन, अमल, अम्बुज, अर्णवज, उदधिफल, कफ, जलहाम, डिण्डर, डिण्डीर, पयोधिक, पिण्डीर, फेण, फेन, फेनक, महाफेना, श्वेतधामन, श्वेतधामा, समुद्रकफ, समुद्रफेन, सामुद्र, सामुद्रक, सिन्धुकफ, सुफेन; हिण्डर, हिण्डीर. २६

समुद्रशोष ना० समुद्रशोष, हिज्जलवीज, समूह ना० अनेक शोष, कदम्ब, कलाप, गण, द्राम, चय, जाल, तति, तर्ती, निकर, निकाय, निकुरुम्ब, निचय, निवह, पूञ्ज, प्रवर, युति, यूथ, वार, विसर; विमार, वृन्द, व्युह, व्रांत, संघ, संघात, संशति, संहनन, मञ्चय, संनिति, सन्दोह, सधवाय, समावाय, समुद्रय; समुद्राय, समूह, स्तोम. ३८

सम्भालूवृत्त ना० अनन्त, अर्धभिक्षक, इन्द्रमुरम, इन्द्रसगिम, इन्द्रमुरी, इन्द्राणिका, इन्द्राणी, नदीकान्त, निसिन्धु, वारेन्द्र, शकाणी, शुक्लपृष्ठक, श्वेतपुष्प, सम्भालू, सद्बालू, सिल्लक; सिन्धुवार, सिन्धुवारक, सिन्धुवारिका, सिन्दूक, सिंधु, सिन्धुक, सिन्धुवार, सिन्धुवारक, सिन्धुवारित, सुरस, सुवहा, स्थिरमाधनक. २८

सम्भालूनीलावृत्त ना० निर्गुण्डी,

नीलसिन्धुवार, बदरीफला, भूतकेशी, म-  
यिका, शीतसहा, शेफालिका, शेफाली. ८

सरकण्ठा ना० अनुपुष्प, इषुकाण्ड,  
इक्षुप, इक्षुषेष्टन, उत्कट, कलम्ब; गुन्द्र,  
गुन्द्रक, चित्रपुष्प, तेजन; तेजनक, दीर्घ,  
नृपणिय, भद्रमुंज, रामसर, वाय, वि-  
शिल, बीरतर, शर, सरकण्ठा, सरपत,  
लुर, लुरपत्र, लुरिकापत्र. २४

सरफोका ना० नाडीकलाप, घाण-  
दहन, वायुपुंखा, वायुधि, शरपुंखा,  
सर्पाक्षी, सारकपुंखा. ७

सरधत ना० पानीय, सरधत, सर्वत ३

सरलवृक्ष ना० पारिभद्र, पीतद्रु, पी-  
तदारु, पीतवृक्ष, पूतिकाष्ठ, पूतिकाष्ठक,  
भद्रदारु, मरिचपत्रक, श्रीवासच्छद, श्री-  
वेष्टक, मग्ग, स्निग्ध, स्निग्धदारु,  
जीराह. १४

सरलकागोद ना० घृताह, तिळपर्ण,  
तैलपर्णी, तुरुष्क, धूपंग, पायस, रक्त-  
शीर्षक, रसाह, शुकधूप, वृक्षधूप, वेष्ट,  
वेष्टक, वेष्टसार, शीकर; श्रीवासाः, श्री-  
वामाम्, श्रीवेष्ट, सरलद्रव, सरलांग, जीर,  
जीरशीर्ष. २१

सरलका रस ( ताड़पीनका तेल )

ना० श्रीपिष्ट, श्रीरस, श्रीवास, सरलद्रव,  
सरसो ना० कटुस्नेह, कदम्ब, कद-  
म्बक, कदम्बद, तन्तुक, तन्तुभ, भूतना-  
शन. राजसवक, विम्बट, सरसव, सरसो,  
सरिषप, सर्षप, सर्षपिका, मूत्रिका. १५

सरसोउजली ना० अनघ, कटुस्नेह,

क.यहूधन, गुरुधन, गौर, गौरसर्षप, गौरिल;  
तीक्ष्णक, दुराधर्ष, धवलसर्षप, रत्नोदन,  
रानिकाफल, रवेतसर्षप, सितसर्षप, सि-  
द्धप्रयोजन, सिद्धसाधन, सिद्धार्थ. १७

सरसों काली—जो राई के नाम हैं  
वेही इसके भी नाम हैं

सरस्वती ना० अनुष्टुभ, इडा, इरा,  
इला, गिरा, गो, ब्रह्मरानी, ब्राह्मी, भारसी,  
भाषा, लपित, वच, वचन, वाक, वाचा,  
वाणि, वाणी, व्याहार, शर्चा, शारदा,  
सरस्वती, हंसबाहनी, हंसयानी, हंसादि-  
रुदा, होत्रा. २४

सरीफा ना० आतृष्य, गण्डगात्र,  
पिच्छक, बहुबीज. ४

सर्पाक्षी ना० भुजंगाक्षी, सर्पाक्षी. २  
सर्पिणीवृक्ष ना० कुण्डली, पन्नगी,  
फाणि, फखिन, सर्पिणी. ५

सलगम ना० कन्द, गजागण्ड, गृ-  
हजन, ग्रन्थिमूल, पिण्डमूल, यवनेष्ट,  
रक्तलशुन, शिखाकन्द, शिखामूल. ६

सवैर ( सैरि ) ना० भरिष्ट, प्रसव-  
स्थान, प्रसूतगृह, प्रसूतस्थान, सूतिकागार,  
सूतिकागृह, सूतिकागेह, सूतिकाभवन,  
सूतिगृह ९

सवार ना० अश्ववार, अश्वरोह,  
अश्वसादिन, अश्वरोहण, अश्वारोह,  
असवार, सवार, सारि, सादिन, सादी,  
सादिन. सायिन, सायी, हयारूह १४

सवारी ना० पत्र, बाहन, यान, युग्य.  
सहदेई पौधा ना० कटुम्भरा, केरा-

वर्द्धिनी, केशारुहा; केसरिका, गन्धबल्लरी, क्येष्टबला, देवबला, देवार्हा, पीतपुष्पा, पीतपुष्पी, पुरासिनी, महाबला, मृगरसा, मृगा, मृगादनी, वंशपुष्पा, वर्षपुष्पा, सहदेई, सहदेवी. १९

सहनेवाला ना० तितित्तु, सहन, सहिष्णु, चन्ता, चन्तु; क्षमावान, क्षमिन्, क्षमी, चांत. ९

सहवेला ना० जन्य वयस्क, वयस्प, सहवेला ४

सहिजन वृक्ष ना० अक्षिव, अक्षीव, आक्षिव, आक्षीव, उग्र, उपदेश, कटुकन्द, कामिनाश, कास, काक्षीव, काक्षीवक, कृष्णगंधा, कृष्णशाले, गन्ध, गंधक, चक्षुष्य, तक्षिणगन्ध; तक्षिणगन्धक, तीक्ष्णामूत्र, दंशमूत्र; द्रविननाशन, नीलशिग्रु, प्रभाजन, बहुमूत्र, मधुगृहजन, मुसमोद, मूलकपर्णी, मेचक, मोच, मोचक, रुचिराञ्जन, विद्रधिनाशन, शाकपत्र, शिग्रु, शुभाञ्जन, शोभनक, शोभाञ्जन, शोभाञ्जन, सनामक, सहिजन, सुतीक्ष्ण, सुपत्रक, सुभाजन, सैजिन, सोभाञ्जन, सोभाञ्जन, स्त्रीचित्तहारिन्, स्त्रीचित्तहारी, हरितशाक, क्षमादेश. ५०

सहिजनउजला वृक्ष ना० रोचन, शुक्रशोभाञ्जन, श्वेतशिग्रु, सिताहय, सुतीक्ष्ण, सुमूत्र. ६

सहिजन लाल वृक्ष ना० कृष्णबीज, केसरिस्, केसरी, गर्भपातक, गुग्गुल, गुणशिग्रु, बहुलकृद्ध, मधुद्रव; मधुर,

मधुलग्न, मधुशिग्रु, मृगारि, रक्तक, रक्तशिग्रु, रिष्ट, रिष्टक, श्वेतकेश, सिंह, सुगंध, सुरंगी, सुरंगी, २१

सहिजनकातेला ना० वैजिक, शिग्रुतैल  
सहिजनके बीज ना० शिग्रुज, शिग्रुबीज, शोभाञ्जनबीज, श्वेतमारिच. ४

### — सा —

सांख्यवृक्ष ना० अग्निबल्लम, अजकणक, अश्वकर्णक, उपमेत, कळ, कळजोद्धव, कषायिन्, कषायी; कार्ष्य, कार्ष्य, कुशिक, गन्धवृक्षक, चीरपर्ण, जलदाशन, तार्क्ष्य, दिव्यसार, दीर्घशाल, शालकार्ष्य, लतातरु, लताद्रुम, लताशंख, ललन, वल्लीवृक्ष, शंकुतरु, शंकुद्रुम, शस्यसंवर, शाल, शालयुग्म, शूर, सज्ज, सज्जक, सस्यसम्बर, साल, सिद्धक सुरेष्ट, सुरेष्टक. १४

सांड ना० इक्ष्वर; इक्ष्वर, शण्ड, शण्ड, सांड. ९

साप ना० आहि, आशाविष, उदरग, उरग, उरंग, उरंगम, काकोदर, कुण्डलिन्, कुण्डली, कुम्भीनस, केंचुली, गूढपाद, गूढपाद, गूढांघ्रि, चक्रा, चक्रिन्, चक्षुश्रवम्, चक्षुश्रवा, जिह्वग, तिळित्स, दंशक, दंष्ट्राविष, दंष्ट्रिन्, दंष्ट्री, दर्वीकर, दर्वीजिह्व, दीर्घपृष्ठ, दीर्घरसन, दृन्फू; द्विरसन, नाग, पन्नग, पवनभुज, पवनाश, पवनाशन, पृदाकु, फणकर, फणधर, फणभृत्, फणवत्, फणावत्, फणिन, फणी, बिलवासिन्, बिलंगम, बिलेवासिन्, बिशेश्य, भुजंग, भुजंगम, भोगिन्; भोगी, लेलिह, लेलिहान,

वायुभक्त, वायुभक्षण; वायुभष्, वायुभन,  
विषदंतक, विषधर; विषानन, विषायुव,  
विषास्थ, ङ्याद्, ङ्याल, सरीसृक सर्प, सांप,  
हरहार, हरि, ७०

१—सांप नामोंपर अरि अर्थके शब्द  
लगाने से गरुड़ मोर, और न्योरा के  
नाम होते हैं

२—सांप नामोंपर पति अर्थ के शब्द  
लगाने से शंशनीके नामहोते हैं

३—सांप नामोंपर भय शब्द लगाने  
से पवन ( हवा ) के नामहोते हैं

सांपकाला ना० अलगर्ध; अलगर्द,  
अलिगर्द्ध, करायठ, काळानाग. ५

सांपझोटा ( संपोलवा ) ना० गोनस,  
गोनास. २

सांपदुमूडा ना० दुण्डुभ, दुण्डुम, रा-  
जिल, रानिर. ४

सांपपनिहा ना० अलगर्द, अलिगर्द,  
जलव्याळ, जलसर्प, दुण्ड, दुण्डुभ, दुण्डुम

१—सांपनामों के प्रथम पानी नामके  
शब्द लगाने से पनिहा सांपके नामहोतेहैं

सांपिन ना० अहिन, नागिन, सर्पिण,  
सर्पिणी, सर्पिनी. ५

सांबा (अन्न) ना० तृणधान्य, तृण-  
बीज, तृणबीजोत्तम, राजधान्य, वीरवृत्त,  
श्यामाक, समाक; सामा, सामाक; त्रिबीज

सागौनवृत्त ना० लपमेत, कळ, म-  
हीरुह, शाक. शाकतरु, शाकवृक्ष, शाका-  
रूप, शाळ, शंशुन; श्रेष्ठकाष्ठ, श्वेतप्रसू-  
नक, सागवन, सामून, सागौन, शिबरसार,

हलीन. ११

सातलावृत्त—थूहरभेद देखो

साफ ना० उज्वल, उल्लवण, निर्मळ,  
पवित्र, पूत, प्रव्यक्त, मलरहित, मेध्य,  
साफ, स्पष्ट, स्वच्छ. ११

साबुन ना० मटारि, सर्वक्षार, स्नेह-  
क्षार, क्षारमेलक. ४

सामिआना ना० उल्लोच, उल्लोचन,  
केषिका, बितान. ४

सारस ना० ईहामृग, कामिन्, कामी,  
गोनर्द, पुष्करारूप, पुष्कराह, रक्ताल,  
रक्तमूर्धा, रक्तालोचन, लक्ष्मन्, सारस. ११

सारिवा (गौरीसर) ना० अनन्ता, अ-  
रुण, अविधिया, आस्फोता, उत्पलशारिवा,  
कालमेघी, काष्ठशारिवा, कुष्णमूची, गो-  
पकन्या, गोपबधु, गोपबल्ली, गोपी; चंदना,  
नागनिहा, पालिन्दी, बधू, भद्रबल्लिका,  
बल्लिबरा, लता, शारिवा, शारदा, सारिवा-

सारीवसाली ना० केलिकुंचिका, सारी.

सारिवाकाला (कालीसर) ना० अ-  
नन्ता, कराला, कुष्णवल्ली, कुष्णशारिवा,  
कुष्णा, गोपबल्ली, गोपा, गोपाळ, चन्द-  
नगोपी, चिन्हधारिणी, दीर्घमूला, वृद्ध-  
न्विनी, मद्रा, महारथामा, शारिवा, श्या-  
मलता, श्यामा, श्यामालता, सारिवा,  
मुमद्रा. २०

साठवृत्त—सखुआवृत्त देखो

सालवामिश्री ना० वीरकन्द, मुषामूची-

सालमा—सारिवा देखो

सालसाकाला—सारिवाकाळा देखो

सावनमास ना० नभम्, नभा, भावण,  
भाषणिङ्, सावन. ५.

साही ना० शलक, शलाका, शल्ल,  
शल्लक, शल्लकी, श्वापद, श्वाविधि,  
साही. =

साही का कांटा ना० शल, शल्ल,  
शल्लकी. ३

### —● सि ●—

सिंघाड़ा ना० जलकण्ठ, जलकण्ठक,  
जलफल; जलवल्ली, जलाशय, वारि-  
कण्ठक, वारिकुञ्ज, वारिकुञ्जक, विपाणिन्  
विपाणी, वीजकोश, वीजकोष, शुक्रदुग्ध,  
शृंगकन्द, शृंगमूल, शृंगाट, शृंगाटक,  
संघाटिका, संघाटिका, क्षीरशुक्ल, वि-  
कोणफल. २ ?

सिंह ना० इभमाचल, इभारि, कण्ठी.  
रव, करभीर, करिदारक, करिमाचल,  
कुंनराराति, केशरिन्, केशरी, केसरिन्,  
केसरी, केहरि, केहरी, गजारि, गजमाचल,  
गजमोटन, विघ्नकाय, द्विरदांतक, द्विरदा  
रानि, द्विरदाशन, द्वीपिन, द्वीपी, पंचनख,  
पंचनदन, पंचमुख, पंचवक्त्र, पंचशिल्प,  
पंचानन, पंचास्य, पारिन्द्र, भारि, मरुत-  
प्लव, मृगद्विष; मृगनाथ, मृगपति, मृगप्रभु,  
मृगराज, मृगराज; मृगरिपु, मृगादन, मृ-  
गाविष, मृगाधिराज; मृगाराति मृगारि,  
मृगाशन, मृगेन्द्र, मृगेश, मृगेश्वर, रक्त-  
निद्ध, शार्दूल, सिंह, हयग्रीव, हरि, हरी,  
हस्तिकन्ध, हस्तिकन्ध, हेमांग. ५७

१—मुख नामों के प्रथम पञ्च शब्द

लगाने से सिंहके नामहोते हैं

२—मृगनामों पर पति राजा और  
रिपु नाम के शब्द लगानेसे सिंहके नाम  
होते हैं ॥

सिंहपुच्छी—पिठवन देखो

सिंहलीपिपल ना० अद्रिजा, उत्कटा  
कुरुम्बी, जीवनेत्री, जीवला, जीवाला;  
तामा, पावती, ब्रह्मभूमिजा, लम्बदन्ता,  
सर्वदण्डा, सर्पांगी, सिंहलस्था, सिंहली. १४

सिंही ना० उन्मद, उन्माद, पागल.  
सिंही, भिरी; सोन्माद. ६

सिन्दूरियापुष्पवृक्ष ना० करच्छदा,  
तृणपुष्पी, रक्तबीजा, बीरपुष्पी शोण-  
पुष्पी, सिन्दूरपुष्पी, सिन्दूरी. ७

सिंचार ना० कोष्ठ, कोष्ठक, गदिह,  
गोमायु, जम्बुक, जम्बू, जम्बूक, निशामृग,  
फेर, फेरब, फेरव, फेरु, भूरिमाय, मृगधूर्त,  
मृगधूर्तक, पंचक, शिवा, शिवालु, शुक्राष्ट,  
शृगाल; मृगाल. २१

सिरसावृक्ष ना० अशुल, कपीतन,  
कर्णपूर, कार्लिंग, दलाढक, प्रत्यंगिरा,  
प्लवग, भण्डर, मण्डल, भण्डी, भ-  
ण्डर, मण्डलि, मधुपुष्प, मूर्च्छपुष्प,  
मृदुपुष्प, लोमशपुष्पक, विषत्रित्तिन्, वि-  
षत्रिती, विषघ्न, विषनाशन; शंखिनीफल;  
शिरीष; शीतपुष्प; शुक; शुक्रलसु; शु-  
क्रद्रुम; शुकपुष्प, शुकविष; सप्तमद्र;  
मुपुष्प, मूसिनीफल. ३१

सिरसाजलवृक्ष ना० अशुल, शिरीषिका,  
जलशिरीष, दाढोनि; दुर्बला. ४

सिर्का ना० शुक्त; सिरका, सीधु. १  
सिहोरावृक्ष ना० जलधर, करच्छद,  
कवर्कश्च्छद, काशिक्योन, खरच्छद,  
गवात्ती, घूकाबास, निःसार; पिशाचक,  
पिशाचवृक्ष, पीत, पीतफल, पीतफलक,  
भूतवृक्ष, रुक्षपत्र, शंखिनीबास, शासोट,  
शासोटक, सकट, हारक, चारिनाग. २१

—● सी ●—

सीक ना० कुदाल, बुहारीवृक्ष. २  
सीड़ी (काठ बांसकी) ना० अधि-  
रोह, अधिरोहणी, अधिरोहणी, आरो-  
हण, निःश्रयणी, निःश्रयणी, निःश्रेणी,  
निश्रयणी, निश्रेणि, निश्रेणी, सोपान. ११  
सीदी (ईटमाटी का जीना) ना०  
आरोहण, निःश्रयणी, निःश्रयणी, निः-  
श्रेणी, निश्रयणी, निश्रयणी, निश्रेणि,  
निश्रेणी, सोपान, सोपानपत्रिका, सोपान-  
पत्र; सोपानपद्धतिः, सोपानपरम्परा,  
सोपानमार्ग. १४

सीताफल=कोहड़ा देसो

सीधा (जोटेदानही) ना० अजिष्ण,  
अवक्र, अजु, अजुक, अजुधा, प्रगुण,  
सरल, सीधा. ८

सीना ना० सीना, सीवन, सूचीक्रिया,  
सेवन, स्यूत, स्यूति. ६

सीपी (जलजंतु) ना० कृमिशुक्ति,  
तोयशुक्तिका, दीर्घकोशिका, दीर्घकोषिका,  
पंकशुक्ति, पटोलक, पुष्टिका, शुक्ति,  
शुक्तिका, सीपी, सुदूशुक्ति. ११

सीपीमोक्षी ना० सौतिक, मुक्तागार,

मुक्तागृह, मुक्ताप्रसू, मुक्तामात, मुक्ता-  
स्फोट, मुक्तास्फोटा, मुक्ताशुक्ति, शुक्तिका  
सीसमवृक्ष ना० अगुरु, अगुरुशिशपा;  
अपुच्छा, कालानुसार्य, कृष्णसार, कृ-  
ष्णला, तक्षिणसारा, धूमिका, पिंगला,  
पिच्छा, पिच्छितिका, पिच्छिला, महा-  
श्यामा, युगपत्रिका, युग्मपत्रिका, बीरा,  
शिशपा, सीसम १८

सीसम भूररंगका वृक्ष ना० कपिला,  
कपिलाक्षी, कुशिशपा, भस्मगर्भा, सारिणी,  
सीसाधातु ना० अहि, उरग, कुवंग,  
चांत, चीनपिष्ट, चीनवंग, चीर, जड़,  
ताराविमला, तागशुद्धिकर, नाग, पद्म,  
परिपिष्टक, पातालनृपति, पिच्छट, पिष्ट,  
वधू, बधूक, बहुमल, बावर्बटीर, भुजंगम,  
महाबल, मृदुकृष्णायस, चवनेष्ट, घामु-  
नेष्टुक, योगेष्ट, वप्र, वयोरंग, वर्द, शिरा-  
वृत, भिन्दूरकारण, सीस, सीसक, सीसपत्रक,  
सीसोद्भव, त्रपु. ३६

—● सु ●—

सुअर ना० किति; किटी, किर, किरि,  
किरी, किर्याणी, कोल, कोड, गृष्टि, गृष्टी,  
वृष्टि, वृष्टी, वृष्टि, घोणिन, घोणी, दी-  
घेद, पोत्रायुध, पोत्रिन, पोत्री, भूदार,  
रोमस, वराह, वाराह, विटचर, शूकर,  
सुअर, सूकर, स्तब्धरोमन. २८

सुअर जंगली ना० किर्याणी, दंष्टासू,  
दंष्ट्रायुध, दंष्ट्रिन, दंष्ट्री. ५

सुआ पत्ती ना० कीर, दाडिमप्रिय,  
दाडिममक्षक, रक्तचंचु, रक्तचुष्ट, र-



कतमुख, शुक, सुग्गा. ८

मुख ना० कम, शं, शात, शिव, शेष,  
मुख, मुदिन, सुम्न, स्यूप, स्योन. १०

सुगन्ध ना० इष्टगन्ध, घ्राणतर्पण.  
निर्हार, सुगन्धि, सुगन्धी, सुरभि, सुरभी.

सुगन्धदूरजानेवाली ना० निर्हारिन्,  
निर्हारी; समाकर्षिन्, समाकर्षी, समा-  
कर्षिणी. ५

सुगन्धवाला-नेत्रवालादेखो

सुग्रीव ना० तानतनय, तपनात्मज

सुजाक ना० कृच्छ्र, प्रमेह, बालीश,  
मूत्रकृच्छ्र, मेह, रक्तमेह, रक्षणारक. ७

सुतारी ना० आरा, चर्मप्रभेदिका. २

सुदर्शन वृत्त ना० कुध्वानिनी, च-  
क्राङ्गा, चक्राङ्गी, दधानी, मधुपर्शिका,  
क्षुष्कणी, श्रमणा, सुदर्शन, सुदर्शना,  
सोमवली १०

सुन्दर ना० अनूप, अनूपम, अभिराम,  
कमन, कमनीय, कमनीया, कम, कांत,  
काम्य, चारु, चित्तहर, चित्ताकर्षी, चि-  
त्तापहारक, चित्ताकर्षिन्, चित्तापहारिन्,  
चित्तापहारी, चित्ताहारिन्, चित्ताहारी,  
दर्शनीय, दृशीक, प्रशस्त, बन्धुर, भद्रक,  
भद्रिका, मध्य, मञ्जु, मञ्जुल, मनोरम,  
मनोहर, मनोहारिन्; मनोहारी, मनोह्र,  
रमणीक, रमणीयक, रम्य, रुचिर, रुचिष्य,  
रुच्य, ललाम, विशाल, शुभग, शोभन्,  
साधु, सुन्दर, सौम्य ४५

सुन्दरी वृत्त ना० सुन्दर, सुन्दरी २

सुपारी (फल) ना० अकोट, उद्वेग,

काण्डकार, क्रमुकफल, खपुर, गुवाक,  
गुवाक, गोपदल, चामरपुष्प, चामरपुष्पक  
चिककणा, चिककणी, चिकका, छटाफल,  
ताम्बूल, दृढबलकल, पिच्छा; पूग, पूग-  
फल, लक्ष्मीपति, विम्बु, श्रृंगारी, श्रृंगा-  
रिन्, शौभ, श्लक्ष्णक, स्थकर २६

सुपारीवृत्त ना० कर्पतन, करमद,  
कमु, क्रमुक, क्रमुकी, गुवाकवृत्त, घोर,  
चिककण, भोड, तन्तुसार, दीर्घपादप,  
पूग, पूगवृत्त, राजताल, वल्कतरु,  
सुरञ्जन. १६

सुपारी चिकनी ना० कामील, मुनि-  
पूग, रामगुवाक, रामपूग, रामसुपारी,  
सुरवर. ६

सुमेरुपर्वत ना० मेरु, रत्नसानु, सुमेरु,  
सुरपर्वत, सुरालय, हेमगिरि, हेमपर्वत,  
हेमांग, हेमाद्रि. ६

सुरमा ना० अञ्जन, कपोतसार, मेचक,  
वल्मीकशीर्ष. ४

सुरमाउजला ना० कपोतक, कापोत,  
कापोताञ्जन, चञ्चुष्य, नलि, नलिञ्जन,  
पार्वतेय, वारिसम्भन, सुवीरक, सौवीर,  
सौवीराञ्जन. ११

सुरमाकाला ना० कापोताञ्जन, कु-  
लत्थिका, नदीज; पीतसार, मेचक, यामुन,  
वारिभव, सौवीर, सौवीरसार, सूतोञ्जन,

सुरहगाय ना० चर्मरक, चर्मरागौ,  
दीर्घनाडा, सुरहगाय. ४

—● सू ●—

सूड ना० कर, पुष्कर, शुयड, शुड,

सुगड, सुंड, हस्ताग्र, हस्तिहस्त ८

सूइस ना० उडपिन, उलुव, उलुपिन,  
उलुपी, उलूपी; उलूपिन, उलूप,  
उलूपी, उलूपिन, उलुकी वुलुकिन्,  
शिशुक, शिशुमार, सूइस, सूम. १५

सूरुरकन्द ना० वोटकन्द, क्रिमिघन,  
परुचल, पुटकन्द, महाकन्द, वस्त्रपञ्चल,  
वृद्धिद, सुपुट. ८

सूजन ना० भांभ, शोक. शोध, रवयथु.  
सूजाक-सुजाक देखो

सूत ना० तंतु, तंतुक, तंत्र, सूत्र, सू-  
त्रंतु. ५

सूद (व्याज) ना० अर्थप्रयोग, कुशीद,  
कुपीद, कुसिद, कुसीद, कुसादपथ,  
कुसीदवृद्धि, वार्द्धिप्य, व्याज, सूद. १०

सूदखोर (व्याजलेने वाला) ना०  
कुशित, कुशीद, कुपीद, कुसिद, कुसिद,  
कुशीदिक, कुसीदिन, वार्द्धि, वार्द्धिक,  
वार्द्धिपिन, वृद्धिआजीव, वृद्धिआजीविन्,  
वृद्धिजीवन, वृद्धिजीविक. वृद्ध्याजीव,  
वृद्ध्याजीविन्, व्याजखोर १७

सूप ना० प्रस्फोटन, शूर्प, सूप, सूर्प ५

सूर्य ना० अंशुवर, अंशुपति, अंशु-  
बाण, अंशुमर्तु, अंशुभृत्, अंशुमान, अं-  
शुमालिन, अंशुमाली, अंशुस्वामी, अंशु  
हस्त, अम्बरमणि, अम्बुजपति, अरुण,  
अर्क, अर्यमन्, अर्यमा, अर्यम्य, अहः-  
कर, अहस्कर, अहःनाथ, अहःपति,  
अहर्पति, अहस्पति, अहर्वाचन, अट्मणि,  
आदित्य, आशुग, आशुगामिन, आशुगामी,

उष्णअंशु, उष्णकर, उष्णगु, उष्णदी-  
विति, उष्णरश्मि, उष्णरुचि, उष्णभाम्,  
कंजर, कंजार, कर्मसाक्षिन्, कर्मसाक्षी,  
ख, खलोन्क, खग, खल, गगनध्वज,  
गगनविहारिन्, गगनविहारी, गगनमणि,  
गगनाध्वग, ग्रहनायक, ग्रहपति, ग्रहपुष,  
ग्रहरान, ग्रहाधीश, ग्रहेश, चक्रनाकबन्धु,  
चण्डदीपिति, चण्डभानु, चण्डांशु, चित्र-  
भानु, चित्ररथ, जगतचक्षुस्, जगतचक्षू,  
जगतदीप, जगतसाक्षिन, अगतसाक्षी,  
तपन, तानकर, तपनदीपिति, तपनांशु'  
तरणि, तानन, तिग्मकर, तिग्मदीपिति,  
तिग्मरश्मि, तिग्मरुचि, तिग्मांशु, तिमि-  
ररिपु, तिमिरारि, त्विषमति, त्विषाधीश,  
दिनकर, दिनकर्तृ, दिनकृत्, दिनप, दि-  
नपति, दिनबन्धु, दिनमणी, दिनमणि,  
दिनमयूष, दिनरत्न, दिनाधीश, दिनेश,  
दिनेश्वर, दिवसकर, दिवसनाथ, दिवस-  
पति, दिवसेश, दिवाकर, दिवावसु, द्युपति,  
द्युमणि, द्वादसात्मन, द्वादशात्मा, धाम-  
केशन, धामकेशी, धामनिधि, ध्वांतवि-  
मोचन, ध्वांतशात्रव' ध्वांताराति, पतंग,  
पूषन्, पूषण, पूषा, प्रभाकर, ब्रह्म, भानु,  
भास्कर, भास्वत्, भास्वर, महिर, मा-  
र्तण्ड, मिहिर, मित्र, रवि, रश्मिमुच,  
रश्मिमत, वाति, वासरपति, वासरमणि,  
वारिजपति, वारितस्कर, विकर्तन, विभा-  
कर, विभाबन्धु, विरोचन, विवस्वत्, वृध्न,  
शू, सप्ताश्व, सप्ताश्ववाहन, सप्तसपतिः,  
सविता, सहरि, सहस्रांशु, सहस्राक्षिन्,

सहस्रकर, सहस्राकिरण, सहस्रदीधिति, सहस्रधामन, सहस्रपाद, सहस्रमरीचि, सहस्ररश्मि, सङ्घरि, सूर, सूरज, सूर्य, हंस, हरिदश्व, त्रयीतनु. १५६

१—दिननामोंपर कर, मणि और पति अर्थके शब्द लगानेसे सूर्यके नामहोते हैं

२—कमल नामोंपर पति अर्थके शब्द लगाने से सूर्यके नामहोते हैं

३—मिश, तम और हिम नामों पर रिपु अर्थके शब्द लगानेसे सूर्यके नाम होते हैं ॥

४—किरण नामोंके पूर्व उष्ण अर्थके शब्द लगाने से सूर्यके नामहोते हैं

५—सूर्य नामोंपर सुत नामके शब्द लगाने से शक्तिचर सुग्रीव करण और यम के नामहोते हैं

६—सूर्य नामों पर कन्या नाम के शब्द लगाने से धमुनानदी के नामहोते हैं

**सूर्यकांतिमाण ( आतसीशीशा )**  
ना० अग्निगर्भ, अग्निमणि, इनकांत, तपन, तपनमणि, तपनोपल, तापन, दहनोपल, रविकांत, सूर्यकांत, सूर्यमणि, सूर्यशमन, सूर्यशमा. १३

सूर्यके निकट रहनेवाले ग्रह ना० दशह, पिंगल, माठर ३

सूर्यमण्डल ना० उपसूर्यक, परिधि, पन्विश, परिवेष, मण्डल, रविमण्डल, सूर्यमण्डल. ७

सूर्यमुखी ( वृक्ष व पुष्पप्रासिद्ध ) ना० अर्कपुष्पी, वटुम्बना, कटुम्बनी, क्रूरकर्मा, क्रूरकर्मेन, जलकामुक; ताम्रद,

दिवाकरपुष्पी, दुराधर्मा, पयस्या, रविपत्र, रविप्रिय, रश्मिपति, वक्रशल्या, वराहकाठी; वराहकाठिन, व्रिष्टप, शीतला, सिता, सुवर्चला, क्षीरिणी. २१

सूर्यसारथी ना० अनुरु, अरुण, काश्यप, काश्यपनादन, काश्यपि; गरुडाम्रज; सूरसून. ७

### —● से ●—

सेंदुर ना० अरुण, गन्धार, चीनपिष्ट, नागगर्भ, नागज, नागरक्त, नागरेणु, नागसम्भव, भाळदर्शन, मंगल, रक्त, रक्तचूर्ण, रक्तबालुक, रक्तेणु, रक्तबालुका, रक्तशासन; रंगज, बंगज, वीररज; वीररजसु, शृंगार, शृंगरक, शृंगारभूषण; शोण, सन्धारण, मिन्दूर, सीमंतक, सेंदुर, सैमन्तिक, आभाण्य. २०

सेज ना० कशिप, तन्व, शषन, शयनीय, शय्या, सेज. ६

सेम ना० कुसिम्बी, निष्पाव, मण्डपा, वजिगुप्ति, शिम्बी, सिम्बी. ६

सेमउजली ना० निष्पाव, निष्पावक, श्वेतसिम्बी, सपेदसेम. ४

सेमकाली ना० कृष्णशिम्बिका; कृष्णशिम्बी. २

सेमसुआरा ना० काण्डा; काकाण्डोला, कृतफला, कोलशिम्बी, कोलसिम्बी; दाधिपुष्पी, पथ्यकपादिना, शुकरपादिका.

सेमरवृक्ष ना० अपूर्णगी, अश्वपुत्री, अहिका, कण्टकद्रुम, कण्डकारी, कण्टकाण्ड, कुकूटे, कुक्कुटी, गनाशाना, चिर-

जांवी, चिरजीविन, चिरंजीविन, चिरं-  
जीवी, तुलिनी, तुलिफला, तूलवृक्ष, तूलिनी,  
तुळिकला, दीर्घद्रुम, दीर्घायु, दीर्घायुस्;  
दुरारोहा, द्रुमकण्टका, घरणी, धारिणी,  
निर्गन्धपुष्पी, पिच्छिला, पूरणी, पूर्णी,  
बहुवैद्य, मोच, यमद्रुम; रक्तपुष्पक;  
रक्तपुष्पा, रक्तोत्पल, रम्यपुष्प, वषस्या,  
शल्मलि, शास्मल, शान्मलि, शान्मली,  
श्रीपर्णी, अवा, स्थिरजीविता, स्थिरा,  
स्थिरायु, स्थिरायुस्, स्थूलकण्टकिका,  
स्थूलफल. ४१

सैमरकाला ना० काशाल्मलि, कूटशा-  
ल्मलि, कूटशाल्मली, रोचन. ४

सैमरका गौंद ना० पिच्छा, पिच्छिल-  
मार, मोच, मोचरस, शाल्मल, शान्मली-  
वेषु, शान्मलीवेषुक, शाल्मलीवैद्य्याम्,  
सुरस. ९

सैमरका मूसरा ना० कुवकुटिकन्द,  
नाकुली, मलहन, मलहन्ता, बनवासी,  
बनवासिन, त्रिजुल, शाल्मलीकन्द. ८

सेव ( फल प्रसिद्ध ) ना० बदर,  
मुष्टिप्रमाण, सेव, सेवि, सेवित; सेवीफल,  
सेवर्तावृक्ष ना० तक्षणी, लज्जपुष्पा,  
शिवबल्लभा, सुदला, सुमनाः, सुमनास्.  
सुरभिकुमुम, सुशीता. =

सेवतीपुष्प ना० चारुशरा, बहुपत्रा,  
भृंगवल्लभा, भृंगेष्टा, रामतरुणी, शतदल  
शतपत्री, शतपत्रिका; सदा, सेगन्ता,  
सौन्वर्गवी, स्थकपद्म. १२

सेवा ना० उपचार, उपासन, उपा-

सना, उपास्त, परिचर्या, पारिचर्या,  
शुश्रूषण, शुश्रूषा, सेवा. ९

सेवार ना० अम्बुचामर, अम्बुताळ,  
अरक, कावार, जम्बाल, जलकुन्तल,  
नलकेश, नलन, नलशूक, नलान्चल,  
पंवार; भूकेश, वारिचामर, वितुन्न, शि-  
वार, शिवल, शेपाल, शेवल, शेवाल, शैव,  
शैवल; शैवाल, सकण्टक; सलिलकुन्तल,  
हटपर्णी, हटपर्णी. २६

सेह्वारोग ना० किंलास, त्वक्पुष्प,  
त्वक्पुष्पिका, त्वक्पुष्पी, सिध्म, सिध्मन्,  
सिध्मा, सेह्ववा. =

सेह्वदावृक्ष ना० कुष्णसार, मण्डीरी,  
गुडा, गुडा, गुडी, नागद्रु, निखिशपत्रिका,  
बहुदुग्धिका, बहुशाल, भद्र, महातरु, बज्र,  
बज्रकण्टक, बज्रद्रु, बज्रद्रुम, बज्रवृक्ष,  
बज्रा, वातारि, व्याघ्रनख, शास्त्राकण्ट,  
शुक्ला, समन्तदुग्धा, सिंहहृद, सीहृद,  
सुधा; सेहृद, स्नुक्, स्नुह, स्नुषा,  
स्नुहा, स्नुहि; स्नुही, क्षीरी, क्षीरिन. १४

### —● सो ●—

सोआ ( शाक प्रसिद्ध ) ना० आ-  
वाक्पुष्पी, कारवी, मोषा, छत्रा, ताल-  
पर्णी, मधुरिका, माधुरी, मिशि, मिशी,  
मिश्रेषा, मिषि, मिषी, मिसि, मिसी, वनजा,  
इन्धा, शत्रुपुष्पा, शत्रुपुष्पिका, शत्रुमूना,  
शालीना, शतशिव, शतशीवा, संहित-  
पुष्पिका, साल्य, सुपुष्पी, सुरसा, सोषा,  
सोषा, स्कन्धबन्धना. ३०

सोढ ना० इन्द्रभेषज, उषणा, कट्ट-

श्रुति, कटुभंग, कटुमद्र, कटूत्कटक, क-  
फारि, चान्द्रक, दीपनीय, नागर, नागराह्व,  
पृथ्वी, महौषध, वचन, विश्व, विश्वभे  
पज, विश्वौषध, शुण्ठि, शुण्ठी, शुण्ठ्य,  
शुष्कार्द्र, शृंगवेर, शृंगवेरक, शोषण,  
सौषर्ण. २५

सोड मिर्चपीपल ना० कटुक; कटुत्रय,  
व्योष, श्लेष्मघ्नी, त्रिकटु, त्रिवर्णक,  
व्युषण, व्युषण. ८

सोना( धातुमासिद्ध ) ना० अकुप्य,  
अग्नि, अग्निभ, अग्निबीज, अग्निबीर्य,  
अग्निशिख, अभ्र, अभ्रक, अमृत, अय,  
अर्जुन, अष्टापद, अग्नेय, आपिञ्जर,  
उज्ज्वल, ककन्द, कंचन, कनक, क-  
र्चुर, कर्चूर, कर्चुर, कलधौत,  
कल्याण, कांचन, कार्त्तेश्वर, केसर,  
गांगेय, गारुड, गौरिक, गौर, चन्द्र, चा-  
मीकर, जातरूप, जाम्बव, जाम्बूनद,  
तपनीय, तपनीयक, तवीप, ताम्रस,  
ताक्ष्य, तावीप, तेजः, तेजम्, दल्प, दीप्त,  
दीप्तक, देवाह, द्विज, दू, पारक, पारज,  
पिञ्जर. पिञ्जान, पुरट, पुरुष, भद्र, भरु,  
भर्म, भर्मन, भर्मक, भास्कर, भूचम,  
भूरि, मंगल्य, मनोहर, महाचन, महाघातु,  
महारजत, महारजन, महेश्वर, मृदुन्नक,  
रजत, रा, रुक्त, रुम, रेकण्डः, रेकणष्,  
लोहवर, लोहितोत्तम, बर्लि; वसु, वाह्नि-  
बीज, शतखण्ड, शातकुम्भ, शातकौम्भ,  
सानसि, सारंग, सुरभि, सुवर्द्धि, सुवर्चवी,  
सुवर्ण; सोन, सोना, सौमिक, सौमेरुक,

स्पर्शमणिप्रभव, स्वर्ण, हरण, हर्षयित्तु;  
हाटक, हिरण, हिरण्य, हेम हेमक, हेमक,  
हेमसार, त्रिनेत्र. १०७

सोनापाठावृत्त ना० अध्वान्तशात्रव,  
अरटु, अरलु, अरुण, अष्ट, कटम्पर,  
कट्वंग, कषाय, कुटन्नट, कुनट, केशट,  
जम्बुक, कुण्टक, टेटु, टैटू, टैटी, दिम्बिका,  
दीर्घवृन्त, दीर्घवृन्तक, ध्वान्तशात्रव, नट,  
नरेन्द्रद्रुम, निःसार, न्यंकुमूरुह, पत्रोर्ण,  
पीतक, पीतवृत्त, पीतांग. पूतिपत्र, पूति-  
वृत्त, पृथुशिव, प्रियभवि, फल्गुवृन्तक,  
भगटुक, भण्डुक, भगदूक; भल्लुक,  
भूतपुष्प, भूतवृत्त, भूतसार, भ्रमरेष्ट,  
मण्डक, मण्डकपर्ण, मयूरजघ, मुनिद्रुम,  
वटु; वसन्तक; विरोचन, विषनुत; शुक्र;  
शुकनाश; शुकनासिका; शूरण; शोण;  
शोणक; शोणाक, श्योनाक; श्योनाक,  
स्वर्णवल्कल. ५६

सोनामखी ना० अज, आपीत,  
आवर्त्त, कांचनमाञ्जिक, खग; गरुन्मात;  
गरुन्मान; चक्रनामन; चक्रनामा; ताम्रिज.  
ताप्य; ताप्यक ताप्युत्थसंज्ञक; धातुमा-  
सिक, पीतक; पीतमाञ्जिक; मधुधानु;  
माञ्जिक, विहंग. स्वर्णमाञ्जिक. सौद्रधानु

सोनार ना० कणाद; कलाद. कामन्ध-  
पिन. कामन्धवी, गौत्रिक, गौत्रिग; नाहिं-  
घम. नाहींघम. माषवर्षक. रुक्मकारक.  
स्पर्णकार, स्वर्णकुत. हेमकर. हेमकर्त.  
हेमकर्ता, हेमकार. हेमकारक, हेमल १ =  
सोमयज्ञ ना० सोमयज्ञ. सोमयाग २

सोमयज्ञकर्ता ना० सोमन्. सोमप.  
सोमपा. सोमयाजिन. सोमयानी, सोमिन,  
सोमिनी, सोमी =

सोमलता ना० इन्दुलेखा, इन्दुबल्ली,  
गुल्मबल्ली, चन्द्रबल्लरी, चन्द्रबल्ली,  
द्विनाप्रिया, धनुर्लता, ब्राह्मी, मत्स्याक्षी;  
महागुल्मा, भीनाक्षी, यज्ञबल्ली, यज्ञश्रेष्ठा,  
यज्ञाङ्गा, वयस्था. श्यामा, सरस्वती, सोप,  
सोमलता, सोमलतिका, सोमबल्लरी, सो-  
मबल्ली, क्षीरिन्; क्षीरी. २४

सोहागा ना० कनकक्षार, टगर, टं-  
कण, टंक, टंगण, धातुमारिणी, धातुबल्लभ,  
मलिन, माळतीतीरज, रंग, रंगद, रंगक्षार,  
रसधन, रसपोधन, रमाधिक. अहिन, लोह-  
द्राविन, लोहद्रात्री, लोहश्लेषण, वर्तुल,  
शुभग, सुभग, सौभाग्य, स्वर्णपाचक,  
क्षर. २५

सोहागासफेद ना० द्रावकर, माळती,  
तरिसम्भव, लोहि, शिव, शीतक्षार, श्वे-  
तटंकक, श्वेतटंकण, सिन्धु, सिन्धुकर.

—● सौ ●—

सौफ ना० अतिच्छत्रा, अवाक्युष्पी,  
कारवी, घोषा, छत्रा, ताळपर्णी, तृषाहा,  
पुष्पाह्वा, पोतिका, मंगल्या, मधुरा; मधु-  
रिका, माषवी, मिशि, मिशी, मिश्रया,  
मिषि, मिषी, मिसि, मिसी, बज्रपुष्पा,  
बनपुष्पा, बहला, शतपुष्पा, शतपुष्पिका,  
शतप्रसूना, शताह्वा, शताक्षी, शालेय,  
शालेया, शिफा, शर्णीपुष्पिका, शौलक,  
संवातपत्रिका, सितच्छत्रा, मुगन्धा, सु-

पुष्पी. १७

सौफजंगली ना० अतिच्छत्रा, बन-  
सौफ, क्षीतशवा. ३

सौगन्ध (कसम) ना० शपथ, शपत,  
शाप, सौगन्ध ४

सौति ना० अविबिन्ना, अध्यूङ्गा, कृ-  
तसपत्निका कृतसपत्नीका, कृतसापत्नका,  
कृतसापत्निका, कृतसापत्नी, कृतसाप-  
त्नीका, सवत्नी, सौत, सौति, सौती १२

सौदागर ना० आणिक, क्रयविक्रया-  
नुशय, क्रयविक्रयिक; क्रयिक, क्रयिन,  
नीवर, नैगम, पगयजीव, वाणिक, वाणिज,  
वाणिकक, वाणिजन, वाणिजः, वाणिजिक,  
वैदेह, वैदेहक, वैदेहिक, वैश्य, व्यवहा-  
रक, व्यापारिन, सार्थवाह. २२

स्तुति ना० नुन, नुति, नूत, स्तव;  
स्तुति, स्तोम; स्तोत्र. ७

स्फटिकमणि ( फटिकमणि ) ना०  
अमररत्न, अर्क, धांताशिल, निर्मलोपम,  
निस्तुपरत्न, फटिक, भासुर, शिवप्रिय,  
सितोपल, स्फटिक, स्फाटक, स्फाटिक,  
स्फाटिकोपल, स्फाटीक, स्वच्छमणि. १५

स्वतंत्र ( खुदमुखतार ) ना० अपा-  
हृत, निरंकुश, निर्यंत्रण, स्वच्छन्द, स्वतंत्र,  
स्वैर, स्वैरिन, स्वैरी =

स्वतंत्रता ( खुदमुखतारी ) ना० यदृच्छा,  
स्वच्छन्दता, स्वतंत्रता, स्वैरता, स्वैरत्वं. ५

स्वभाव ( आदत् ) ना० निसर्ग,  
प्रकृति, भाव, रूप, सासिद्धि, स्वभाव,  
स्वरूप. ७

स्वर्ग ना० गो, दिव, दिवन्, घो, घौ, नाक, सुरधाम; सुरपुर, सुरलोक, स्वर्ग, त्रिदशालय, त्रिदशानाम, त्रिदिव, त्रिविष्टप, त्रिविष्टप, त्रिविष्टपम्. १६

स्वर्णवल्ली ना० काकवल्लरी, काकायु, स्वर्णवल्ली. ३

स्वर्णक्षीरी ना० कांचनक्षीरी, कांचना, तिक्तदुग्धा, पयस्या, स्वर्णक्षीरी, हिमावती, हेमदुग्धा, हेमदुग्धी, हेमक्षीरी, हेमाद्रिजरण, क्षीरिणी. ११

स्वामिकार्तिक ना० आग्निकुमार, अग्निप्र, अग्निजात, अग्निजनय, अग्निभू, अग्निमुत्, कार्तिकेय, कुमार, कौंचदारण, कौंचमूदन, कौंचरिपु, कौंचारि, कौंचारति, गिरिजाकुमार, गिरिजातनय, गिरिजानन्दन, गिरिजासुअन, गिरिजामुत्, गुह, तारकाजित, तारकारि, पार्वतीन्दन, पार्वतीसुअन, बाहुलेय, ब्रह्मचारिन, ब्रह्मचारी, ब्रह्मचारिणाज, पद्मसेन, विशाख, शक्तिधर, शक्तिपाणि, शक्तिभूत, शरज, शरजन्मन्, शरजन्मा; शिन्धिध्वज, शिखिनाहन, पद्मवज्र, पद्मवदन, पद्मपुत्र, पद्मजन, परमातुर, सेनानी, सेनापति, स्कन्द, स्वामिकार्तिक, स्वामिन स्वामी. ४८

१—पार्वती नामोंपर मुत् अर्थके शब्द लगानेसे स्वामिकार्तिक के नामहोते हैं

२—मोर नामोंपर बाहन अर्थके शब्द लगानेसे स्वामिकार्तिकके नामहोते हैं

३—सेना नामोंपर पति अर्थके शब्द लगाने से स्वामिकार्तिक के नामहोते हैं

स्वामिनी ना० अषिपत्नी; अर्या; नायिका; पत्नी; स्वामिनी ५

स्वामी ना० अषिप; अषिपति; अषिपा; अषिभू; अध्यक्ष अर्थ, इन, ईश्वर. नायक. नेता, नेतृ; पति, परिवृद्ध, प्रभु. प्रभू. स्वामी ११

स्त्री ना० अंगना, अबला, अभिरामिनी, अमला, कमला, कलत्र, कांता, कामिनि, कामिनी, कामुका, कामुकी, कुटम्बिनी, गृहिणां, गेहिनी, गना, चतुगा, चारुवर्धना, जनि, जनिका, जनी, जाया, जोषा, जोषिका, जोषित, जोषिता, तरुणा, तरुणी, तलुनी, तिय, तिथा, दारा, नारि, नारी, नितम्बनी, नितम्बवती, नितम्बिनी, प्रतीपदर्शिनी, प्रमदा, प्रमदानन, बानिता, बाळा, चिलासिनी, मामा, भायिनि, भायिनी, भार्या, भायिनी, भीरु, भीरु, भीलु, भीलु, मत्तकाशिनी, मत्तकासिनी, मनुजा, महिषा, महीषा, महिला, महेंद्रिका, मानुषी, युवति, युवती, योवनवती, योषा, योषित, योषिता, यौवना, रमणा, रमणी, रमा, रामा, रूपवती, लक्ष्मणा, लक्ष्मिका, वधुः, वधुका, वधुटी, वधूजन, वधुटी, वासुदृश, वामलोचना, वामनी, वामा, वासिता, रयाणा, सीमन्तिनी, सुन्दरी, सूनरी, सृयास्या, स्त्री. ८८

स्त्रीउत्तम ना० उत्तमा, नारीरत्न, मत्तकाशिनी, मत्तकायिनी, मत्तकापिनी, योषितरत्न, योषारत्न, योषितारत्न, वरविधिनी ९

स्त्रीकुलवती ना० कुलपालिका, कुल-  
पात्री, कुटयोषित्, कुलवती; कुलवधु,  
कुलवती, कुलस्त्रो; कुलांगना. =

स्त्रीचतुरी ना० चतुरी, चातुरी.  
धर्मिणी. प्राज्ञा. प्राज्ञी ५

स्त्रीछिनारि—छिनारि देखो

स्त्रीनङ्गी ना० कोटरी.कोटवी.कोटवी,  
नगनका. नगिनका. नगी. ६

स्त्रीपतिकोचाहनेवाली ना० पतिवरा,  
वेर्षा; स्वयम्बरा. १

स्त्रीपति पुत्रयुत ना० कुटुम्बिनी, पु-  
रंघ्नी, पुंघ्नी; वीरवती, मूरा. ५

स्त्रीपतिको मारनेवाली ना० पतिवा-  
तिनी, पतिघ्नी; पतिविदारिणी. ३

स्त्रीपतिव्रता—पतिव्रतास्त्री देखो

स्त्रीपुरुष ना० जम्पती, जायापती, द-  
म्पति, दम्पती, भार्यापती, स्त्रीपुमौ. ६

स्त्रीपुरुषके योग्य ना० पतियोग्या,  
पतीयन्ती. २

स्त्रीप्रथमरजस्वला ना० वृष्टिरनम्,  
वृष्टिरजा, मध्यमा, मध्यमिका, मध्या. ५

स्त्रीबांभ ना० बन्ध्या; बन्धकी, बांभ,  
बांभिन, श्यामा ५

स्त्रीविवाहिता ना० कलत्र, कांता;  
गृहिणी; गेहिनी, जनि, जनिका, जनी,  
जाया, दाग; द्वितीया, नवयौवना, पत्नी,  
पाणिगृहीता. पाणिगृहीती; पाणिप्रणयिनी,  
प्रेयसी, भार्या, रमणा, रमणी, रमा, व-  
निता, बीरा, सधर्मचारिणी, सधर्मिणी,  
सहचारिणी, सधर्मिणी, सुदिता, स्त्री,

हृदयेशा, हृदयेश्वरी. १०

स्त्रीवृद्धी ना० जरतिका, जरती, पलि-  
वनी, पछिता, वृद्धा. ५

स्त्रीमैथुनचाहनेवाली ना० कामुका,  
कामुकी, जघनचपटा, बन्धकी, मैथुनेच्छा-  
वती, वृषस्यन्ती. ५

स्त्रीयुवा ना० चिरगठी, चिरिण्ठी, डि-  
क्करी, तरुणा, तरुणी, तल्लुनी; तल्लुनी,  
प्रमदाजन, युवति, युवती, योवना, योवन-  
वती, वधु; वधुका १४

स्त्रीरजस्वला—रजस्वलास्त्री देखो

स्त्रीरजहीना ना० निष्कला, निष्कली,  
निष्कला, निष्कली, रजहीना, विगतार्तवा,

स्त्रीरांड ना० रण्डा, रांड; चिथुरा,  
चिववा, चिथुरा, विश्वस्ता. ६

स्त्रीरूपवती ना० श्रंगना, श्रमला,  
कामिनी, चारुश्रंगी, चार्वी, प्रमदा, मा-  
मिनी, भाविनी, मत्तकारिणी, मत्तकासिनी,  
रमा, रामा, रूपवती, शुभानना, सुदर्शना,  
सुन्दरी, सुलोचना. १७

स्त्रीशुभाशुभज्ञाता ना० ईक्षणिका,  
दैवज्ञा, विप्रशिनका. ३

स्त्रीसुवासिनी ना० चिरण्ठी, चिरिण्ठी,  
सुवासिनी, स्ववासिनी. ४

स्त्रीसोहागिन ना० आहिवातिन्, अ-  
हिवातिनी, आहिवाती, पतिवती पति-  
वती, समर्तिका, सुवामिनी, सोहागिन,  
सोहागिञ्ज, सोहागिनी, सोभाग्यवती. ११

स्त्रीसौरही ना० जच्चा, प्रजाता,  
प्रमृता, प्रसूतिका, सौरही. ५



## — ह —

हंस ना० चक्रांगी, मराल, मरालक,  
मानसचारित्र, मानसचारी, मानसत्रन्मन्,  
मानसत्रन्मा, मानसालय, मानसौक्यम्,  
मानसौका, मुप्रिव, वरटा, वारटा, वारला,  
हंस, हंसक, हंसा. ११

हंसकाला ना० धार्तराष्ट्र, मल्लिका,  
मल्लिकारुय, मल्लिकान्त. ४

हंसराजचावल ना० गंधशालि, वास-  
मती, हंसराज. १

हठ ना० प्रमथ, वलात्कार, हठ. १

हृद ना० अनन्ता, अभया, अमृता,  
अमोघा, अढ्यथा, कायस्था, कर्षकला,  
कन्या, चेतकी, चेतनकी, जया, जीवन्तिका,  
जीवन्ती, जीवप्रिया, जीव्या; दिव्या,  
देवी, पत्थ्या, पावनी, पावनी पत्तना,  
प्रपथ्या, प्रपथा, प्राणदा. मुनिभेषज,  
रसायनफला, रुद्रप्रिया, रोहिणी, वनतिक्त,  
वयस्था, विजया, शक्रपृष्ठा, शिवा, श्र-  
पसी, सुवा, सुधोद्धवा, हृद, हरद,  
हरीतकी, हैमवती. १०

हृदवृत्त ना० पथ्य, हरीतकीवृत्त २

हृदजोर ना० अमर, अस्थिश्रृंखला,  
अस्थिसंहारी, अस्थिसंधिक, वज्रवल्ली,  
बजाङ्गी, बजी, हृदशंकरि; हृदसंधारी ८  
हृत्यारा ना० वातक, षडिक, व्याध,  
शरारू, हृत्यारा; हन्तु, हन्ता, हिंसक,  
हिसात्मक, हिंस. १०

हथिनी ना० इभयुवति, इभी, इभ्या,  
कणेरा, कनेरा, करिणी, करिनी, करेणु,

करेणू, कुञ्जगा, कुंजरी, धेनुका, नागां-  
गना; पद्मिनी, नधकी, मनाका, मलाका,  
वासुगा, हथिनी, हस्तिनी २०

हथियार ना० अस्त्र, आयुध, महरण,  
शस्त्र. ४

हथियारस्नाना ना० अस्त्रागार, आ-  
युधागार, शस्त्रशाला, शस्त्रागार ४

हथियारवन्द ना० अस्त्रधारी, आयु-  
धिक, आयुधिप, आयुधजीविन्, आयुध-  
जीवी, आयुधी, आयुधीय, काण्डपृष्ठ,  
काण्डस्पृष्ठ, शस्त्रजीविन्, शस्त्रजीवी,  
शस्त्रधारी, शास्त्रानीय, शस्त्रानीवी, श-  
स्त्रिन, शस्त्री ११

हथिबाहुष ना० अगस्ति, अगस्तिदु,  
अगस्त्य, अनलि, एकपटील, एकपटीला,  
काकनामन्, काकनामा, काकरीप, कुन-  
लिन, कुनली, क्रमपूरक, दीर्घफलाक,  
मुनि, मुनितरु, मुनिदुष, मुनिपुष्प, मुनि-  
भेषज, रक्तपुष्प, वक्र, वक्रपुष्प, वक्रपुष्प,  
बंगसेन, बंगसेनक, शिवप्रिया, शिवाभीष्ट,  
शिवाहाद, शिवेष्ट, शान्त्रपुष्प, सुनालक,  
मुपूरक, स्थूलपुष्प १२

हनुमान ना० अञ्जनीनन्दन, अञ्जनी-  
सुअन, कर्पान्द, पवनतनय, पवनसुत,  
पवनात्मज, मरुततनय, मरुतपुत्र, मरुत-  
सुत, मरुतसूनु, मरुतवत्, महावीर, मरुत-  
सुअन मरुतसुत, मरुतसूनु, मरुतात्मज,  
मारुतिः, वायुजात, वायुतनय, वायुन  
न्दन, वायुपुत्र, वायुसुत, वायुसूनु, समीर-  
सुत, समीरसूनु, हनुमत, हनुमन्त, हनु-

मान, हनुमत, हनुमान् १०

१—पवन नामोंपर सुत अर्थके शब्द लगाने से हनुमानके नामहोते हैं ।

२—हनुमान नामोंपर पति अर्थके शब्द लगाने से रामचन्द्रके नामहोते हैं

हरताल ना० अरिन्ताल, अल, आल, कनकरस, कर्बूर, कांचनक, स्वर्जूर, गोदन्त, गोरान, चित्रगंध, चित्रांग, ताळ, तालक, नटमूषण, नटमण्डल, नाल, पिंग, पिंगसार, पिञ्जर, पिञ्जरक, पिञ्जल, पीत, पीतक, पीतन, पुळक, लोमहृत्, शंशपत्रक, बंगारि, वर्णक, वर्णोच्चवळ, विडाळक, विमंगंधी, हरताल, हरिताळ, हरिताळक, हरिबीज. ३६

हरतालगोदन्ती ना० गोदन्त, गोदन्तिका, गोदन्ती, नटसंज्ञक. ४

हरफारेवरी (सर्फारेवरी) ना० मुकाफल, खवळी, लवळीफल, विन्ध्या, मुंगंधमूला, हरपारेवडी, हरफारेवडी. ७

हरसिंहारट्ट ना० अपराजिता, अस्थिसंहार, कुळिश, कुळीय, ग्रंथिमात, ग्रन्थिमान, शिराळक, हडसंवार, हडसंहार,

हरिण ना० अजिनयोनि, ऋश्य, ऋष्य, कुरंग, कुरंगम, कृष्णतीर, चारुनेत्र, चारुलोचन, पृषत, मृग, रंकु, रोहि, वातट, वातमृग, बातायु, शारंग, सारंग, मुलोचन, हरिण, हरिन. पुत्र. २१

हरिणकाला ना० एण, एणक, ऐण्य, काळसार, कृष्णः, कृष्णमृग, कृष्णशार, कृष्णशारंग, कृष्णसार, कृष्णसारंग; गो.

कर्ण, चमर, न्यकु, पृषत, पृषत. १५

हरिण विशेष या } ना० कदलिन, क-  
हरिणएकजातिके } दली, कन्दली,  
चमरु, चीनः, प्रियक, रिश्य, रिष्य, रुक,  
रोहित, रोहिप, रोहिष्, लोहित, शंवर,  
शम्बर, समरु, संवर सम्बर. १८

हरिणशीघ्रगामी ना० वातप्रमी, वातमृग, समूर; समूरक. ४

हरिणी ना० कुरंगी, कुरंगमी, मृगी, वासिता, हरिणी. ५

हरिणीकाली ना० एला, कृष्णकुरंगी, कृष्णमृगी. १

हर्षित ना० प्रमणस्, प्रमणा, प्रमना, विकुर्वर्ण, हर्षित, हृष्टमानस्, हृष्टहृदय.

हल ना० गोदारण, लांगळ, शीर, सीर, हर; हळ. ६

हलकारा ना० अस्पश्य, गृहपुरुष, चर, चरक, चादान्तरित, चार, चारक, दूत, दूतक, प्रथिधि, यथाह्वर्ण, नार्त्तावह, नार्त्ताहर. १३

हलकुआहल ना० पीतक, पीतकद्रुम, पीतदारु, सुपुष्प, मुराह, हरिद्रु, हरिद्रुवृत्त. ७

हलुवा=मोहनभोग देस्वे  
हल्दी ना० उमा, कटंकटेरी, काञ्चनी, कावेरी; कृमिघना, गन्धपलाशिका, गौरा, गौरी, घपकी, जनेष्टा, जयन्तिका, तमास्विनी, तमी, तुंगी, दावी, दीर्घरागा, धमनी, निशा, निशास्वना, निशाहा, पवित्रा, पिंगा, पिञ्जा, पीतका, पीतनालुका, पीता, पी-

तिका, प्रहर्षणी, षाळा, भंगवासा, भद्रा, मंगदप्रदा, मंगळा, मंगत्वा, मेहघनी, याभिनी, युवति, युवती, योषिस्त्रिधा, रजनी, रंजनी; रात्रि, रात्री, रात्रिनामिका, रात्रिनामा, वरवर्षिणी, वरा, वरांगिन्, वरांगी, वर्णदात्री, वर्णवती, वर्षिणी, विभावरी, विषघनी, शर्वरी, शिफा, शोभना, शोभा, श्यामा, सच्चारा, सुन्दरी, सुभगा, सुभगाह्वया, सुवर्णवर्णी, सुवर्णा, स्वर्णवर्णा, हृद्विलासिनी, हरित, हरिता, हरिद्रा, हलादि, हलदी, हेमरागिणी, क्षणदा, क्षपा, त्रियामा. ७१

१—जो रात्रिके नाम हैं वह भी हल्दी के नाम हैं ॥

हल्दीजंगली ना० वनहरिद्रा, शोळ १  
हल्दीशक—दारुहल्दी देखो

हवा ना० अग्निद्वसल, अग्निद्वसला, अग्निद्वसलाय, अनिल, आशुग, गन्धवाह, बल, जगन, जगताधार, जगतायु, जगतायुम्, जगत्प्राण, जगत्बल, नभस्वन, परिमर, पवन, पवमान, पृषतांश, पृषताश्व, पृषताम्पति, पृषत्पति; पृषदश्व, पृषोदर, प्रभञ्जन, मरुत्, मरुत, मातरिश्वन्, मातरिश्वा, मारुत, वात, वाति, वातृ, वायु, वैष्ट, स्वसन; सदागति, सधिर, समीर, समीरण, समीरन, स्पर्श, स्वर्णन्, हरि. ४१

१—हवा नामों पर अशन अर्थ के शब्द लगानेसे सांपके नामहोते हैं

२—हवा नामोंपर सुत अर्थ के शब्द

लगाने से हनुमान के नामहोते हैं ॥

हसिया ना० लहक, खड्गीक, दात्र, लवाक, लषाणक, लवि; लवित्र, स्तम्बघन, स्तम्बघात, स्तम्बनी, स्तम्बहन, स्तम्बहनन. १२

हस्तिकन्द ना० अतिकन्दक, अतिपत्र, कुष्ठहन्ता, गजकन्द, गिरिवासिन्, गिरिवासी, त्वग्दोषारि, नगाश्रय, नागकन्द, सुकर्णक, स्थूलकन्द, हास्तिकर्ण, हस्तिकन्द, हस्तपत्र. १४

— हा —

हांड ना० आस्थि, ककिस, कुन्ध, हड्डी, हांड. ५

हाथ ना० कर, पंचशाल, पाण, पाण्ण, पाणी, शम, शय, हस्त, हाथ. ९

हाथियोंका राजा ना० करिवर, करीन्द्र, करीश्वर, गजपति, गजपुंगव, गजराज, गजाग्रणी, गजाधिपति, गजेन्द्र, यूथनाथ, यूथप, यूथपति, यूथमुख्य; यूथराज. १४

हार्था ना० अनेकप, इभ, कपि, कंबु, करटिन्, करटी, करभिन, करभी, करि, करिन, करी, करेशू, कुंजर, कुंभिन्, कुम्भी, गज, गयन्द, जर्तु; दन्तावल, दन्तिन, दन्ती, दीर्घपवन, दीर्घमरुत, दीर्घवक्त्र, दीर्घारुय, द्विप, द्विपायिन्, द्विपायी द्विरद, द्विहन, नगज; नाग, पंचनख, पद्म, पद्मकिन्, पद्मिनपद्मी, पृदाकु, पृष्टहायन, मतंग, मतंगज, मत्तकीज, मदबृद, मातंग, रक्तपाद, वारण, वारीट, वेतशद,

वेदण्ड, व्याल, शन्त्रि, शूर्पवण, सन्त्रि,  
सिन्धुर, स्तम्भेरम, हारती, हाथी. ५५

हाथीकी कमरबांधनेकी रस्सी ना०  
कत्ता, कत्ता, चूवा, दुप्या, बरवा, ५  
हाथखाना ना० गजबन्धनी, गज-  
भिनी, हस्तिशाश. ३

हाथीकी जेठरी ना० अन्दु, आदु,  
निगह, शृंखला, शृंखला. ५

हाथीका भुण्ड ना० इभपर, कवि-  
सन्ध, गजता, गजयूथ, हस्तियूथ, हस्ति-  
वृन्द, हस्तिक. ७

हाथीकीभुत्त ना० वास्तारण, कुथ,  
कुथा, परिष्टोम, परिस्तोम, प्रोथि पोरणी,  
वर्ण. ८

हाथीका बरवा ना० इभपोत, करम,  
करिपोत, करिशाम, करिशावा, कटम,  
कलर्षी; दिक्क. ८

हाथीकापद ना० मदजन, मदगारि,  
मदवयोग, मदप्रमोक, मदधमूत्रण, मद-  
भाव, मदस्मृति. ७

हाथीबांधनेका खूटा ना० अलान,  
करिबन्ध. २

हाथीमस्त ना० बण्ठीराव, प्रविन्न,  
मत्त, मदकरिन्, मदकरी, मदकल, मद-  
द्विप, मदार, मन्दावर, मदोत्कट. १०

हाथीमदरहित ना० निर्मड, मदच्युत.  
हाथी लहड़ईवाला ना० बारु, निजय-  
कुजर. २

हाथीवान ( फीनवान ) ना० धे-  
वप्र, आवोरण, इभपलक, इभ्य, करिय,

गजानीत, गजारोह, निपाद, निपादिय,  
नेतू; नेता, मदानत, मेंठ, मेंड, मनु,  
यन्ना; हस्तिचारिन्, हस्तिचारी, हस्तिच,  
हस्तिचक. हस्तिचह, हरन्त्यागेह, हस्त्या-  
रे हा, हागिठ, हाथीवात. २५

हाथीमुखटा खूत्त ना० इभदना,  
कान्ठरी, कामद्विषा, बलेच्छवा, धूम-  
रथिवा, नामच्छवा, नामदन्नी, नाम-  
स्त्रोना, पक्षेपुषी, बलात्तिका, भूकण्ठी,  
मधुपुष्पा, मांग, वनाहिक, विचदाशा,  
त्रियालाची, त्रियोभिनी, त्रिपौषी, शन-  
द्विवा. शुकपुष्पा, युक्तपुष्पी, शुद्धी,  
श्री सिनी, शैतपुष्पा, सर्पदन्ती, सर्प-  
पुष्पी, तालना, वनामुका, हस्तिमुखा,  
हस्तिपुष्पी. ३०

हाथीना० अपवय, हाति. क्षर. ३  
हाथीना० हंभीना० हाम, हाभ,  
हातिना. हाभ. ३

—● हि —

हिनातयुत्त ना० पूगे, मधुकाण्ड,  
भीषण, लुहदन, रिधरपच, रिधरधिप,  
धुवताळ, हिनाट. ८

हिनाना० रवीव, दृतीपप्रकृति,  
तुनीवाशकृति, प्रजयोग, नपुंगक, पण्ड,  
मदकट, शण्ड, शण्ड; शण्ड, पण्ड, पण्डक,  
पण्ड, सण्ड, सण्ड, हिमडा. १९

हिनावली औपधि ना० कुष्ठजन,  
हितावली. २

हिस्सा ना० अंश, अंम, भाग, हिस्सा

—● ही —

हींग ना० अग्रदण्ड, उग्रदण्ड, केमर,

मनुक, जन्मुघन जन्मुनाशन, वरण;  
जाडुक, दीप्त, गिज्जव, पिण्याक, गिन्यास,  
भूनारि, भेदन, रमठ, रमठध्वनि, रसोघन,  
रामठ, वाद्विक, वाह्नीक, विल्ल, शा  
लसार, शून्दिड, शूलद्विष्, शूचमृत्,  
सहस्रवेधि, सृषध्वन, सृगंग, हिंगु, हींग  
हींगनाडी ना० मनुका, रामठी,  
हिंगुनाडिका १

हींगुवत्री ना० करवी, कचरी, कारवी,  
तजमी, स्वकूपत्री, दाहात्री, दीर्घिका; पृथु,  
पृथुका, पृथुवा, पृथी, पृथ्वीका, नाटिका;  
वाप्यका, वाप्यका, वाधी, वापीका,  
विलवा, गरिका, लुना, हिंगुवत्री. २१

हींगुवृक्षना० केशर; हिंगुवृक्ष. २

हीरा (रत्न) ना० अभय, अविफ,  
अशिर, दधीच्यस्थि, वृद्धांग, बहुशर,  
भागवप्रिय, रत्नमुष्य, चञ्ज, वगारक,  
सूर्चमुष, हीर, हीरक, हीरा. १४

— ● हु ● —

हुचडी ना० अनुवन्धी, शिकता,  
हृणान. १

हुरहुरपौषः ना० अर्वाकान्ता, अर्वा-  
मका, अर्वाहिता, अर्वाधन्यमका, आ  
चारी, उत्पादिका, कपिदिपाकी, दरम,  
जामाता, पार्श्वेय; ब्रह्मगर्भी, भास्करेष्टा,  
मण्डरुपर्णी, मण्डरुका, महोपर्धी, मार्तण्ड-  
दलजभा; हरदा, बरिष्टा; हृणनामा,  
मुतेजसु, मुतेजा; सुरसम्भवा, सुवर्षदा,  
सूर्यकान्त, सूर्यमका, सूर्यलता, सूर्यार्वा-  
वर्ती, सौरि, हुरहुर, हुलहुल, त्रिवृत्तर्षी,

हुरहुरशाक ना० चक्रांगी, जलब्रह्मी,  
तिक्तपर्बन्, तिक्तपर्वा; ब्राह्मी, पत्स्यांगी,  
पत्स्याक्षी, मही, मोची, रोची, शंखभरा,  
शिल्पोचि, हिलमोचिका, हिङ्मोची,  
हेलाची. १५

— ● ह ● —

हृदय ना० अंतःकरण, आत्मा, चित्त,  
यन, मनस, मानस, हृद्, हृदय. ८

— ● हं ● —

हृदयश्चतु ना० हृदय; हृदय. २  
हृदयपुष्पा = शरीर पुष्पा, देवो  
हृदय = मोहनयोग देवो

— ● ली ● —

क्षीरयोग ना० दक्षय, क्षय, क्षयी १  
क्षीर ना० मूर्द्धाभिषय, राजन, रा-  
जन्य, बाहुज, विराज, क्षत्र, क्षत्रिय,  
क्षीर. ८

क्षीरकंचुकीवृक्ष ना० मूलकमूला,  
वरसर्गाक्षय, क्षीरकंचुकी, क्षीरेश. ४

— ● क्षी ● —

क्षीरकाकोली ना० अष्टमी, क्षीर-  
कली, क्षीरमुक्ता, पयस्या, पयस्विनी,  
महाक्षीरा, वयस्या, क्षीरा, मुकोली, क्षीर-  
काकोलिका; क्षीरकाकोली, क्षीरविषा-  
णिका, क्षीरशक्ता, क्षीराभी. १५

क्षीरार्श्ववृक्ष ना० ताम्बूला, क्षीरार्श्व-  
क्षीरिण, वृक्ष ना० कर्षणी, कांचम  
क्षीरी, पटुवर्णिका, हिमजा, हिमदुवा,  
हिमाद्रिजा. १

—● दो ●—

क्षेम ना० कल्याण कल्याण, कुशल,  
भद्र, भद्र, भविक, भव्य, भावुक, मंगल,  
शस्त, शिव, शुभ, श्रेयस, क्षेम १४

—● त्रा ●—

त्रायमाणालता ना० अनुना, श्रवणी,  
कृतत्रा, गिग्गिना, देववला, बध्देवा, ब-  
लभद्रा, बलभद्रिका, भद्रनामिका, भयना-  
शिनी, मंगलय, वार्षिक, वार्षिकी, सिता,  
मुक्तमा, सुभद्रा, प्राण; प्राणा,त्रायतां,  
त्रायमाणा. २०

—● त्रि ●—

त्रिभुक्त=पौठ, मिरच, पीपरि देला  
त्रिपुरमालीपुष्प ना० मोहना, मोहनी,  
मोहिनी, त्रिपुरमलिका, त्रिपुरमाली. ५

त्रिफला ना० तृपला, तृफला, फल-  
विक, फलत्रय, परा, त्रिफला, त्रिफली,  
त्रिफलीक. ८

—● ज्ञा ●—

ज्ञान ना० ज्ञप, ज्ञा, ज्ञान. १  
ज्ञानी ना० वेनु, वेत्ता, ज्ञ. ज्ञप, ज्ञा,  
ज्ञाता, ज्ञानवान ज्ञानिन्, ज्ञानी. ९

इति श्री लाडा कन्हैयालालसंन्यास लाडा भगवानदास जैन महामुद्राबाद प्रदेश  
सतिपुर विवासीकृत समर्पित भगवान्नामसागर परिभाष्य वाचककोष  
समाप्तम् शुभम् ॥

❀ ग्रन्थ रचना में हानि ❀

इस पुस्तक भगवाननामसागर के बनाने का जैसी उमंग से मैंने साइज कियाथा उस तरह से कार्य में सफलता न हुई और जो २ विपत्तियां इस की रचना करने में आती गई उनको या सोच विचार कर कि शुभ कार्य के करने में अनैक बाधाओं उर्पास्थित होनी सहतागया और ज्यों त्यों कार्य के पूर्ण करनेमें दल चित्तरहा जिससे दिनों का काम महीनों में क्या वर्षों में होतारहा पर और बाधाओं के अतिरिक्त दो धक्के अतिही हानिकारक हुए जिनसे यह कार्य बहुत समय तक बन्दरहा प्रथम तो मेरे परम सहायक द्विजकुलभूषण पण्डित बन्नीनारायण मिश्र हाल काव्यम पुस्तक असिस्टेण्ट इन्स्पेक्टर और स्कूलस कानपुर डिप्टीजन का नारमल स्कूल लाखनऊ से तबदील होना। इन महोदय ने मेरी इस पुस्तक के रचने में बड़ी सहायता दिया इनके परिश्रम और योग्यता का धन्यवाद करना मेरी शक्तिसे चाहरई उनके चले जानेके बाद मैंने जिधर सहायता दूँही उधर खातीही पाया वहीं

एसा आधार न भिला जो कार्य पूर्ण होजाता तब ईश्वरके भरोसे अकेलाही हम कार्य के सम्पादन का साहस किया और २ कार्यों के साथ इसको भी करने लगा पर हाथ अफसोस ! दूसरे धक्के ने मुझको बेकागही करदिया अर्थात् जिन्दा को सुदी बनादिया हाथ पैर आंख कान दिमाग सबही को बेकार कर दिया कार्य सब एक दम बन्द होगया वह भरे प्यार इकलौते पुत्र बामुदेवकुमार का अपनी कुमार अवस्था में हम सबको तड़फते छेड़-कर इस असार संसार में सिदा होना । हाथ ! इस फलती हुई कली के एकदम सुभ्रा जन्मेगे, यह उगते हुए पौधे के एकदम सूखजाने से, इस उदय होते हुए सूर्य के एकएक अस्व होजाने से मैं सभी कामोंसे क्या अपनी जिन्दगी से दबाइ कुमारा असार संसार की कालों से कनाग करना चाहा पर मुग्धकी का भार जो बारा पिताजी के स्वर्गवास होनेसे प्रथमहीं छिर पा वह बुझाया पीना न हो, यह पुनः अपनी गार्ही में जातना चाहा, खैर कुछ न कुछ कारनाही पडा पर फिर कई भरे परमाहितर्षी मित्रोंने इस पुस्तक को और इसके साथही भक्तानन्दसागर काप के पूर्ण करने का बहुत कुछ आग्रही नहीं किया बल्कि बड़ा दबाव बोवा और बहुत कुछ ऊब नीच दग संसार की विचित्र लीलाओं के विषय में सम्बोधन किया तब लाचार होकर फिर यह कहकर गि " जवतक जीना तवतकसीना " इममें हाथ लगाया और आज उम परमदयालु बनिगन भगवान सर्वज्ञ सर्वगत की कृपा कटाक्ष ने पूर्ण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ ॥

मैं अपने पाठक भयोंने अतिही न्यूनता पूर्वक निवेदन करताहूँ कि जो जो बुद्धियाँ उनकी दृष्टिगोचर हों उनको हिय हंसवत प्रकृति गूढणकर गुणको लोकर अवगुण को त्यागकर मुझे क्षमाकरें जो भगवान इसके पुनरावृत्ति का अश्वासन दत्तगन करेया तो उन बुद्धियोंके दूरकरनेका उद्यम किया जायगा अर्थात् भरे परम परमदय पाठकगण अपने इष्ट मित्रों में इसका अति श्रेष्ठ प्रचार कर भरे श्रमों से लफल करेंगे ॥

यदि भिय पाठकगणों की कृपा हुई और परमदयालु भगवान सागुलू रहा तो भगवान्नामसागर के भी सम्पादन करने का साहस करूंगा और कुछ कालोपरान्त सबही पाठकगणोंके कर कमलोंमें सुशोभितहोगा ॥

सर्वे गुणग्राहियों का सेवक

**भगवान्नाम जैन ग्रन्थकर्ता**

मोप्रयासक जैन भक्त रत्नावगंज लखनऊ

## ॥ अनुक्रमणिका ॥

नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ
• भूमिका •	१	अग्नितेज	७	रूपिया )	८
		अग्निमिया	७	अन्त	८
—• अ •—		अपाया	७	अन्तरध्यान	८
अंगार	५	अंगीकार	७	अन्धकार	८
अंगिया	३	अंगीकारकियाहुआ	७	अन्न	८
अंगुठा	५	अच्छा	७	अन्नादिका ढेर	९
अंगुरी	५	अजगद	७	अपभ्रंस	९
अंगुरी अंगुठा के		अजमोद	७	अपमानित	९
पास की	६	अजवाइन	७	अपराजिता	९
अंगुरी बीचकी	६	अजवाइन खुरामानी	७	अपराध	९
अंगुरी कंगुरिया के		अज्जन	७	अपवादों	९
पासकी	६	अजीर	८	अप्रधान	९
अंगुरी कंगुरिया	६	अठागी	८	अभिमवादी	९
अंगुठी	६	अण्डा	८	अप्सरा	९
अंगुठी	६	अतिक्रम	८	अफवाह ( गौगा )	९
अंगुठी	६	अनिशय	८	अफाम	९
अकोहर	६	अनिश्चर	८	अवरख	९
अखरोट	६	अतीस	८	अभिप्रायके योग्य	९
अगर काली	६	अदरख	८	अभिमान	९
अगस्त वृक्ष	६	अद्भुत	८	अभिपानी	९
अगस्त्यकृष्ण	६	अधम ( पापी )	८	अमरबेलि	९
अगहनमास	६	अधिकारी	८	अमलवेत	९
अणुआ	६	अधोमुख	८	अमला	९
अणुद	६	अनादर	८	अमलोलवा	९
अग्नि	६	अनार	८	अमावस	९
अग्निवण	७	अनिरुद्ध	८	अमास	९
अग्निजिह्वा	७	अनुक्रम	८	अमिलतास	९
अग्निज्वाला	७	अनेकरूपवाले ( बहु		अमिली	१०



नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ
अमृत	१०	आंवला(भूमि)	११	इन्द्र	१३
अमृतफल	१०	आम्	११	इन्द्रजाल	१३
अम्बर (कपडा)	१०	आइना	११	इन्द्रजाली	१३
अग्नी(अगियाखर)	१०	आकाश	११	इन्द्रधनुष	१३
अग्रहर	१०	आकाशगंगा	११	इन्द्रपुष्पा	१३
अर्जन	१०	आकाश पाताल	११	इन्द्रपुत्र	१४
अहंत ( ज.नियोंके इष्टदेव )	१०	आडू	११	इन्द्रपत्र	१४
अलग	१०	आदमी	११	इन्द्रयान	१४
अलसी	१०	आदमीभेड़(नायका भेड़ काबानुसार)	१२	इन्द्रवाक्यी	१४
अल्य	१०	आदि	१२	इन्द्राणी	१४
अवाच्यवक्ता	१०	आधीन	१२	इन्द्री	१४
अशिक्षित	१०	आधीन	१२	इन्द्रीदमन	१४
अशोक	१०	आधीन	१२	इलायचीबड़ी	१४
अश्विनीनक्षत्र	१०	आनन्द	१२	इलायची छोटी या गुजराती	१४
अश्विनीकुवार	१०	आषाढ	१२	— ● अ ● —	
असगन्ध	१०	आम्बाइली	१२	इधन	१४
असवरग (स्पृका)	१०	आयुर्वेदावाला	१२	— ● उ ● —	
असहाय	१०	आरम्भ	१२	उजला	१४
असदृश	१०	आग व शारी	१२	उदगी	१४
असिमिलोरा	१०	आगम शक्तिज्ञा	१२	उतगई	१४
अहंकार	११	आतिगल	१२	उत्कगठा	१४
अहार	११	आलसी	१२	उत्सव	१४
अहोरिन	११	आलस्य	१२	उदार	१४
अक्षर(लिखाहुआ)	११	आलू	१२	उदास	१४
अज्ञान	११	आरव्य	१२	उदाहरण	१४
— ● आ ● —		आसन	१२	उद्योग	१४
आंकुश	११	आहुवर	१२	उपटन	१४
आंख	११	आज्ञा	१२	उपटनलगाना	१४
आंखकी पुतली	११	आज्ञाकारी	१२	उपरागिनी	१४
आंगन	११	— ● इ ● —		उपवास (फांका)	१४
आंत	११	इच्छा (चाह)	१२	उर्द	१५
आंधी	११	इतर ( इत्र )	१२	उत्तटा	१५
आंवला (पानी)	११	इनगायन	१२		

नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ
उलटापुलटा	१५	औगा	१६	कडा	१७
उलठी ( उच्चार )	१५	औपाधि	१६	कहुआरस	१७
उल्का	१५	—● क ●—		कड़ाई	१७
उल्लूखी	१५	ककड़ी	१६	कपटा व कपटी	१७
उमानापमाना	१५	ककड़ी नेठक	१६	कपटी लम्बी	१७
—● उ ●—		ककड़ी	१६	कतरनी	१७
ऊट	१५	ककंदनि	१६	कथिक	१७
ऊटगाड़ी	१५	ककोड़ी	१६	कदम	१७
ऊब	१५	ककण	१६	कनेर	१७
ऊंचा	१५	ककौल	१६	कनकजुरा	१८
ऊसर	१५	कक्री	१६	कनफूल	१८
—● ऋ ●—		कवनार	१६	कनान व पददा	१८
ऋण	१५	कचलंग	१६	कन्दूरी	१८
ऋतिवज	१५	कचर	१६	कन्या	१८
ककई औपाधि	१५	कचुरभेद	१६	कपटी	१८
ककभुक	१५	कछुरा	१६	कपडा	१८
कपि ( तपस्वी )	१५	कछुबी	१६	कपडा अन्धा	१८
—● ए ●—		कंजा	१६	कपडाशकिनारा	१८
एकाम	१५	कंजाकटेदार	१७	कपटा कामती	१८
एकान्त	१५	कंजाभेद	१७	कपडाकारा	१८
—● ऐ ●—		कंजुन ( सूत्र )	१७	कपडा के निथडे	१८
ऐरावा	१५	कटनास	१७	कपडाकी चौडाई	१८
ऐरवटी	१५	कटर	१७	कपडा के ढांनों कि	
—● ओ ●—		कटभी	१७	नारा	१८
औसरी	१५	कटपा उजली	१७	कपडा पुगना	१८
औला	१५	कटपा छोटो	१७	कपडा मोटा	१८
औष्ट	१५	कटैया चड़ी	१७	कपडाकी लम्बाई	१८
—● औ ●—		कटोरा	१७	कपडासूती	१८
औगा	१६	कठबम्बा	१७	कपार ( खोपटी )	१८
औगालाल	१६	कठफोला	१७	कपास	१८
औभमुख	१६	कठिन	१७	कपूर	१८
		कठुम्बर	१७	कवीला	१८
		कठार बचन	१७	कबुनर	१८
				कमर	१९

नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ
कमररख	१६	कवच	२१	कान	२२
कमर्गा	१७	कव (पहिनेहृण)	२१	कामदेव	२२
कमल	१७	कवाचचीनी	२१	वासी	२२
कमलउमला	१७	कणोरु	२१	कायफर	२२
कमलनीला	१७	कशीटी	२१	कारण	२२
कमललाल	१७	कमाई	२१	कालसाग	२३
कमलगटा	११	कशीस	२१	— ❁ कि ❁ —	
कमलजड़ (भारीड़)	११	कशीदीगाजर	२१	किन्नर	२३
कमलदण्ड	१२	कस्तूरिया हरिण	२१	किरण	२३
कमलपञ्चव	११	कस्तुरी	२१	किशान	२३
कमलगज	१२	कटना	२१	किसमिग	२३
कमलिनी	१२	कटाहुआ	२१	— ❁ की ❁ —	
कम्भारी घाँषधि	११	— ❁ का ❁ —		काँचड़	२३
कम्पर	२०	काकई	२१	— ❁ कु ❁ —	
करकोच पत्ती	२०	काँच	२१	कुआर (माम)	२३
करंजी पीधा	२०	काँजी	२१	कुकरांधा	२३
करधनी (पुरुषोंकी)	२०	काँटा (नौलनेका)	२१	कुचला	२३
करधनी (स्त्रियोंकी)	२०	काँदीवालू	२१	कुटकी	२३
करमुआसाग	२०	कांधा	२१	कुटनी	२३
करियट	२०	कांपना	२१	कुएहल	२३
करील वृत्त	२०	कांपनेवाला	२१	कुडा वृत्त (विशप)	२३
करुणारस	२०	कांपाहुआ थोड़ा	२१	कुतिधा	२३
करंजा	२०	काशीसखप	२१	कुत्ता	२३
करेला	२०	काशीसखप दूधरी	२१	कुदार	२३
कगैदा दोनों	२०	कांस (तृण)	२१	कुन्द	२४
कहुँल	२०	कांसा	२१	कुन्दल	२४
कलवार	२०	काकपाँची	२१	कुवारी	२४
कलसा	२०	काकभाम	२२	कुमुदिनी	२४
कलिडारी	२०	काकरामिर्गा	२२	कुम्हार	२४
कली	२०	काकुनि	२२	कुसरी पत्ती	२४
कलीनई	२०	काकोली	२२	कुँया	२४
कलीफूलती	२०	काजल	२२	कुलिजन	२४
कलींजी	२०	कांचनी (स्वर्णबल्ली)	२२	कुलीन	२४
कल्पवृत्त	२०	कातिक	२२		
कन्याख	२१				

नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ
कुन्धी	२४	काम	२६	खरी	२०
कुन्हारी	२४	कौदी	२६	खभैया	२०
कुपेर	२४	कौदीवन	२६	खम	२०
कुवापूत	२४	कामल	२६	— ❀ स्वा ❀ —	
कुवरपुत्र	२४	कामली	२६	खंड	२०
कुश	२४	कौशाम्	२६	खोत्री	२०
कुसलानन्द	२४	काइडा	२६	खरित	२०
कुमुम	२४	काइडाभूमिउजला	२६	खारी	२०
कुमुमरीज	२४	काइडाभूमिहाना	२६	खाल	२०
— ❀ कृ ❀ —		काइती	२६	खाली	२०
कजापुष्प	२४	— ❀ को ❀ —		— ❀ खि ❀ —	
कूट आषधि	२४	कौआरेंडी	२७	खिन्नी	२०
कूप	२४	कौआ	२७	खिंदी	२०
कृता	२५	कौआ	२७	— ❀ खी ❀ —	
— ❀ कृ ❀ —		कौआकाला	२७	खीर	२०
कृष्ण	२५	कौआनलवाधुमिला	२७	खीरा	२०
कृष्णगुरु	२५	कौआपानी	२७	— ❀ खू ❀ —	
— ❀ के ❀ —		कौआ	२७	खेदी	२०
कमडा	२५	कौआर (कौआर)	२७	खेरा	२०
कंचुआ	२५	कौआवाज	२७	— ❀ खे ❀ —	
कंचुल	२५	कौआ	२७	खेन	२०
कंतकी	२५	कौआपी	२७	खेनापना	२०
कनडा	२५	— ❀ के ❀ —		खेनुव	२०
कवाच	२५	खचवर	२७	खेनकीवहारकुंजी	२०
कला	२५	खजांची	२७	खेवदीकारकुंजी	२०
कवाडा	२५	खजाना	२७	खेव	२०
कशर	२५	खजाना	२७	कौआ	२०
— ❀ के ❀ —		खजुडी	२७	— ❀ खे ❀ —	
केया ( वृत्त )	२५	खजुग ( वृत्त )	२७	खेरा	२०
कैदी	२५	खडवा	२७	खेराउजला	२०
— ❀ को ❀ —		खरित ( कथाकुश )	२७	खेरकाला	२०
कोदी	२५	खपरा	२७	खेरलाख	२०
		खरपनिदा	२७		
		खबूतइ	२७		

नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ
खैरदुर्गंध	२६	गर्भिणी स्त्री	३१	— ❁ गी ❁ —	
खैरबृत्त	२६	गर्भिणी स्त्री की		नीला	३२
— ❁ खो ❁ —		इच्छा	३१	गिलाकारना	३२
खोजा	२६	गर्भधांडा	३१	— ❁ गु ❁ —	
खोवा	२६	गर्भवडा	३१	गुच्छा	३२
— ❁ ग ❁ —		गर्भीकृतु	३१	गुड	३२
गंधार	२६	गला	३१	गुहवा	३३
गङ्गानधूरि	२६	गला	३१	गुहवा	३३
गंगानदी	२६	गलाकोटकी	३१	गुहवा	३३
गजपीपरि वा छोठी		गलापांशुकेभीत		गुधाहुधा	३३
पीपरि	२१	गहना (जेवर)		गुप्ती	३३
गभिन	३०	गहना आदिसे आत		गुप्ती	३३
गटई	३०	शोभिन	३२	गुप्ती	३३
गठिवन	३०	गहना पहिने बा	३२	गुप्ती	३३
गढासी	३०	गहना पहिने हुप	३२	गुप्ती	३३
गडुआ	३०	गहना पहिने को		गुप्ती	३३
गडरिआ	३०	शोभा	३२	गुप्ती	३३
गणदेवता	३०	गहिया	३०	गुप्ती (पुरुषमत्त)	३३
गणेश	३०	— ❁ गा ❁ —		— ❁ गु ❁ —	
गंडीरशाक	३०	गाजा	३०	गुगुर	३३
गदहपुरेना उजला	३०	गाड	३२	गुप्ती वृत्त	३३
गदहपुरेना लाल	३०	गाडरघाम	३२	गुप्ती वडा	३३
गदहा	३०	गाजर	३२	गुप्ती फल	३३
गन्धक	३०	गाय	३२	गुप्ती वृत्त	३३
गन्धपसारण	३१	गायत्रा	३२	— ❁ गे ❁ —	
गन्धम	३१	गारुडी	३२	गेड	३४
गन्धर्व	३१	गाज	३२	गेडा वृत्त	३४
गरगाया	३१	गालमें चिह्न (नाम)	३२	गेहूँ	३४
गरगरौआ	३१	गातीदेना	३२	गेहूँ	३४
गरहेडुवा	३१	गाव वधा	३२	गेहूँ	३४
गरुड	३१	— ❁ गि ❁ —		गरुपीला	३४
गर्भ	३१	गिड (पत्नी)	३२	— ❁ गे ❁ —	
गर्भ पहिला	३१	गिना	३२	गेडा	३४
गर्भस्थान	३१	गिरगिट	३२		

नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ
— ❁ गो ❁ —		— ❁ धि ❁ —		चतुर	३७
गौंद	३४	धिनाना	३६	चना अन्न	३७
गौंदीवृत्त	३४	— ❁ धी ❁ —		चन्दन	३७
गोखरू	३४	धी	३६	चन्दनउजला	३७
गोखरूढोटा	३९	धिकुवार	३६	चन्दनकाला	३७
गौंदी	३९	— ❁ घु ❁ —		चन्दनगोपी	३७
गोभी	३९	घंघुची	३६	चन्दनपीला	१८
गोबर	३९	घुघुचसिफंद	३६	चन्दनलाल	३८
गोमूत्र	३९	घुटना	३६	चन्दनरुक्त	३८
गोभेदमणि	३९	— ❁ घू ❁ —		चन्दनलगाना	३८
गोरखसुखी	३९	घूमना	३६	चन्द्रकान्तमणि	३८
गोरखसुखी बही	३९	— ❁ घे ❁ —		चन्द्रविंश	३८
गोल	३९	घेर	३९	चन्द्रमा	३८
गोमपूत्र (नासों का		घेरा	३९	चन्द्रमाकेनामबनाने	
नास)	३९	— ❁ घो ❁ —		की राति	३८
गोम्यायो (नासोंका		घोष	३६	चन्द्रलक्षण	३८
मालिक)	३९	घोषा	३६	चवेना	३८
गोठ	३९	घोहालदघ्रा	३६	चमड़ा	३९
— ❁ गौ ❁ —		घोडेकाशब्द	३७	चमार	३९
गौंगचन	३५	घोड़ी	३७	चमोदीपुष्प	३९
गूहणचन्द्र	३५	— ❁ च ❁ —		चमेलावृत्त	३९
गूहणसूत्र	३५	चई पत्ती	३७	चम्पा की कली	३९
— ❁ घ ❁ —		चमबन औषधि	३७	चम्पापुष्प	३९
घड़ियाल	३५	चकवा पत्ती	३७	चम्पाभूमि	३९
घर	३५	चकोर पत्ती	३७	चम्पावन	३९
घरचीहोना	३५	चचेड़ा	३७	चम्पाविशेष	३९
घरिया (भलु म-		चचल	३७	चम्पावृत्त	३९
लानेकी)	३५	चटकना (हाथखुला		चर (चलनेवाला)	३९
— ❁ घा ❁ —		हुआ	३७	चरस (माइकबस्तु)	३९
घांठी	३५	चटनी	३७	चवीं	३९
घाम	३५	चण्डाल	३७	चलनी	३९
घान	३५			चबैर	३९
				चब्य औषधी	३९

नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ
— ❀ चा ❀ —		— ❀ ची ❀ —		चोर	४२
चांदनी	३९	चीतलपत्र	४१	चोगकाम्ब्री(चोटी)	४३
चांदमोक्ष	३९	चीता (मुसबदा व		चोरी	४३
चांदी	३९	देवडा	४१	चोरी करना	४३
चावल	३९	चीकवृक्ष	४१	चोरनाम गन्धवृक्ष	४३
चांदनीकामती	३९	चीतपुत्रमाला	४१	चोरपुष्पीऔषधि	४३
चा (च.दवनी)	३९	चीतवृक्षलाल	४१	— ❀ चौ ❀ —	
चाईचूई	३९	चौनियाकपू	४१	चौगडा	४३
चांदनी	४०	चौन्दपत्ती	४१	चौपतिया शाक	४३
चाह(इच्छा)	४०	चौहउजली	४१	चौराई शाक	४३
— ❀ चि ❀ —		— ❀ चु ❀ —		चौराहा	४३
चिकना	४०	चुम्बकवृक्ष	४१	— ❀ छ ❀ —	
चिकित्सा (रोग		चुरिहाग(मनिहार)	४१	छल	४३
परिहा)	४०	— ❀ चु ❀ —		— ❀ छ ❀ —	
चिड़िया	४०	चुपी	४३	छाना (छतुरा)	४३
चिड़ियोंके बच्चे	४०	चुर्चाकटिपुनी	४३	छाती	४३
चिड़ीमार	४०	चूक	४३	छाल	४३
चिता	४०	चूकाराक	४३	— ❀ छि ❀ —	
चितरा	४०	चूमा	४३	छिनारि	४३
चित्तशान्ति	४०	चूना	४३	छिनारिसुत	४३
चिन्ता	४०	— ❀ चे ❀ —		छिनारिसुता	४३
चिमगादर	४०	चेचक(शीतजारोग)	४३	छिपकली	४३
चिमगादरी	४०	चेबुनाशाक	४३	छिराईटिलना	४३
चिमचा	४०	चेला	४३	— ❀ छी ❀ —	
चिगचिरा, लटजीरा	४०	— ❀ चे ❀ —		छीक	४३
चिगचिरालाल	४०	चेत्रमास	४३	छीका	४३
चिगयता	४०	चेतन्यरूप	४३	छीमी	४३
चिगोजफल	४१	— ❀ ची ❀ —		— ❀ छू ❀ —	
चिरोमोक्ष	४१	चेच	४३	छूर्ग	४३
चिलगोजा	४१	चेचमा	४३	— ❀ छे ❀ —	
चिल्लीशाक	४१	चेदा	४३	खेद	४३
चित्रचित्र	४१				

नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ
खेदना	४४	जबामाझोटा	४९	जुआरी	४८
खेदाहुआ	४४	जहाज	४६	जुआकरानेवाला	४८
खेनी ( पत्थर तांडने की )	४४	—● जा ●—		जुगनु	४८
—● खो ●—		जांघ	४६	जुलुफ	४८
खोटा	४४	जांघऊंचीवाला	४६	जुवां	४८
खोडाहुआ	४४	जांघदूरवाला	४६	जुही पुष्प	४८
खोडारा	४४	जांघामलीवाला	४६	जुहीपीला	४८
—● खो ●—		जागना	४९	जुई वृत्त	४९
खोकरावृत्त	४४	जानाहुआ	४६	—● जू ●—	
—● ज ●—		जानेवाला	४६	जूउन	४८
जगत	४५	जामिन	४६	जूना	४८
जगल	४५	जायफत्त	४६	—● जे ●—	
जतुकालना	४५	जाल(मृगपरुद्धनेका)	४६	जेउमास	४८
जनेता	४५	जाललगानेवाला	४६	—● जै ●—	
जन्म	४५	जावित्री	४६	जैतवृत्त	४८
जमालगोटा	४५	जिगिनियावृत्त	४६	—● जो ●—	
जमीकन्द	४५	जियापोतावृत्त	४७	जोक ( जलजिव )	४९
जमीकन्द जंगली	४५	—● जी ●—		जोलाहा	४८
जमुडाई	४५	जीतनेवाला	४७	—● जो ●—	
जरदीतृण	४५	जीभ	४७	जौ ( अन्न )	४८
जलन	४५	जीरा	४७	जौहरे	४८
जलकुम्भी	४५	जीराकाना	४७	ज्योतिषी(नजूमी)	४८
जलन्धररोग	४५	जीराछोटा	४७	ज्वार ( जोन्हरी )	४९
जलपीपरि	४५	जीरावडा	४७	ज्वारउजली	४९
जलवेत	४५	जीरासफद	४७	ज्वारलाल	४९
जलाहुआ	४५	जीवशाक	४७	ज्वाला	४९
जलेबी	४५	जिवक ( वृत्त )	४७	—● भ ●—	
जल्दबाज	४६	जिवन्ती(डांडीशाक)	४७	भगडा	४९
जवाखार	४६	जिवंतीपीली	४७	भंभावायु	४९
जवानी	४६	जिवंतीवड़ी	४७	भण्डा	४९
जवाब	४६	जिबिका(रोजी)	४७	भरना	४९
जवासा	४६	—● जु ●—			
		जुआ(हारजीतका)	४७		



नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ
—● भा ●—		—● ठ ●—		—● त ●—	
भाऊवृत्त	४९	ठग	५०	तक्रिया	५१
भारी	४९	ठठेर	५०	तगर	५१
—● भि ●—		—● ठु ●—		तगरफूल	५१
भिकाराटा	४९	ठुडी(दाही)	५०	तगरमूल	५१
—● भी ●—		—● ठू ●—		तगरवृत्त	५१
भींगुर	४९	ठुंड	५०	तज	५१
—● भु ●—		—● ड ●—		तट	५१
भुरिदा	४९	डगा	५०	तपस्वी	५२
—● भू ●—		डर	५०	तबेला	५२
भूंड	४९	डारोक	५०	तमारूपत्ता	५२
भूग	४९	—● डा ●—		तमारुवृत्त	५२
—● भो ●—		डांट(पतवार)	५०	तरकम	५२
भोभ	४९	—● डे ●—		तरदी काटेदारवृत्त	५२
भोरी	४९	डेग	५१	तग्वृत्त	५२
—● ट ●—		—● डो ●—		तक	५२
टपना	४९	डोमी (झोटीनाव)	५१	तलयार	५२
टपका हुआ	४९	डोलचा	५१	तयाखीर,तेउखर	५२
टहलुआ (नौरु)	४९	—● ठ ●—		—● ता ●—	
टहलुइन लोडी	५०	ठकाहुआ	५१	तावा	५२
—● टि ●—		—● ठा ●—		ताडवृत्त	५२
टिटिहरी पत्तो	५०	ठांपना	५१	ताडफल	५२
टिणडा	५०	ठाखवृत्त	५१	ताडी ताडकारस	५२
टिणडावृत्त	५०	ठाखकीकली	५१	ताडीवजानेवाला	५२
—● टु ●—		ठाल	५१	ताना	५२
टुकड़ा	५०	—● ठू ●—		तामस	५२
—● टे ●—		ठूंडना	५१	तामवन्शीलता	५२
टेदा	५०	ठूहाहुआ	५१	तारा	५२
—● टो ●—		—● ठे ●—		तालाब	५२
टोपलडाईका	५०	ठेवांस	५१	तालाबछे टा	५२
				तालाखाना	५२
				तालाखानावृत्त	५२
				तालीशपत्र औषधि	५२
				तल्लू	५२

नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ
नालकेसरकीडोटी		— ❁ तृ ❁ —		— ❁ थो ❁ —	
जीभ, कीआ	५३	तृण	५४	थोड़ा	५६
ताधा	५३	— ❁ ते ❁ —		— ❁ द ❁ —	
— ❁ ति ❁ —		तेदू वृक्ष	५५	दंतीवृक्ष	५६
निधारा	५३	तेज	५५	दग्धावृक्ष	५६
निरिच्छवृक्ष	५३	तेजपात औ. प.धि	५५	दमारोग	५६
निल (शरीरचिन्ह)	५३	तेजरत्न	५५	दया	५६
निल, तेनवाला	५३	तेजवत्तवृक्ष	५५	दयाल	५६
निलकाल	५३	तेज	५५	दरवान चौकीदार	५६
निलवृत्त	५३	तेलमलना	५५	दरिद्र	५६
निलकानेव	५३	तेलकन्द	५५	दर्जी	५६
निलकीखी	५३	— ❁ तो ❁ —		दवनपापड़ा	५६
निलकवृक्ष	५३	तोद बड़ा पेट	५५	दवनावृत्त	५६
निलक (जामाथेपर		तोदुआ	५५	दही	५६
लगाने हैं)	५३	तोड़ा अजमा के	५५	दहीकीमलाई	५६
निलक करना	५३	तोड़ई	५५	दहीका तोड़	५६
— ❁ ती ❁ —		तोड़ईअगी	५५	दक्षिणापाने योग्य	५७
तीनरपत्री	५४	तोड़ईउमलेफूलकी	५५	— ❁ दा ❁ —	
तीनरकाला	५४	तोड़ईनहुई	५५	दांत	५७
तीरिदाज	५४	तोड़ईधिया	५५	दांतकीपीड़ा	५७
तीलक	५४	तोड़ईपल्लेफूलकी	५५	दादरोग	५७
— ❁ तु ❁ —		तोड़ईबड़ी	५५	दादवाला	५७
तुनि वृक्ष	५४	— ❁ थ ❁ —		दान	५७
तुम्बलवृक्ष	५४	थवई	५५	दामाद	५७
तुलसीवृक्ष	५४	— ❁ था ❁ —		दारुहल्दी	५७
तुलसीअजली	५४	थालदा	५५	दारु	५७
तुलसीकाली	५४	— ❁ थू ❁ —		दारुअंतरसकी	५७
तुलसीलाल	५४	थूक	५६	दारुकागढ़ा	५७
— ❁ तू ❁ —		थूहरवृक्ष	५६	दारुकाखम्भोर	५७
तूनवृक्ष	५४	थूरभद	५६	दारुवाना	५७
तूनिया	५४			दारुगुहकी	५७
				दारुपात्र कुजरी	५७
				दारु पीना	५७

नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ
दारूपीनेकी सभा	५०	दूधविदारी	५९	धनिया	६१
दारूपीनेवासमय	५०	द्व ( घास )	५६	धानधानचत्र	६१
दारूवाफूल	५०	द्वउजली	५०	धनी	६१
दारूवनाना चुयाना	५०	द्वगठीली	५९	धनुष कमठा	६१
दारूमहुआ	५०	द्वनीली	५९	धनुष आरोदा	६१
दालचीनी	५०	द्वहरी	६०	धनुषधारी	६२
दाहअगर	५०	द्वर	६०	धरणीकन्द	६२
— ❁ दि ❁ —		द्वरवहुन	६०	धव वृत्ताविशेष	६२
दिगम्बर	५०	— ❁ दे ❁ —		— ❁ धा ❁ —	
दिग्गज दिशापति	५०	देखना	६०	धातुमखी	६२
दिग्गजिनी	५०	देवजाति	६०	धान	६२
दिन	५०	देवता	६०	धानकलमी	६२
दिशा	५०	देवताहवृत्त	६०	धानचीना	६२
दिशापति	५०	देवदारु	६०	धाननीवार	६२
— ❁ दी ❁ —		देवदारुवृत्त	६०	धानमाठी	६२
दीप ( चिराग )	५०	देवदालिलिता	६०	धामिनिवृत्त	६२
दीवार	५०	देवर	६०	धायकेफूल	६२
— ❁ दु ❁ —		देवरानी जेठानी	६०	धागाकदम्ब	६२
दुःख	५०	देवसभा	६१	धावा लहाई वा	६२
दुखी	५९	देह	६१	— ❁ धु ❁ —	
दुद्धीपौधा	५६	देहकेभाग	६१	धुग	६२
दुपडा	५९	— ❁ दो ❁ —		धुगघरका	६२
दुपहरियावृत्त	५९	दो (जेठी)	६१	— ❁ धू ❁ —	
दुर्गन्धि	५९	— ❁ दौ ❁ —		धूपवन ईहुई	६२
दुर्भल	५९	दौरा ( बांसका )	६१	धूपमल	६२
दुलहा	५९	द्वार दग्गजा	६१	धूमिलवर्ण	६२
दुष्ट	५९	— ❁ ध ❁ —		धूरि	६२
— ❁ दू ❁ —		धनूरावृत्त	६१	धूरिलगाहुआ	६२
दूती	५९	धनूगमात्ता	६१	धूत	६२
दूध	५९	धनूगफल	६१	धूमरवर्ण	६२
दूधकमिलाई	५९	धन	६१	— ❁ धो ❁ —	
दूधकेनीवृत्त	५९	धनवतीस्त्री	६१	धोती व पैनामा	६२

नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ
धोवी	६१	— ❁ ना ❁ —		निन्दा (बुगई)	६६
— ❁ धौ ❁ —		नाऊ	६४	निगिषी औपाधि	६६
धौकनी	६३	नाऊ	६४	निराद्वकरना	६६
धुव	६३	नाऊ (मल्लजीव)	६४	निराद्वरिवाहुआ	६६
— ❁ न ❁ —		नाऊकापेला	६४	निर्मली	६६
नकचपटा	६३	न कर्वाकन्द	६४	निर्मलीवृत्त	६६
नकछिकनी	६३	नाखुना औपाधि	६४	निराथ	६६
नकटा	६३	नागकेशर	६४	निसाथउजला	६६
नखी	६३	नागकेशर	६५	निसाथ काला	६६
नगर	६३	नागदन्ता	६५	निसाथलाल	६६
नगटा	६३	नागदन्त	६५	निसादर	६७
नगाहाबदा	६३	नाच	६५	निसेवज (नेमहीन)	६७
नट व नटावा	६३	नाचनेवासापुरुष	६५	— ❁ नी ❁ —	
नदी	६३	नाचनेवाकीविषया	६५	नीव	६७
नदीआदि में पिरा		नाही (नटन)	६५	नीव (नना)	६७
हुआ	६३	नाहाशाक	६५	नीवतामजी	६७
नन्द	६३	नातिन	६५	नीववडा	६७
नमस्कार [प्रणाम]	६३	नापी	६५	नीवचकोतरा	६७
नमानना	६४	नाप	६५	नीवजन्मीरी	६७
नवा	६४	नापुकारन का	६५	नीवजौगा	६७
नरक	६४	नारंगीफल	६५	नीवजौराजमली	६७
नरककीपीडा	६४	नारंगीदुल	६५	नीवपिटांग	६७
नरसाल [नरकुल]	६४	नारियलफल	६५	नीवपीडा	६७
नरसालवडा	६४	नारियलदुल	६५	नीववृत्त	६७
नरप	६४	नालिका	६५	नीमवृत्त	६७
नरीदानदी	६४	नाव (निशती)	६६	नीच	६७
नली [गन्धद्रव्य]	६४	नाव डोंगिया	६६	नीलवृत्त	६७
वधसादर	६४	नामपाती	६६	— ❁ ने ❁ —	
नस	६४	— ❁ नि ❁ —		नेवागी	६८
नसूर	६४	निसट (पाल)	६६	नेत्रकाला	६८
नह [नाखून]	६४	निकट अति	६६	— ❁ ने ❁ —	
नहान	६४	नित्य (लगादार)	६६	नेपाधिक	६८
		निदिन (सोताहुआ)	६६		

नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ
—● नो ●—		पतंगकाष्ठ	७०	पहेली	७२
नोकतलवारकी	६४	पनला	७०	—● पा ●—	
नोन	६८	पतत्रा	७०	पांजर	७२
नोनकचिया	६८	पनि (दुलहा)	७०	पांति	७२
नोनकाला	६८	पतिगा	७०	पांत्र	७२
नोनखारी	६८	पतिजिया	७०	पांथकी अगाड़ी	७२
नोनपहाड़ी (तेंधा)	६८	पतिवतास्त्री	७०	पांथा	७२
नोनसांवर	६८	पनुरिया	७०	पाखण्डी	७२
नानरहका	६८	पनुरिआ नानन	७०	पाखानभेदवृत्त	७२
नोनसमुद्र	६८	वाली	७०	पाखानभेद छांटा	७२
नोनसांभर	६८	पनोइ	७०	पागल	७२
न्याय	६८	पत्थरकाफूल	७०	पाठाऔपधि	७२
न्यायकनयुद्रज्य	६८	पथरीरोग	७०	पाइरवृत्त	७२
न्यायाधीश	६८	पन्नरागपणि	७१	पाइरवृत्तउजला	७२
न्यौरा	६८	पद्माखऔपधि	७१	पाता	७३
—● प ●—		पनडो	७१	पाताल	७३
पं व	६९	पन्ना (रत्न)	७१	प.थर	७३
पंम्बा	६९	पपरी	७१	पान	७३
पकारियावृत्त	६९	पर्पाहा (पत्ता)	७१	पानकीधनि	७३
पकारियाछाटी	६९	पमार	७१	पानकी गिलौरी	७३
पखौड़ावृत्त	६९	परवरफल	७१	पाना	७३
पञ्जतावा	६९	परवरबेलि	७१	पानांबूंद	७३
पंच ( रोदा )	६९	परिवा	७१	पाप	७३
पंचगुरिया	६९	परोस	७१	पायजत्र	७४
पटिया ( बेणी )	६९	पलंग (खटिया)	७१	पारखी	७४
पट्टा मोनवी	६९	पलाशीलता	७१	पारसपिपर	७४
पट्टा	६९	पलमा (औरका)	७१	पारा	७४
पट्टाशाक	७०	पधिस	७१	परिवत	७४
पठानीलोथ	७०	पसोना	७१	परिवतचड़ा	७४
पठना	७०	पहर	७१	पार्वी	७४
पण्डित	७०	पहरा	७१	पालक शाक	७४
पण्डित (पहानवासा)	७०	पहड़	७१	पालकी	७५
पण्डित	७०	पहाडकी चोटी	७१	पाला	७५
		पहुंची (करभूषण)	७२	पालासमूह	७५

नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ
पाहुना	७५	पॉला	७७	पैना चानुक	७८
—● पि ●—		पॉलावण	७७	पैनाया हुआ	७८
पिआवांसावृत्त	७५	पॉलू वृत्त	७७	—● पो ●—	
पिआवांसानॉला	७५	पॉलू वृत्त बड़ा	७७	पॉलना	७८
पिआवांसापीला	७५	—● पु ●—		पॉइ	७८
पिआवांसालाल	७५	पुआ	७७	पॉहा	७९
पिअलाहुआ	७५	पुआवनानवाला	७७	पॉनी	७९
पिटारीलता	७५	पुकारा	७७	पॉदीना	७९
पिउपन	७५	पुखराजमाण	७७	पॉय शाक	७९
पिंडावजूर	७५	पुजारी	७७	पॉय छेटी	७९
पिंडालु पेंडालू	७५	पुखडरिया वृत्त	७७	पॉयजंगली	७९
पिना (बाप)	७६	पुय	७७	पॉलाव	७९
पितासुख	७६	पुनेरा (धान्यविशेष)	७७	पॉस्ताका दाना	७९
पित्त	७६	पुन्नाग वृत्त	७८	पॉइकरमूल	७९
पित्तपापड़ा औषधि	७६	पुराना	७८	—● पो ●—	
पियाज	७६	पुष्करमूल	७८	पॉइ	७९
पियाज जंगली	७६	पुष्पांजन ( जस्ताका	७८	पॉइ काला	७९
पियाजलाल	७६	फूल )	७८	पॉइ सपेद	७९
पियाजहरा	७६	पुष्य नक्षत्र	७८	प्यारा	७९
पिलही रोग	७६	पुत्रदात्री लता	७८	प्यारी	७९
पिसाहुआ	७६	—● पु ●—		प्यास	७९
पिस्ता	७६	पूजा	७८	प्रभामात्र (चमक)	७९
—● पी ●—		पूजा करनेवाला	७८	प्रयोजन (मतलब)	७९
पीकदान	७६	पूजित	७८	प्रलय, सर्वनाश	७९
पीछे	७६	पूगीमासी	७८	प्रशंसा योग्य	७९
पीड़ा	७६	पूषमास	७८	प्रश्न (सवाल)	७९
पीड़ा (मानिया)	७६	—● पे ●—		प्रसन्न	७९
पीतलधातु	७६	पेट	७८	प्रसिद्धि	८०
पीनस (नाकरोग)	७६	पेटारी ( पिटारा )	७८	प्रसिद्धि गुणसे	८०
पीपरामूरि	७७	पेठा (खचदा)	७८	प्राणी, जीवधारी	८०
पीपरि	७७	—● पे ●—		प्रातःकाल	८०
पीपरिवृत्त	७७	पेदल	७८	प्राप्त	८०
पीपल वृत्त	७७			प्रियंगु फूल	८०

नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ
प्रियवचना	८०	फूल	८१	बच्छनाभ विष	८३
शीत	८०	फूलका जीम	८१	बछडा	८३
शीतियत	८०	— फे	—	बटुली	८३
प्रेमी (आशिक)	८०	फेरना	८२	बटर पत्ती	८३
— फा	—	फेफडा	८२	बडवाग्नि	८३
फटकरी	८०	— फे	—	बट्टे वृक्ष	८३
फडकना	८०	फेराव	८२	बडहर फल	८३
फरा	८०	फेलाहुआ	८२	बडहर वृक्ष	८३
फन्दा	८०	— फो	—	बडा	८३
फफुला कोकाबली	८०	फेडा	८२	बडाई	८३
फफुला उजला	८०	— फो	—	बडा वेग	८३
फफुला नीला	८०	फोज	८२	बडरे	८३
फफुला लाल	८१	फोजका वृक्ष	८२	बटुला	८३
फफुला	८१	फोजका जमाव	८२	बटुली	८३
फरुही काठकी	८१	फोजका निराग	८२	बतक	८३
फरहद	८१	फोजका फेराव	८२	बधुआ शाक	८३
फरहद वृक्ष	८१	फोजका स्वामी	८२	बधुआ जंगली	८३
फरदा फल	८१	— व	—	बदाप	८४
फरदा वृक्ष	८१	बधे वृक्ष	८०	बन्दर	८४
फरदा शोभा	८१	बकरा	८२	बन्दी	८४
फरदा बडा	८१	बकरी	८२	बन्धन	८४
फरदा श्याम	८१	बकुची	८२	बबई पौधा	८४
— फा	—	बकैना वृक्ष	८२	बबई उमली	८४
फासा	८१	बगुनर	८२	बबई काली	८४
फार	८१	बगुनर परिरे वृक्ष	८२	बबू वृक्ष	८४
फाराहुआ	८१	बगुन	८२	बगुन वृक्ष	८४
फालसाफल	८१	बगुना पत्ती	८२	बगुनई	८४
फालसा वृक्ष	८१	बब शोषधि	८३	बराबर	८४
फालगुला मान	८१	बब उमली	८३	बरिआरा पौधा	८४
— फु	—	बब लाल	८३	बडी	८४
फुलवारी	८१	बबचा (दुधपाने	८३	बडी	८४
— फु	—	राखा)	८३	बनी	८४
फुलफुल	८१			बरे	८४

नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ
बैरी ( कुसुमबीज )	८४	बाभन	८६	बुढ़ापा	८८
बल	८५	बार, केश	८७	बुद्धि	८८
बलदेव	८५	बारटेहे	८७	बुधगूह	८८
बलवान	८५	बारसुन्दर	८७	बुध (बाध)	८८
बवासीर रोग	८५	बागोकासमूह	८७	बुहारनवाला	८८
बवासीर खूनी	८५	बाग्हमिगा	८७		
बसन्त ऋतु	८५	बालक	८७	— ❁ वू ❁ —	
बसूला	८५	बाललीला	८७		
बदिगी [ खूटी ]	८५	बालछद्द	८७	बुढ़ा	८८
बड़ना	८५	बालू	८७	बुढ़ाश्रति	८८
बहादुर	८५	वासन्ती लता	८७	— ❁ बे ❁ —	
बहिन	८५	बाड: भुजा	८७	बंठन	८८
बहिन छोटी	८५	— ❁ बि ❁ —		बेंत	८८
बहिन बड़ी	८५	विगाह	८७	बेंतमारनेयोग्य	८८
बहुत	८५	बिाङ्ग्या	८७	बेंतवृत्त	८९
बहुतपिया	८५	बिछोना	८७	बेंतजल	८९
बहुराष्ट्र	८५	बिजुली	८७	बेर ( फल )	८६
बहरा फल	८५	बिजुली का गर्जना ( कौवा )	८७	बेरबटा	८९
— ❁ वा ❁ —		बिजुलीवाणीवृ	८७	बेरीवृत्त	८६
बांभकछोटी ( खख सा, कटिदारपरवर )	८६	बिनोर, कपासबीज	८७	बेरभरा	८६
बांदा	८६	बिलाय, बिलार	८७	बेरभरावृत्त	८६
बांभ	८६	बिलावजगली	८७	बेलपत्री	८९
बांभके चावल	८६	बिल्ली	८७	बेलफल	८६
बांसकीछाल	८६	बिराजा (गन्धा)	८८	बेलवृत्त	८९
बांसछेदवाला	८६	बिवाह (निकाह)	८८	बेलावृत्त	८६
बाकला	८६	— ❁ बी ❁ —		बेलाजगली	८९
बाकुची औषधि	८६	बीच	८८	— ❁ बै ❁ —	
बाघ	८६	बीछी	८८	बैल	८६
बाजपत्ती	८६	बीदाना	८८	बैलपकधुरा लेजान	
बाजार	८६	बीरबहूटी	८८	बाला	९०
बाजी	८६	— ❁ बु ❁ —		बैलजोतू	६०
बाजुवन्द	८६	बुमार	८८	बैलबटा	६०
बादाम	८६			बैसाख	९०



नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ
—● बो ●—		भागजाना	१२	भैंसी	९४
बोभिया	९०	भ.ग्य	९२	भैंसाकन्द	९४
बोरा	९०	भाग्यमान	९२	—● भो ●—	
बोल, गन्धद्रव्य	९०	भान	९२	भोजन	९४
बोलना	९०	भानकामाङ्ग	९२	भोजन करनेवाला	९४
—● बो ●—		भादोंमास	९२	भोजनकामसाला	९४
बोंडी, बेलि	९०	भारंगीऔपधि	९२	भोजपत्र	९४
बोंडाफैलीहुई	९०	भाला	९२	भोजपत्रवृत्त	९४
ब्यवाई	९०	—● मि ●—		—● भौ ●—	
बखदण्डी औपधि	९०	भिखारिनीकापुत्र	९२	भौरा	९४
ब्रह्म:	९०	भिखारिनीकीपुत्री	९२	भौह	९४
ब्रह्मण	९०	भिण्डीवृत्त	९२	भूमज्ञान	९४
ब्राह्मी औपधि	९१	भिण्डीफल	९२	—● म ●—	
—● म ●—		भिन्न	९३	मंगता	९४
भंगरा पौधा	९१	भिलावाफल	९३	मंगलगृह	९४
भंगरानीला	९१	भिलावावृत्त	९३	मंगल नाम बनाने	
भंगरापोला	९१	—● भी ●—		की रीति	९५
भग (रत्रीचिन्ह)	९१	भीम	९३	मकरी	९५
भगन्दर रोग	९१	—● भु ●—		मकरतंडुआ	९५
भटोग	९१	भुईफोड़	९३	मकाप	९५
भद्रचूडवृत्त	९१	—● भू ●—		मकवन	९५
भद्रदन्ती	९१	भूख	९३	मखाना	९५
भयानक	९१	भूखा	९३	मगज	९५
—● भा ●—		भूमि, पृथ्वी	९३	मगर, जलजन्तु	९५
भांग	९१	—● भे ●—		मङ्गली	९५
भांटा	९१	भेजाहुआ	९४	मङ्गलीपहिना	९५
भांटाउजला	९१	भेट, नजर	९४	मङ्गलीरोह	९५
भांड	९१	भेइहा	९४	मङ्गली सहरा	९५
भाई	९२	भेइ	९४	मङ्गली पकड़ने की	
भाईगोती	९२	भेइ	९४	काटिया	९५
भाईछोटा	९२	भेइ	९४	मङ्गली खानेवाला	९५
भाईचड़ा	९२	—● भे ●—		मङ्गली बांधने की	
भाईसगा	९२	भैंसा	९४	टाकरी	९५

नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ
मछलीमार	९५	महादेव का धनुष	९९	मिरचउजली	१००
मजीठ	९६	महापारवत	९९	मिरचकाली	१००
मजूर	९६	महाभेदाश्रापधि	९९	मिरचलाल	१०१
मजूरी	९६	महावर	९९	मिनाहुआ	१०१
मटर अन्न	९६	महुआवृक्ष	९९	मिलित	१०१
मटा	९६	महुआजलवृक्ष	९९	मिलोहूँ वस्तु	१०१
मटाआधेपानीका	९६	महुआपडाडी	९९	मित्र	१०१
मत्स्याक्षी	९६	महुआभेद	९९	मित्रहमजोलीके	१०१
मथानी	९६	— मा —		मिथी	१०१
मदनमादनी	९६	मांगना	९९	मुकुट	१०१
मदनमाली	९६	मांस	९९	मुक्ति	१०१
मदारवृक्ष	९६	मांसभारी	९९	मुष	१०१
मदारउजला	९७	मांसभूनाहुआ	९६	मुग्ध	१०१
मदारलाल	९७	मांसराहिणी	९९	मुद्गपर्णी	१०१
मधुमक्खी	९७	मांससूखा	९९	मुद्गर (मांगरी)	१०१
मनसिल	९७	माघपान	९९	मुचकुन्दवृक्ष	१०१
मन्त्री	९७	माजफत्त	६९	मुण्डी	१०१
मन्दारवृक्ष	९७	माता	९६	मुनक्का	१०१
मरघटा	९७	माथा	६६	मुसदासंग	१०१
मरसावृक्ष	९७	माथचीलता	९९	मुगा (कपूरकचरी)	१०१
मरुअ. वृक्ष	९७	मानसन्द	९९	मुग्दी	१०१
मरोरफाँ	९७	मापी	९९	मुगा	१०२
मरुतमणि	९७	मायाफत्त	१००	मुर्दा	१०२
मर्यादा	९७	मारण	१००	मुमठवर	१०२
मल्लाह	९७	मालकंगुनी	१००	मुसाफिर	१०२
मल्लाहिन	९७	मालकंगुनीवही	१००	मुहासा	१०२
मल्लिकापुष्पवृक्ष	९८	मालतीपुष्पलता	१००	— मू —	
मसा ( देहका )	९८	माला	१००	मूंग	१०२
मसूर	९८	मालाफूलकी	१००	मूंगकाली	१०२
महाकाललता	९८	माली	१००	मूंगजंगली	१०२
महाजावृक्ष	९८	मापपर्णी	१००	मूंगपीली	१०२
महादेव	९८	— मि —		मूंगहरी	१०२
महादेव नाम बनाने		मिठाई	१००	मूंगा	१०२
की रीति	९८				

नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ
मंज	१०२	मेथीभाग	१०४	मौलसिर्गवृत्त	१०६
मूङ्ग	१०२	मेदाञ्जीपधि	१०४	— य —	
मूत	१०२	मेल	१०४	यपराज	१०६
मूति (मुख्यधन)	१०२	— मो —		यमुनानदी	१०७
मूख	१०२	मैथुन	१०४	यनेची	१०७
मूञ्जी	१०२	मैनफर	१०४	यश	१०७
मूङ्खित	१०२	मैनफरवृत्त	१०४	यज्ञ	१०७
मूति	१०२	मैमगिल	१०४	यज्ञअरिन	१०७
मूति लोडकी	१०२	मैनापत्ता	१०४	यज्ञार्थपशु	१०७
मूवी	१०३	मैला	१०४	यज्ञप्रथम	१०७
मूली	१०३	— मो —		यज्ञातस्नान	१०७
मूलीछोटै	१०३	मोंगरी	१०५	यज्ञपथीकाकृत्ता	१०७
मूतर	१०३	मोग्वावृत्त	१०५	यज्ञकीविदा	१०७
मूवागानी	१०३	मोग्गवृत्त	१०५	यज्ञदर्शक	१०७
मूमली	१०३	मोचरस	१०५	यज्ञपशुमारना	१०७
मूमा[चूडा]	१०३	मोटा	१०५	— यु —	
मूमाढाढाजातिके	१०३	मोट	१०५	युधिष्ठिर	१०७
— मू —		मोतिया	१०५	युवा	१०७
मूगझाला	१०३	मोतियाभेद	१०५	— यो —	
मूगतृष्णा	१०३	मोती	१०५	योधा	१०८
मूगशिरानक्षत्र	१०३	मोतीगीप	१०५	— रू —	
मूगोरोग	१०३	मोथा	१०५	रंगसाज	१०८
— मे —		मोथाकेदटी	१०५	रंभकाला	१०८
मैहदीवृत्त	१०३	मोथानागर	१०५	रंगलाल	१०८
मैघ	१०३	मोथाभद्र	१०५	रंगहरा	१०८
मैघगर्जन	१०३	मोप	१०५	रजस्त्रीका	१०८
मैघघटा	१०३	मोर	१०५	रजस्वलास्त्री	१०८
मैघभाग	१०४	मोरपंख	१०५	रडवृत्त	१०८
मैडुका	१०४	मोरशुखा	१०५	रडउजला	१०८
मैडुकी	१०४	मोल (भाव)	१०५	रटलाल	१०८
मैडवा	१०४	मोहनभाग	१०५	रतालू	१०८
मैडाश्रृंगी	१०४	— मो —		रथ	१०८
मैडासिर्गवृत्त	१०४	मौत	१०५	रथजनानी	१०८
मैथी	१०४				

नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ
रथपरदेदार	१००	रायवा	११०	रोडिस बड़ा	११२
रथबान व गाड़ी		राल	११०	रोडेडा वृत्त	११२
वान	१००	रायरा	११०	रोडेडा वृत्त मफार	११२
रनिवास	१०८	रास्ना	११०	— ❀ ल ❀ —	
रनिवास का द्वार		राहु	१११	लंगड़ा	११३
पाल	१०८	राजग	१११	लगाव	११३
रस	१०८	राजसी	१११	राजारु	११३
रमाईदार	१०८	— ❀ री ❀ —		राजारु लाल	११३
रमाईवाप	१०८	रीक	१११	राजिगत	११३
रसात	१०८	रीवा	१११	राट	११३
रसमी	१०९	रीवाकांठ	१११	राइकपन	११३
रसमीचाण्डेकी	१०९	— ❀ रु ❀ —		राइका	११३
रक्तक	१०९	रु	१११	राइका लइकी	११३
रक्ता	१०९	रुजग	१११	राइकी	११३
— ❀ रा ❀ —		रुजरा	१११	राइई	११३
रागाधन	१०९	रुवाच	१११	राइइ	११३
राड	१०९	— ❀ री ❀ —		राइवा	११३
राई	१०९	रु	१११	राइवाई	११३
राय	१०९	रुमामखी	१११	राइवाइ	११३
राग	१०९	रुमीपस्वमी	१११	राइवाइ वृत्त	११३
राइ (मोलाहेका)	१०९	रुना वृत्त	१११	राइवाइ फल	११३
राजकुमार	१०९	— ❀ रे ❀ —		राइवाइ व्रोध	११३
राजगद्दी	१०९	रेणुना	११२	राइर	११३
राजधर	१०९	रेह	११२	राइरुा	११३
राजवर	१०९	— ❀ रो ❀ —		राइरन नाच	११३
राजवंश	१०९	रोग	११२	राइरननाच	११३
राजसदन	१०९	रोगरहित	११२	राइरनी	११३
राजा	१०९	रोमी	११२	राइरनी नाम वनांग	
राजापुवृत्त	११०	रोना	११२	की रोना	११३
राति	११०	रोन	११२	राइरनीं गिरु नाम	
रात दिन चरावर	११०	रोपखड़े होना	११२	वनांग की रोनि	११३
राव	११०	रोहिन	११२	राइरनी से चन्द्रमा	
रामचन्द्र	११०			आदि के नाम व	
रामसर	११०			नांग की रोनि	११३
				राइरनीवान	११३

नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ
— ❁ ला ❁ —		लोह कीट	११६	— ❁ वा ❁ —	
लाख	११४	लोहा	११६	वाण	११८
लाज	११४	लोहार	११६	वातरोग	"
लामंजकतृण	११४	लोहाइसपात	११६	वायु विडम्ब	"
लार	११५	लोहाकाला	११६	वाराहाकन्द	"
लाञ्छवी	११५	लोह	११६	वाल्मीक	"
लाही	११५	— ❁ लौ ❁ —		— ❁ वि ❁ —	
— ❁ लि ❁ —		लौंग	११६	विघ्न	"
लिंग (पुरुषचिह्न)	११५	लौकी	११६	विचार	"
लिंगनीलता	११५	लौकी कड़ई	११६	विद्यागह्वरा	"
लिपयाना व प्यार		लौकी मीठा	११६	विजयसार	"
करना	११५	लौकी मीठा	११६	विदारी कन्द	"
— ❁ ली ❁ —		— ❁ व ❁ —		विदारीकन्दउजला,	
लीन	११५	वंश	११६	विदारीकन्दका ता	११७
लीलना	११५	वंशपत्री तृण	११७	विधारा वृक्ष	"
— ❁ लू ❁ —		वंशलोचन	११७	विपत्ति	"
लूट	११५	वंसी	११७	विद्वान्	"
— ❁ ले ❁ —		वंसीवजाने वाला	११७	विशाखा नक्षत्र	"
लेखक	११५	वंसी जिसमें मछ-		विरवाभिन्न	"
लेन देन	११५	ली पकड़नेई	११७	विरवासी	"
लेना	११५	वज्र	"	विष ( जहर )	"
लेप	११५	वटपत्री	"	विष भेद	"
— ❁ लो ❁ —		वत्सनाभ विष	"	विषहर वैद्य	"
लोकवा	११५	वराहकान्ता	"	विष्णु	"
लोहवृत्तान्त	११५	वरुण	"	विष्णु नाम बनाने	
लोध	११५	वरुण वृक्ष	"	की रीति	१२१
लोधबुज	११५	वर्तमानकाल	"	विष्णुकन्द	"
लोध उजला	११५	वर्ष	"	विष्णुकान्ता	"
लोध पठानी	११५	वर्षा	"	— ❁ वी ❁ —	
लोधलाल	११५	वर्षा ऋतु	"	वीण	"
लोधान	११५	वसुदेव	"	वीणाआदि का	
लोधिया	११६	वसुवृक्ष	११८	शब्द	"
				वीरकी माता	"

नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ
वीरकी स्त्री	१२१	व्यामानदी	१२३	शिर	१२५
वीर्य ( मनी )	"	— श —		शिरिआगीशाक	" २५
— वृ —		शंख	१२३	शिलाजीत	" २५
वृद्धि औपधि	"	शंखलोड	१२३	शिलारस	" २५
वृषण	"	शंखाहुली	१२३	— शी —	
वृहस्पति	"	शमिनी	१२३	शीघ्र	" २५
वृज	१२२	शकरकन्दी	१२३	शीघ्रगामी	" २५
वृज अफर	" २२	शकर ( चीनी )	१२३	शीत	" २५
वृज ही बचाई	" २२	शकरउजली	१२३	शीतलचीनी	" २५
वृजकी चोटी	" २२	शतलजनदी	१२३	शीतस्त्रि	" २५
वृजकी छाल	" २२	शतःवर	१२३	शीशफूल	" २५
वृजकीजड़	" २२	शतःवरवही	१२४	— शु —	
वृजकांटाहुआ	" २२	शतःरव	१२४	शुकगुह	" २५
वृजफरया	" २२	शब्द ( आवाज )	१२४	शुवाठेदिवृत्त	" २६
वृजफुलेहुए	" २२	शयन	१२४	— शु —	
वृजसफल	" २२	शरफोका	१२४	शुद्ध	" २६
वृजाम्ल(महादा)	" २२	शरफोकाउजला	१२४	शुक्तिवृण	" २६
— वे —		शडत	१२४	— शे —	
वेग	" २२	शहद कीमकखी	१२४	शेश	" २६
वेणी	" २२	शहदकीमकखिया		शेश नाप बनार	" २६
वेद	" २२	का छुत्ता	१२४	शे निनि	" २६
वेदपाठी	" २२	शहद कीशकर	१२४	— शा —	
— वै —		— शा —		शोक	" २६
वैक्रान्तमणि	" २२	शाक	१२४	शेखबदनदी	" २६
वैदूर्यमणि	" २२	शाकवृत्त	१२४	शोभा	" २६
वैध	" २२	शान्तिशाक	१२४	शोरा	" २६
वैर	" २२	शाल वृत्त	१२४	श्यामतमाल	" २६
वैरी	" २२	शालईवृत्त	१२४	श्यामलता	" २६
वैशाख	१२३	शालपर्णी	१२४	श्यातःडवृत्त	" २६
वैश्य	" २३	शास्त्री	१२५	— स —	
वैश्याणी	" २३	— शि —		संयम	" २६
व्याध	" २३	शिकार	१२५		
व्यासकृपि	" २३	शिकलागर	" २५		

नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ
संसार	११६	समुद्र से लक्ष्मी		— ❁ सा ❁ —	
सक्षेप	१२६	नम बनाने की		सांख्यवृत्त	१३०
सखी	१२६	राशि	१२८	संज्ञ	१३०
संविद्या	१२६	समुद्रफल	१२०	सांप	१३१
संशुद्धि	१२६	समुद्रफल	१२०	सांपाला	१३१
सचचा	१२६	समुद्रशोष	१२०	सांपखोटा	१३१
सकृदाज्ञान	१२६	समूह	१२०	सांपदुगडा	१३१
संज्ञन	१२६	सम्भालवृत्त	१२०	सांपपनिहा	१३१
सवज्ञी	१२७	सम्भालवृत्तगीता	१२०	सांघिन	१३१
सामपुष्पीवर्षा	१२७	सरकसडा	१२९	सांघा	१३१
संविननवृत्त	१२७	सरफोका	१२९	सार्मान वृत्त	१३१
सतुभा	१२७	सरवन	१२९	सातलावृत्त	१३१
सत्त्व	१२७	सरखडूच	१२९	साफ	१३१
सम	१२७	सरखना गौद	१२९	साधुन	१३१
सत्त्ववृत्त	१२७	सरखकारभ	१२९	सार्मानघाना	१३१
सन्निवृत्त	१२७	सरसो	१२९	सारस	१३१
सनाथ	१२७	सरसोउजली	१२९	साग्वा औपाधि	१३१
सन्वृत्त	१२७	सरसोकार्का	१२९	सागी न साली	१३१
सन्वृद्ध	१२७	साम्बती	१२९	सारिवाकाला	१३१
सन्वृथा	१२७	सार्का	१२९	सालवृत्त	१३१
सन्वृथापी	१२७	सार्का	१२९	सालवृत्तपिथी	१३१
सन्वृथि	१२७	सार्कावृत्त	१२९	सालसा	१३१
सन्वृथि	१२७	सार्कावृत्त	१२९	सालसाकाला	१३१
सद	१२७	सार्कावृत्त	१२९	सावगमाम	१३२
समा	१२७	सार्कावृत्त	१२९	साही	१३२
सभामद	१२७	सार्कावृत्त	१२९	साहीका कांडा	१३२
समथ	१२८	सार्कावृत्त	१२९	— ❁ सि ❁ —	
समाधान	१२८	सार्कावृत्त	१२९	सिघाड़ा	१३२
समुद्र	१२८	सार्कावृत्त	१२९	सिंह	१३२
समुद्रनाम बनाने	१२८	सार्कावृत्त	१२९	सिंहपुच्छी औपाधि	१३२
की शीति	१२८	सार्कावृत्त	१२९	सिंहलीपापल	१३२
समुद्र नाम से १४		सार्कावृत्त	१२९	सिडी	१३२
नामोंके नाम बना		सार्कावृत्त	१२९	सिन्धूरियापुष्पवृत्त	१३२
के की शीति	१२८	सार्कावृत्त	१२९		

नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ
सियार	१३२	सुपारीचिकनी	१३४	—● से ●—	
शिरसावृक्ष	१३२	सुमेरुपर्वत	१३४	सेकुर	१३१
शिरसाजलवृक्ष	१३२	सुरमा	१३४	सेज	१३६
सिर्वा	१३२	सुरमाजला	१३४	सेम	१३६
सिहोरावृक्ष	१३३	सुग्माकाला	१३४	सेमजखली	१३६
—● सी ●—		सुग्दमाय	१३४	सेमकाली	१३६
सींक	१३३	—● सु ●—		सेमसुआरा	१३६
सींकीकाठवांमर्का	१३३	सुंड	१३४	सेमवृक्ष	१३६
सींकी ईटमाठी की	१३३	सुडाम	१३५	सेमरकाला	१३७
सीत फल	१३३	सुहरकन्द	१३५	सेमरवागोंद	१३७
सींथा (वेदान्दी)	१३३	सुगन्ध	१३५	सेमरकामसरा	१३७
सीना	१३३	सुगाक	१३५	सेन ( फल )	१३७
सीपा	१३३	सुन	१३५	सेवतवृक्ष	१३७
सीपीयोनी	१३३	सुद (व्याज)	१३५	सेवतीपुष्प	१३७
सीनमवृक्ष	१३३	सुदखार	१३५	सेवा	१३७
सीममसुररंगका	१३३	सुव	१३५	सेवार	१३७
सीसाधातु	१३३	सुध	१३५	सेहुवागो	१३७
—● सु ●—		सूर्य नाम बनाने की रीति	१३६	सेहुडावृक्ष	१३७
सुअर	१३३	सूर्य नामों से श	१३६	—● सो ●—	
सुअरमंगली	१३३	निश्वर सुग्रीव	१३६	सोधा शाक	१३७
सुअ.पत्ती	१३३	करख और चम	१३६	सोठ	१३७
सुख	१३४	राजक नाम बनाने की रीति	१३६	सोठ मिर्च पीपर	१३८
सुगन्ध	१३४	सूर्य नामों से य	१३६	सोना धातु	१३८
सुगंधदूरजानेवाली	१३४	सुगाजी के नाम बनाने की रीति	१३६	सोनापठावृक्ष	१३८
सुगन्धवाला	१३४	सूर्य कानि मणि	१३६	सोनामखली	१३८
सुग्रीव	१३४	सूर्य के निकट रहनेवाले ग्रह	१३६	सोनार	१३८
सुजाक	१३४	सूर्यमण्डल	१३६	सोमयज्ञ	१३८
सुतापी	१३४	सूर्यमुखी	१३६	सोमयज्ञ कर्त्ता	१३८
सुदर्शनवृक्ष	१३४	सूर्यसारथी	१३६	सोमलता	१३९
सुन	१३४			सोहागा	१३९
सुन्दरीवृक्ष	१३४			सोहागा सफेद	१३९
सुपारीफल	१३४			—● सो ●—	
सुपारीवृक्ष	१३४			सौफ	१३९



नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ
सैंकजाती	१३१	स्त्रीयुवा	१४१	हरिणकाला	१४३
सौमन्व (कसम)	१३१	स्त्रीरजस्वला	"	हरिणविशेष	१४३
सौति	१३९	स्त्रीरजहीना	"	हरिणशीघ्रगामी	१४३
सौदागर	१३९	स्त्रीरांड	"	हरिणी	१४३
स्तुति	१३९	स्त्रीरूपवती	"	हरिणीकाली	१४३
स्फटिकमणि	१३९	स्त्रीशुभाशुभज्ञाता	"	हर्षित	१४३
स्वतंत्र	१३९	स्त्रीसुवासिनी	"	हल ( हर )	१४३
स्वतंत्रता	१३९	स्त्रीमोहागिन	"	हलकारा	१४३
स्वभाव	१३९	स्त्रीसौरही (जच्चा)	"	हलदुग्धा वृत्त	१४३
स्वर्ग	१४०	— ❁ ह ❁ —		हलुवा	१४३
स्वर्णबल्ली	१४०	हंस	१४२	हल्दी	१४३
स्वर्णक्षीरी	१४०	हंसकाला	१४२	हल्दी जंगली	१४४
स्वामि कार्तिक	१४०	हंसराजचांबल	१४२	हल्दीदाह	१४४
स्वामिनी	१४०	हठ	१४२	हवा	१४४
स्वामी	१४०	हड	१४२	हवा नामों मे सांप	
स्त्री	१४०	हडवृत्त	१४२	और हनुमानके नाम	
स्त्रीउत्तम	१४०	हडजार	१४२	वनानकी रीति	१४४
स्त्रीकुलवती	१४१	हट्यारा	१४२	हसिया	१४४
स्त्रीचतुरी	१४१	हथिनी	१४२	हस्तिकन्द	१४४
स्त्रीद्विजारी	१४१	हथियार	१४२	— ❁ हा ❁ —	
स्त्रीनिर्गो	१४१	हथियारखाना	१४२	हांड	१४४
स्त्रीपति की		हथियारबन्द	१४२	हाथ	१४४
चाहनेवाली	१४१	हथियावृत्त	१४२	हाथियोंकाराना	१४४
स्त्रीपति पुत्र युन	१४१	हनुमान	१४२	हाथी	१४४
स्त्रीपति की मारने		हनुमाननामवनाने		हाथीकी कमर बांधने	
वाली	१४१	की रीति	१४२	की रस्मी	१४५
स्त्रीपतिवृत्ता	१४१	हनुमान नामों से		हाथी खाना	१४५
स्त्रीपुरुष	१४१	रामचन्द्रजीकेनाम		हाथी की जंजीर	१४५
स्त्रीपुरुष के योग्य	१४१	वनाने की रीति	१४२	हाथी का झुण्ड	१४५
स्त्रीमथमरजस्वला	१४१	हरताल	१४२	हाथा की झूल	१४५
स्त्रीबांभ	१४१	हरतालगोदन्ती	१४२	हाथीका बच्चा	१४५
स्त्रीत्रिवाहिता	१४१	हरफारेवरी	१४२	हाथी का मद	१४५
स्त्रीबूही	१४१	हरसिंहारवृत्त	१४२	हाथी बांधने का	
स्त्री भैरुन च. हने		हरिण	१४३		
वाला	१४१				

नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ	नाम	पृष्ठ
स्वया	१४५	— ❁ हु ❁ —		चारणी वृत्त	१४६
दार्थी मस्त	१४५	हुचकी	१४६	— ❁ ल ❁ —	
दार्थी मद्र रदित	१४५	हुरहुर पौधा	१४६	जेग	१४७
दार्थी लङ्गईवाला	१४५	हुरहुर शाक	१४६	— ❁ त्रा ❁ —	
दार्थीवान	१४५	— ❁ ह ❁ —		त्रायमःशालता	१४७
दार्थी सुंटा वृत्त	१४५	हृदय	१४६	— ❁ त्रि ❁ —	
दानि	१४५	— ❁ हे ❁ —		त्रिकटु	१४७
दास्य	१४५	हेः न्त ऋतु	१४६	त्रिपुर माली पुष्प	१४७
— ❁ हि ❁ —		हेमपुष्पी	१४६	त्रिफला	१४७
हिंतालवृत्त	१४५	हेलुवा	१४६	— ❁ शा ❁ —	
हिमरा	१४५	— ❁ ल ❁ —		ज्ञान	१४७
हितावली औपाधि	१४५	नयी राग	१४६	ज्ञानी	१४७
हिस्ता	१४५	नया	१४६	प्रन्थ रचनःमैहानि	१४७
— ❁ ही ❁ —		— ❁ ली ❁ —		अनुकमणिका	१४९
हींग	१४५	जीरकंजुकी वृत्त	१४६		
हींग नाडी	१४६	चारका मोली	१४६		
हींगपत्री	१४६	चारईवृत्त	१४६		
हींगवृत्त	१४६				
हरि	१४६				



# ॥ ज्योतिष संग्रह भाषा ॥

## ॥ अर्थात् महादेव सारसंग्रह ॥

हमारे पाठक गणों में कोई विरोधी पक्ष होगा जो ज्योतिष को न जानते हों या जिनको ज्योतिष से काम न पड़ा हो यह बड़ी विधा है जिसपर संसार भरके काम निर्भर हैं बात २ में हमपर हमको इसकी आवश्यकता पड़ती है और ज्योतिषी जोके पास दौड़ना और लुशमद करना पड़ती है इन सब विषयों के भेटने को हमने इन पुस्तक की रचना बड़े रद्वैत और संस्कृत के बड़े गृन्थ बृहत्सामास्य आदिकी सहायतासे किया है इसमें क्या है इसमें कुछ डली बनाना कुछ डली शुद्ध करना उनके दिन विधि मन्त्र योग करण लक्षण संकृति अयन और दिवा रात्रि आदिके अनेक प्रकार के फल नाना प्रकारके योग सन्यासयोग राजयोग वारहभाव विचार स्त्रीजातक स्त्रीजन्म आदि फल नाना प्रकारके योग दशा अन्तरदशा प्रतिअन्तरदशा चक्र और फल वर्षफल स्त्रीचना उसके अनेक प्रकार के फल मुखाविचार अरिष्टभंग विचार नष्टकुण्डली बनाने की रीति यात्रायोग यत्र के शुभा शुभफल मोरखपत्रा विचार और अनेक प्रकार के विचार नातापकार की गृहों का विचार श्रमस्फुरण, पल्लोपनन; खेमनदर्शन, केतुउदय; उल्का पात, अग्निभौ विचारादि अनेक विषय हैं पर बहना कोई अस्वर्ग की बात नहीं है कि भाषा में आज तक कोई ऐसी पुस्तक नहीं बनी है जिसमें सभी गुणों और एक ही पुस्तक से सभी ज्ञान चलनाय तथा उत्तका पढ़ने वाला स्वतः ज्योतिषी होजाय इतने उपयोगी होनेपर मूल्य ॥॥) है ॥

## ॥ हनुमानज्योतिष भाषा ॥

यह हनुमानजी कायत मरनविचार ने की अतिहो उपयोगी पुस्तक है इस में अनेक प्रकार के प्रश्नों का विचार और उनके फल अति सरलभाषा में बलाये गये हैं पुस्तक बहुत ही मोभवाकर शुद्ध कराई गई है जिसको देखकर पाठकगण स्वतः स्त्रीकार कोने मूल्य केवल २) मात्र है

सर्व प्रकार की पुस्तकें मिलने का ठिकाना

**लाला भगवानदास जैन**

प्रोप्रायटर जैन मेस पुराना रकाबगंज लखनऊ

